



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

संख्या 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 26, 1996/कार्तिक 4, 1918

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 26, 1996/KARTIKA 4, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए विधिक प्रादेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1996

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 17th October, 1996

का.सा. 2970.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 258 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र सरकार की सहमति से, पास पोर्ट (भारत से प्रवेश) अधिनियम, 1920 (1920 का 34) की धारा 5 और शिष्टियों विषयक अधिनियम, 1946 (1946 का 31) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (ड) और खंड (च) में विनिर्दिष्ट प्रकृति के आदेश करते संबंधी केन्द्रीय सरकार के हुक्य, नासिक और पुणे के जिला पुलिस अधीक्षकों को भी उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, सौंपता है, अर्थात् :—

- यह कि ऐसे सौंपे गये हुक्यों का पाकिस्तान और बंगलादेश के राष्ट्रियों को वास्तव प्रयोग किया जायेगा;
- यह कि ऐसे हुक्यों का प्रयोग करने में उक्त जिला पुलिस अधीक्षक, ऐसे साधारण और विशेष निर्देशों का जो महाराष्ट्र सरकार या केन्द्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे को अनुपालन करेगा; और
- यह कि उक्त हुक्य सौंपे जाते पर भी केन्द्रीय सरकार उक्त हुक्यों में से किसी का भी जो वह किसी भी दशा में ऐसा करना उचित समझे स्वयं प्रयोग कर सकेगी।

[फा सं. 25022/198/95-एफ-1]

गुरचरन सिंह, संयुक्त सचिव (विदेशी)

S.O. 2970.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of Article 258 of the Constitution, the President, with the consent of the Government of Maharashtra, hereby entrusts also to the District Superintendents of Police Naspur, Nasik and Pune within their respective jurisdictions, the functions of the Central Government in making orders of the nature specified in Section 5 of the Passport (Entry into India) Act, 1920 (3 of 1920) and in clauses (c) (f) of sub-section (e) of section 3 of the Foreigners Act, 1946 (34 of 1946) subject to the following conditions, namely:—

- that the functions so entrusted shall be exercised in respect of nationals of Pakistan and Bangladesh;
- that in the exercise of such functions the said District Superintendents of Police shall comply with such general or special directions as the Government of Maharashtra or the Central Government may from time to time issue; and

(c) that notwithstanding this entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[F.No. 25022/193/95-F-1]

GURCHARAN SINGH, Jt. Secy. (Foreigners)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1996

का.आ. 2971.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एन. के. सिन्हा, अपर सचिव (बीमा) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को श्री टी. के. बनर्जी के स्थान पर 30 अगस्त, 1996 से अगले आदेश होने तक उक्त निगम के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[एफ संख्या 15/3/92-बीमा V]

डी.सी. श्रीवास्तव, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

New Delhi, the 30th August, 1996

S.O. 2971.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri N. K. Sinha, Additional Secretary (Insurance), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance as Member of the said Corporation with effect from 30th August, 1996 vice Shri T. K. Banerji till further orders.

[F. No. 15/3/92-Ins. V]

D. C. SRIVASTAVA, Director

बैंकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2972.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम, की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1998 तक डूंगरपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक लि. डूंगरपुर (राजस्थान) पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 1(38)/96-ए.सी.]

एस.के. ठाकुर, अवसर सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 8th October, 1996

S.O. 2972.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recom-

mendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of the sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Dungarpur Kendriya Sahakari Bank Ltd., Dungarpur (Rajasthan) from the date of publication of this Notification in the Official Gazette to 31st March, 1998.

[No. 1(38)/96-AC]

S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2973.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम, की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1998 तक, भरूच जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि. भरूच (गुजरात) पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 1(39)/96-ए.सी.]

एस. के. ठाकुर, अवसर सचिव

New Delhi, the 8th October, 1996

S.O. 2973.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Broach District Central Co-operative Bank Ltd., Broach (Gujarat) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 1998.

[No. 1(39)/96-AC]

S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2974.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 3 के उपखंड (1) के साथ पठित बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा 3 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को, उक्त सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर, कालम (1) में उल्लिखित राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नामित करती है:—

सारणी

| 1 | 2 | 3 |
|------------------|--|--------------------|
| 1. उलाहाबाद बैंक | श्री एम.एस. परमार, मुख्य महाप्रबंधक, गहरी बैंक विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, गारमैंड्स हाउस, वर्नी, मुम्बई-400018 | श्री के.जे. हेगड़े |

| 1 | 2 | 3 |
|----------------------------|--|----------------------------|
| 2. सिंडिकेट बैंक | श्री आर. रामानुजम मुख्य महाप्रबंधक, गहरी योजना एवं ऋण विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई-400001 | श्री पी. गोविन्दराजन |
| 3. यूनियन बैंक प्राफ हडिया | श्री आर्द. डो. अग्रवाल, सचिव, मखिब का विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई 1 | श्री एम. के. गुप्ता |
| 4. पंजाब नेशनल बैंक | श्री के. एल. खेत्रवाल, मुख्य निरीक्षक, निरीक्षण विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, कुर्ला, बान्द्रा कॉम्प्लेक्स, मुम्बई-400051 | श्री एम. एस. तकी हुसैनी |

[सं. एफ. 9/18/95 बी.ओ.-1(i)]

के.के. मंगल अवर सचिव

New Delhi, the 14th October, 1996

S.O. 2974.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section 3 of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby nominates the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in column (3) of the said Table :—

TABLE

| (1) | (2) | (3) |
|-------------------------|--|-----------------------|
| 1. Allahabad | Shri S. L. Parmar, Chief General Manager, Urban Banks Department, Reserve Bank of India, Central Office, Garment House, Worli, Mumbai—400 018. | Shri K. J. Hedge |
| 2. Syndicate Bank | Shri R. Ramanujam, Chief General Manager, Rural Planning and Credit Department, Reserve Bank of India, Central Office, Mumbai—400 001. | Shri P. Govindarajan. |
| 3. Union Bank of India. | Shri I. D. Aggarwal, Secretary, Secretary's Department, Reserve Bank of India, Central Office, Mumbai. | Shri S. K. Gupta. |

| 1 | 2 | 3 |
|--------------------------|---|--------------------------|
| 4. Punjab National Bank. | Shri K. L. Khetarpaul, Chief Inspector, Inspection Department, Reserve Bank of India, Central Office, Kurla-Bandra Complex, Mumbai—400 051. | Shri S. M. Taqi Husaini. |

[F. No. 9/18/95-B.O.I. (ii)]
K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1996

का.प्रा. 2975.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकांण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 3 के उपखंड (1) के साथ पठित बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का प्रजन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 की उपधारा 3 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एस. के. गुप्ता, महाप्रबंधक, ग्रामीण योजना एवं ऋण विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली-110001 को, श्री आर. रामानुजम के स्थान पर, पंजाब एण्ड सिंध बैंक का निदेशक नामित करती है।

[एफ. सं. 9/18/95-बी.ओ.-1(ii)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 14th October, 1996

S.O. 2975.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section 3 of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby nominates Shri S. K. Gupta, General Manager, Rural Planning and Credit Department, Reserve Bank of India, New Delhi-110 001 as a Director of Punjab & Sind Bank vice Shri R. Ramanujam.

[F. No. 9/18/95-B.O.I (ii)]
K. K. MANGAL, Under Secy.

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयुक्त का कार्यालय

सं. 1/96-सीमा शुल्क (एन.टी.)

तिरुच्चिरापल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.प्रा. 2976.—असीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 152 खण्ड (क) के तहत भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली, द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 33/94 (एन टी) दिनांक 1-7-1994 के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, से. जे. एम. के. शेखर, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, तिरुच्चिरापल्ली, एतद्वारा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अन्तर्गत 100 प्रतिशत निर्यातमुख 'एकक' स्थापित करने के सीमित उद्देश्य से गांव पेरुगानूर, पुडुकोट्टै तालुक और जिला, तमिल नाडु राज्य को भांशगारण स्थान (बेयर हाउसिंग स्टेशन) घोषित करता है। जैसा कि उद्योग मंत्रालय औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित किया गया है।

[फा. सं. -VIII/40/10/96-सीमा शुल्क-तीति]
जे. एम. के. शेखर, आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

आई.एन.डी./09/95/57 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

NO. 1/96-CUSTOMS (NT)

Tiruchirapalli, the 1st October, 1996

S.O. 2976.—In exercise of the powers delegated to the undersigned vide Notification No. 33/94-(NT) CUSTOMS dt. 1st July, 1994 by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, under Clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962, I, J.M.K. Sekhar, Commissioner of Customs and Central Excise, Tiruchirapalli hereby declare the village "Perungalur" in the Taluk and District of Pudukkottai, State of Tamil Nadu to be a Warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962, for the limited purpose of setting up of 100 per cent EOU—only, as approved by the Ministry of Industry, Secretariat of Industrial Approvals, New Delhi.

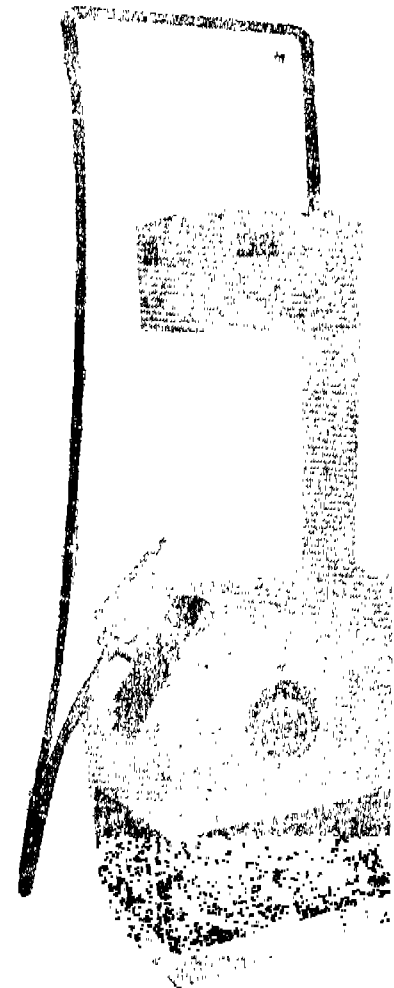
[F. No. VIII/40/10/96-Cus. Pol]

J. M. K. SEKHAR, Commissioner.

नागरिक पूर्ति उ शोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण भंडालय
नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2977:—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इन बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में पथार्यता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपरुक्त सेवा देता रहेगा ;

आ. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "माइक्रोकिंग" टाइप के इलेक्ट्रॉनिक ऑटोकरण यंत्र समुच्चय और संबंधित प्रदर्श वाले पेट्रोल पम्प के माडल का (जिसे उक्त बाट परमाणु माडल कहा गया है) जिसका विनिर्देश निम्नलिखित तरीके से जारी किया जा रहा है, विनिर्देश 411, जनरल मैन्वर्ल चतुर्थ रजिस्ट्रार बलदेव हीराचंद शर्मा, मुम्बई-400001 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह



माडल (आकृति देखिए) एक निम्नलिखित विनिर्देश वाला पेट्रोल पम्प है।

नाम : इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर समुच्चय वाला पेट्रोल पम्प

टाइप : टाइप "माइक्रोकिंग"

अधिकतम फ्लोरेट : 45 लीटर/मिन/

न्यूनतम फ्लोरेट : 10 लीटर/मिन/

विसर्जन दाब : 1.5 कि.ग्रा./सी एम 2

होज लम्बाई : 5 मीटर

प्रदर्श : 19 मिलीमीटर आकार का 5 अंकीय द्वि पार्श्व वाला एससीडी प्रदर्श

प्रदर्श क्षमता : 999.99 लीटर

टोटलाइजर कैप : 99999.9 लीटर

विद्युत प्रदाय : 230 वोल्ट, 50 हर्टज ए.सी.

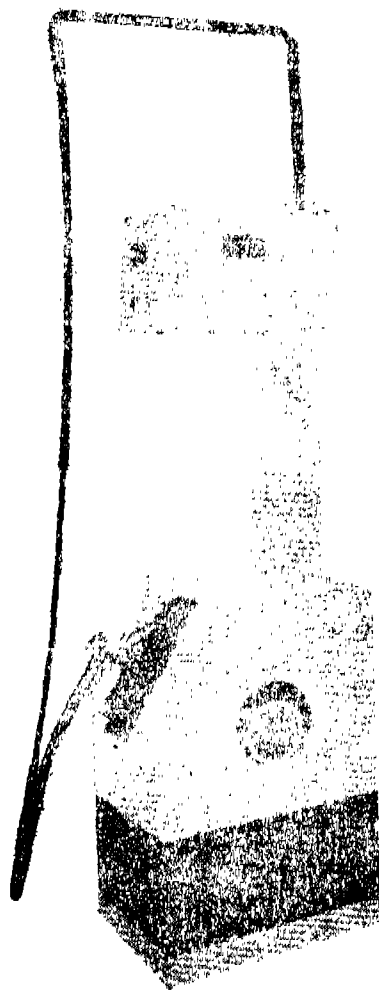
[फा. सं. डब्ल्यू. एम. 21(53)/93]
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 10th October, 1996

S.O. 977.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models), Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the petrol pump with electronic digitaliser assembly and digital display of type "Microking", (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s Taru Lalwani Engineering Pvt. Ltd., 411, Janmabhoomi Chambers, 4th Floor, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 001, and which is assigned the approval mark IND/09/95/57.



(Figure)

The Model (see figure) is a petrol pump with the following specifications:—

Name of the Petrol pump with electronic register assembly,

Type:—

Type "Microking"

Maximum flowrate

: 45 litre/min

Minimum flowrate

: 10 litre/min

Discharge pressure

: 1.5 kg/cm²

Hose length

: 5 metre

Display

: digit double sided LCD display of size 19 mm

Display capacity

: 999.99 litre

Totalizer Cap

: 99999.9 litre

Power supply

: 230v 50 Hertz A.C.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संज्ञान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1996

का. प्रा. 2978 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. प्रा. सं. 1589 तारीख 25 मई, 1995 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था :

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्राप्ते, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और प्राप्ते उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों का उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी. एस. पी. सी. एल. बेल हजारा से अझाजन तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : सूरत | तालुका : चोरसी |
|----------------|---------------------------|----------------------------|
| गांव | सर्वे नंबर/ ब्लॉक नंबर | हेक्टर आरे सेंटिमीटर |
| कवास | सरकारी | 0 11 04 |

[सं. ओ—12016/17(1)/95/ओ एन जी-बी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 7th October, 1996

S.O. No...2978..Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 1589 dated 25th May 1995

under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, the afore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Corp. Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GSPCL Well Hazira TO Adajan
STATE : GUJARAT DISTRICT : SURAT
TALUKA : CHORASI

| Village | Survey No. Block No. | H. Are. | Prati Are. |
|---------|-------------------------|---------|---------------|
| KAWAS | Government | 0 11 | |

[No. O-12016/117(I)/95-ONGD-4]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1996

का. प्रा. 2979 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी. एस. पी. सी. एल. बेल हजारा से अझाजन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन गुजरात गैस कंपनी लिमिटेड, अझाजन बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आशय सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग हजोरा प्रोजेक्ट इ-2, माजरा चेम्बर्स, रांढर रोड, सुरत को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा, कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जी. एस. पी. सी. ऐल. वेल हजोरा से अडाजन तक पाईप-लाईन बिछाने के लिए।

| राज्य : गुजरात | जिला : सुरत | तालुका : चोरासी | | | |
|----------------|--------------|-----------------|-----|---------|------------|
| गांव | सर्वे नंबर | हेक्टर | आरे | मैटीआरे | ब्लॉक नंबर |
| हजोरा | 306/1/ए पैकी | 00 | 33 | 00 | |
| | 306/ए/1 | 00 | 49 | 90 | |
| | 304 | 00 | 13 | 30 | |
| | 615/ए/1 | 00 | 28 | 80 | |

[नं. ओ.—12016/122/96—ओ एन जी-जी—IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th, October, 1996

S.O. 1979— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from GSPCL Well Hazira to Adajan in Gujarat State pipeline should be laid by the Gujarat Gas Co. Limited, Adajan.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline

under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Hazira Project, E-2, Mazda Chambers, Rander Road, Surat.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GSPCL Well Hazira TO Adajan

STATE : GUJARAT DISTRICT : SURAT
TALUKA : CHORASI

| Village | Survey No. | H. | Are. | Centi Are. |
|---------|------------|----|------|---------------|
| | Block No. | | | |
| HAZIRA | 306/1/A | 00 | 33 | 00 |
| | Paiki | | | |
| | 306/A/1 | 00 | 49 | 90 |
| | 304 | 00 | 13 | 30 |
| | 615/A/1 | 00 | 28 | 80 |

[No. O-12016/122/96-ONG-D-IV]
M. MARTIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2980—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा 3 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डा. विजय एल. केलकर को कैप्टन सतीश शर्मा के स्थान पर 25 सितम्बर, 1996 से और अगले आदेशों तक तेल उद्योग विकास बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[पंख्या जी-35012/3/92-वित्त-2]

टी.एस. बालसुब्रह्मणियन, उप सचिव (वित्त)

New Delhi, the 7th October, 1996

S.O. 2980.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints Dr. Vijay L. Kelkar, Secretary, Ministry of Petroleum and Natural Gas as the Chairman of the Oil Industry Development Board vice Capt. Satish Sharma with effect from 25th September, 1996, and until further orders.

[No. G-35012/3/92-Fin. II]

T. S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Secy. (Finance)

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2981 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है कि पश्चिम बंगाल राज्य के उदिया से बिहार राज्य के बरौनी तक पेट्रोलियम (कूड) के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए।

और उक्त पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अधिचना के संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस तारीख से जिसको, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में उनमें उपयोग के अधि-अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप श्री बी.एन. अखौरी, स्कम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, इन्दिया यशोनी कृष पाइपलाइन परियोजना, कलेज रोड, विलियम्स टाउन, देवघर-814112 (बिहार) को कर सकेगा।

अनुसूची

| अंचल-बगौनी | जिला-बेगुसराय | राज्य-बिहार | | | |
|------------|---------------|--------------|----------|-----|-----------|
| गांव | थाना संख्या | प्लॉट संख्या | क्षेत्र | | |
| | | | हेक्टेयर | आरे | सैन्टीआरे |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| रुमसपुर | 553 | 475 | 0 | 11 | 74 |
| | | 476 | 0 | 6 | 7 |
| | | 477 | 0 | 0 | 40 |
| | | 478 | 0 | 8 | 90 |
| | | 479 | 0 | 1 | 62 |
| | | 493 | 0 | 32 | 38 |
| | | 498 | 0 | 1 | 62 |
| | | 505 | 0 | 1 | 62 |
| | | 506 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | |
| अलमोचक | 556 | 24 | 0 | 15 | 38 |
| | | 12 | 0 | 6 | 48 |
| | | 11 | 0 | 5 | 26 |
| | | 10 | 0 | 2 | 2 |
| | | | | | |
| दीलतपुर | 555 | 119 | 0 | 5 | 26 |
| | | 118 | 0 | 5 | 67 |
| | | 117 | 0 | 4 | 45 |
| | | 116 | 0 | 8 | 90 |
| | | 111 | 0 | 6 | 48 |
| | | 110 | 0 | 2 | 83 |
| | | 109 | 0 | 3 | 24 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------|-----|---------|---|----|----|
| | | 108 | 0 | 2 | 83 |
| | | 107 | 0 | 14 | 57 |
| | | 96 | 0 | 7 | 28 |
| | | 95 | 9 | 7 | 28 |
| | | 94 | 0 | 23 | 47 |
| | | 81 | 0 | 6 | 48 |
| | | 80 | 0 | 18 | 62 |
| | | 73 | 0 | 6 | 48 |
| | | 66 | 0 | 6 | 88 |
| | | 67 | 9 | 4 | 5 |
| | | 68 | 0 | 3 | 24 |
| | | 69 | 0 | 10 | 12 |
| | | 55 | 0 | 3 | 64 |
| | | 52 | 0 | 2 | 83 |
| | | 44 | 0 | 3 | 64 |
| | | 47 | 0 | 1 | 62 |
| | | 46 | 0 | 2 | 83 |
| | | 43 | 0 | 2 | 43 |
| | | 42 | 0 | 2 | 2 |
| | | 41 | 0 | 2 | 2 |
| | | 39 | 0 | 0 | 40 |
| भभोर | 548 | 603 | 0 | 4 | 5 |
| | | 605 | 0 | 1 | 62 |
| | | 604/618 | 0 | 0 | 81 |
| | | 606 | 0 | 7 | 28 |
| | | 607 | 0 | 5 | 67 |
| | | 608 | 0 | 4 | 45 |
| | | 604 | 0 | 9 | 71 |
| | | 590 | 0 | 24 | 28 |
| | | 564 | 0 | 6 | 88 |
| | | 566 | 0 | 16 | 19 |
| | | 567 | 0 | 8 | 9 |
| | | 568 | 0 | 4 | 5 |
| | | 560 | 0 | 16 | 59 |
| | | 551 | 0 | 4 | 86 |
| | | 552 | 0 | 4 | 86 |
| | | 549 | 0 | 7 | 28 |
| | | 548 | 0 | 11 | 33 |
| | | 553 | 0 | 0 | 81 |
| | | 554 | 0 | 0 | 40 |
| | | 555 | 0 | 4 | 5 |
| | | 540 | 0 | 3 | 24 |
| | | 532 | 0 | 0 | 40 |
| | | 533 | 0 | 4 | 45 |
| | | 534/620 | 0 | 5 | 67 |
| | | 534 | 0 | 1 | 62 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------------------------|-----|---------|---|----|----|---------|-----|-----|---|----|----|
| भभौर-जारी | | 535 | 0 | 7 | 28 | | | 552 | 0 | 1 | 21 |
| | | 536 | 0 | 2 | 83 | | | 556 | 0 | 0 | 40 |
| | | 537 | 0 | 0 | 40 | | | 553 | 0 | 3 | 24 |
| | | 520 | 0 | 5 | 26 | | | 546 | 0 | 12 | 55 |
| | | 519 | 0 | 4 | 5 | | | 586 | 0 | 2 | 2 |
| | | 512 | 0 | 0 | 81 | | | 550 | 0 | 0 | 40 |
| | | 511 | 0 | 1 | 21 | रामदीरी | 420 | 2 | 0 | 2 | 43 |
| | | 445 | 0 | 0 | 81 | | | 6 | 0 | 11 | 33 |
| | | 446 | 0 | 8 | 9 | | | 7 | 0 | 4 | 86 |
| | | 507 | 0 | 4 | 5 | | | 8 | 0 | 3 | 6 |
| | | 506 | 0 | 4 | 45 | | | 9 | 0 | 0 | 9 |
| | | 505 | 0 | 2 | 2 | | | 10 | 0 | 5 | 23 |
| | | 504 | 0 | 3 | 64 | | | 11 | 0 | 1 | 62 |
| | | 503 | 0 | 0 | 40 | | | 13 | 0 | 5 | 26 |
| | | 456 | 0 | 0 | 40 | रामदीरी | 424 | 443 | 0 | 3 | 24 |
| | | 457 | 0 | 0 | 40 | | | 454 | 0 | 4 | 45 |
| | | 476 | 0 | 7 | 28 | | | 455 | 0 | 2 | 43 |
| | | 474 | 0 | 0 | 40 | | | 456 | 0 | 2 | 2 |
| | | 471 | 0 | 12 | 14 | | | 442 | 0 | 6 | 48 |
| | | 477 | 0 | 0 | 40 | | | 436 | 0 | 6 | 48 |
| | | 664 | 0 | 0 | 40 | | | 435 | 0 | 6 | 7 |
| | | 477/619 | 0 | 1 | 21 | | | 434 | 0 | 4 | 5 |
| मलहीपुर | 503 | 884 | 0 | 6 | 7 | | | 433 | 0 | 3 | 24 |
| | | 885 | 0 | 0 | 81 | | | 432 | 0 | 3 | 64 |
| | | 888 | 0 | 27 | 92 | | | 431 | 0 | 5 | 26 |
| | | 890 | 0 | 59 | 90 | | | 429 | 0 | 2 | 83 |
| | | 890 | 2 | 81 | 27 | | | 428 | 0 | 2 | 83 |
| | | 891 | 1 | 36 | 79 | | | 427 | 0 | 2 | 43 |
| | | 891 | 2 | 92 | 60 | | | 421 | 0 | 19 | 2 |
| | | 882 | 0 | 3 | 64 | | | 422 | 0 | 5 | 26 |
| | | 881 | 0 | 2 | 83 | | | 423 | 0 | 10 | 12 |
| | | 880 | 0 | 2 | 2 | | | 414 | 0 | 8 | 90 |
| | | 879 | 0 | 2 | 83 | | | 413 | 0 | 0 | 81 |
| | | 878 | 0 | 1 | 62 | | | 415 | 0 | 4 | 5 |
| | | 877 | 0 | 3 | 64 | | | 416 | 0 | 4 | 45 |
| | | 876 | 0 | 4 | 45 | | | 403 | 0 | 1 | 62 |
| | | 875 | 0 | 4 | 5 | | | 399 | 0 | 5 | 76 |
| | | 873 | 0 | 2 | 83 | | | 398 | 0 | 5 | 67 |
| | | 872 | 0 | 2 | 43 | | | 397 | 0 | 4 | 3 |
| | | 870 | 0 | 8 | 50 | | | 395 | 0 | 0 | 7 |
| | | 869 | 0 | 2 | 43 | | | 394 | 0 | 10 | |
| | | 868 | 0 | 1 | 62 | | | 391 | 0 | 0 | 10 |
| | | 867 | 0 | 0 | 40 | | | 390 | 0 | 4 | 5 |
| अंचल-महिहानी चिना-बेगसराय राज्य-बिहार | | | | | | | | 978 | 0 | 4 | 86 |
| रामदीरी | 418 | 587 | 0 | 2 | 2 | | | 977 | 0 | 14 | 16 |
| | | 555 | 0 | 2 | 43 | | | 976 | 0 | 11 | 63 |
| | | 551 | 0 | 4 | 45 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|----|----|
| रामशरी | 424 | 989 | 0 | 6 | 7 |
| | | 990 | 0 | 1 | 62 |
| | | 988 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1072 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1071 | 0 | 6 | 88 |
| | | 1078 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1070 | 0 | 9 | 31 |
| | | 1069 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1068 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1067 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1066 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1065 | 0 | 16 | 19 |
| | | 1063 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1060 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1093 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1095 | 0 | 16 | 19 |
| | | 1115 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1114 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1113 | 0 | 8 | 50 |
| | | 1112 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1127 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1129 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1132 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1131 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1142 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1143 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1144 | 0 | 8 | 9 |
| | | 1145 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1146 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1157 | 0 | 6 | 7 |
| | | 1156 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1155 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1154 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1153 | 0 | 0 | 40 |
| रामशरी | 423 | 1306 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1307 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1308 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1309 | 0 | 11 | 74 |
| | | 1312 | 0 | 16 | 19 |
| | | 1388 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1389 | 0 | 8 | 9 |
| | | 1390 | 0 | 7 | 69 |
| | | 1391 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1393 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1394 | 0 | 5 | 26 |

New Delhi, the 9th October, 1996

S.O. 7981.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, objection in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri V.N. Akhoury, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, College Road, Williams Town, Deoghar-814112 (Bihar).

SCHEDULE

| Anchal : Barauni | | District : Begusarai | | State : Bihar | |
|------------------|-----------|----------------------|---------------|---------------|----------------|
| Village | Thana No. | Plot No. | Area | | |
| | | | Hec- tares | Ares | Cent- tares |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Rupashpur | 553 | 475 | 0 | 11 | 74 |
| | | 476 | 0 | 6 | 7 |
| | | 477 | 0 | 0 | 40 |
| | | 478 | 0 | 8 | 90 |
| | | 479 | 0 | 1 | 62 |
| | | 493 | 0 | 32 | 38 |
| | | 498 | 0 | 1 | 62 |
| | | 505 | 0 | 1 | 62 |
| | | 506 | 0 | 1 | 62 |
| Almochak | 556 | 24 | 0 | 15 | 38 |
| | | 12 | 0 | 6 | 48 |
| | | 11 | 0 | 5 | 26 |
| | | 10 | 0 | 2 | 2 |
| Daulatpur | 555 | 119 | 0 | 5 | 26 |
| | | 118 | 0 | 5 | 67 |
| | | 117 | 0 | 4 | 45 |
| | | 116 | 0 | 8 | 90 |
| | | 111 | 0 | 6 | 48 |
| | | 110 | 0 | 2 | 83 |
| | | 109 | 0 | 3 | 24 |
| | | 108 | 0 | 2 | 83 |
| | | 107 | 0 | 14 | 57 |
| | | 96 | 0 | 7 | 28 |
| | | 95 | 0 | 7 | 28 |
| | | 94 | 0 | 23 | 47 |
| | | 81 | 0 | 6 | 48 |
| | | 80 | 0 | 18 | 62 |
| | | 73 | 0 | 6 | 48 |
| | | 66 | 0 | 6 | 88 |

[सं आर-31015/8/96-ओ.आर. 1]

के.सी. फटोच, अव्वर सचिव

| 1 | 2 | 3 | 4 | 3 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|-----|---------|---|----|----|------------------|----------------------|-------|-------|----|----|
| | | 67 | 0 | 4 | 5 | | | | | | |
| | | 68 | 0 | 3 | 24 | | | 882 | 0 | 3 | 64 |
| | | 69 | 0 | 10 | 12 | | | 881 | 0 | 2 | 83 |
| | | 55 | 0 | 3 | 64 | | | 880 | 0 | 2 | 2 |
| | | 52 | 0 | 2 | 83 | | | 879 | 0 | 2 | 83 |
| | | 49 | 0 | 3 | 64 | | | 878 | 0 | 1 | 62 |
| | | 47 | 0 | 1 | 62 | | | 887 | 0 | 3 | 64 |
| | | 46 | 0 | 2 | 83 | | | 876 | 0 | 4 | 45 |
| | | 43 | 0 | 2 | 43 | | | 875 | 0 | 4 | 5 |
| | | 42 | 0 | 2 | 2 | | | 873 | 0 | 2 | 83 |
| | | 41 | 0 | 2 | 2 | | | 872 | 0 | 2 | 43 |
| | | 39 | 0 | 0 | 40 | | | 870 | 0 | 8 | 50 |
| Bhabhor | 548 | 603 | 0 | 4 | 5 | | | 869 | 0 | 2 | 43 |
| | | 605 | 0 | 1 | 62 | | | 868 | 0 | 1 | 62 |
| | | 604/618 | 0 | 0 | 81 | | | 867 | 0 | 0 | 40 |
| | | 606 | 0 | 7 | 28 | Anchal--Matihani | District--Bogurairai | State | Bihar | | |
| | | 607 | 0 | 5 | 67 | Ramdiri | 418 | 587 | 0 | 2 | 2 |
| | | 608 | 0 | 4 | 45 | | | 555 | 0 | 2 | 43 |
| | | 609 | 0 | 9 | 71 | | | 551 | 0 | 4 | 45 |
| | | 590 | 0 | 24 | 28 | | | 552 | 0 | 1 | 21 |
| | | 564 | 0 | 6 | 88 | | | 556 | 0 | 0 | 40 |
| | | 566 | 0 | 16 | 19 | | | 553 | 0 | 3 | 24 |
| | | 567 | 0 | 8 | 9 | | | 546 | 0 | 12 | 55 |
| | | 568 | 0 | 4 | 5 | | | 586 | 0 | 2 | 2 |
| | | 560 | 0 | 16 | 59 | | | 550 | 0 | 0 | 40 |
| | | 551 | 0 | 4 | 86 | Ramdiri | 420 | 2 | 0 | 2 | 43 |
| | | 552 | 0 | 4 | 86 | | | 6 | 0 | 11 | 33 |
| | | 549 | 0 | 7 | 28 | | | 7 | 0 | 4 | 86 |
| | | 548 | 0 | 11 | 33 | | | 8 | 0 | 3 | 64 |
| | | 553 | 0 | 0 | 81 | | | 9 | 0 | 0 | 81 |
| | | 554 | 0 | 0 | 40 | | | 10 | 0 | 5 | 26 |
| | | 555 | 0 | 4 | 5 | | | 11 | 0 | 1 | 62 |
| | | 540 | 0 | 3 | 24 | | | 13 | 0 | 5 | 26 |
| | | 532 | 0 | 0 | 40 | Ramdiri | 424 | 443 | 0 | 3 | 24 |
| | | 533 | 0 | 4 | 45 | | | 454 | 0 | 4 | 45 |
| | | 534/620 | 0 | 5 | 67 | | | 455 | 0 | 2 | 43 |
| | | 534 | 0 | 1 | 62 | | | 456 | 0 | 2 | 2 |
| | | 535 | 0 | 7 | 28 | | | 442 | 0 | 6 | 48 |
| | | 536 | 0 | 2 | 83 | | | 436 | 0 | 6 | 48 |
| | | 537 | 0 | 0 | 40 | | | 435 | 0 | 6 | 7 |
| | | 520 | 0 | 5 | 26 | | | 434 | 0 | 4 | 5 |
| | | 519 | 0 | 4 | 5 | | | 433 | 0 | 3 | 24 |
| | | 512 | 0 | 0 | 81 | | | 432 | 0 | 3 | 64 |
| | | 511 | 0 | 1 | 21 | | | 431 | 0 | 5 | 26 |
| | | 445 | 0 | 0 | 81 | | | 429 | 0 | 2 | 83 |
| | | 446 | 0 | 8 | 9 | | | 428 | 0 | 2 | 83 |
| | | 507 | 0 | 4 | 5 | | | 427 | 0 | 2 | 43 |
| | | 506 | 0 | 4 | 45 | | | 421 | 0 | 19 | 2 |
| | | 505 | 0 | 2 | 2 | | | 422 | 0 | 5 | 26 |
| | | 504 | 0 | 3 | 64 | | | 423 | 0 | 10 | 12 |
| | | 503 | 0 | 0 | 40 | | | 414 | 0 | 8 | 90 |
| | | 456 | 0 | 0 | 40 | | | 413 | 0 | 0 | 81 |
| | | 457 | 0 | 0 | 40 | | | 415 | 0 | 4 | 5 |
| | | 476 | 0 | 7 | 28 | | | 416 | 0 | 4 | 45 |
| | | 474 | 0 | 0 | 40 | | | 403 | 0 | 1 | 62 |
| | | 471 | 0 | 12 | 14 | | | 399 | 0 | 5 | 26 |
| | | 477 | 0 | 0 | 40 | | | 398 | 0 | 5 | 67 |
| | | 664 | 0 | 0 | 40 | | | 397 | 0 | 4 | 86 |
| | | 477/619 | 0 | 1 | 21 | | | 395 | 0 | 6 | 7 |
| Malhipur | 503 | 884 | 0 | 6 | 7 | | | 394 | 0 | 10 | 12 |
| | | 885 | 0 | 0 | 81 | | | 391 | 0 | 0 | 40 |
| | | 888 | 0 | 27 | 92 | | | 390 | 0 | 4 | 5 |
| | | 890 | 0 | 59 | 90 | | | 978 | 0 | 4 | 86 |
| | | 890 | 2 | 81 | 27 | | | 977 | 0 | 14 | 16 |
| | | 891 | 1 | 36 | 79 | | | 976 | 0 | 11 | 33 |
| | | 891 | 2 | 92 | 60 | | | 989 | 0 | 6 | 7 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भूमियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की है। |
|---------|-----|------|---|----|----|---|
| | | 990 | 0 | 1 | 62 | उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस तारीख से जिसकी, राजपत्र में तथा प्रकाशित इस अधिवृत्तना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के संदंघ में उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप अथवा वी० एन० अखौरी, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, हल्लिया बरौनी कूड पाईपलाइन परियोजना, कॉलेज रोड विजिम्स टाउन, देवधर-814112 (बिहार) को कर सकेगा। |
| | | 988 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 1072 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 1071 | 0 | 6 | 88 | |
| | | 1078 | 0 | 0 | 81 | |
| | | 1070 | 0 | 9 | 31 | |
| | | 1069 | 0 | 5 | 26 | |
| | | 1068 | 0 | 5 | 26 | |
| | | 1067 | 0 | 3 | 64 | |
| | | 1066 | 0 | 4 | 86 | |
| | | 1065 | 0 | 16 | 19 | |
| | | 1063 | 0 | 0 | 81 | |
| | | 1060 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 1093 | 0 | 5 | 67 | |
| | | 1095 | 0 | 16 | 19 | |
| | | 1115 | 0 | 1 | 21 | |
| | | 1114 | 0 | 4 | 86 | |
| | | 1113 | 0 | 8 | 50 | |
| | | 1112 | 0 | 4 | 45 | |
| | | 1127 | 0 | 4 | 45 | |
| | | 1129 | 0 | 3 | 64 | |
| | | 1132 | 0 | 4 | 5 | |
| | | 1131 | 0 | 5 | 67 | |
| | | 1142 | 0 | 4 | 45 | |
| | | 1143 | 0 | 3 | 64 | |
| | | 1144 | 0 | 8 | 9 | |
| | | 1145 | 0 | 4 | 86 | |
| | | 1146 | 0 | 4 | 5 | |
| | | 1157 | 0 | 6 | 7 | |
| | | 1156 | 0 | 1 | 62 | |
| | | 1155 | 0 | 4 | 5 | |
| | | 1154 | 0 | 1 | 62 | |
| | | 1153 | 0 | 0 | 40 | |
| Ramdiri | 423 | 1306 | 0 | 3 | 64 | |
| | | 1307 | 0 | 2 | 83 | |
| | | 1308 | 0 | 3 | 64 | |
| | | 1309 | 0 | 11 | 74 | |
| | | 1312 | 0 | 16 | 19 | |
| | | 1388 | 0 | 5 | 67 | |
| | | 1389 | 0 | 8 | 9 | |
| | | 1390 | 0 | 7 | 69 | |
| | | 1391 | 0 | 5 | 67 | |
| | | 1393 | 0 | 2 | 83 | |
| | | 1394 | 0 | 5 | 26 | |

[No. R-31015/8/96-OR-I]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 प्रक्तूब, 1996

का. मा. 2982—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतिलिखित है कि लोकोहित में ऐसा करना आवश्यक है कि पश्चिमो बंगाल राज्य के हल्लिया से बिहार राज्य के बरौनी तक पट्टिया (कूड) के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. द्वारा पाइप लाईन बिछाई जाए।

उपर उक्त पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये अधिवृत्तना के संगत प्रतिलिखित में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है।

अब केन्द्रीय सरकार, ईट्रोपिस और खनिज पाटन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की

| अंचल—मोकामा | जिला—पटना | राज्य—बिहार | | | |
|-------------|-------------|--------------|---------|----------|--------------|
| गांव | थाना संख्या | प्लॉट संख्या | क्षेत्र | हैक्टेयर | आरे सेंटीआरे |
| कसहा | 10 | 634 | 0 | 0 | 40 |
| | | 635 | 0 | 0 | 81 |
| | | 636 | 0 | 2 | 2 |
| | | 637 | 0 | 2 | 43 |
| | | 639 | 0 | 9 | 71 |
| | | 640 | 0 | 2 | 43 |
| | | 641 | 0 | 2 | 83 |
| | | 642 | 0 | 2 | 43 |
| | | 643 | 0 | 2 | 83 |
| | | 644 | 0 | 3 | 64 |
| | | 645 | 0 | 0 | 40 |
| | | 647 | 0 | 3 | 64 |
| | | 648 | 0 | 4 | 5 |
| | | 649 | 0 | 3 | 24 |
| | | 652 | 0 | 4 | 45 |
| | | 656 | 0 | 5 | 67 |
| | | 662 | 0 | 3 | 24 |
| | | 663 | 0 | 0 | 40 |

[सं. आर-31015/8/96-ओ.आर.-I]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 9th October, 1996

S.O. 2982 :—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein or laying of the pipeline under the land in Shri V. N. Akhoury, competent authority Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, College Road, Williams Town, Deoghar-814112 (Bihar).

Anchal : Mokama District : Patna State : Bihar
Schedule

| Village | Thana No. | Plot No. | Area | | |
|---------|-----------|----------|----------|-----|----------|
| | | | He-tares | Are | Centiare |
| Kasaha | 10 | 634 | 0 | 0 | 40 |
| | | 635 | 0 | 0 | 81 |
| | | 636 | 0 | 2 | 2 |
| | | 637 | 0 | 2 | 43 |
| | | 639 | 0 | 9 | 71 |
| | | 640 | 0 | 2 | 43 |
| | | 641 | 0 | 2 | 83 |
| | | 642 | 0 | 2 | 43 |
| | | 643 | 0 | 2 | 83 |
| | | 644 | 0 | 3 | 64 |
| | | 645 | 0 | 0 | 40 |
| | | 647 | 0 | 3 | 64 |
| | | 648 | 0 | 4 | 5 |
| | | 649 | 0 | 3 | 24 |
| | | 652 | 0 | 4 | 45 |
| | | 656 | 0 | 5 | 67 |
| | | 662 | 0 | 3 | 24 |
| | | 663 | 0 | 0 | 40 |

[No. R-31015/8/96-OR-I]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2983 :—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि गन्धार-एन. टी.पी.सी. टैप औफ से जी.टी.ई.सी. लि. गुजरात राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये पाइपलाईन गैस अयायिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयत्न के लिये एकराबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962

(1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अयायिटी आफ इंडिया लिमिटेड दर्पण बिल्डिंग, आर.सी. दत्त रोड, गडोदरा को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व.कितगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

गन्धार-एन.टी.पी.सी. पाइपलाईन टैप आफ से मैसर्स जी.टी.ई.सी. लि.

राज्य : गुजरात तालुका : भरुच जिता : भरुच

| गांव | अन सं. | आर०ओ०यू० का एरिया | | |
|--------|--------|-------------------|----------|---------------|
| | | बनाऊ सं. | हैक्टेयर | आरे सेंटीमारे |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| परियेज | 644 | 00 | 04 | 68 |
| | 643 | 00 | 08 | 64 |
| | 642 | 00 | 04 | 32 |
| | 641 | 00 | 04 | 86 |
| | 639 | 00 | 08 | 28 |
| | कोटर | 00 | 04 | 32 |
| | 603 | 00 | 23 | 22 |
| | 601 | 00 | 00 | 45 |
| | 605 | 00 | 25 | 20 |
| | | 00 | 83 | 97 |
| लिनासा | 798 | 00 | 39 | 43 |
| | 800 | 00 | 06 | 57 |
| | 818 | 00 | 25 | 68 |
| नहर | | 00 | 04 | 32 |
| | 922 | 00 | 05 | 50 |
| | 829 | 00 | 06 | 00 |
| | 830 | 00 | 42 | 56 |
| | 831 | 00 | 17 | 00 |
| | 870 | 00 | 18 | 36 |
| | 874 | 00 | 28 | 00 |
| | 873 | 00 | 02 | 70 |
| | 875 | 00 | 16 | 74 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------------|----|----|----|
| | 876 | 00 | 08 | 10 |
| | बैल गाड़ी रास्ता | 00 | 01 | 80 |
| | 884/ए | 00 | 17 | 80 |
| | 931 | 00 | 20 | 16 |
| | 932 | 00 | 36 | 90 |
| | कोटर | 00 | 09 | 90 |
| | | 03 | 07 | 52 |

| | | | | |
|------|-----------|----|----|----|
| कोठी | 94 | 00 | 27 | 90 |
| | 95 | 00 | 12 | 00 |
| | 88 | 00 | 00 | 90 |
| | 87 | 00 | 01 | 00 |
| | 107 | 00 | 07 | 00 |
| | रोड | 00 | 04 | 00 |
| | 109 | 00 | 05 | 40 |
| | 108 | 00 | 03 | 60 |
| | 119 | 00 | 26 | 00 |
| | 138 | 00 | 31 | 00 |
| | 137 | 00 | 01 | 00 |
| | 152 | 00 | 11 | 00 |
| | 154 | 00 | 18 | 03 |
| | 174 | 00 | 05 | 80 |
| | 175 | 00 | 05 | 40 |
| | 176 | 00 | 12 | 50 |
| | 165 | 00 | 04 | 50 |
| | 82 | 00 | 05 | 70 |
| | 171 | 00 | 05 | 20 |
| | 170 | 00 | 05 | 12 |
| | 178 | 00 | 05 | 50 |
| | 029 | 00 | 03 | 50 |
| | 179 | 00 | 11 | 70 |
| | 188 | 00 | 05 | 40 |
| | 189 | 00 | 12 | 50 |
| | 190 | 00 | 22 | 50 |
| | 189 पाइकी | 00 | 12 | 40 |
| | 207 | 00 | 20 | 00 |
| | 208 | 00 | 11 | 34 |
| | 223 | 00 | 07 | 20 |
| | 224 | 00 | 20 | 34 |
| | 670 | 00 | 09 | 00 |
| | 668 | 00 | 09 | 00 |
| | कोटर | 00 | 05 | 54 |
| | 251 | 00 | 03 | 00 |
| | 253 | 00 | 37 | 68 |
| | 267 | 00 | 08 | 10 |
| | 268 | 00 | 21 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------------|----|----|----|
| | 274 | 00 | 02 | 66 |
| | 273 | 00 | 04 | 18 |
| | बैल गाड़ी रास्ता | 00 | 03 | 60 |
| | 248 | 00 | 01 | 00 |
| | | 04 | 30 | 66 |

[सं० एल-14016/8/96-जीपी]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 10th October, 1996

S.O. No. 2983:—whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Gandhar-NTPC Tap off to G.T.E.C. Ltd, in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interest in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to, the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Darpan Building R.C. Dutt Rd. Vadodara.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

GANDHAR—NTPC PIPELINE TAP—OFF TO
M/S G.T.E.C. LTD.

State : Gujarat Tal : Bharuch Dist. : Bharuch

| Village | Survey No. | Area of R.O.U. | | |
|---------|------------|----------------|-------|-----------|
| | Block No. | Hec-tare | Ac-re | Cer-tiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Pariyej | 644 | 00 | 04 | 68 |
| | 643 | 00 | 08 | 64 |
| | 642 | 00 | 04 | 32 |
| | 641 | 00 | 04 | 86 |
| | 639 | 00 | 08 | 28 |
| | Kotar | 00 | 04 | 32 |
| | 603 | 00 | 23 | 22 |
| | 601 | 00 | 00 | 45 |
| | 605 | 00 | 25 | 20 |
| | | 00 | 83 | 97 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|------------|----|----|----|---|------------|----|----|----|
| Tralasa | 798 | 00 | 39 | 43 | | 174 | 00 | 05 | 80 |
| | 800 | 00 | 06 | 57 | | 175 | 00 | 05 | 40 |
| | 818 | 00 | 25 | 68 | | 176 | 00 | 12 | 50 |
| | Canal | 00 | 04 | 32 | | 165 | 00 | 04 | 50 |
| | 822 | 00 | 05 | 50 | | 8 | 00 | 05 | 70 |
| | 829 | 00 | 06 | 00 | | 171 | 00 | 05 | 20 |
| | 830 | 00 | 42 | 56 | | 170 | 00 | 05 | 12 |
| | 831 | 00 | 17 | 00 | | 178 | 00 | 05 | 50 |
| | 870 | 00 | 18 | 36 | | 029 | 00 | 03 | 50 |
| | 874 | 00 | 28 | 00 | | 179 | 00 | 11 | 70 |
| | 873 | 00 | 02 | 70 | | 188 | 00 | 05 | 40 |
| | 875 | 00 | 16 | 74 | | 189 | 00 | 12 | 50 |
| | 876 | 00 | 08 | 10 | | 190 | 00 | 22 | 50 |
| | Cart track | 00 | 01 | 80 | | 189 Palki | 00 | 12 | 40 |
| | 884/A | 00 | 17 | 80 | | 207 | 00 | 20 | 00 |
| | 931 | 00 | 20 | 16 | | 208 | 00 | 11 | 34 |
| | 932 | 00 | 36 | 90 | | 223 | 00 | 07 | 20 |
| | Kotar | 00 | 09 | 90 | | 224 | 00 | 20 | 34 |
| | | | | | | 670 | 00 | 09 | 00 |
| | | | | | | 668 | 00 | 09 | 00 |
| | | | | | | Kotar | 00 | 05 | 54 |
| Kothi | 94 | 00 | 27 | 90 | | 251 | 00 | 03 | 00 |
| | 95 | 00 | 12 | 00 | | 253 | 00 | 37 | 68 |
| | 88 | 00 | 00 | 90 | | 267 | 00 | 08 | 10 |
| | 87 | 00 | 01 | 00 | | 268 | 00 | 21 | 50 |
| | 107 | 00 | 07 | 00 | | 274 | 00 | 02 | 66 |
| | Road | 00 | 04 | 00 | | 273 | 00 | 04 | 18 |
| | 109 | 00 | 05 | 40 | | Cart track | 00 | 03 | 60 |
| | 108 | 00 | 03 | 60 | | 248 | 00 | 01 | 00 |
| | 119 | 00 | 26 | 00 | | | | | |
| | 138 | 00 | 31 | 00 | | | | | |
| | 137 | 00 | 01 | 00 | | | | | |
| | 152 | 00 | 11 | 00 | | | | | |
| | 154 | 00 | 18 | 00 | | | | | |

[No. L-14016/8/96-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2984 :—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि बम्बेड़ा से आगरा और फिरोजाबाद उ.प्र. राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये पाइपलाइन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड ए-14, सेक्टर-1, पी डी आई एल बिल्डिंग, (नौएडा(उ.प्र.)) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सहाई व्यक्तिगत हा या जेता वास्तविकी को मार्फत।

बाद-प्रतुपूची

वमेडा आगरा-फिरोजाबाद स्वर गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | मौजा | गाटा संख्या | अजित क्षेत्र हेक्टेयर | अन्य विवरण |
|-----------|---------|---------|--------|-------------|--------------------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| फिरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | सिलौली | 8 | 0.2070 | |
| | | | | 11 | 0.0288 | |
| | | | | 7 | 0.0288 | |
| | | | | 6 | 0.3276 | |
| | | | | 4 | 0.0468 | |
| | | | | 3 | 0.0180 | |
| | | | | | | |
| | | | | योग | 6 | 0.6570 हेक्टेयर |
| | | | | 61 | 0.2808 | |
| | | | | 63 | 0.0108 | |
| | | | | 64 | 0.3114 | |
| | | | | 53 | 0.0036 | |
| | | | | 71 | 0.0108 | |
| | | | | 99 | 0.2520 | |
| | | | | 98 | 0.0900 | |
| | | | | 96 | 0.0108 | |
| | | | | 106 | 0.1404 | |
| | | | | 95 | 0.0216 | |
| | | | | 92 | 0.2754 | |
| | | | | 94 | 0.0018 | |
| | | | | 90 | 0.0144 | |
| | | | | 84 | 0.0306 | |
| | | | | 82 | 0.0702 | |
| | | | | | | |
| | | | | 15 | 1.5246 हेक्टेयर | |
| | | | | | | |
| | | | | 16 | 0.4878 | |
| | | | | चकरोड़ | 0.0100 | |
| | | | | 52 | 0.3168 | |
| | | | | 51 | 0.0054 | |
| | | | | 50 | 0.0054 | |
| | | | | 44 | 0.1098 | |
| | | | | 43 | 0.2178 | |
| | | | | 117 | 0.0648 | |
| | | | | 121 | 0.3240 | |
| | | | | 120 | 0.0072 | |
| | | | | 119 | 0.1044 | |
| | | | | 118 | 0.0144 | |
| | | | | | | |
| | | | | योग | 12 | 1.6686 हेक्टेयर |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|---------|---------|----------------|-----|-----------------|---|
| फिरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | खेडिया ज. रंजी | 39 | 0.1440 | |
| | | | | 32 | 0.3528 | |
| | | | | 31 | 0.3132 | |
| | | | | 23 | 0.0108 | |
| | | | | 60 | 0.0756 | |
| | | | | 61 | 0.3420 | |
| | | | | 62 | 0.0108 | |
| | | | | 63 | 0.4608 | |
| | | | | 65 | 0.0108 | |
| | | | | 66 | 0.0018 | |
| | | | | 118 | 0.2700 | |
| | | | | 117 | 0.0108 | |
| | | | | 116 | 0.0252 | |
| | | | | 122 | 0.7956 | |
| | | | माला | | 0.1368 | |
| | | | 102 | | 0.0684 | |
| | | | योग | 16 | 3.0294 हेक्टेयर | |
| | | | परतापुर | 271 | 0.0396 | |
| | | | | 270 | 0.1224 | |
| | | | | 261 | 0.0864 | |
| | | | | 269 | 0.0072 | |
| | | | | 274 | 0.4212 | |
| | | | | 276 | 0.0072 | |
| | | | | 277 | 0.0360 | |
| | | | | 278 | 0.0154 | |
| | | | | 279 | 0.1216 | |
| | | | | 280 | 0.0216 | |
| | | | | 281 | 0.072 | |
| | | | | 283 | 0.0324 | |
| | | | | 289 | 0.2034 | |
| | | | | 290 | 0.1008 | |
| | | | | 291 | 0.1692 | |
| | | | | 163 | 0.0108 | |
| | | | | 161 | 0.2070 | |
| | | | योग | 17 | 1.5084 हेक्टेयर | |
| | | | | 34 | 0.0198 | |
| | | | | 33 | 0.1008 | |
| | | | | 32 | 0.0144 | |
| | | | | 31 | 0.0144 | |
| | | | | 28 | 0.1584 | |
| | | | | 29 | 0.1224 | |
| | | | | 30 | 0.0648 | |
| | | | | 40 | 0.0036 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|---------|---------|------------|-------|--------|----------|
| फिरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | मुहम्मदपुर | 41 | 0.0036 | |
| | | | | 26 | 0.0144 | |
| | | | | 27 | 0.0144 | |
| | | | | 42 | 0.0180 | |
| | | | | 14 | 0.0036 | |
| | | | | 15 | 0.2880 | |
| | | | | 16 | 0.1512 | |
| | | | | 18 | 0.0072 | |
| | | | | 19 | 0.0072 | |
| | | | | 20 | 0.3978 | |
| | | | | 25 | 0.0180 | |
| | | | | 20/35 | 0.0720 | |
| | | | | 22 | 0.1332 | |
| | | | योग | 21 | 1.6272 | हेक्टेयर |
| | | | | 187 | 0.3330 | |
| | | | | 186 | 0.0036 | |
| | | | | 185 | 0.0144 | |
| | | | | 188 | 0.0144 | |
| | | | | 189 | 0.2160 | |
| | | | | 190 | 0.0288 | |
| | | | | 73 | 0.1080 | |
| | | | | 161 | 0.0072 | |
| | | | | 168 | 0.1548 | |
| | | | | 167 | 0.0792 | |
| | | | | 166 | 0.0036 | |
| | | | | 165 | 0.0036 | |
| | | | | 164 | 0.0540 | |
| | | | | 163 | 0.0036 | |
| | | | | 162 | 0.0036 | |
| | | | | 160 | 0.0180 | |
| | | | | 159 | 0.0900 | |
| | | | | 170 | 0.0072 | |
| | | | | 180 | 0.2772 | |
| | | | | 179 | 0.0072 | |
| | | | | 178 | 0.0504 | |
| | | | | 176 | 0.0072 | |
| | | | | 177 | 0.0540 | |
| | | | योग | 23 | 1.5390 | हेक्टेयर |
| | | | कोटकी | 843 | 0.0162 | |
| | | | योग | 1 | 0.0162 | हेक्टेयर |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|---------|---------|-------------|-----|--------|----------|
| फीरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | दिनीली | 95 | 0.1368 | |
| | | | | 96 | 0.2196 | |
| | | | | 97 | 0.0288 | |
| | | | | 105 | 0.2844 | |
| | | | | 104 | 0.1764 | |
| | | | | 106 | 0.3960 | |
| | | | | 112 | 0.0468 | |
| | | | | 113 | 0.0324 | |
| | | | | 115 | 0.0144 | |
| | | | | 92 | 0.0198 | |
| | | | योग | 10 | 1.3554 | हेक्टेयर |
| | | | मुहम्मदाबाद | 1 | 0.5220 | |
| | | | | 3 | 0.0108 | |
| | | | | 2 | 0.0108 | |
| | | | | 9 | 0.0468 | |
| | | | योग | 4 | 0.5904 | हेक्टेयर |
| | | | छितरई | 39 | 0.0180 | |
| | | | | 24 | 0.0612 | |
| | | | | 23 | 0.0990 | |
| | | | | 22 | 0.1152 | |
| | | | | 26 | 0.0072 | |
| | | | | 27 | 0.0072 | |
| | | | | 28 | 0.1188 | |
| | | | | 19 | 0.1800 | |
| | | | | 18 | 0.3636 | |
| | | | | 17 | 0.0108 | |
| | | | | 16 | 0.0108 | |
| | | | | 15 | 0.0864 | |
| | | | | 98 | 0.0108 | |
| | | | | 99 | 0.0108 | |
| | | | | 92 | 0.1152 | |
| | | | | 93 | 0.0252 | |
| | | | | 94 | 0.0108 | |
| | | | | 96 | 0.0306 | |
| | | | | 97 | 0.0270 | |
| | | | | 100 | 0.0090 | |
| | | | | 101 | 0.0090 | |
| | | | | 104 | 0.0414 | |
| | | | | 103 | 0.1278 | |
| | | | | 102 | 0.0936 | |
| | | | | 107 | 0.0072 | |
| | | | | 108 | 0.0072 | |
| | | | | 114 | 0.1260 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|---------|---------|--------|-----|-----------------|---|
| फिरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | छितराई | 115 | 0.2844 | |
| | | | | 118 | 0.0288 | |
| | | | | 123 | 0.0684 | |
| | | | | 119 | 0.0324 | |
| | | | | 122 | 0.0936 | |
| | | | | 121 | 0.0072 | |
| | | | | 120 | 0.0522 | |
| | | | | 125 | 0.0558 | |
| | | | | 206 | 0.0216 | |
| | | | | 209 | 0.0864 | |
| | | | | 211 | 0.2304 | |
| | | | | 212 | 0.0468 | |
| | | | | 213 | 0.0324 | |
| | | | | 40 | 2.7702 हेक्टेयर | |
| फिरोजाबाद | टूण्डला | टूण्डला | मदावली | 1 | 0.1116 | |
| | | | | 2 | 0.0180 | |
| | | | | 12 | 0.6084 | |
| | | | | 6 | 0.0432 | |
| | | | | 7 | 0.0108 | |
| | | | | 27 | 0.0432 | |
| | | | | 26 | 0.0216 | |
| | | | | 13 | 0.0144 | |
| | | | | 24 | 0.4464 | |
| | | | | 43 | 0.0144 | |
| | | | | 44 | 0.0144 | |
| | | | | 45 | 0.3276 | |
| | | | | 46 | 0.0108 | |
| | | | | 50 | 0.4680 | |
| | | | | 54 | 0.0252 | |
| | | | | 59 | 0.2340 | |
| | | | | 58 | 0.0324 | |
| | | | | 57 | 0.2052 | |
| | | | योग | 18 | 2.6496 हेक्टेयर | |

New Delhi the 11th October, 1996

S.O. 1934.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Bajhera to Agra & Firozabad in U.P State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto :

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority, of India Ltd, A-14, Sector-1, PDIL Building, Noida (U.P.);

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

BAJHERA AGRA FIROZABAD SPUR GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Acquired Area in Hectare | Remarks |
|-----------|--------|---------|---------|----------|--------------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Firozabad | Tundla | Tundla | Sitoli | 8 | 0.2070 | |
| | | | | 11 | 0.0288 | |
| | | | | 7 | 0.0288 | |
| | | | | 6 | 0.3276 | |
| | | | | 4 | 0.0468 | |
| | | | | 3 | 0.0180 | |
| | | | | 6 | 0.6570 Hectare | |
| Firozabad | Tundla | Tundla | Basai | 61 | 0.2868 | |
| | | | | 63 | 0.0108 | |
| | | | | 64 | 0.3114 | |
| | | | | 53 | 0.0036 | |
| | | | | 71 | 0.0108 | |
| | | | | 99 | 0.2520 | |
| | | | | 98 | 0.0900 | |
| | | | | 96 | 0.0108 | |
| | | | | 106 | 0.1404 | |
| | | | | 95 | 0.0216 | |
| | | | | 92 | 0.2754 | |
| | | | | 94 | 0.0018 | |
| | | | | 90 | 0.0144 | |
| | | | | 84 | 0.0306 | |
| | | | | 82 | 0.0702 | |
| | | | | 15 | 1.5746 Hectares | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|--------|--------|-----------|------|-----------------|---|
| Firozabad | Tundla | Tundla | Alawalpur | 16 | 0.4878 | |
| | | | | Chak | 0.0108 | |
| | | | | Road | | |
| | | | | 52 | 0.3168 | |
| | | | | 51 | 0.0054 | |
| | | | | 50 | 0.0054 | |
| | | | | 44 | 0.1098 | |
| | | | | 43 | 0.2178 | |
| | | | | 117 | 0.0648 | |
| | | | | 121 | 0.3240 | |
| | | | | 120 | 0.0072 | |
| | | | | 119 | 0.1044 | |
| | | | | 118 | 0.0144 | |
| | | | Total: | 12 | 1.6686 Hectares | |
| | | | Kheriya | 39 | 0.1440 | |
| | | | Jarkhee | | | |
| | | | | 32 | 0.3528 | |
| | | | | 31 | 0.3132 | |
| | | | | 23 | 0.0108 | |
| | | | | 60 | 0.0756 | |
| | | | | 61 | 0.3420 | |
| | | | | 62 | 0.0408 | |
| | | | | 63 | 0.4608 | |
| | | | | 65 | 0.0108 | |
| | | | | 66 | 0.0018 | |
| | | | | 118 | 0.2700 | |
| | | | | 117 | 0.0108 | |
| | | | | 116 | 0.0252 | |
| | | | | 122 | 0.7956 | |
| | | | | Nala | 0.1368 | |
| | | | | 102 | 0.0684 | |
| | | | Total: | 16 | 3.0294 Hectares | |
| | | | Partapur | 271 | 0.0396 | |
| | | | | 270 | 0.1224 | |
| | | | | 261 | 0.0864 | |
| | | | | 269 | 0.0072 | |
| | | | | 274 | 0.4212 | |
| | | | | 276 | 0.0072 | |
| | | | | 277 | 0.0360 | |
| | | | | 278 | 0.0144 | |
| | | | | 279 | 0.0216 | |
| | | | | 280 | 0.0216 | |
| | | | | 281 | 0.0072 | |
| | | | | 283 | 0.0324 | |
| | | | | 289 | 0.2034 | |
| | | | | 290 | 0.1008 | |
| | | | | 291 | 0.1692 | |
| | | | | 163 | 0.0108 | |
| | | | | 161 | 0.2070 | |
| | | | Total: | 17 | 1.5084 Hectares | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|--------|--------|-------------|-------|-----------------|---|
| Firozabad | Tundla | Tundla | Muhammadpur | 34 | 0.0198 | |
| | | | | 33 | 0.1008 | |
| | | | | 32 | 0.0144 | |
| | | | | 31 | 0.0144 | |
| | | | | 28 | 0.1584 | |
| | | | | 29 | 0.1224 | |
| | | | | 30 | 0.0648 | |
| | | | | 40 | 0.0036 | |
| | | | | 41 | 0.0036 | |
| | | | | 26 | 0.0144 | |
| | | | | 27 | 0.0144 | |
| | | | | 42 | 0.0180 | |
| | | | | 14 | 0.0036 | |
| | | | | 15 | 0.2880 | |
| | | | | 16 | 0.1512 | |
| | | | | 18 | 0.0072 | |
| | | | | 19 | 0.0072 | |
| | | | | 20 | 0.3978 | |
| | | | | 25 | 0.0180 | |
| | | | | 20/35 | 0.0720 | |
| | | | | 22 | 0.1332 | |
| | | | Total: | 21 | 1.6272 Hectares | |
| | | | Nagla Kalua | 187 | 0.3330 | |
| | | | | 186 | 0.0036 | |
| | | | | 185 | 0.0144 | |
| | | | | 188 | 0.0144 | |
| | | | | 189 | 0.2160 | |
| | | | | 190 | 0.0288 | |
| | | | | 73 | 0.1080 | |
| | | | | 161 | 0.0072 | |
| | | | | 168 | 0.1548 | |
| | | | | 167 | 0.0792 | |
| | | | | 166 | 0.0036 | |
| | | | | 165 | 0.0036 | |
| | | | | 164 | 0.0540 | |
| | | | | 163 | 0.0036 | |
| | | | | 162 | 0.0036 | |
| | | | | 160 | 0.0180 | |
| | | | | 159 | 0.0900 | |
| | | | | 170 | 0.0072 | |
| | | | | 180 | 0.2772 | |
| | | | | 179 | 0.0072 | |
| | | | | 178 | 0.0504 | |
| | | | | 176 | 0.0072 | |
| | | | | 177 | 0.0540 | |
| | | | Total : | 23 | 1.5390 Hectares | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|--------|--------|--------------|-----|-----------------|---|
| Firozabad | Tundla | Tundla | Kotkee | 843 | 0.0162 | |
| | | | Total: | 1 | 0.0162 Hectares | |
| | | | Dinaoli | 95 | 0.1368 | |
| | | | | 96 | 0.2196 | |
| | | | | 97 | 0.0288 | |
| | | | | 105 | 0.2844 | |
| | | | | 104 | 0.1764 | |
| | | | | 106 | 0.3960 | |
| | | | | 112 | 0.0468 | |
| | | | | 113 | 0.0324 | |
| | | | | 115 | 0.0144 | |
| | | | | 92 | 0.0198 | |
| | | | Total: | 10 | 1.3554 Hectares | |
| | | | Muhammadabad | 1 | 0.5220 | |
| | | | | 3 | 0.0108 | |
| | | | | 2 | 0.0108 | |
| | | | | 9 | 0.0468 | |
| | | | Total : | 4 | 0.5904 Hectares | |
| | | | Chhitrai | 39 | 0.0180 | |
| | | | | 24 | 0.0612 | |
| | | | | 23 | 0.0990 | |
| | | | | 22 | 0.1152 | |
| | | | | 26 | 0.0072 | |
| | | | | 27 | 0.0072 | |
| | | | | 28 | 0.1188 | |
| | | | | 19 | 0.1800 | |
| | | | | 18 | 0.3636 | |
| | | | | 17 | 0.0108 | |
| | | | | 16 | 0.0108 | |
| | | | | 15 | 0.0864 | |
| | | | | 98 | 0.0108 | |
| | | | | 99 | 0.0108 | |
| | | | | 92 | 0.1152 | |
| | | | | 93 | 0.0252 | |
| | | | | 94 | 0.0108 | |
| | | | | 96 | 0.0306 | |
| | | | | 97 | 0.0270 | |
| | | | | 100 | 0.0090 | |
| | | | | 101 | 0.0090 | |
| | | | | 104 | 0.0414 | |
| | | | | 103 | 0.1278 | |
| | | | | 102 | 0.0936 | |
| | | | | 107 | 0.0072 | |
| | | | | 108 | 0.0072 | |
| | | | | 114 | 0.1260 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|--------|--------|----------|-----|-----------------|---|
| Firozabad | Tundla | Tundla | Chhitrai | 115 | 0.2844 | |
| | | | | 118 | 0.0288 | |
| | | | | 123 | 0.0684 | |
| | | | | 119 | 0.0324 | |
| | | | | 122 | 0.0936 | |
| | | | | 121 | 0.0072 | |
| | | | | 120 | 0.0522 | |
| | | | | 125 | 0.0558 | |
| | | | | 206 | 0.0216 | |
| | | | | 209 | 0.0864 | |
| | | | | 211 | 0.2304 | |
| | | | | 212 | 0.0468 | |
| | | | | 213 | 0.0324 | |
| Total : | | | | 40 | 2.7702 Hectares | |
| Madawali | | | | 1 | 0.1116 | |
| | | | | 2 | 0.0180 | |
| | | | | 12 | 0.6084 | |
| | | | | 6 | 0.0432 | |
| | | | | 7 | 0.0108 | |
| | | | | 27 | 0.0432 | |
| | | | | 26 | 0.0216 | |
| | | | | 13 | 0.0144 | |
| | | | | 24 | 0.4464 | |
| | | | | 43 | 0.0144 | |
| | | | | 44 | 0.0144 | |
| | | | | 45 | 0.3276 | |
| | | | | 46 | 0.0108 | |
| | | | | 50 | 0.4680 | |
| | | | | 54 | 0.0252 | |
| | | | | 59 | 0.2340 | |
| | | | | 58 | 0.0324 | |
| | | | | 57 | 0.2052 | |
| Total: | | | | 18 | 2.6496 Hectares | |

[No. L-14016/10/96 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1996

का.प्रा. 2985.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हल्द्वीया से बिहार राज्य के बरौनी तक पेट्रोलियम (क्रूड) के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लि. द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 21 दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइप

लाइन बिछाने के संबंध में उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप श्री विश्वनाथ बोस, सहाय प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड हल्दिया बरौनी क्रूड पाइप लाइन परियोजना, डाकघर-हल्दिया रिफाइनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : दासपुर जिला मिदनापुर राज्य : पश्चिमी बंगाल

गांव का नाम सं. खा. प्लॉट क्षेत्र
सं. सं. हेक्टेयर आरे सैटीमर

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|-----|------|---|---|----|
| जोयरामचक | 157 | 2978 | 0 | 1 | 32 |
| | | 2976 | 0 | 6 | 84 |
| | | 2977 | 0 | 0 | 67 |
| | | 2982 | 0 | 1 | 95 |
| | | 2983 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2990 | 0 | 6 | 59 |
| | | 2988 | 0 | 1 | 22 |
| | | 2989 | 0 | 0 | 24 |

[सं. आर-31015/11/96-ओ.आर.--1]
के.सी. कटोच, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 14th October, 1996

S.O.—2985—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, objection in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P.O. Haldia Refinery, Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station : Daspur District : Midnapur State : West Bengal

| Name of Village | Jurisdiction List No. | Plot No. | Area Hec- tares | Arés | Cent- tiars |
|-----------------|-----------------------|----------|-----------------------|------|----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Joyramchak | 157 | 2978 | 0 | 1 | 32 |
| | | 2976 | 0 | 6 | 84 |
| | | 2977 | 0 | 0 | 67 |
| | | 2982 | 0 | 1 | 95 |
| | | 2983 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2990 | 0 | 6 | 59 |
| | | 2988 | 0 | 1 | 22 |
| | | 2989 | 0 | 0 | 24 |

[No. R—31015/11/96—OR-I]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2986:— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हल्दिया से बिहार राज्य के बरौनी तक पेट्रोलियम (क्रूड) के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए ;

और उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हित रख कोई व्यक्ति उस तारीख से जिसको, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां सार्वजनिक जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 21 दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के संबंध में उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप श्री विश्वनाथ बोस, सहाय प्राधिकारी इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, हल्दिया, बरौनी क्रूड पाइपलाइन परियोजना, डाक घर हल्दिया रिफाइनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

| अनुसूची | | | | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---------------|-----------|----------|------|------------|----------|---|---|----|---|---|
| पू. था. -ओमग्राम जिला - बर्धमान राज्य-पश्चिमी बंगाल | | | | | | महल—जारी | | | | | |
| गांव का नाम | सं. ग्रा. सं. | प्लॉट सं. | क्षेत्र | | | | | | | | |
| | | | हेक्टेयर | घारे | मैट्री बार | | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | | | | | | |
| महल | 175 | 3014 | 0 | 0 | 1 | 2636 | 0 | 3 | 76 | | |
| | | 2924 | 0 | 3 | 41 | 2637 | 0 | 1 | 18 | | |
| | | 2923 | 0 | 0 | 1 | 2635 | 0 | 1 | 40 | | |
| | | 2925 | 0 | 4 | 49 | 2644 | 0 | 0 | 7 | | |
| | | 2926 | 0 | 0 | 52 | 2597 | 0 | 3 | 90 | | |
| | | 2928 | 0 | 0 | 17 | 2595 | 0 | 1 | 49 | | |
| | | 3239 | 0 | 4 | 32 | 2596 | 0 | 2 | 32 | | |
| | | 2929 | 0 | 0 | 21 | 2769 | 0 | 0 | 35 | | |
| | | 2938 | 0 | 1 | 95 | 2593 | 0 | 0 | 42 | | |
| | | 2937 | 0 | 1 | 0 | 2592 | 0 | 1 | 91 | | |
| | | 2936 | 0 | 1 | 39 | 2599 | 0 | 2 | 25 | | |
| | | 2935 | 0 | 0 | 96 | 2591 | 0 | 0 | 3 | | |
| | | 2946 | 0 | 2 | 33 | 2590 | 0 | 1 | 51 | | |
| | | 2943 | 0 | 0 | 93 | 2603 | 0 | 0 | 1 | | |
| | | 2945 | 0 | 2 | 35 | 3257 | 0 | 0 | 3 | | |
| | | 2944 | 0 | 1 | 14 | 2600 | 0 | 3 | 53 | | |
| | | 2949 | 0 | 0 | 12 | 2601 | 0 | 0 | | | |
| | | 2942 | 0 | 0 | 2 | 2670 | 0 | 4 | | | |
| | | 2948 | 0 | 0 | 63 | 2568 | 0 | 0 | | | |
| | | 2992 | 0 | 4 | 35 | 2571 | 0 | 0 | 4 | | |
| | | 2871 | 0 | 0 | 60 | 2569 | 0 | 3 | 81 | | |
| | | 2889 | 0 | 2 | 19 | 2537 | 0 | 0 | 22 | | |
| | | 2888 | 0 | 4 | 46 | 3237 | 0 | 0 | 93 | | |
| | | 2866 | 0 | 2 | 31 | 2565 | 0 | 2 | 83 | | |
| | | 2865 | 0 | 1 | 87 | 2566 | 0 | 0 | 9 | | |
| | | 2864 | 0 | 3 | 87 | 1016 | 0 | 1 | 95 | | |
| | | 2735 | 0 | 3 | 27 | 1017 | 0 | 5 | 36 | | |
| | | 2857 | 0 | 0 | 35 | 1018 | 0 | 0 | 84 | | |
| | | 2736 | 0 | 1 | 35 | 1015 | 0 | 6 | 36 | | |
| | | 2737 | 0 | 1 | 89 | 1014 | 0 | 0 | 93 | | |
| | | 2738 | 0 | 0 | 89 | 871 | 0 | 0 | 46 | | |
| | | 2739 | 0 | 2 | 34 | 872 | 0 | 6 | 22 | | |
| | | 2740 | 0 | 1 | 67 | 876 | 0 | 0 | 17 | | |
| | | 2741 | 0 | 0 | 56 | 873 | 0 | 2 | 18 | | |
| | | 2742 | 0 | 6 | 89 | 874 | 0 | 4 | 29 | | |
| | | 2743 | 0 | 0 | 14 | 875 | 0 | 4 | 55 | | |
| | | 2747 | 0 | 1 | 57 | 879 | 0 | 4 | 69 | | |
| | | 2758 | 0 | 4 | 87 | 852 | 0 | 3 | 19 | | |
| | | 2757 | 0 | 1 | 4 | 856 | 0 | 3 | 90 | | |
| | | 2759 | 0 | 3 | 0 | 853 | 0 | 5 | 71 | | |
| | | 2756 | 0 | 4 | 53 | 854 | 0 | 0 | 42 | | |
| | | 2760 | 0 | 0 | 93 | 823 | 0 | 5 | 43 | | |
| | | 2639 | 0 | 0 | 8 | 820 | 0 | 0 | 17 | | |
| | | 2638 | 0 | 0 | 73 | 821 | 0 | 0 | 44 | | |
| | | | | | | 822 | 0 | 0 | 78 | | |
| | | | | | | 824 | 0 | 0 | 52 | | |
| | | | | | | 818 | 0 | 2 | 61 | | |
| | | | | | | 819 | 0 | 1 | 17 | | |
| | | | | | | 617 | 0 | 1 | 83 | | |
| | | | | | | 816 | 0 | 0 | 16 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|----|----|----------|-----|------|---|----|----|
| | मडा | 300 | 0 | 3 | 5 | | | 3930 | 0 | 3 | 2 |
| | | 806 | 0 | 0 | 41 | | | 3934 | 0 | 0 | 21 |
| | | 808 | 0 | 4 | 24 | | | 3929 | 0 | 2 | 54 |
| | | 813 | 0 | 3 | 82 | | | 3926 | 0 | 1 | 98 |
| | | 809 | 0 | 1 | 39 | | | 3927 | 0 | 2 | 4 |
| | | 810 | 0 | 3 | 42 | | | 3928 | 0 | 0 | 58 |
| | | 811 | 0 | 1 | 44 | | | 3924 | 0 | 0 | 89 |
| | | 423 | 0 | 5 | 8 | | | 3938 | 0 | 6 | 82 |
| | | 323 | 0 | 2 | 68 | | | 3966 | 0 | 7 | 70 |
| | | 333 | 0 | 0 | 40 | | | 3967 | 0 | 3 | 76 |
| | | 422 | 0 | 11 | 48 | | | 3969 | 0 | 3 | 34 |
| | | 416 | 0 | 0 | 1 | | | 5047 | 0 | 2 | 63 |
| | | 417 | 0 | 0 | 90 | | | 4287 | 0 | 0 | 1 |
| | | 418 | 0 | 0 | 61 | | | 3972 | 0 | 3 | 11 |
| | | 413 | 0 | 12 | 62 | | | 4992 | 0 | 3 | 90 |
| | | 405 | 0 | 0 | 46 | | | 3815 | 0 | 2 | 9 |
| | | 401 | 0 | 3 | 98 | | | 3814 | 0 | 1 | 67 |
| | | 402 | 0 | 0 | 38 | | | 3810 | 0 | 1 | 55 |
| | | 403 | 0 | 3 | 31 | | | 3717 | 0 | 7 | 34 |
| | | 400 | 0 | 3 | 90 | | | 3716 | 0 | 0 | 1 |
| | | 395 | 0 | 0 | 1 | | | 3719 | 0 | 7 | 90 |
| | | 399 | 0 | 2 | 77 | | | 3721 | 0 | 0 | 83 |
| | | 376 | 0 | 0 | 17 | | | 3720 | 0 | 5 | 91 |
| | | 378 | 0 | 0 | 84 | | | 3726 | 0 | 4 | 39 |
| | | 380 | 0 | 5 | 85 | | | 3740 | 0 | 0 | 4 |
| बेसारी | 177 | 4422 | 0 | 8 | 33 | | | 3727 | 0 | 10 | 30 |
| | | 4062 | 0 | 1 | 95 | | | 3728 | 0 | 1 | 11 |
| | | 3843 | 0 | 7 | 15 | | | 3707 | 0 | 0 | 4 |
| | | 4963 | 0 | 1 | 62 | | | 3729 | 0 | 1 | 39 |
| | | 4964 | 0 | 0 | 70 | | | 3706 | 0 | 11 | 28 |
| | | 3840 | 0 | 7 | 33 | | | 4493 | 0 | 0 | 8 |
| | | 3832 | 0 | 1 | 11 | | | 3917 | 0 | 2 | 95 |
| | | 3846 | 0 | 4 | 25 | | | 3714 | 0 | 1 | 45 |
| | | 3841 | 0 | 0 | 30 | बेलप्राय | 168 | 8195 | 0 | 0 | 97 |
| | | 3847 | 0 | 2 | 15 | | | 8182 | 0 | 0 | 84 |
| | | 3845 | 0 | 0 | 6 | | | 8189 | 0 | 3 | 13 |
| | | 3848 | 0 | 3 | 35 | | | 8183 | 0 | 10 | 87 |
| | | 3849 | 0 | 7 | 41 | | | 8184 | 0 | 0 | 28 |
| | | 3850 | 0 | | | | | 8185 | 0 | 3 | 82 |
| | | 3870 | 0 | 2 | 92 | | | 8187 | 0 | 0 | 7 |
| | | 3871 | 0 | 2 | 30 | | | 8186 | 0 | 6 | 40 |
| | | 3872 | 0 | 0 | 1 | | | 8177 | 0 | 11 | 0 |
| | | 3888 | 0 | 3 | 29 | | | 8175 | 0 | 3 | 50 |
| | | 3889 | 0 | 0 | 22 | | | 8280 | 0 | 3 | 81 |
| | | 3887 | 0 | 0 | 97 | | | 8272 | 0 | 3 | 71 |
| | | 3886 | 0 | 1 | 49 | | | 8090 | 0 | 6 | 54 |
| | | 3885 | 0 | 0 | 28 | | | 8091 | 0 | 7 | 66 |
| | | 3884 | 0 | 2 | 37 | | | 8093 | 0 | 0 | 84 |
| | | 3895 | 0 | 2 | 44 | | | 8099 | 0 | 0 | 70 |
| | | 3883 | 0 | 0 | 77 | | | 8088 | 0 | 8 | 35 |
| | | 3882 | 0 | 3 | 40 | | | 8097 | 0 | 1 | 30 |
| | | 3932 | 0 | 3 | 34 | | | 8100 | 0 | 5 | 36 |
| | | 3931 | 0 | 4 | 46 | | | 7912 | 0 | 0 | 9 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|----|----|---|---|------|---|----|----|
| बेलपाम | 168 | 7911 | 0 | 0 | 31 | | | | | | |
| | | 8101 | 0 | 5 | 43 | | | 3951 | | 0 | 14 |
| | | 7907 | 0 | 4 | 50 | | | 3952 | 0 | 6 | 27 |
| | | 7908 | 0 | 0 | 30 | | | 3949 | 0 | 2 | 9 |
| | | 7906 | 0 | 5 | 29 | | | 3945 | 0 | 3 | 33 |
| | | 7905 | 0 | 9 | 47 | | | 3943 | 0 | 0 | 24 |
| | | 7887 | 0 | 0 | 1 | | | 3942 | 0 | 4 | 73 |
| | | 7888 | 0 | 8 | 15 | | | 3941 | 0 | 3 | 90 |
| | | 7089 | 0 | 5 | 14 | | | 3916 | 0 | 2 | 4 |
| | | 7890 | 0 | 0 | 98 | | | 3916 | 0 | 7 | 24 |
| | | 7892 | 0 | 11 | 23 | | | 3914 | 0 | 1 | 45 |
| | | 7893 | 0 | 0 | 1 | | | 3918 | 0 | 2 | 54 |
| | | 7895 | 0 | 1 | 74 | | | 3919 | 0 | 1 | 29 |
| | | 7846 | 0 | 14 | 41 | | | 3920 | 0 | 0 | 64 |
| | | 3441 | 0 | 0 | 1 | | | 3848 | 0 | 3 | 90 |
| | | 3440 | 0 | 7 | 71 | | | 3849 | 0 | 4 | 69 |
| | | 3439 | 0 | 0 | 3 | | | 3852 | 0 | 5 | 47 |
| | | 3426 | 0 | 0 | 32 | | | 3850 | 0 | 1 | 74 |
| | | 3427 | 0 | 2 | 51 | | | 3854 | 0 | 6 | 3 |
| | | 3428 | 0 | 9 | 98 | | | 3803 | 0 | 4 | 14 |
| | | 3438 | 0 | 5 | 10 | | | 3804 | 0 | 0 | 31 |
| | | 3437 | 0 | 0 | 9 | | | 3801 | 0 | 2 | 4 |
| | | 3429 | 0 | 2 | 72 | | | 3807 | 0 | 3 | 95 |
| | | 3430 | 0 | 4 | 73 | | | 3808 | 0 | 1 | 4 |
| | | 3431 | 0 | 1 | 72 | | | 3800 | 0 | 4 | 13 |
| | | 3433 | 0 | 2 | 55 | | | 4063 | 0 | 3 | 25 |
| | | 3434 | 0 | 0 | 23 | | | 4090 | 0 | 6 | 68 |
| | | 3467 | 0 | 6 | 41 | | | 4083 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3468 | 0 | 2 | 9 | | | 4089 | 0 | 0 | 99 |
| | | 3470 | 0 | 1 | 44 | | | 4091 | 0 | 1 | 15 |
| | | 4807 | 0 | 0 | 55 | | | 4780 | 0 | 1 | 3 |
| | | 3471 | 0 | 3 | 44 | | | 4779 | 0 | 0 | 22 |
| | | 3473 | 0 | 0 | 34 | | | 4094 | 0 | 0 | 29 |
| | | 3476 | 0 | 0 | 23 | | | 4092 | 0 | 3 | 34 |
| | | 4506 | 0 | 3 | 53 | | | 4093 | 0 | 0 | 83 |
| | | 4507 | 0 | 5 | 75 | | | 4096 | 0 | 1 | 2 |
| | | 3482 | 0 | 0 | 47 | | | 4097 | 0 | 9 | 81 |
| | | 4036 | 0 | 7 | 61 | | | 4782 | 0 | 3 | 50 |
| | | 4035 | 0 | 0 | 6 | | | 4099 | 0 | 1 | 46 |
| | | 4034 | 0 | 3 | 65 | | | 4100 | 0 | 3 | 48 |
| | | 3486 | 0 | 0 | 35 | | | 3635 | 0 | 3 | 34 |
| | | 4032 | 0 | 4 | 88 | | | 2355 | 0 | 8 | 49 |
| | | 4033 | 0 | 1 | 67 | | | 2345 | 0 | 0 | 98 |
| | | 4031 | 0 | 2 | 78 | | | 2344 | 0 | 5 | 85 |
| | | 4030 | 0 | 2 | 67 | | | 2342 | 0 | 0 | 35 |
| | | 4009 | 0 | 1 | 62 | | | 2343 | 0 | 3 | 83 |
| | | 4028 | 0 | 3 | 95 | | | 2330 | 0 | 3 | 62 |
| | | 4027 | 0 | 0 | 92 | | | 2337 | 0 | 10 | 2 |
| | | 4050 | 0 | 3 | 78 | | | 2334 | 0 | 8 | 13 |
| | | 4051 | 0 | 2 | 78 | | | 2333 | 0 | 2 | 40 |
| | | 4024 | 0 | 3 | 78 | | | 1792 | 0 | 10 | 72 |
| | | 4023 | 0 | 1 | 70 | | | 1791 | 0 | 4 | 84 |
| | | 4022 | 0 | 4 | 39 | | | 1790 | 0 | 0 | 80 |
| | | 4021 | 0 | 2 | 3 | | | 1780 | 0 | 6 | 40 |
| | | 4020 | 0 | 4 | 93 | | | 1781 | 0 | 5 | 71 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------|-----|------|---|----|-----------------|--------|-----|------|---|----|----|
| बेलगाव | 168 | 1957 | 0 | 3 | 77 | | | 1193 | 0 | 2 | 68 |
| | | 1560 | 0 | 6 | 13 | | | 1191 | 0 | 1 | 28 |
| | | 1559 | 0 | 5 | 85 | | | 1190 | 0 | 5 | 51 |
| | | 1566 | 0 | 0 | 70 | | | 1189 | 0 | 3 | 6 |
| | | 1555 | 0 | 3 | 90 | सिध्दा | 161 | 4 | 0 | 3 | 34 |
| | | 1564 | 0 | 1 | 46 | | | 12 | 0 | 8 | 7 |
| | | 1553 | 0 | 5 | 71 | | | 11 | 0 | 0 | 93 |
| | | 1552 | 0 | 4 | 73 | | | 13 | 0 | 5 | 29 |
| | | 1549 | 0 | 8 | 52 | | | 14 | 0 | 6 | 68 |
| | | 1550 | 0 | 1 | 88 | | | 39 | 0 | 6 | 66 |
| | | 1455 | 0 | 5 | 29 | | | 29 | 0 | 4 | 46 |
| | | 1456 | 0 | 5 | 85 | | | 27 | 0 | 0 | 64 |
| | | 1457 | 0 | 0 | 49 | | | 31 | 0 | 3 | 6 |
| | | 1450 | 0 | 10 | 15 | | | 28 | 0 | 7 | 79 |
| | | 1460 | 0 | 0 | 35 | | | 32 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1461 | 0 | 8 | 42 | | | 33 | 0 | 15 | 19 |
| | | 1462 | 0 | 6 | 13 | | | 38 | 0 | 1 | 81 |
| | | 1463 | 0 | 0 | 1 | | | 37 | 0 | 0 | 54 |
| | | 1464 | 0 | 2 | 65 | | | 39 | 0 | 9 | 47 |
| | | 1465 | 0 | 1 | 4 | | | 40 | 0 | 3 | 4 |
| | | 1466 | 0 | 4 | 87 | | | 46 | 0 | 11 | 70 |
| | | 1467 | 0 | 0 | 35 | | | 47 | 0 | 1 | 11 |
| | | 1224 | 0 | 1 | 93 | | | 53 | 0 | 4 | 4 |
| | | 1221 | 0 | 5 | 48 | | | 902 | 0 | 5 | 85 |
| | | 1222 | 0 | 0 | 4 | | | 1173 | 0 | 6 | 22 |
| | | 1223 | 0 | 6 | 44 | | | 1170 | 0 | 5 | 66 |
| | | 1205 | 0 | 6 | 84 | | | 1169 | 0 | 4 | 49 |
| | | 1204 | 0 | 4 | 73 | | | 1174 | 0 | 4 | 13 |
| | | 1202 | 0 | 5 | 33 | | | 1166 | 0 | 5 | 69 |
| | | 1209 | 0 | 2 | 9 | | | 2612 | 0 | 1 | 95 |
| | | 1210 | 0 | 0 | 4 | | | 2611 | 0 | 9 | 5 |
| | | 1197 | 0 | 2 | 30 | | | 1162 | 0 | 1 | 57 |
| | | 1196 | 0 | 6 | 26 | | | 1161 | 0 | 0 | 42 |
| | | 1195 | 0 | 8 | 35 | | | 1231 | 0 | 2 | 61 |
| | | 1076 | 0 | 7 | 53 | | | 1229 | 0 | 5 | 1 |
| | | 1074 | 0 | 0 | 2 | | | 1228 | 0 | 9 | 60 |
| | | 1075 | 0 | 5 | 89 | | | 1227 | 0 | 8 | 63 |
| | | 1069 | 0 | 0 | 4 | | | 1222 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1073 | 0 | 6 | 2 | | | 1223 | 0 | 2 | 91 |
| | | 1070 | 0 | 4 | 46 | | | 1224 | 0 | 4 | 18 |
| | | 1072 | 0 | 0 | 16 | | | 1552 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1071 | 0 | 8 | 31 | | | 1550 | 0 | 3 | 99 |
| | | 1065 | 0 | 2 | 60 | | | 1554 | 0 | 0 | 6 |
| | | 1066 | 0 | 2 | 51 | | | 1548 | 0 | 9 | 47 |
| | | 1061 | 0 | 0 | 37 | | | 1534 | 0 | 5 | 48 |
| | | 1059 | 0 | 8 | 86 | | | 1538 | 0 | 3 | 13 |
| | | 1060 | 0 | 2 | 32 | | | 1537 | 0 | 2 | 78 |
| | | 7908 | 0 | 0 | 55 | | | 1529 | 0 | 7 | 24 |
| | | 1421 | 0 | 5 | 53 | | | 1528 | 0 | 3 | 43 |
| | | 1218 | 0 | 0 | 31 | | | 523 | 0 | 4 | 73 |
| | | 1217 | 0 | 2 | 87 | | | 524 | 0 | 1 | 95 |
| | | 1216 | 0 | 2 | 44 | | | 2585 | 0 | 1 | 30 |
| | | 1194 | 0 | 3 | 67 | | | 1509 | 0 | 16 | 52 |
| | | 1195 | 0 | 2 | 3 ¹⁰ | | | | | | |
| साप्ताहिक | 167 | | | | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|-----|------|---|----|----|---------------|---|------|---|----|----|
| | | 1505 | 0 | 9 | 19 | गुराकारा—जोरी | | 3347 | 0 | 2 | 64 |
| | | 1500 | 0 | 15 | 87 | | | 3348 | 0 | 0 | 7 |
| | | 1911 | 0 | 0 | 22 | | | 3349 | 0 | 1 | 48 |
| | | 1912 | 0 | 0 | 39 | | | 3352 | 0 | 7 | 41 |
| | | 2213 | 0 | 15 | 59 | | | 3353 | 0 | 6 | 22 |
| | | 2212 | 0 | 3 | 76 | | | 3354 | 0 | 4 | 45 |
| | | 2211 | 0 | 6 | 64 | | | 3367 | 0 | 2 | 51 |
| | | 2147 | 0 | 0 | 12 | | | 3366 | 0 | 0 | 68 |
| | | 2149 | 0 | 2 | 78 | | | 3369 | 0 | 0 | 76 |
| | | 2148 | 0 | 0 | 84 | | | 3371 | 0 | 3 | 15 |
| | | 2150 | 0 | 3 | 41 | | | 3372 | 0 | 4 | 26 |
| | | 2152 | 0 | 6 | 98 | | | 3472 | 0 | 3 | 62 |
| | | 2151 | 0 | 0 | 35 | | | 3471 | 0 | 2 | 19 |
| | | 2155 | 0 | 5 | 12 | | | 3476 | 0 | 0 | 28 |
| | | 2197 | 0 | 3 | 86 | | | 3483 | 0 | 3 | 34 |
| | | 2195 | 0 | 2 | 30 | | | 587 | 0 | 0 | 27 |
| | | 2193 | 0 | 4 | 13 | | | 3345 | 0 | 0 | 58 |
| | | 2194 | 0 | 2 | 59 | | | 3368 | 0 | 4 | 99 |
| | | 2239 | 0 | 2 | 81 | | | 3484 | 0 | 0 | 83 |
| | | 2240 | 0 | 3 | 2 | | | 3485 | 0 | 2 | 78 |
| | | 2241 | 0 | 12 | 90 | | | 3482 | 0 | 3 | 48 |
| | | 2242 | 0 | 0 | 1 | | | 3488 | 0 | 8 | 81 |
| | | 2249 | 0 | 0 | 1 | | | 3486 | 0 | 5 | 91 |
| | | 2248 | 0 | 1 | 76 | | | 3514 | 0 | 4 | 45 |
| | | 2245 | 0 | 2 | 72 | | | 3513 | 0 | 1 | 46 |
| | | 2246 | 0 | 7 | 59 | | | 3518 | 0 | 8 | 93 |
| वरियापुर | 162 | 7684 | 0 | 0 | 55 | | | 3517 | 0 | 5 | 56 |
| | | 7683 | 0 | 1 | 55 | | | 3520 | 0 | 3 | 43 |
| | | 7942 | 0 | 2 | 22 | | | 3521 | 0 | 0 | 1 |
| | | 7681 | 0 | 0 | 83 | | | 3529 | 0 | 6 | 49 |
| | | 7759 | 0 | 3 | 5 | | | 3528 | 0 | 12 | 34 |
| | | 7760 | 0 | 10 | 85 | | | 3527 | 0 | 0 | 23 |
| | | 7761 | 0 | 5 | 56 | | | 3562 | 0 | 5 | 56 |
| | | 7680 | 0 | 0 | 1 | | | 3563 | 0 | 1 | 80 |
| | | 7765 | 0 | 1 | 85 | | | 3602 | 0 | 7 | 14 |
| | | 7764 | 0 | 2 | 27 | | | 3600 | 0 | 0 | 1 |
| | | 7766 | 0 | 5 | 56 | | | 3604 | 0 | 2 | 47 |
| | | 767 | 0 | 2 | 78 | | | 3605 | 0 | 1 | 55 |
| | | 768 | 0 | 2 | 8 | | | 3606 | 0 | 3 | 75 |
| | | 774 | 0 | 0 | 1 | | | 3592 | 0 | 6 | 68 |
| गुराकारा | 158 | 580 | 0 | 3 | 83 | | | 3591 | 0 | 3 | 48 |
| | | 581 | 0 | 3 | 62 | | | 3593 | 0 | 1 | 85 |
| | | 582 | 0 | 2 | 32 | | | 3589 | 0 | 11 | 13 |
| | | 579 | 0 | 3 | 34 | | | 4516 | 0 | 3 | 31 |
| | | 589 | 0 | 2 | 51 | | | 3582 | 0 | 0 | 1 |
| | | 588 | 0 | 3 | 90 | | | 3587 | 0 | 3 | 80 |
| | | 585 | 0 | 3 | 62 | | | 3586 | 0 | 3 | 99 |
| | | 1156 | 0 | 8 | 72 | | | 3481 | 0 | 0 | 97 |
| | | 1159 | 0 | 2 | 42 | | | 3603 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1160 | 0 | 0 | 21 | | | | | | |
| | | 1161 | 0 | 8 | 43 | | | | | | |
| | | 1162 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1303 | 0 | 1 | 39 | | | | | | |
| | | 346 | 0 | 4 | 64 | | | | | | |

New Delhi, the 15th October, 1996

S.O. 2986—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the State of West Bengal to Barauni in the State of Bihar, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, objection in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Pipeline Project, P.O. Haldia Refinery, Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station : Aushgram District : Burdwan State : West Bengal

| Village | Jurisdiction List No. | Plot No. | Area | | |
|---------|-----------------------|----------|----------|-----|----------|
| | | | Hec-tare | Are | Centiare |
| I | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Bhada | 175 | 3014 | 0 | 0 | 14 |
| | | 2924 | 0 | 3 | 41 |
| | | 2923 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2925 | 0 | 4 | 49 |
| | | 2926 | 0 | 0 | 52 |
| | | 2928 | 0 | 0 | 17 |
| | | 3239 | 0 | 4 | 32 |
| | | 2929 | 0 | 0 | 21 |
| | | 2938 | 0 | 1 | 95 |
| | | 2937 | 0 | 1 | 0 |
| | | 2936 | 0 | 1 | 39 |
| | | 2935 | 0 | 0 | 96 |
| | | 2946 | 0 | 2 | 33 |
| | | 2943 | 0 | 0 | 93 |
| | | 2945 | 0 | 2 | 35 |
| | | 2944 | 0 | 1 | 14 |
| | | 2949 | 0 | 0 | 12 |
| | | 2942 | 0 | 0 | 2 |
| | | 2948 | 0 | 0 | 63 |
| | | 2902 | 0 | 4 | 35 |
| | | 2871 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2869 | 0 | 2 | 19 |
| | | 2868 | 0 | 4 | 46 |
| | | 2866 | 0 | 2 | 31 |
| | | 2865 | 0 | 1 | 87 |
| | | 2864 | 0 | 3 | 87 |
| | | 2735 | 0 | 3 | 27 |
| | | 2857 | 0 | 0 | 35 |
| | | 2736 | 0 | 1 | 35 |
| | | 2737 | 0 | 1 | 89 |

| | | | |
|------|---|---|----|
| 2738 | 0 | 0 | 89 |
| 2739 | 0 | 2 | 34 |
| 2740 | 0 | 1 | 67 |
| 2741 | 0 | 0 | 56 |
| 2742 | 0 | 6 | 89 |
| 2743 | 0 | 0 | 14 |
| 2747 | 0 | 1 | 57 |
| 2758 | 0 | 4 | 87 |
| 2757 | 0 | 1 | 4 |
| 2759 | 0 | 3 | 0 |
| 2756 | 0 | 4 | 53 |
| 2760 | 0 | 0 | 93 |
| 2639 | 0 | 0 | 8 |
| 2638 | 0 | 0 | 73 |
| 2636 | 0 | 3 | 76 |
| 2637 | 0 | 1 | 18 |
| 2635 | 0 | 1 | 40 |
| 2644 | 0 | 0 | 7 |
| 2597 | 0 | 3 | 90 |
| 2595 | 0 | 1 | 49 |
| 2596 | 0 | 2 | 32 |
| 2769 | 0 | 0 | 35 |
| 2593 | 0 | 0 | 42 |
| 2592 | 0 | 1 | 91 |
| 2599 | 0 | 2 | 25 |
| 2591 | 0 | 0 | 3 |
| 2590 | 0 | 1 | 51 |
| 2603 | 0 | 0 | 1 |
| 3257 | 0 | 0 | 3 |
| 2600 | 0 | 3 | 53 |
| 2601 | 0 | 0 | 65 |
| 2570 | 0 | 4 | 9 |
| 2568 | 0 | 0 | 5 |
| 2571 | 0 | 0 | 4 |
| 2569 | 0 | 3 | 81 |
| 2537 | 0 | 0 | 22 |
| 3237 | 0 | 0 | 93 |
| 2565 | 0 | 2 | 83 |
| 2566 | 0 | 0 | 9 |
| 1016 | 0 | 1 | 95 |
| 1017 | 0 | 5 | 36 |
| 1018 | 0 | 0 | 84 |
| 1015 | 0 | 6 | 36 |
| 1014 | 0 | 0 | 93 |
| 871 | 0 | 0 | 46 |
| 872 | 0 | 6 | 22 |
| 876 | 0 | 0 | 17 |
| 873 | 0 | 2 | 18 |
| 874 | 0 | 4 | 29 |
| 875 | 0 | 4 | 55 |
| 879 | 0 | 4 | 69 |
| 852 | 0 | 3 | 19 |
| 856 | 0 | 3 | 90 |
| 853 | 0 | 5 | 71 |
| 854 | 0 | 0 | 42 |
| 823 | 0 | 5 | 45 |
| 820 | 0 | 0 | 17 |
| 821 | 0 | 0 | 44 |
| 822 | 0 | 0 | 78 |
| 824 | 0 | 0 | 52 |
| 818 | 0 | 2 | 61 |
| 819 | 0 | 1 | 17 |
| 817 | 0 | 1 | 83 |
| 816 | 0 | 0 | 16 |
| 300 | 0 | 3 | 5 |
| 806 | 0 | 0 | 41 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|----|----|---------|-----|------|---|----|----|
| | | 808 | 0 | 4 | 24 | Belari | 177 | 3926 | 0 | 1 | 98 |
| | | 813 | 0 | 3 | 82 | | | 3927 | 0 | 2 | 4 |
| | | 809 | 0 | 1 | 39 | | | 3928 | 0 | 0 | 58 |
| | | 810 | 0 | 3 | 42 | | | 3924 | 0 | 0 | 89 |
| | | 811 | 0 | 1 | 44 | | | 3938 | 0 | 6 | 82 |
| | | 423 | 0 | 5 | 8 | | | 3966 | 0 | 7 | 70 |
| | | 323 | 0 | 2 | 68 | | | 3967 | 0 | 3 | 76 |
| | | 333 | 0 | 0 | 40 | | | 3969 | 0 | 3 | 34 |
| | | 422 | 0 | 11 | 48 | | | 5047 | 0 | 2 | 65 |
| | | 416 | 0 | 0 | 20 | | | 4287 | 0 | 0 | 1 |
| | | 417 | 0 | 0 | 90 | | | 3972 | 0 | 3 | 11 |
| | | 418 | 0 | 0 | 61 | | | 4992 | 0 | 3 | 90 |
| | | 413 | 0 | 12 | 62 | | | 3815 | 0 | 2 | 9 |
| | | 405 | 0 | 0 | 46 | | | 3814 | 0 | 1 | 67 |
| | | 401 | 0 | 3 | 98 | | | 3810 | 0 | 1 | 55 |
| | | 402 | 0 | 0 | 38 | | | 3717 | 0 | 7 | 34 |
| | | 403 | 0 | 3 | 31 | | | 3716 | 0 | 0 | 1 |
| | | 400 | 0 | 3 | 90 | | | 3719 | 0 | 7 | 90 |
| | | 395 | 0 | 0 | 1 | | | 3721 | 0 | 0 | 83 |
| | | 399 | 0 | 2 | 77 | | | 3720 | 0 | 5 | 91 |
| | | 376 | 0 | 0 | 17 | | | 3726 | 0 | 4 | 39 |
| | | 378 | 0 | 0 | 84 | | | 3740 | 0 | 0 | 4 |
| | | 380 | 0 | 5 | 85 | | | 3727 | 0 | 10 | 30 |
| Naoda | 167 | 2537 | 0 | 0 | 32 | | | 3728 | 0 | 1 | 11 |
| | | 1421 | 0 | 5 | 53 | | | 3707 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1218 | 0 | 0 | 31 | | | 3729 | 0 | 1 | 39 |
| | | 1217 | 0 | 2 | 87 | | | 3706 | 0 | 11 | 28 |
| | | 1216 | 0 | 2 | 44 | | | 4493 | 0 | 0 | 8 |
| | | 1194 | 0 | 3 | 67 | | | 3717 | 0 | 2 | 95 |
| | | 1195 | 0 | 2 | 23 | | | 3714 | 0 | 1 | 45 |
| | | 1193 | 0 | 2 | 68 | Belgram | 168 | 8195 | 0 | 0 | 97 |
| | | 1191 | 0 | 1 | 28 | | | 8182 | 0 | 0 | 84 |
| | | 1190 | 0 | 5 | 51 | | | 8189 | 0 | 3 | 13 |
| | | 1189 | 0 | 3 | 6 | | | 8183 | 0 | 10 | 87 |
| Belari | 177 | 4422 | 0 | 8 | 33 | | | 8184 | 0 | 0 | 28 |
| | | 4062 | 0 | 1 | 95 | | | 8185 | 0 | 3 | 82 |
| | | 3843 | 0 | 7 | 15 | | | 8187 | 0 | 0 | 7 |
| | | 4963 | 0 | 1 | 62 | | | 8186 | 0 | 6 | 40 |
| | | 4964 | 0 | 0 | 70 | | | 8177 | 0 | 11 | 0 |
| | | 3840 | 0 | 7 | 33 | | | 8175 | 0 | 3 | 50 |
| | | 3832 | 0 | 1 | 11 | | | 8280 | 0 | 3 | 81 |
| | | 3846 | 0 | 4 | 25 | | | 8272 | 0 | 3 | 71 |
| | | 3841 | 0 | 0 | 30 | | | 8090 | 0 | 6 | 54 |
| | | 3847 | 0 | 2 | 15 | | | 8091 | 0 | 7 | 66 |
| | | 3845 | 0 | 0 | 6 | | | 8093 | 0 | 0 | 84 |
| | | 3848 | 0 | 3 | 35 | | | 8099 | 0 | 0 | 7 |
| | | 3849 | 0 | 7 | 41 | | | 8098 | 0 | 8 | 7 |
| | | 3850 | 0 | 0 | 94 | | | 8097 | 0 | 1 | 7 |
| | | 2870 | 0 | 2 | 92 | | | 8100 | 0 | 7 | 7 |
| | | 3871 | 0 | 2 | 30 | | | 7912 | 0 | 2 | 7 |
| | | 3872 | 0 | 0 | 1 | | | 7911 | 0 | 0 | 7 |
| | | 3888 | 0 | 3 | 29 | | | 8101 | 0 | 5 | 43 |
| | | 3889 | 0 | 0 | 22 | | | 7967 | 0 | 4 | 56 |
| | | 3887 | 0 | 0 | 97 | | | 7908 | 0 | 0 | 36 |
| | | 3886 | 0 | 1 | 49 | | | 7906 | 0 | 5 | 29 |
| | | 3885 | 0 | 0 | 28 | | | 7905 | 0 | 9 | 47 |
| | | 3884 | 0 | 2 | 37 | | | 7887 | 0 | 6 | 1 |
| | | 3895 | 0 | 2 | 44 | | | 7888 | 0 | 7 | 1 |
| | | 3883 | 0 | 0 | 77 | | | 7089 | 0 | 2 | 1 |
| | | 3882 | 0 | 3 | 40 | | | 7890 | 0 | 0 | 98 |
| | | 3932 | 0 | 3 | 34 | | | 7892 | 0 | 11 | 23 |
| | | 3931 | 0 | 4 | 46 | | | 7893 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3930 | 0 | 3 | 2 | | | 7895 | 0 | 1 | 74 |
| | | 3934 | 0 | 0 | 21 | | | 7846 | 0 | 14 | 41 |
| | | 3929 | 0 | 2 | 54 | | | 3441 | 0 | 0 | 1 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|-----|------|---|---|----|---|---|------|---|----|----|
| Belgram | 168 | 3440 | 0 | 7 | 71 | | | 3807 | 0 | 3 | 95 |
| | | 3439 | 0 | 0 | 3 | | | 3808 | 0 | 1 | 4 |
| | | 3426 | 0 | 0 | 32 | | | 3800 | 0 | 4 | 13 |
| | | 3427 | 0 | 2 | 51 | | | 4063 | 0 | 3 | 25 |
| | | 3428 | 0 | 0 | 98 | | | 4090 | 0 | 6 | 68 |
| | | 3438 | 0 | 5 | 10 | | | 4083 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3437 | 0 | 0 | 9 | | | 4089 | 0 | 0 | 99 |
| | | 3429 | 0 | 2 | 72 | | | 4091 | 0 | 1 | 15 |
| | | 3430 | 0 | 4 | 73 | | | 4780 | 0 | 1 | 3 |
| | | 3431 | 0 | 1 | 72 | | | 4779 | 0 | 0 | 22 |
| | | 3433 | 0 | 2 | 55 | | | 4094 | 0 | 0 | 29 |
| | | 3434 | 0 | 0 | 23 | | | 4092 | 0 | 3 | 34 |
| | | 3467 | 0 | 6 | 41 | | | 4093 | 0 | 0 | 83 |
| | | 3468 | 0 | 2 | 9 | | | 4096 | 0 | 1 | 2 |
| | | 3470 | 0 | 1 | 44 | | | 4097 | 0 | 9 | 81 |
| | | 4807 | 0 | 0 | 55 | | | 4782 | 0 | 3 | 50 |
| | | 3471 | 0 | 3 | 44 | | | 4099 | 0 | 1 | 46 |
| | | 3475 | 0 | 0 | 34 | | | 4100 | 0 | 3 | 48 |
| | | 3476 | 0 | 0 | 23 | | | 3635 | 0 | 3 | 34 |
| | | 4506 | 0 | 3 | 53 | | | 2355 | 0 | 8 | 49 |
| | | 4507 | 0 | 5 | 75 | | | 2345 | 0 | 0 | 98 |
| | | 3482 | 0 | 0 | 47 | | | 2344 | 0 | 5 | 85 |
| | | 4036 | 0 | | 61 | | | 2342 | 0 | 0 | 35 |
| | | 4035 | 0 | 0 | 6 | | | 2343 | 0 | 3 | 83 |
| | | 4034 | 0 | 3 | 65 | | | 2330 | 0 | 3 | 62 |
| | | 3486 | 0 | 0 | 35 | | | 2337 | 0 | 10 | 2 |
| | | 4032 | 0 | 4 | 88 | | | 2334 | 0 | 6 | 13 |
| | | 4033 | 0 | 1 | 67 | | | 2333 | 0 | 2 | 40 |
| | | 4031 | 0 | 2 | 78 | | | 1792 | 0 | 10 | 72 |
| | | 4030 | ? | 2 | 67 | | | 1791 | 0 | 4 | 84 |
| | | 4009 | 0 | 1 | 62 | | | 1790 | 0 | 0 | 80 |
| | | 4028 | 0 | 3 | 95 | | | 1780 | 0 | 6 | 40 |
| | | 4027 | 0 | 0 | 92 | | | 1781 | 0 | 5 | 71 |
| | | 4050 | 0 | 3 | 78 | | | 1957 | 0 | 3 | 77 |
| | | 4051 | 0 | 2 | 78 | | | 1560 | 0 | 6 | 13 |
| | | 4024 | 0 | 3 | 78 | | | 1559 | 0 | 5 | 85 |
| | | 4023 | 0 | 1 | 70 | | | 1566 | 0 | 0 | |
| | | 4022 | 0 | 4 | 37 | | | 1555 | 0 | 3 | 90 |
| | | 4021 | 0 | 2 | 3 | | | 1554 | 0 | 1 | 46 |
| | | 4020 | 0 | 4 | 93 | | | 1553 | 0 | 5 | 71 |
| | | 3951 | 0 | 0 | 14 | | | 1552 | 0 | 4 | 73 |
| | | 3952 | 0 | 6 | 27 | | | 1549 | 0 | 8 | 52 |
| | | 3949 | 0 | 2 | 9 | | | 1550 | 0 | 1 | 88 |
| | | 3945 | 0 | 3 | 33 | | | 1455 | 0 | 5 | 29 |
| | | 3943 | 0 | 0 | 24 | | | 1456 | 0 | 5 | 85 |
| | | 3942 | 0 | 4 | 73 | | | 1457 | 0 | 0 | 49 |
| | | 3941 | 0 | 3 | 90 | | | 1450 | 0 | 10 | 15 |
| | | 3915 | 0 | 1 | 29 | | | 1460 | 0 | 0 | 35 |
| | | 3916 | 0 | 7 | 24 | | | 1461 | 0 | 8 | 42 |
| | | 3914 | 0 | 4 | 45 | | | 1462 | 0 | 6 | 13 |
| | | 3718 | 0 | 2 | 54 | | | 1463 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3919 | 0 | 1 | 29 | | | 1464 | 0 | 2 | 65 |
| | | 3720 | 0 | 0 | 64 | | | 1465 | 0 | 1 | 4 |
| | | 3848 | 0 | 3 | 90 | | | 1466 | 0 | 4 | 87 |
| | | 3849 | 0 | 4 | 67 | | | 1467 | 0 | 0 | 35 |
| | | 3852 | 0 | 5 | 47 | | | 1224 | 0 | 1 | 93 |
| | | 3850 | 0 | 1 | 74 | | | 1221 | 0 | 5 | 48 |
| | | 3854 | 0 | 6 | 3 | | | 1222 | 0 | 0 | 4 |
| | | 3803 | 0 | 4 | 14 | | | | | | |
| | | 3804 | 0 | 0 | 31 | | | | | | |
| | | 3801 | 0 | 2 | 4 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|----|----|----------|-----|------|---|----|----|
| | | 1223 | 0 | 6 | 44 | | | 1537 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1205 | 0 | 6 | 84 | | | 1529 | 0 | 7 | 24 |
| | | 1204 | 0 | 4 | 73 | | | 1528 | 0 | 3 | 43 |
| | | 1202 | 0 | 5 | 33 | | | 1523 | 0 | 4 | 73 |
| | | 1209 | 0 | 2 | 9 | | | 1524 | 0 | 1 | 95 |
| | | 1210 | 0 | 0 | 4 | | | 2585 | 0 | 1 | 30 |
| | | 1197 | 0 | 2 | 30 | | | 1509 | 0 | 16 | 52 |
| | | 1196 | 0 | 6 | 26 | | | 1505 | 0 | 9 | 19 |
| | | 1195 | 0 | 8 | 35 | | | 1500 | 0 | 15 | 87 |
| | | 1076 | 0 | 7 | 53 | | | 1911 | 0 | 0 | 22 |
| | | 1074 | 0 | 0 | 2 | | | 1912 | 0 | 0 | 39 |
| | | 1075 | 0 | 5 | 39 | | | 2213 | 0 | 15 | 59 |
| | | 1069 | 0 | 0 | 4 | | | 2212 | 0 | 3 | 76 |
| | | 1073 | 0 | 6 | 2 | | | 2211 | 0 | 6 | 64 |
| | | 1070 | 0 | 4 | 46 | | | 2147 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1072 | 0 | 0 | 16 | | | 2149 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1071 | 0 | 8 | 31 | | | 2148 | 0 | 0 | 84 |
| | | 1065 | 0 | 2 | 60 | | | 2150 | 0 | 3 | 41 |
| | | 1066 | 0 | 2 | 51 | | | 2152 | 0 | 6 | 98 |
| | | 1061 | 0 | 0 | 37 | | | 2151 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1059 | 0 | 8 | 86 | | | 2155 | 0 | 5 | 1 |
| | | 1060 | 0 | 2 | 32 | | | 2197 | 0 | 3 | 8 |
| | | 7908 | 0 | 0 | 55 | | | 2195 | 0 | 2 | 30 |
| Shihda | 161 | 4 | 0 | 3 | 34 | | | 2193 | 0 | 4 | 13 |
| | | 12 | 0 | 8 | 7 | | | 2194 | 0 | 2 | 59 |
| | | 11 | 0 | 0 | 93 | | | 2239 | 0 | 2 | 81 |
| | | 13 | 0 | 5 | 29 | | | 2240 | 0 | 3 | 2 |
| | | 14 | 0 | 6 | 68 | | | 2241 | 0 | 12 | 90 |
| | | 30 | 0 | 6 | 68 | | | 2242 | 0 | 0 | 1 |
| | | 29 | 0 | 4 | 46 | | | 2249 | 0 | 0 | 1 |
| | | 27 | 0 | 0 | 64 | | | 2248 | 0 | 1 | 76 |
| | | 31 | 0 | 3 | 6 | | | 2245 | 0 | 2 | 72 |
| | | 28 | 0 | 7 | 79 | | | 2246 | 0 | 7 | 59 |
| | | 23 | 0 | 0 | 10 | lapur | 162 | 7684 | 0 | 0 | 55 |
| | | 32 | 0 | 0 | 12 | | | 7683 | 0 | 1 | 55 |
| | | 33 | 0 | 15 | 19 | | | 7942 | 0 | 2 | 22 |
| | | 38 | 0 | 1 | 81 | | | 7681 | 0 | 0 | 83 |
| | | 37 | 0 | 0 | 54 | | | 7759 | 0 | 3 | 5 |
| | | 39 | 0 | 9 | 47 | | | 7760 | 0 | 10 | 85 |
| | | 40 | 0 | 3 | 4 | | | 7761 | 0 | 5 | 56 |
| | | 46 | 0 | 11 | 70 | | | 7680 | 0 | 0 | 1 |
| | | 47 | 0 | 1 | 11 | | | 7765 | 0 | 1 | 85 |
| | | 53 | 0 | 4 | 4 | | | 7764 | 0 | 2 | 27 |
| | | 902 | 0 | 5 | 85 | | | 7766 | 0 | 5 | 56 |
| | | 1173 | 0 | 6 | 22 | | | 7767 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1170 | 0 | 5 | 66 | | | 7768 | 0 | 2 | 8 |
| | | 1169 | 0 | 4 | 49 | | | 7774 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1174 | 0 | 4 | 13 | Gushkara | 158 | 580 | 0 | 3 | 83 |
| | | 1166 | 0 | 5 | 69 | | | 581 | 0 | 3 | 62 |
| | | 2612 | 0 | 1 | 95 | | | 582 | 0 | 2 | 32 |
| | | 2611 | 0 | 9 | 5 | | | 579 | 0 | 3 | 34 |
| | | 1162 | 0 | 1 | 57 | | | 589 | 0 | 2 | 51 |
| | | 1161 | 0 | 0 | 42 | | | 588 | 0 | 3 | 90 |
| | | 1231 | 0 | 2 | 61 | | | 585 | 0 | 3 | 62 |
| | | 1229 | 0 | 5 | 1 | | | 3156 | 0 | 8 | 72 |
| | | 1228 | 0 | 9 | 60 | | | 3159 | 0 | 2 | 42 |
| | | 1227 | 0 | 8 | 63 | | | 3160 | 0 | 0 | 21 |
| | | 1222 | 0 | 2 | 83 | | | 3161 | 0 | 8 | 43 |
| | | 1223 | 0 | 2 | 91 | | | 3162 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1224 | 0 | 4 | 18 | | | 3303 | 0 | 1 | 39 |
| | | 1532 | 0 | 2 | 78 | | | 3345 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1550 | 0 | 3 | 99 | | | 3346 | 0 | 4 | 64 |
| | | 1554 | 0 | 0 | 6 | | | 3347 | 0 | 2 | 64 |
| | | 1546 | 0 | 9 | 47 | | | 3348 | 0 | 0 | 7 |
| | | 1534 | 0 | 5 | 48 | | | 3349 | 0 | 1 | 48 |
| | | 1538 | 0 | 3 | 13 | | | 3352 | 0 | 7 | 41 |
| | | | | | | | | 3353 | 0 | 6 | 22 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|----|----|
| | | 3354 | 0 | 4 | 45 |
| | | 3367 | 0 | 2 | 51 |
| | | 3366 | 0 | 0 | 68 |
| | | 3369 | 0 | 0 | 76 |
| | | 3371 | 0 | 3 | 15 |
| | | 3372 | 0 | 4 | 26 |
| | | 3472 | 0 | 3 | 62 |
| | | 3471 | 0 | 2 | 19 |
| | | 3476 | 0 | 0 | 28 |
| | | 3483 | 0 | 3 | 34 |
| | | 587 | 0 | 0 | 27 |
| | | 3345 | 0 | 0 | 58 |
| | | 3368 | 0 | 4 | 9 |
| | | 3484 | 0 | 0 | 83 |
| | | 3485 | 0 | 2 | 78 |
| | | 3482 | 0 | 3 | 48 |
| | | 3488 | 0 | 8 | 81 |
| | | 3486 | 0 | 5 | 91 |
| | | 3514 | 0 | 4 | 45 |
| | | 3513 | 0 | 1 | 46 |
| | | 3518 | 0 | 8 | 93 |
| | | 3517 | 0 | 5 | 56 |
| | | 3520 | 0 | 3 | 43 |
| | | 3521 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3529 | 0 | 6 | 49 |
| | | 3528 | 0 | 12 | 34 |
| | | 3527 | 0 | 0 | 23 |
| | | 3562 | 0 | 5 | 56 |
| | | 3563 | 0 | 1 | 80 |
| | | 3602 | 0 | 7 | 14 |
| | | 3600 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3604 | 0 | 2 | 47 |
| | | 3605 | 0 | 1 | 5 |
| | | 3606 | 0 | 3 | 75 |
| | | 3592 | 0 | 6 | 68 |
| | | 3591 | 0 | 3 | 48 |
| | | 3593 | 0 | 1 | 85 |
| | | 3589 | 0 | 11 | 13 |
| | | 4516 | 0 | 3 | 31 |
| | | 3582 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3587 | 0 | 3 | 80 |
| | | 3586 | 0 | 3 | 99 |
| | | 3481 | 0 | 0 | 97 |
| | | 3603 | 0 | 0 | 1 |

[No. R-31015/9/96 OR-I]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1996

का.भा. 2987—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हल्द्वी से बिहार राज्य के बरौनी तक पैट्रोलियम (ऋ.ड.) के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लि. द्वारा पाइपलाईन बिछाई जाए;

—र यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के सम्बन्ध में उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने सम्बन्धी लिखित रूप में आक्षेप श्री विश्वनाथ बोस, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लि., हल्द्वी बरौनी पाइपलाईन परियोजना, पोस्टग्रॉफिस हल्द्वी रिफाईनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना: सुताद्यता जिला: मिदनापुर राज्य: पश्चिमी बंगाल

| गांव | ऐ एल सं. | प्लॉट सं. | क्षेत्र | | |
|--------------|-------------|--------------|----------|-----|---------------|
| | | | हेक्टेयर | आरे | सेन्टी आरे |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| तेंतुलबेरिया | 170 | 1474 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1475 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1476 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1469 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1953 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1954 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1468 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1467 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1720 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1463 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1425 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1424 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1428 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1421 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1420 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1418 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1417 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1416 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1923 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1415 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1918 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1412 | 0 | 0 | 81 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------------|-----|------|---|---|----|------------------|----|------|---|---|----|
| तेतुलबेरिया (जारी) | 170 | 1381 | 0 | 3 | 64 | | | 1644 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1382 | 0 | 3 | 24 | | | 1638 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1383 | 0 | 0 | 40 | | | 1640 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1387 | 0 | 2 | 43 | | | 1617 | 0 | 2 | 2 |
| | | 899 | 0 | 1 | 21 | | | 1618 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1391 | 0 | 1 | 21 | | | 1615 | 0 | 6 | 7 |
| | | 902 | 0 | 4 | 5 | | | 1607 | 0 | 4 | 5 |
| | | 901 | 0 | 1 | 21 | | | 1608 | 0 | 3 | 24 |
| | | 894 | 0 | 1 | 62 | | | 1590 | 0 | 2 | 2 |
| | | 893 | 0 | 2 | 43 | | | 1591 | 0 | 5 | 87 |
| | | 798 | 0 | 1 | 62 | | | 1599 | 0 | 0 | 20 |
| | | 799 | 0 | 3 | 24 | | | 1593 | 0 | 2 | 43 |
| | | 800 | 0 | 0 | 20 | | | 1594 | 0 | 0 | 40 |
| | | 801 | 0 | 0 | 40 | | | 1540 | 0 | 0 | 40 |
| | | 802 | 0 | 0 | 40 | | | 1546 | 0 | 1 | 41 |
| | | 810 | 0 | 2 | 43 | | | 1547 | 0 | 2 | 2 |
| | | 808 | 0 | 2 | 43 | | | 1543 | 0 | 2 | 43 |
| | | 809 | 0 | 0 | 81 | | | 1544 | 0 | 2 | 2 |
| | | 817 | 0 | 0 | 81 | | | 1545 | 0 | 4 | 86 |
| | | 819 | 0 | 1 | 62 | | | 1525 | 0 | 4 | 86 |
| | | 206 | 0 | 0 | 60 | | | 1524 | 0 | 1 | 62 |
| | | 207 | 0 | 0 | 40 | | | 1521 | 0 | 4 | 5 |
| | | 208 | 0 | 3 | 24 | | | 1404 | 0 | 9 | 31 |
| | | 209 | 0 | 1 | 62 | | | 1406 | 0 | 6 | 48 |
| | | 210 | 0 | 2 | 2 | | | 1400 | 0 | 1 | 62 |
| | | 226 | 0 | 2 | 83 | | | 1398 | 0 | 2 | 83 |
| | | 230 | 0 | 9 | 31 | | | 1395 | 0 | 2 | 43 |
| | | 198 | 0 | 3 | 64 | | | 1416 | 0 | 1 | 21 |
| | | 197 | 0 | 9 | 71 | | | 1417 | 0 | 2 | 2 |
| | | 243 | 0 | 0 | 60 | | | 1415 | 0 | 2 | 43 |
| | | 246 | 0 | 0 | 91 | | | 1418 | 0 | 1 | 62 |
| | | 248 | 0 | 3 | 24 | किष्मत शिवरामनगर | 94 | 1682 | 0 | 3 | 44 |
| | | 249 | 0 | 6 | 7 | | | 1674 | 0 | 2 | 22 |
| | | 260 | 0 | 4 | 45 | | | 1675 | 0 | 0 | 60 |
| | | 261 | 0 | 1 | 21 | | | 1672 | 0 | 1 | 62 |
| | | 266 | 0 | 1 | 21 | | | 1671 | 0 | 1 | 21 |
| | | 267 | 0 | 1 | 21 | | | 1664 | 0 | 1 | 41 |
| | | 269 | 0 | 1 | 21 | | | 1652 | 0 | 3 | 44 |
| | | 1755 | 0 | 0 | 60 | | | 1649 | 0 | 1 | 41 |
| | | 270 | 0 | 1 | 21 | | | 1650 | 0 | 1 | 82 |
| | | | | | | | | 1630 | 0 | 0 | 20 |
| शोभरामपुर | 147 | 1660 | 0 | 5 | 26 | | | 1131 | 0 | 3 | 84 |
| | | 1979 | 0 | 0 | 40 | | | 1130 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1655 | 0 | 0 | 81 | | | 1138 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1651 | 0 | 7 | 28 | | | 1136 | 0 | 2 | 22 |
| | | 1652 | 0 | 0 | 20 | | | 1141 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1649 | 0 | 5 | 26 | | | 1143 | 0 | 1 | 82 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------------------|------|---|----|----|---|---|---|------|---|---|----|
| किशमन शिवरामनगर 94 (जासी) | 1127 | 0 | 0 | 20 | | | | 1146 | 0 | 4 | 45 |
| | 1145 | 0 | 1 | 82 | | | | 1134 | 0 | 3 | 24 |
| | 1147 | 0 | 1 | 41 | | | | 1135 | 0 | 0 | 60 |
| | 1148 | 0 | 1 | 21 | | | | 1136 | 0 | 1 | 62 |
| | 1149 | 0 | 1 | 1 | | | | 1137 | 0 | 3 | 24 |
| | 1183 | 0 | 0 | 81 | | | | 1138 | 0 | 2 | 43 |
| | 1184 | 0 | 1 | 21 | | | | 1141 | 0 | 1 | 62 |
| | 1187 | 0 | 2 | 22 | | | | 1139 | 0 | 1 | 82 |
| | 1179 | 0 | 3 | 44 | | | | 1102 | 0 | 1 | 41 |
| | 1170 | 0 | 1 | 1 | | | | 1104 | 0 | 1 | 21 |
| | 1177 | 0 | 0 | 60 | | | | 1103 | 0 | 1 | 41 |
| | 1178 | 0 | 0 | 60 | | | | 1100 | 0 | 0 | 81 |
| | 1242 | 0 | 1 | 21 | | | | 1094 | 0 | 1 | 41 |
| | 1243 | 0 | 1 | 62 | | | | 1093 | 0 | 1 | 41 |
| | 1250 | 0 | 2 | 43 | | | | 1088 | 0 | 3 | 64 |
| | 1251 | 0 | 0 | 81 | | | | 1095 | 0 | 0 | 20 |
| | 1252 | 0 | 2 | 2 | | | | 1087 | 0 | 0 | 20 |
| | 1253 | 0 | 1 | 21 | | | | 1052 | 0 | 2 | 83 |
| | 1254 | 0 | 0 | 81 | | | | 1053 | 0 | 5 | 67 |
| | 1255 | 0 | 0 | 20 | | | | 1054 | 0 | 1 | 21 |
| | 1309 | 0 | 9 | 71 | | | | 1082 | 0 | 0 | 20 |
| | 3308 | 0 | 2 | 2 | | | | 1081 | 0 | 5 | 6 |
| | 1318 | 0 | 10 | 52 | | | | 1063 | 0 | 1 | 62 |
| | 1326 | 0 | 3 | 24 | | | | 1064 | 0 | 0 | 81 |
| | 1330 | 0 | 1 | 21 | | | | 1065 | 0 | 0 | 12 |
| | 1328 | 0 | 2 | 2 | | | | 1062 | 0 | 7 | 8 |
| | 1329 | 0 | 3 | 24 | | | | 1068 | 0 | 1 | 21 |
| | 1340 | 0 | 0 | 81 | | | | 892 | 0 | 2 | 2 |
| | 1341 | 0 | 5 | 67 | | | | 646 | 0 | 5 | 67 |
| | 1342 | 0 | 1 | 62 | | | | 645 | 0 | 1 | 62 |
| | 1344 | 0 | 0 | 20 | | | | 647 | 0 | 0 | 12 |
| | 1339 | 0 | 6 | 7 | | | | 648 | 0 | 1 | 1 |
| | 1338 | 0 | 1 | 21 | | | | 649 | 0 | 3 | 24 |
| चीलखोला 93 | 2500 | 0 | 0 | 81 | | | | 650 | 0 | 1 | 62 |
| | 2498 | 0 | 2 | 43 | | | | 668 | 0 | 2 | 43 |
| | 2499 | 0 | 0 | 40 | | | | 666 | 0 | 2 | 43 |
| | 2497 | 0 | 0 | 81 | | | | 667 | 0 | 3 | 24 |
| | 2496 | 0 | 8 | 9 | | | | 722 | 0 | 3 | 24 |
| | 2492 | 0 | 0 | 81 | | | | 721 | 0 | 0 | 81 |
| | 2490 | 0 | 3 | 24 | | | | 720 | 0 | 1 | 41 |
| | 2491 | 0 | 4 | 5 | | | | 719 | 0 | 4 | 5 |
| | 2487 | 0 | 3 | 24 | | | | 718 | 0 | 2 | 63 |
| | 2483 | 0 | 0 | 40 | | | | 717 | 0 | 4 | 5 |
| | 2482 | 0 | 2 | 2 | | | | 715 | 0 | 0 | 40 |
| | 2484 | 0 | 1 | 62 | | | | 714 | 0 | 0 | 60 |
| | 2480 | 0 | 0 | 20 | | | | | | | |
| | 2479 | 0 | 2 | 2 | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|----|------|---|---|----|---------------|----|------|---|----|----|
| मनोहरपुर | 92 | 1883 | 0 | 0 | 81 | मनोहरपुर-जारी | | 424 | 0 | 4 | 5 |
| | | 157 | 0 | 2 | 63 | | | 422 | 0 | 0 | 20 |
| | | 158 | 0 | 2 | 2 | | | 425 | 0 | 1 | 62 |
| | | 160 | 0 | 2 | 83 | | | 426 | 0 | 1 | 62 |
| | | 161 | 0 | 2 | 43 | | | 428 | 0 | 2 | 2 |
| | | 167 | 0 | 4 | 86 | | | 432 | 0 | 2 | 83 |
| | | 169 | 0 | 6 | 48 | | | 433 | 0 | 0 | 40 |
| | | 172 | 0 | 0 | 12 | | | 438 | 0 | 6 | 48 |
| | | 173 | 0 | 4 | 86 | | | 436 | 0 | 2 | 22 |
| | | 174 | 0 | 1 | 82 | | | 440 | 0 | 0 | 40 |
| | | 202 | 0 | 0 | 12 | | | 8 | 0 | 4 | 45 |
| | | 182 | 0 | 3 | 24 | | | 7 | 0 | 0 | 60 |
| | | 183 | 0 | 0 | 12 | | | 1782 | 0 | 3 | 24 |
| | | 185 | 0 | 2 | 43 | | | 1824 | 0 | 2 | 43 |
| | | 186 | 0 | 2 | 2 | | | 11 | 0 | 2 | 2 |
| | | 187 | 0 | 0 | 81 | | | 12 | 0 | 0 | 81 |
| | | 188 | 0 | 1 | 62 | | | 2 | 0 | 3 | 84 |
| | | 189 | 0 | 0 | 40 | गोराखली | 61 | 1311 | 0 | 1 | 62 |
| | | 190 | 0 | 0 | 40 | | | 713 | 0 | 1 | 21 |
| | | 194 | 0 | 3 | 44 | | | 714 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1816 | 0 | 0 | 60 | | | 715 | 0 | 2 | 63 |
| | | 305 | 0 | 2 | 43 | | | 716 | 0 | 0 | 81 |
| | | 306 | 0 | 1 | 62 | | | 717 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1799 | 0 | 4 | 5 | | | 718 | 0 | 1 | 21 |
| | | 311 | 0 | 4 | 45 | | | 747 | 0 | 0 | 40 |
| | | 310 | 0 | 0 | 20 | | | 744 | 0 | 1 | 62 |
| | | 320 | 0 | 1 | 62 | | | 53 | 0 | 0 | 40 |
| | | 323 | 0 | 2 | 83 | | | 1313 | 0 | 0 | 12 |
| | | 326 | 0 | 4 | 5 | | | 743 | 0 | 0 | 20 |
| | | 309 | 0 | 1 | 1 | | | 736 | 0 | 5 | 67 |
| | | 327 | 0 | 4 | 25 | | | 737 | 0 | 0 | 20 |
| | | 330 | 0 | 2 | 2 | | | 738 | 0 | 0 | 12 |
| | | 343 | 0 | 0 | 60 | | | 620 | 0 | 5 | 26 |
| | | 344 | 0 | 3 | 84 | | | 472 | 0 | 0 | 81 |
| | | 363 | 0 | 0 | 20 | | | 473 | 0 | 4 | 5 |
| | | 346 | 0 | 1 | 21 | | | 484 | 0 | 8 | 90 |
| | | 362 | 0 | 1 | 62 | | | 483 | 0 | 5 | 26 |
| | | 347 | 0 | 0 | 20 | | | 486 | 0 | 1 | 62 |
| | | 349 | 0 | 1 | 62 | | | 487 | 0 | 8 | 90 |
| | | 348 | 0 | 0 | 81 | | | 491 | 0 | 6 | 48 |
| | | 350 | 0 | 1 | 1 | | | 496 | 0 | 2 | 22 |
| | | 351 | 0 | 1 | 1 | | | 497 | 0 | 12 | 55 |
| | | 353 | 0 | 2 | 43 | | | 509 | 0 | 0 | 20 |
| | | 355 | 0 | 0 | 81 | | | 511 | 0 | 6 | 27 |
| | | 356 | 0 | 1 | 82 | | | 517 | 0 | 8 | 9 |
| | | 357 | 0 | 2 | 43 | | | 508 | 0 | 3 | 64 |
| | | 358 | 0 | 1 | 1 | | | 408 | 0 | 2 | 43 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------|----|------|---|----|----|---------------------|----|------|---|---|----|
| गोरांजली-जारी | | 518 | 0 | 3 | 64 | बार बासूदेवपुर-जारी | | 2051 | 0 | 2 | 83 |
| | | 407 | 0 | 6 | 48 | | | 2049 | 0 | 1 | 21 |
| | | 526 | 0 | 2 | 83 | | | 2050 | 0 | 4 | 5 |
| | | 527 | 0 | 5 | 26 | | | 1896 | 0 | 3 | 64 |
| | | 531 | 0 | 2 | 2 | | | 1904 | 0 | 8 | 9 |
| | | 400 | 0 | 2 | 83 | | | 1903 | 0 | 1 | 62 |
| | | 401 | 0 | 0 | 60 | | | 1902 | 0 | 2 | 22 |
| | | 399 | 0 | 1 | 62 | | | 1901 | 0 | 1 | 21 |
| | | 533 | 0 | 1 | 1 | | | 1914 | 0 | 1 | 1 |
| | | 397 | 0 | 3 | 84 | | | 1665 | 0 | 5 | 26 |
| | | 534 | 0 | 0 | 1 | | | 1664 | 0 | 4 | 86 |
| | | 396 | 0 | 3 | 24 | | | 1660 | 0 | 4 | 5 |
| | | 395 | 0 | 6 | 68 | | | 1662 | 0 | 4 | 5 |
| | | 539 | 0 | 0 | 40 | | | 1661 | 0 | 5 | 6 |
| | | 540 | 0 | 0 | 20 | | | 1461 | 0 | 1 | 62 |
| | | 548 | 0 | 0 | 20 | | | 1609 | 0 | 2 | 83 |
| | | 549 | 0 | 0 | 20 | | | 1608 | 0 | 0 | 40 |
| बार बासूदेवपुर | 62 | 2732 | 0 | 4 | 45 | | | 1607 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2731 | 0 | 0 | 81 | | | 1606 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2734 | 0 | 0 | 10 | | | 1447 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2740 | 0 | 8 | 9 | | | 1346 | 0 | 3 | 24 |
| | | 3143 | 0 | 14 | 57 | | | 1452 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2739 | 0 | 1 | 1 | | | 1451 | 0 | 4 | 45 |
| | | 3148 | 0 | 0 | 40 | | | 1449 | 0 | 0 | 20 |
| | | 3147 | 0 | 6 | 48 | | | 1448 | 0 | 0 | 81 |
| | | 3146 | 0 | 1 | 62 | | | 1610 | 0 | 0 | 81 |
| | | 3145 | 0 | 2 | 2 | | | 1434 | 0 | 2 | 83 |
| | | 2535 | 0 | 7 | 28 | | | 1433 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2536 | 0 | 2 | 43 | | | 3049 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2348 | 0 | 1 | 21 | | | 1373 | 0 | 2 | 2 |
| | | 2335 | 0 | 1 | 62 | | | 1372 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2334 | 0 | 0 | 40 | | | 1371 | 0 | 3 | 24 |
| | | 2540 | 0 | 3 | 24 | | | 1368 | 0 | 4 | 5 |
| | | 2327 | 0 | 0 | 10 | | | 1349 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2326 | 0 | 0 | 10 | | | 1348 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2325 | 0 | 3 | 3 | | | 1347 | 0 | 5 | 26 |
| | | 2324 | 0 | 4 | 45 | | | 2895 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2323 | 0 | 4 | 45 | हाबिया | 47 | 174 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2320 | 0 | 10 | 12 | | | 1129 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1691 | 0 | 0 | 40 | | | 1126 | 0 | 9 | 71 |
| | | 2319 | 0 | 2 | 43 | | | 1127 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2191 | 0 | 2 | 43 | | | 1128 | 0 | 4 | 5 |
| | | 2190 | 0 | 2 | 43 | | | 1120 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2194 | 0 | 3 | 24 | | | 2365 | 0 | 2 | 83 |
| | | 2054 | 0 | 5 | 67 | | | 1118 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1888 | 0 | 0 | 20 | | | 1117 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2053 | 0 | 3 | 64 | | | 1116 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|----|------|---|---|----|---|-----|------|---|----|----|
| हादिया (जारी) | 47 | 1115 | 0 | 0 | 81 | हादिया (जारी) | 47 | 519 | 0 | 5 | 87 |
| | | 1112 | 0 | 0 | 81 | | | 520 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1114 | 0 | 2 | 43 | | | 65 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1113 | 0 | 2 | 43 | | | 63 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1110 | 0 | 2 | 83 | बबारी बेरिया | 46 | 516 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1109 | 0 | 2 | 43 | | | 15 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2423 | 0 | 3 | 64 | | | 14 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1108 | 0 | 2 | 43 | | | 13 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1107 | 0 | 0 | 40 | सपुष्पा | 48 | 141 | 0 | 8 | 9 |
| | | 123 | 0 | 2 | 2 | | | 142 | 0 | 2 | 43 |
| | | 237 | 0 | 1 | 21 | | | 540 | 0 | 3 | 24 |
| | | 232 | 0 | 8 | 50 | | | 562 | 0 | 3 | 24 |
| | | 238 | 0 | 2 | 43 | | | 119 | 0 | 2 | 83 |
| | | 239 | 0 | 1 | 62 | | | 561 | 0 | 2 | 4 |
| | | 241 | 0 | 0 | 81 | | | 120 | 0 | 1 | 62 |
| | | 240 | 0 | 0 | 81 | | | 117 | 0 | 9 | 91 |
| | | 256 | 0 | 0 | 12 | | | 197 | 0 | 2 | 43 |
| | | 255 | 0 | 4 | 86 | | | 198 | 0 | 5 | 6 |
| | | 254 | 0 | 3 | 24 | | | 509 | 0 | 1 | 62 |
| | | 264 | 0 | 5 | 67 | | | 580 | 0 | 1 | 21 |
| | | 268 | 0 | 5 | 67 | | | 199 | 0 | 1 | 1 |
| | | 269 | 0 | 0 | 40 | | | 98 | 0 | 4 | 86 |
| | | 248 | 0 | 1 | 62 | | | 579 | 0 | 0 | 10 |
| | | 270 | 0 | 4 | 5 | | | 97 | 0 | 4 | 5 |
| | | 118 | 0 | 5 | 26 | | | 96 | 0 | 6 | 88 |
| | | 114 | 0 | 4 | 86 | | | 95 | 0 | 5 | 67 |
| | | 112 | 0 | 4 | 86 | | | 65 | 0 | 5 | 26 |
| | | 110 | 0 | 8 | 9 | | | 489 | 0 | 5 | 67 |
| | | 109 | 0 | 0 | 12 | | | 494 | 0 | 0 | 60 |
| | | 102 | 0 | 2 | 2 | | | 9 | 0 | 1 | 21 |
| | | 101 | 0 | 0 | 40 | | | 495 | 0 | 6 | 48 |
| | | 99 | 0 | 3 | 24 | | | 68 | 0 | 4 | 5 |
| | | 98 | 0 | 6 | 7 | | | 8 | 0 | 4 | 5 |
| | | 97 | 0 | 3 | 1 | | | 576 | 0 | 13 | 15 |
| | | 96 | 0 | 3 | 64 | पुलिस थाना: महीशदल जिला: मिर्जापुर राज्य: पश्चिमी बंगाल | | | | | |
| | | 430 | 0 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | 95 | 0 | 6 | 88 | कालीका कुन्ड | 148 | 3144 | 0 | 4 | 45 |
| | | 467 | 0 | 7 | 69 | | | 3139 | 0 | 5 | 26 |
| | | 471 | 0 | 6 | 7 | | | 3140 | 0 | 14 | 16 |
| | | 470 | 0 | 4 | 86 | | | 3141 | 0 | 0 | 20 |
| | | 468 | 0 | 0 | 12 | | | 3135 | 0 | 0 | 40 |
| | | 469 | 0 | 0 | 20 | | | 2413 | 0 | 4 | 5 |
| | | 513 | 0 | 2 | 83 | | | 2416 | 0 | 3 | 24 |
| | | 2187 | 0 | 4 | 25 | | | 3117 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2188 | 0 | 2 | 43 | | | 2418 | 0 | 4 | 5 |
| | | 518 | 0 | 3 | 24 | | | 3116 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 2419 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 2420 | 0 | 8 | 90 |
| | | | | | | | | 2431 | 0 | 3 | 24 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------------|-----|------|---|----|----|------------------------|-----|------|---|---|----|
| कालिका कुण्ड (जारी) | 148 | 2405 | 0 | 2 | 2 | कालिका कुण्ड (जारी) | | 1211 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3682 | 0 | 2 | 22 | | | 1199 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2386 | 0 | 4 | 86 | | | 674 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2387 | 0 | 4 | 45 | | | 676 | 0 | 4 | 86 |
| | | 2388 | 0 | 2 | 43 | | | 673 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2380 | 0 | 2 | 43 | | | 672 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2381 | 0 | 0 | 60 | | | 220 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2182 | 0 | 1 | 62 | | | 219 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2133 | 0 | 2 | 63 | | | 218 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2184 | 0 | 8 | 90 | | | 216 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2186 | 0 | 16 | 19 | | | 215 | 0 | 6 | 88 |
| | | 2156 | 0 | 0 | 60 | | | 214 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1938 | 0 | 2 | 83 | | | 213 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1937 | 0 | 1 | 21 | | | 212 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1939 | 0 | 4 | 86 | | | 211 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1940 | 0 | 11 | 33 | | | 210 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1924 | 0 | 8 | 50 | | | 209 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1920 | 0 | 2 | 2 | | | 208 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1919 | 0 | 0 | 40 | | | 269 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1911 | 0 | 5 | 21 | | | 79 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1914 | 0 | 4 | 45 | | | 78 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1913 | 0 | 5 | 67 | | | 206 | 6 | 5 | 67 |
| | | 1878 | 0 | 2 | 43 | | | 285 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1877 | 0 | 4 | 86 | | | 205 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1873 | 0 | 1 | 62 | | | 3479 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1875 | 0 | 1 | 62 | | | 181 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1874 | 0 | 1 | 62 | | | 180 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1872 | 0 | 1 | 26 | | | 179 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1871 | 0 | 9 | 71 | | | 170 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1970 | 0 | 2 | 2 | | | 171 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1868 | 0 | 1 | 62 | | | 3488 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1867 | 0 | 1 | 62 | | | 155 | 0 | 8 | 90 |
| | | 1866 | 0 | 2 | 83 | नोटव्या | 161 | 4026 | 2 | 2 | 2 |
| | | 1865 | 0 | 2 | 83 | | | 4015 | 0 | 9 | 10 |
| | | 1860 | 0 | 4 | 5 | | | 4022 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1859 | 0 | 7 | 28 | | | 4167 | 0 | 2 | 83 |
| | | 3662 | 0 | 3 | 24 | | | 4014 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1183 | 0 | 4 | 5 | | | 4013 | 5 | 0 | 40 |
| | | 3564 | 0 | 8 | 90 | | | 4016 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1184 | 0 | 4 | 5 | | | 5146 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1201 | 0 | 5 | 26 | | | 4005 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1207 | 0 | 2 | 2 | | | 5142 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1206 | 0 | 1 | 62 | | | 3955 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1205 | 0 | 1 | 62 | | | 3962 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1214 | 0 | 1 | 62 | | | 5117 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1213 | 0 | 0 | 40 | | | 3963 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1212 | 0 | 0 | 40 | | | 3971 | 0 | 0 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
|---------------|-----|------|---|---|----|---------|-----|------|---|----|----|
| लाख्या (जारी) | 161 | 3960 | 0 | 0 | 10 | जानपी | 146 | 1968 | 0 | 4 | 45 |
| | | 3930 | 0 | 0 | 40 | | | 1965 | 0 | 5 | 87 |
| | | 3918 | 0 | 2 | 83 | | | 1959 | 0 | 9 | 31 |
| | | 3917 | 0 | 8 | 90 | | | 2742 | 0 | 1 | 21 |
| | | 5110 | 0 | 0 | 20 | | | 1881 | 0 | 0 | 20 |
| | | 3915 | 0 | 5 | 26 | | | 1958 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3913 | 0 | 5 | 6 | | | 1955 | 0 | 0 | 20 |
| | | 3920 | 0 | 0 | 60 | | | 1953 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3912 | 0 | 2 | 22 | | | 1956 | 0 | 4 | 5 |
| | | 88 | 0 | 0 | 60 | | | 1611 | 0 | 1 | 21 |
| | | 3860 | 0 | 0 | 20 | | | 1949 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3831 | 0 | 1 | 21 | | | 1952 | 0 | 1 | 21 |
| | | 3832 | 0 | 0 | 60 | | | 1950 | 0 | 4 | 5 |
| | | 3833 | 0 | 0 | 60 | | | 1948 | 5 | 1 | 21 |
| | | 3834 | 0 | 0 | 81 | | | 1946 | 0 | 1 | 82 |
| | | 3835 | 0 | 0 | 60 | | | 1943 | 0 | 1 | 82 |
| | | 3836 | 0 | 5 | 26 | | | 1942 | 0 | 0 | 60 |
| | | 5102 | 0 | 1 | 21 | | | 1941 | 0 | 1 | 1 |
| | | 3859 | 0 | 0 | 81 | | | 1940 | 0 | 0 | 60 |
| | | 3837 | 0 | 4 | 5 | | | 1939 | 0 | 0 | 40 |
| | | 3838 | 0 | 0 | 81 | | | 1938 | 0 | 1 | 21 |
| | | 3839 | 0 | 4 | 65 | | | 1875 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3847 | 0 | 1 | 21 | | | 1874 | 0 | 3 | 64 |
| | | 3849 | 0 | 6 | 48 | | | 2557 | 0 | 1 | 21 |
| | | 3848 | 0 | 0 | 10 | | | 1873 | 0 | 4 | 5 |
| | | 3773 | 0 | 2 | 83 | | | 1876 | 0 | 4 | 86 |
| | | 3770 | 0 | 2 | 63 | | | 2877 | 0 | 4 | 86 |
| | | 3768 | 0 | 1 | 21 | | | 1878 | 0 | 5 | 26 |
| | | 3269 | 0 | 2 | 63 | | | 1879 | 0 | 7 | 28 |
| | | 3762 | 0 | 2 | 63 | | | 1880 | 0 | 2 | 43 |
| | | 3763 | 0 | 2 | 22 | | | 1791 | 0 | 6 | 48 |
| जानपी | 146 | 2478 | 0 | 4 | 45 | | | 1804 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2469 | 0 | 1 | 21 | | | 1805 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2468 | 0 | 1 | 21 | | | 1802 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2467 | 0 | 1 | 21 | | | 1801 | 0 | 10 | 52 |
| | | 2457 | 0 | 1 | 21 | | | 1800 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2456 | 0 | 6 | 48 | साऊपतरा | 144 | 903 | 0 | 3 | 24 |
| | | 2082 | 0 | 2 | 43 | | | 902 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2081 | 0 | 0 | 81 | | | 893 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2076 | 0 | 1 | 62 | | | 888 | 0 | 5 | 81 |
| | | 2078 | 0 | 2 | 43 | | | 887 | 0 | 4 | 5 |
| | | 2077 | 0 | 1 | 62 | | | 670 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1978 | 0 | 4 | 86 | | | 668 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1977 | 0 | 4 | 86 | | | 669 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1976 | 0 | 3 | 64 | | | 679 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1970 | 0 | 0 | 81 | | | 674 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1969 | 0 | 6 | 88 | | | 678 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 677 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|---|----|-----------|-----|------|---|----|----|
| झाऊतरा | 144 | 703 | 0 | 1 | 1 | झाऊतरा | 144 | 182 | 0 | 2 | 43 |
| | | 702 | 0 | 1 | 62 | | | 181 | 0 | 4 | 5 |
| | | 701 | 0 | 5 | 26 | | | 162 | 0 | 0 | 60 |
| | | 700 | 0 | 1 | 41 | | | 1361 | 0 | 0 | 20 |
| | | 699 | 0 | 0 | 40 | | | 161 | 0 | 0 | 20 |
| | | 711 | 0 | 3 | 24 | | | 156 | 0 | 0 | 81 |
| | | 712 | 0 | 3 | 84 | | | 137 | 0 | 1 | 82 |
| | | 728 | 0 | 3 | 44 | | | 136 | 0 | 6 | 7 |
| | | 727 | 0 | 4 | 86 | | | 135 | 0 | 15 | 78 |
| | | 1273 | 0 | 2 | 2 | | | 134 | 0 | 9 | 71 |
| | | 1265 | 0 | 1 | 1 | | | 133 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1267 | 0 | 1 | 62 | | | 126 | 0 | 5 | 26 |
| | | 722 | 0 | 8 | 90 | | | 128 | 0 | 19 | 43 |
| | | 1279 | 0 | 0 | 60 | | | 94 | 5 | 21 | 5 |
| | | 609 | 0 | 0 | 60 | | | 1177 | 0 | 3 | 24 |
| | | 608 | 0 | 1 | 62 | | | 79 | 0 | 1 | 82 |
| | | 607 | 0 | 0 | 10 | | | 80 | 0 | 4 | 86 |
| | | 606 | 0 | 3 | 3 | | | 81 | 0 | 1 | 41 |
| | | 605 | 0 | 0 | 20 | | | 82 | 0 | 0 | 20 |
| | | 601 | 0 | 3 | 64 | | | 1213 | 0 | 0 | 81 |
| | | 586 | 0 | 6 | 27 | | | 84 | 0 | 1 | 82 |
| | | 585 | 0 | 1 | 62 | | | 85 | 0 | 0 | 20 |
| | | 584 | 0 | 2 | 2 | काकुरवाहा | 136 | 223 | 0 | 0 | 40 |
| | | 502 | 0 | 0 | 20 | | | 224 | 0 | 0 | 20 |
| | | 505 | 0 | 0 | 40 | | | 222 | 0 | 1 | 62 |
| | | 504 | 0 | 0 | 20 | | | 221 | 0 | 1 | 62 |
| | | 503 | 0 | 0 | 40 | | | 220 | 0 | 0 | 20 |
| | | 510 | 0 | 7 | 28 | | | 216 | 0 | 0 | 20 |
| | | 524 | 0 | 0 | 20 | | | 215 | 0 | 0 | 25 |
| | | 522 | 0 | 2 | 2 | | | 214 | 0 | 10 | 52 |
| | | 523 | 0 | 0 | 40 | | | 1037 | 0 | 0 | 40 |
| | | 520 | 0 | 1 | 82 | | | 59 | 0 | 0 | 40 |
| | | 519 | 0 | 1 | 21 | | | 58 | 0 | 5 | 67 |
| | | 518 | 0 | 0 | 40 | | | 57 | | 5 | 67 |
| | | 517 | 0 | 0 | 81 | | | 56 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1363 | 0 | 0 | 81 | | | 55 | 0 | 1 | 62 |
| | | 512 | 0 | 1 | 21 | | | 54 | 0 | 9 | 71 |
| | | 516 | 0 | 1 | 1 | बागदा | 138 | 1189 | 0 | 0 | 81 |
| | | 515 | 0 | 0 | 40 | | | 999 | 0 | 0 | 40 |
| | | 160 | 0 | 0 | 20 | | | 998 | 0 | 1 | 1 |
| | | 209 | 0 | 0 | 45 | | | 1001 | 0 | 0 | 20 |
| | | 210 | 0 | 1 | 82 | | | 1000 | 0 | 3 | 64 |
| | | 208 | 0 | 6 | 7 | | | 1142 | 0 | 0 | 40 |
| | | 207 | 0 | 6 | 7 | | | 1145 | 0 | 0 | 20 |
| | | 188 | 0 | 4 | 45 | | | 1143 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1171 | 0 | 2 | 2 | | | 1144 | 0 | 2 | 2 |
| | | 187 | 0 | 1 | 82 | | | 1159 | 0 | 1 | 21 |
| | | 186 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|-----|------|---|----|----|------------|-----|------|---|---|----|
| | | 1138 | 0 | 1 | 62 | | | 286 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1137 | 0 | 8 | 9 | | | 285 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1136 | 0 | 6 | 83 | | | 289 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1094 | 0 | 4 | 86 | | | 345 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1110 | 0 | 0 | 60 | | | 344 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1095 | 0 | 1 | 41 | | | 343 | 0 | 0 | 25 |
| | | 1096 | 5 | 2 | 2 | | | 1720 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1097 | 0 | 5 | 26 | | | 321 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1104 | 5 | 2 | 43 | | | 922 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1060 | 0 | 0 | 40 | | | 323 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1069 | 0 | 1 | 21 | | | 324 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1068 | 0 | 1 | 21 | | | 341 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1066 | 0 | 5 | 40 | | | 325 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1065 | 0 | 0 | 20 | | | 326 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1064 | 0 | 2 | 83 | | | 338 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1093 | 0 | 4 | 82 | | | 339 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1268 | 5 | 12 | 14 | | | 1659 | 0 | 3 | 3 |
| | | 1055 | 0 | 5 | 40 | | | 56 | 0 | 1 | 21 |
| | | 158 | 0 | 3 | 64 | | | 1727 | 0 | 1 | 62 |
| कंचनपुर | 137 | 164 | 0 | 1 | 1 | | | 1726 | 0 | 0 | 60 |
| | | 163 | 0 | 3 | 24 | | | 1724 | 0 | 4 | 86 |
| | | 178 | 0 | 0 | 20 | | | 1723 | 0 | 0 | 60 |
| | | 177 | 0 | 0 | 31 | | | 1732 | 0 | 0 | 20 |
| | | 176 | 5 | 1 | 62 | | | 1728 | 0 | 0 | 81 |
| | | 181 | 5 | 0 | 60 | | | 1729 | 0 | 1 | 62 |
| | | 182 | 0 | 0 | 60 | | | 1731 | 0 | 0 | 40 |
| | | 183 | 0 | 3 | 64 | राजारामपुर | 130 | 1730 | 0 | 4 | 5 |
| | | 184 | 0 | 1 | 62 | | | 1536 | 0 | 0 | 20 |
| | | 185 | 0 | 1 | 82 | | | 1529 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1641 | 0 | 1 | 82 | | | 2967 | 0 | 5 | 67 |
| | | 186 | 0 | 1 | 62 | | | 1532 | 0 | 2 | 22 |
| | | 90 | 0 | 0 | 81 | | | 1531 | 0 | 0 | 40 |
| | | 89 | 0 | 0 | 31 | | | 1530 | 0 | 1 | 82 |
| | | 237 | 5 | 5 | 81 | | | 2965 | 0 | 1 | 1 |
| | | 238 | 0 | 2 | 2 | | | 1690 | 0 | 0 | 40 |
| | | 250 | 0 | 1 | 21 | | | 1512 | 0 | 2 | 22 |
| | | 248 | 0 | 2 | 43 | | | 1514 | 0 | 7 | 28 |
| | | 247 | 0 | 1 | 41 | | | 1515 | 0 | 0 | 00 |
| | | 244 | 0 | 1 | 41 | | | 1516 | 0 | 7 | 28 |
| | | 243 | 0 | 2 | 83 | | | 1491 | 0 | 3 | 24 |
| | | 352 | 0 | 1 | 21 | | | 1490 | 0 | 1 | 21 |
| | | 351 | 0 | 0 | 81 | | | 1489 | 0 | 6 | 48 |
| | | 350 | 0 | 2 | 83 | | | 1484 | 0 | 5 | 87 |
| | | 348 | 0 | 2 | 2 | | | 1483 | 0 | 1 | 62 |
| | | 348 | 0 | 1 | 62 | | | 1482 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 1481 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 1465 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|-----|------|---|---|----|----------|-------|------|---|---|----|
| संजाराज पर(जारी) | 130 | 1466 | 0 | 2 | 63 | | | 803 | 0 | 1 | 82 |
| | | 2971 | 0 | 2 | 43 | | | 804 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1476 | 0 | 1 | 1 | | | 805 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1472 | 0 | 1 | 62 | | | 800 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1471 | 0 | 1 | 21 | | | 801 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1470 | 0 | 3 | 24 | | | 713 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1468 | 0 | 7 | 69 | | | 714 | 0 | 4 | 5 |
| | | 2693 | 0 | 1 | 21 | | | 715 | 0 | 0 | 40 |
| राजपुर | 124 | 959 | 0 | 1 | 62 | | | 716 | 0 | 0 | 81 |
| | | 798 | 0 | 0 | 20 | | | 799 | 0 | 5 | 26 |
| | | 807 | 0 | 2 | 2 | | | 806 | 0 | 3 | 24 |
| | | 800 | 0 | 0 | 20 | | | 807 | 0 | 0 | 40 |
| | | 806 | 0 | 0 | 40 | | | 709 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1493 | 0 | 2 | 43 | | | 710 | 0 | 1 | 62 |
| | | 805 | 0 | 0 | 10 | | | 842 | 0 | 0 | 81 |
| | | 801 | 0 | 1 | 41 | | | 712 | 0 | 1 | 21 |
| | | 787 | 0 | 1 | 1 | | | 717 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1492 | 0 | 3 | 24 | | | 702 | 0 | 0 | 81 |
| | | 809 | 0 | 0 | 40 | | | 703 | 0 | 2 | 43 |
| | | 768 | 0 | 5 | 87 | | | 704 | 0 | 1 | 62 |
| | | 773 | 0 | 0 | 81 | | | 684 | 0 | 0 | 10 |
| | | 774 | 0 | 1 | 62 | | | 685 | 0 | 4 | 86 |
| | | 775 | 0 | 2 | 43 | | | 686 | 0 | 2 | 2 |
| | | 776 | 0 | 2 | 63 | | | 687 | 0 | 4 | 5 |
| | | 748 | 0 | 0 | 60 | माधवपुर] | [122 | 3170 | 0 | 1 | 1 |
| | | 749 | 0 | 3 | 44 | | | 2296 | 0 | 3 | 24 |
| | | 744 | 0 | 4 | 86 | | | 2295 | 0 | 4 | 25 |
| | | 747 | 0 | 4 | 65 | | | 2299 | 0 | 1 | 62 |
| | | 737 | 0 | 4 | 45 | | | 2307 | 0 | 6 | 27 |
| | | 739 | 0 | 4 | 86 | | | 2311 | 0 | 1 | 82 |
| | | 622 | 0 | 1 | 82 | | | 2309 | 0 | 0 | 60 |
| | | 741 | 0 | 2 | 43 | | | 2310 | 0 | 1 | 62 |
| | | 742 | 0 | 0 | 60 | | | 2326 | 0 | 2 | 43 |
| | | 743 | 0 | 2 | 2 | | | 2327 | 0 | 4 | 86 |
| | | 735 | 0 | 0 | 20 | | | 3066 | 0 | 6 | 7 |
| | | 736 | 0 | 2 | 63 | | | 2328 | 0 | 0 | 81 |
| मालुबसन | 123 | 860 | 0 | 0 | 60 | | | 2329 | 0 | 3 | 64 |
| | | 859 | 0 | 0 | 10 | | | 2291 | 0 | 0 | 20 |
| | | 861 | 0 | 0 | 81 | | | 2384 | 0 | 1 | 41 |
| | | 852 | 0 | 2 | 43 | | | 2285 | 0 | 4 | 5 |
| | | 850 | 0 | 0 | 81 | | | 2286 | 0 | 0 | 20 |
| | | 849 | 0 | 5 | 26 | | | 2277 | 0 | 2 | 43 |
| | | 846 | 0 | 1 | 82 | | | 2275 | 0 | 6 | 48 |
| | | 847 | 0 | 5 | 26 | | | 2649 | 0 | 1 | 1 |
| | | 848 | 0 | 0 | 40 | | | 2274 | 0 | 0 | 60 |
| | | 802 | 0 | 0 | 10 | | | 1240 | 0 | 0 | 20 |
| | | | | | | | | 1244 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | f | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|-----|------|---|---|----|---|---|-----|---|---|----|
| भाषनपुर | 122 | 1247 | 0 | 5 | 87 | | | 515 | 0 | 8 | 7 |
| | | 1245 | 0 | 0 | 10 | | | 516 | 0 | 2 | 43 |
| | | 3079 | 0 | 1 | 82 | | | 520 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3178 | 0 | 0 | 10 | | | 519 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1241 | 0 | 1 | 62 | | | 518 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1242 | 0 | 0 | 40 | | | 489 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1243 | 0 | 1 | 62 | | | 625 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2255 | 0 | 2 | 43 | | | 488 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1274 | 0 | 1 | 21 | | | 238 | 0 | 7 | 69 |
| | | 1275 | 0 | 1 | 62 | | | 239 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1276 | 0 | 4 | 5 | | | 614 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1278 | 0 | 6 | 48 | | | 237 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1284 | 0 | 0 | 60 | | | 236 | 0 | 4 | 65 |
| | | 1285 | 0 | 5 | 26 | | | 229 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1286 | 0 | 0 | 10 | | | 612 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1224 | 0 | 5 | 46 | | | 230 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1221 | 0 | 0 | 10 | | | 231 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1222 | 0 | 3 | 44 | | | 201 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1223 | 0 | 0 | 81 | | | 198 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1212 | 0 | 1 | 82 | | | 199 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1213 | 0 | 0 | 40 | | | 191 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1214 | 0 | 2 | 43 | | | 192 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2297 | 0 | 0 | 10 | | | 174 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1202 | 0 | 4 | 86 | | | 190 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1203 | 0 | 4 | 86 | | | 175 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1204 | 0 | 2 | 63 | | | 176 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1205 | 0 | 0 | 10 | | | 177 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1206 | 0 | 1 | 21 | | | 610 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1186 | 0 | 0 | 60 | | | 169 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1187 | 0 | 0 | 60 | | | 168 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1188 | 0 | 2 | 2 | | | 167 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1185 | 0 | 0 | 20 | | | 108 | 0 | 4 | 86 |
| | | 3078 | 0 | 0 | 10 | | | 103 | 0 | 4 | 5 |
| | | 3073 | 0 | 1 | 1 | | | 598 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1174 | 0 | 0 | 81 | | | 55 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1175 | 0 | 4 | 86 | | | 101 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1176 | 0 | 0 | 10 | | | 102 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1170 | 0 | 3 | 64 | | | 41 | 0 | 0 | 61 |
| | | 1171 | 0 | 1 | 62 | | | 48 | 0 | 5 | 67 |
| भागमारी | 101 | 504 | 0 | 1 | 1 | | | 56 | 0 | 0 | 10 |
| | | 503 | 0 | 2 | 2 | | | 58 | 0 | 0 | 40 |
| | | 502 | 0 | 2 | 43 | | | 47 | 0 | 3 | 64 |
| | | 531 | 0 | 4 | 45 | | | 595 | 0 | 2 | 43 |
| | | 506 | 0 | 0 | 40 | | | 46 | 0 | 3 | 64 |
| | | 540 | 0 | 0 | 40 | | | 33 | 0 | 3 | 24 |
| | | 509 | 0 | 5 | 87 | | | 23 | 0 | 5 | 87 |
| | | 514 | 0 | 0 | 10 | | | 24 | 0 | 0 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------|-----|-----|---|---|----|----------|-----|------|----|----|----|
| | | 21 | 0 | 4 | 86 | | | 160 | 0 | 1 | 21 |
| | | 20 | 0 | 0 | 81 | | | 159 | 0 | 2 | 2 |
| नार्डकुडी | 117 | 832 | 0 | 0 | 20 | | | 157 | 0 | 0 | 81 |
| | | 831 | 0 | 1 | 1 | | | 156 | 0 | 1 | 21 |
| | | 830 | 0 | 1 | 21 | | | 155 | 0 | 1 | 1 |
| | | 829 | 0 | 0 | 61 | | | 154 | 0 | 1 | 1 |
| | | 827 | 0 | 6 | 88 | | | 153 | 0 | 3 | 24 |
| | | 825 | 0 | 1 | 1 | कुमारारा | 118 | 1334 | 0 | 3 | 44 |
| | | 824 | 0 | 0 | 40 | | | 1331 | 0 | 1 | 82 |
| | | 822 | 0 | 1 | 21 | | | 1330 | 0 | 2 | 43 |
| | | 821 | 0 | 0 | 81 | | | 1363 | 0 | 1 | 21 |
| | | 820 | 0 | 4 | 25 | | | 1335 | 0 | 2 | 43 |
| | | 819 | 0 | 1 | 62 | | | 1327 | 0 | 0 | 10 |
| | | 503 | 0 | 1 | 21 | | | 864 | 0 | 0 | 81 |
| | | 499 | 0 | 1 | 62 | | | 863 | 0 | 5 | 26 |
| | | 500 | 0 | 2 | 43 | | | 862 | 0 | 1 | 62 |
| | | 501 | 0 | 2 | 22 | | | 861 | 0 | 1 | 62 |
| | | 502 | 0 | 1 | 62 | | | 860 | 50 | 1 | 1 |
| | | 920 | 0 | 2 | 22 | | | 1055 | 0 | 0 | 7 |
| | | 498 | 0 | 0 | 10 | | | 1054 | 0 | 6 | 48 |
| | | 902 | 0 | 1 | 62 | | | 1052 | 0 | 2 | 43 |
| | | 470 | 0 | 4 | 25 | | | 1051 | 0 | 1 | 1 |
| | | 466 | 0 | 1 | 82 | | | 1048 | 0 | 4 | 5 |
| | | 464 | 0 | 0 | 81 | | | 1050 | 0 | 2 | 22 |
| | | 463 | 0 | 0 | 20 | | | 1070 | 0 | 4 | 5 |
| | | 458 | 0 | 4 | 86 | | | 1073 | 0 | 0 | 60 |
| | | 459 | 0 | 2 | 02 | | | 1038 | 0 | 0 | 40 |
| | | 451 | 0 | 0 | 81 | | | 1034 | 0 | 11 | 33 |
| | | 452 | 0 | 0 | 61 | | | 1033 | 0 | 6 | 27 |
| | | 438 | 0 | 0 | 60 | | | 1032 | 0 | 8 | 9 |
| | | 437 | 0 | 1 | 21 | | | 1093 | 0 | 1 | 1 |
| | | 425 | 0 | 2 | 83 | | | 1283 | 0 | 2 | 43 |
| | | 434 | 0 | 2 | 43 | | | 1284 | 0 | 1 | 62 |
| | | 426 | 0 | 0 | 60 | | | 995 | 0 | 0 | 60 |
| | | 427 | 0 | 4 | 05 | | | 999 | 0 | 20 | 64 |
| | | 429 | 0 | 2 | 43 | | | 972 | 0 | 0 | 40 |
| | | 422 | 0 | 3 | 64 | | | 973 | 0 | 4 | 86 |
| | | 419 | 0 | 2 | 43 | | | 969 | 0 | 3 | 64 |
| | | 420 | 0 | 0 | 40 | | | 968 | 0 | 1 | 21 |
| | | 415 | 0 | 2 | 22 | | | 1325 | 0 | 1 | 1 |
| | | 413 | 0 | 2 | 43 | | | 1324 | 0 | 2 | 43 |
| | | 414 | 0 | 0 | 81 | | | 1311 | 0 | 1 | 41 |
| | | 163 | 0 | 0 | 61 | | | 1313 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1 | 0 | 3 | 44 | | | 1312 | 0 | 2 | 2 |
| | | 2 | 0 | 4 | 86 | | | 1310 | 0 | 2 | 2 |
| | | 3 | 0 | 0 | 20 | | | 1309 | 0 | 0 | 20 |
| | | 7 | 0 | 5 | 26 | | | 1308 | 0 | 1 | 41 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
|-----------------|-----|------|---|---|----|-------------|----|------|---|----|----|
| कुमारारा(जारो) | 118 | 1302 | 0 | 0 | 81 | | | 101 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1305 | 0 | 0 | 10 | | | 87 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1304 | 0 | 2 | 43 | | | 88 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1303 | 0 | 0 | 10 | | | 97 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1297 | 0 | 0 | 40 | | | 96 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1296 | 0 | 5 | 67 | | | 89 | 0 | 0 | 61 |
| | | 29 | 0 | 1 | 21 | | | 90 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1295 | 0 | 1 | 41 | | | 91 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1290 | 0 | 0 | 40 | | | 66 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1289 | 0 | 2 | 2 | | | 6 | 0 | 0 | 61 |
| | | 1288 | 0 | 1 | 62 | | | 68 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1287 | 0 | 6 | 48 | | | 6 | 0 | 1 | 41 |
| | | 847 | 0 | 5 | 67 | | | 7 | 0 | 3 | 44 |
| | | 848 | 0 | 8 | 9 | | | 8 | 0 | 2 | 22 |
| | | 758 | 0 | 1 | 6 | | | 5 | 0 | 3 | 64 |
| | | 759 | 0 | 4 | 5 | | | 4 | 0 | 0 | 40 |
| धीताई बासन | 100 | 210 | 0 | 6 | 7 | मंदरगेछिया | 90 | 140 | 0 | 2 | 43 |
| | | 211 | 0 | 3 | 64 | | | 1401 | 0 | 5 | 87 |
| | | 212 | 0 | 0 | 10 | | | 1393 | 0 | 0 | 20 |
| | | 200 | 0 | 4 | 86 | | | 1394 | 0 | 3 | 3 |
| | | 202 | 0 | 0 | 40 | | | 1395 | 0 | 4 | 25 |
| | | 203 | 0 | 2 | 22 | | | 1396 | 0 | 3 | 24 |
| | | 204 | 0 | 2 | 43 | | | 1381 | 0 | 0 | 40 |
| | | 243 | 0 | 2 | 2 | | | 1382 | 0 | 6 | 48 |
| | | 245 | 0 | 0 | 20 | | | 1383 | 0 | 1 | 62 |
| | | 199 | 0 | 0 | 40 | | | 1337 | 0 | 6 | 48 |
| | | 181 | 0 | 8 | 50 | | | 1245 | 0 | 15 | 38 |
| | | | | | | | | 1252 | 0 | 0 | 81 |
| जसनात | 99 | 168 | 0 | 0 | 81 | | | 1246 | 0 | 4 | 86 |
| | | 167 | 0 | 1 | 1 | | | 1244 | 0 | 2 | 43 |
| | | 166 | 0 | 1 | 21 | | | 1240 | 0 | 2 | 2 |
| | | 171 | 0 | 0 | 20 | | | 1241 | 0 | 4 | 25 |
| | | 172 | 0 | 2 | 43 | | | 1239 | 0 | 2 | 83 |
| | | 173 | 0 | 0 | 20 | | | 1236 | 0 | 0 | 10 |
| | | 174 | 0 | 0 | 40 | | | 1238 | 0 | 0 | 60 |
| | | 175 | 0 | 0 | 60 | | | 1237 | 0 | 2 | 43 |
| | | 176 | 0 | 2 | 22 | | | 1235 | 0 | 0 | 10 |
| | | 177 | 0 | 2 | 63 | | | 1155 | 0 | 1 | 62 |
| | | 29 | 0 | 0 | 60 | | | 1227 | 0 | 1 | 21 |
| | | 111 | 0 | 0 | 10 | | | 1154 | 0 | 4 | 5 |
| | | 110 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 108 | 0 | 0 | 81 | जामपुर बासन | 87 | 788 | 0 | 0 | 10 |
| | | 107 | 0 | 1 | 1 | | | 787 | 0 | 0 | 20 |
| | | 104 | 0 | 1 | 21 | | | 778 | 0 | 2 | 2 |
| | | 105 | 0 | 0 | 40 | | | 777 | 0 | 2 | 22 |
| | | 103 | 0 | 1 | 62 | | | 776 | 0 | 0 | 10 |
| | | 102 | 0 | 1 | 21 | | | 775 | 0 | 2 | 2 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------|----|------|---|---|----|----------------------|----|------|---|---|----|
| जामद्वारवासन (जारी) | 87 | 1403 | 0 | 0 | 40 | | | 677 | 0 | 5 | 46 |
| | | 1406 | 0 | 2 | 43 | | | 679 | 0 | 2 | 2 |
| | | 743 | 0 | 2 | 2 | | | 676 | 0 | 0 | 60 |
| | | 742 | 0 | 1 | 1 | | | 681 | 0 | 0 | 60 |
| | | 741 | 0 | 0 | 81 | | | 776 | 0 | 0 | 40 |
| | | 740 | 0 | 2 | 43 | | | 769 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1400 | 0 | 0 | 40 | | | 768 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1398 | 0 | 1 | 41 | | | 771 | 0 | 0 | 10 |
| | | 737 | 0 | 6 | 88 | | | 765 | 0 | 7 | 28 |
| | | 736 | 0 | 0 | 40 | | | 764 | 0 | 1 | 62 |
| | | 727 | 0 | 0 | 10 | | | 704 | 0 | 0 | 40 |
| | | 726 | 0 | 3 | 64 | | | 690 | 0 | 0 | 10 |
| | | 725 | 0 | 1 | 21 | | | 693 | 0 | 1 | 82 |
| | | 724 | 0 | 1 | 21 | | | 694 | 0 | 1 | 21 |
| | | 723 | 0 | 2 | 22 | | | 1025 | 0 | 1 | 21 |
| | | 722 | 0 | 0 | 81 | | | 698 | 0 | 2 | 83 |
| | | 721 | 0 | 0 | 20 | | | 697 | 0 | 2 | 43 |
| | | 720 | 0 | 1 | 21 | | | 699 | 0 | 2 | 2 |
| कोलसार | 88 | 1015 | 0 | 1 | 21 | | | 703 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1014 | 0 | 1 | 1 | | | 681 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1013 | 0 | 0 | 40 | | | 89 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1012 | 0 | 1 | 22 | | | 90 | 0 | 1 | 62 |
| | | 985 | 0 | 0 | 2 | | | 91 | 0 | 1 | 41 |
| | | 984 | 0 | 0 | 10 | | | 92 | 0 | 2 | 2 |
| | | 991 | 0 | 2 | 43 | | | 93 | 0 | 4 | 45 |
| | | 989 | 0 | 0 | 10 | | | 79 | 0 | 2 | 2 |
| | | 990 | 0 | 1 | 21 | | | 78 | 0 | 2 | 22 |
| | | 995 | 0 | 0 | 81 | | | 77 | 0 | 0 | 10 |
| | | 994 | 0 | 0 | 60 | | | 75 | 0 | 0 | 10 |
| | | 993 | 0 | 0 | 60 | | | 66 | 0 | 0 | 60 |
| | | 992 | 0 | 0 | 10 | | | | | | |
| | | 1026 | 0 | 0 | 20 | दक्षिण श्रीकृष्णापुर | 59 | 881 | 0 | 1 | 41 |
| | | 999 | 0 | 2 | 2 | | | 882 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1000 | 0 | 0 | 40 | | | 883 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1001 | 0 | 0 | 60 | | | 884 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1002 | 0 | 1 | 1 | | | 879 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1003 | 0 | 0 | 40 | | | 878 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1004 | 0 | 3 | 24 | | | 886 | 0 | 3 | 44 |
| | | 1005 | 0 | 3 | 44 | | | 890 | 0 | 3 | 24 |
| | | 816 | 0 | 0 | 20 | | | 891 | 0 | 0 | 40 |
| | | 817 | 0 | 2 | 2 | | | 892 | 0 | 2 | 22 |
| | | 818 | 0 | 1 | 21 | | | 857 | 0 | 0 | 60 |
| | | 819 | 0 | 1 | 21 | | | 907 | 0 | 0 | 60 |
| | | 820 | 0 | 2 | 2 | | | 906 | 0 | 0 | 20 |
| | | 807 | 0 | 1 | 62 | | | 905 | 0 | 0 | 40 |
| | | 806 | 0 | 0 | 40 | | | 904 | 0 | 4 | 25 |
| | | 803 | 0 | 0 | 20 | | | 842 | 0 | 0 | 40 |
| | | 678 | 0 | 0 | 10 | | | 841 | 0 | 2 | 2 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | |
|---------------------------------|----|------|---|----|----|---|------------|------|------|---|-----------------|----|
| दक्षिण श्री कृष्णापुर (जारी) | 50 | 840 | 0 | 0 | 10 | | | 2183 | 0 | 0 | 81 | |
| | | 839 | 0 | 4 | 5 | | | 2176 | 0 | 1 | 1 | |
| | | 834 | 0 | 0 | 40 | | | 2177 | 0 | 1 | 1 | |
| | | 833 | 0 | 1 | 82 | | | 2171 | 0 | 1 | 43 | |
| | | 838 | 0 | 0 | 81 | | | 2170 | 0 | 1 | 82 | |
| | | 837 | 0 | 1 | 82 | | | 2167 | 0 | 9 | 71 | |
| | | 836 | 0 | 1 | 21 | | | 2155 | 0 | 3 | 24 ₂ | |
| | | 926 | 0 | 3 | 84 | | | 2153 | 0 | 1 | 6 | |
| | | 793 | 0 | 0 | 40 | | | 2152 | 0 | 2 | 43 | |
| | | 992 | 0 | 6 | 7 | | | 2146 | 0 | 2 | 22 | |
| | | 791 | 0 | 0 | 20 | | | 2147 | 0 | 2 | 2 | |
| | | 788 | 0 | 3 | 64 | | | 2138 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 787 | 0 | 2 | 2 | | | 2137 | 0 | 2 | 43 | |
| | | 786 | 0 | 0 | 81 | | | 2136 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 513 | 0 | 3 | 44 | | | 2133 | 0 | 3 | 3 | |
| | | 506 | 0 | 0 | 81 | | | 2131 | 0 | 3 | 44 | |
| | | 507 | 0 | 2 | 63 | | | 2128 | 0 | 1 | 41 | |
| | | 505 | 0 | 2 | 22 | | | 2125 | 0 | 0 | 81 | |
| | | 504 | 0 | 0 | 60 | | | 2127 | 0 | 0 | 20 | |
| | | 129 | 0 | 2 | 2 | | | 2126 | 0 | 1 | 82 | |
| | | 130 | 0 | 2 | 63 | | | 2063 | 0 | 1 | 62 | |
| | | 134 | 0 | 5 | 67 | | | | | | | |
| | | 135 | 0 | 0 | 10 | | टीकारामपुर | 52 | 230 | 0 | 0 | 60 |
| | | 136 | 0 | 4 | 86 | | | | 229 | 0 | 1 | 21 |
| | | 133 | 0 | 0 | 40 | | | | 228 | 0 | 1 | 21 |
| | | 132 | 0 | 1 | 41 | | | | 227 | 0 | 5 | 26 |
| | | 139 | 0 | 0 | 40 | | | | 166 | 0 | 0 | 40 |
| | | 140 | 0 | 3 | 64 | | | | 167 | 0 | 2 | 22 |
| | | 115 | 0 | 10 | 52 | | | | 168 | 0 | 5 | 67 |
| | | 40 | 0 | 5 | 26 | | | | 169 | 0 | 8 | 9 |
| | | 38 | 0 | 1 | 1 | | | | 172 | 0 | 2 | 2 |
| | | 42 | 0 | 3 | 3 | | | | 171 | 0 | 2 | 43 |
| | | 43 | 0 | 5 | 67 | | | | 1494 | 0 | 1 | 1 |
| | | 46 | 0 | 1 | 62 | | | | 173 | 0 | 4 | 86 |
| | 47 | 0 | 1 | 1 | | | | 1495 | 0 | 1 | 1 | |
| | 11 | 0 | 1 | 82 | | | | 1496 | 0 | 1 | 1 | |
| | 10 | 0 | 1 | 82 | | | | 176 | 0 | 0 | 81 | |
| | 4 | 0 | 3 | 24 | | | | 1499 | 0 | 1 | 21 | |
| | 5 | 0 | 2 | 2 | | | | 1498 | 0 | 0 | 20 | |
| | 8 | 0 | 0 | 60 | | | | 177 | 0 | 2 | 22 | |
| | 6 | 0 | 1 | 21 | | | | 105 | 0 | 1 | 1 | |
| पुयदा | 35 | 2191 | 0 | 2 | 22 | | | 104 | 0 | 0 | 81 | |
| | | 2190 | 0 | 3 | 44 | | | 103 | 0 | 1 | 62 | |
| | | 2188 | 0 | 3 | 84 | | | 102 | 0 | 2 | 83 | |
| | | 2187 | 0 | 0 | 40 | | | 99 | 0 | 0 | 40 | |
| | | 2185 | 0 | 0 | 60 | | | 98 | 0 | 1 | 41 | |
| | | 2184 | 0 | 2 | 2 | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------|----|-----|---|---|----|--------|----|-----|---|---|----|
| सारागेरिया | 51 | 485 | 0 | 3 | 44 | | | 37 | 0 | 1 | 21 |
| | | 487 | 0 | 4 | 86 | | | 69 | 0 | 1 | 62 |
| | | 498 | 0 | 3 | 44 | | | 68 | 0 | 0 | 40 |
| | | 500 | 0 | 3 | 3 | | | 61 | 0 | 2 | 43 |
| | | 501 | 0 | 2 | 2 | | | 62 | 0 | 0 | 40 |
| | | 506 | 0 | 0 | 81 | | | 66 | 0 | 3 | 24 |
| | | 499 | 0 | 1 | 82 | | | 64 | 0 | 0 | 20 |
| | | 428 | 0 | 0 | 10 | गुरिया | 45 | 961 | 0 | 0 | 40 |
| | | 425 | 0 | 5 | 26 | | | 963 | 0 | 2 | 2 |
| | | 426 | 0 | 3 | 3 | | | 969 | 0 | 4 | 5 |
| | | 420 | 0 | 1 | 62 | | | 966 | 0 | 2 | 2 |
| | | 418 | 0 | 1 | 1 | | | 982 | 0 | 1 | 21 |
| | | 419 | 0 | 0 | 61 | | | 981 | 0 | 6 | 88 |
| | | 407 | 0 | 0 | 40 | | | 952 | 0 | 0 | 81 |
| | | 417 | 0 | 4 | 5 | | | 919 | 0 | 3 | 24 |
| | | 415 | 0 | 1 | 62 | | | 683 | 0 | 0 | 60 |
| | | 408 | 0 | 2 | 2 | | | 652 | 0 | 0 | 40 |
| | | 410 | 0 | 1 | 21 | | | 682 | 0 | 1 | 62 |
| | | 412 | 0 | 2 | 83 | | | 658 | 0 | 1 | 1 |
| | | 317 | 0 | 3 | 24 | | | 681 | 0 | 4 | 5 |
| | | 316 | 0 | 1 | 62 | | | 649 | 0 | 1 | 62 |
| | | 401 | 0 | 0 | 40 | | | 650 | 0 | 2 | 2 |
| | | 321 | 0 | 0 | 60 | | | 659 | 5 | 4 | 5 |
| | | 320 | 0 | 1 | 62 | | | 644 | 0 | 1 | 62 |
| | | 319 | 0 | 1 | 62 | | | 643 | 0 | 1 | 62 |
| | | 318 | 0 | 1 | 62 | | | 642 | 0 | 1 | 62 |
| | | 325 | 0 | 0 | 81 | | | 634 | 0 | 2 | 43 |
| | | 323 | 0 | 0 | 40 | | | 635 | 0 | 2 | 83 |
| | | 322 | 0 | 2 | 83 | | | 630 | 0 | 3 | 24 |
| | | 299 | 0 | 0 | 81 | | | 618 | 0 | 2 | 43 |
| | | 298 | 0 | 1 | 21 | | | 619 | 0 | 1 | 1 |
| | | 297 | 0 | 0 | 81 | | | 624 | 0 | 0 | 21 |
| | | 280 | 0 | 1 | 62 | | | 596 | 0 | 0 | 60 |
| | | 295 | 0 | 2 | 83 | | | 599 | 0 | 2 | 83 |
| | | 285 | 0 | 1 | 41 | | | 598 | 0 | 0 | 40 |
| | | 284 | 0 | 0 | 60 | | | 595 | 0 | 1 | 21 |
| | | 286 | 0 | 2 | 43 | | | 594 | 0 | 1 | 21 |
| | | 287 | 0 | 0 | 60 | | | 591 | 0 | 4 | 45 |
| | | 268 | 0 | 2 | 2 | | | 593 | 0 | 0 | 81 |
| | | 267 | 0 | 3 | 3 | | | 597 | 0 | 0 | 10 |
| | | 235 | 0 | 2 | 2 | | | 588 | 0 | 0 | 20 |
| | | 236 | 0 | 3 | 64 | | | 573 | 0 | 0 | 10 |
| | | 238 | 0 | 1 | 21 | | | 571 | 0 | 2 | 2 |
| | | 239 | 0 | 1 | 21 | | | 572 | 0 | 1 | 62 |
| | | 240 | 0 | 3 | 64 | | | 109 | 0 | 0 | 4 |
| | | 201 | 0 | 0 | 60 | | | 107 | 0 | 2 | 83 |
| | | 73 | 0 | 5 | 26 | | | 106 | 0 | 1 | 21 |
| | | 71 | 0 | 6 | 88 | | | | | | |
| | | 70 | 0 | 0 | 18 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|------|---|---|----|---|
| गुरिया—जारी | 105 | 0 | 2 | 2 | |
| | 44 | 0 | 1 | 62 | |
| | 16 | 0 | 1 | 21 | |
| | 14 | 0 | 1 | 21 | |
| | 30 | 0 | 2 | 2 | |
| नरादारी 44 | 1494 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1464 | 0 | 2 | 2 | |
| | 1463 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1462 | 0 | 0 | 40 | |
| | 1461 | 0 | 0 | 40 | |
| | 1460 | 0 | 2 | 2 | |
| | 1459 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1446 | 0 | 3 | 24 | |
| | 1447 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1441 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1442 | 0 | 0 | 10 | |
| | 1440 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1771 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1433 | 0 | 2 | 2 | |
| | 1435 | 0 | 0 | 40 | |
| | 1431 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1432 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1428 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1429 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1430 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1353 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1354 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1356 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1427 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1361 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1362 | 0 | 0 | 60 | |
| | 1363 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1364 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1360 | 0 | 1 | 1 | |
| | 1365 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1707 | 0 | 2 | 83 | |
| | 1369 | 0 | 2 | 2 | |
| | 1370 | 0 | 3 | 24 | |
| | 1380 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1371 | 0 | 0 | 40 | |
| | 1333 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1323 | 0 | 3 | 24 | |
| | 1321 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1319 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1318 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1314 | 0 | 1 | 62 | |

(सं. आर-31015/10/96-ओ.आर.-I)

के.सी. भट्टाच, अवर सचिव

New Delhi, the 15th October, 1996

S.O. 2937.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public objection in writing to the acquisition of the right of user therein by laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P.O. Haldia Refinery, District-Midnapore, West Bengal.

SCHEDULE

| Police Station—Sutabata | | District—Midnapore | | State West Bengal | |
|-------------------------|------------|--------------------|---------|----------------------|----------|
| Area | | | | | |
| Village | Jl. No. | Plot No. | Hectare | Are | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Tentulberia | 170 | 1474 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1475 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1476 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1469 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1953 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1954 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1468 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1467 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1720 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1463 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1425 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1424 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1428 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1421 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1420 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1418 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1417 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1416 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1923 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1415 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1918 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1412 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1381 | 0 | 3 | 64 |
| 1382 | 0 | 3 | 24 | | |
| 1383 | 0 | 0 | 40 | | |
| 1387 | 0 | 2 | 43 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------|------|---|---|---|----|--------------|----|------|---|----|----|
| Teutiberia (Contd.) | 899 | | 0 | 1 | 21 | | | 1400 | 0 | 1 | 62 |
| | 1391 | | 0 | 1 | 21 | | | 1398 | 0 | 2 | 33 |
| | 902 | | 0 | 4 | 5 | | | 1395 | 0 | 2 | 43 |
| | 901 | | 0 | 1 | 21 | | | 1416 | 0 | 1 | 21 |
| | 894 | | 0 | 1 | 62 | | | 1417 | 0 | 2 | 2 |
| | 893 | | 0 | 2 | 43 | | | 1415 | 0 | 2 | 43 |
| | 798 | | 0 | 1 | 62 | | | 1418 | 0 | 1 | 62 |
| | 799 | | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | 800 | | 0 | 0 | 20 | Kishmet | 94 | 1682 | 0 | 3 | 44 |
| | 801 | | 0 | 0 | 40 | Shibramnegar | | 1674 | 0 | 2 | 22 |
| | 802 | | 0 | 0 | 40 | | | 1675 | 0 | 0 | 60 |
| | 810 | | 0 | 2 | 43 | | | 1672 | 0 | 1 | 62 |
| | 808 | | 0 | 2 | 43 | | | 1671 | 0 | 1 | 21 |
| | 809 | | 0 | 0 | 81 | | | 1664 | 0 | 1 | 41 |
| | 817 | | 0 | 0 | 81 | | | 1652 | 0 | 3 | 44 |
| | 819 | | 0 | 1 | 62 | | | 1649 | 0 | 1 | 41 |
| | 206 | | 0 | 0 | 60 | | | 1650 | 0 | 1 | 82 |
| | 207 | | 0 | 0 | 40 | | | 1630 | 0 | 0 | 20 |
| | 208 | | 0 | 3 | 24 | | | 1131 | 0 | 3 | 84 |
| | 209 | | 0 | 1 | 62 | | | 1130 | 0 | 3 | 24 |
| | 210 | | 0 | 2 | 2 | | | 1138 | 0 | 1 | 21 |
| | 226 | | 0 | 2 | 83 | | | 1136 | 0 | 2 | 22 |
| | 230 | | 0 | 9 | 31 | | | 1141 | 0 | 0 | 60 |
| | 198 | | 0 | 3 | 64 | | | 1143 | 0 | 1 | 82 |
| | 197 | | 0 | 9 | 71 | | | 1127 | 0 | 0 | 20 |
| | 243 | | 0 | 0 | 60 | | | 1145 | 0 | 1 | 82 |
| | 246 | | 0 | 0 | 91 | | | 1147 | 0 | 1 | 41 |
| | 248 | | 0 | 3 | 24 | | | 1148 | 0 | 1 | 21 |
| | 249 | | 0 | 6 | 7 | | | 1149 | 0 | 1 | 1 |
| | 260 | | 0 | 4 | 45 | | | 1183 | 0 | 0 | 81 |
| | 261 | | 0 | 1 | 21 | | | 1184 | 0 | 1 | 21 |
| | 266 | | 0 | 1 | 21 | | | 1187 | 0 | 2 | 22 |
| | 267 | | 0 | 1 | 21 | | | 1179 | 0 | 3 | 44 |
| | 269 | | 0 | 0 | 21 | | | 1170 | 0 | 1 | 1 |
| | 1755 | | 0 | 0 | 60 | | | 1177 | 0 | 0 | 60 |
| | 270 | | 0 | 1 | 21 | | | 1178 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 1242 | 0 | 1 | 21 |
| Shobharempur 147 | 1660 | | 0 | 5 | 26 | | | 1243 | 0 | 1 | 62 |
| | 1979 | | 0 | 0 | 40 | | | 1250 | 0 | 2 | 43 |
| | 1655 | | 0 | 0 | 81 | | | 1251 | 0 | 0 | 81 |
| | 1651 | | 0 | 7 | 28 | | | 1252 | 0 | 2 | 2 |
| | 1652 | | 0 | 0 | 20 | | | 1253 | 0 | 1 | 21 |
| | 1649 | | 0 | 5 | 26 | | | 1254 | 0 | 0 | 81 |
| | 1644 | | 0 | 4 | 5 | | | 1255 | 0 | 0 | 20 |
| | 1638 | | 0 | 2 | 83 | | | 1309 | 0 | 9 | 71 |
| | 1640 | | 0 | 3 | 24 | | | 1308 | 0 | 2 | 2 |
| | 1617 | | 0 | 2 | 2 | | | 1318 | 0 | 10 | 52 |
| | 1618 | | 0 | 6 | 48 | | | 1326 | 0 | 3 | 24 |
| | 1615 | | 0 | 6 | 7 | | | 1330 | 0 | 1 | 21 |
| | 1607 | | 0 | 4 | 5 | | | 1328 | 0 | 2 | 2 |
| | 1608 | | 0 | 3 | 24 | | | 1329 | 0 | 3 | 24 |
| | 1590 | | 0 | 2 | 2 | | | 1340 | 0 | 0 | 81 |
| | 1591 | | 0 | 5 | 87 | | | 1341 | 0 | 5 | 67 |
| | 1599 | | 0 | 0 | 20 | | | 1342 | 0 | 1 | 62 |
| | 1593 | | 0 | 2 | 43 | | | 1344 | 0 | 0 | 20 |
| | 1594 | | 0 | 0 | 40 | | | 1339 | 0 | 6 | 7 |
| | 1540 | | 0 | 0 | 40 | | | 1338 | 0 | 1 | 21 |
| | 1546 | | 0 | 1 | 41 | | | | | | |
| | 1547 | | 0 | 2 | 2 | Chaulkhola | 93 | 2500 | 0 | 0 | 81 |
| | 1543 | | 0 | 2 | 43 | | | 2498 | 0 | 2 | 43 |
| | 1544 | | 0 | 2 | 2 | | | 2499 | 0 | 0 | 40 |
| | 1545 | | 0 | 4 | 86 | | | 2497 | 0 | 0 | 81 |
| | 1525 | | 0 | 4 | 86 | | | 2496 | 0 | 8 | 9 |
| | 1524 | | 0 | 1 | 62 | | | 2492 | 0 | 0 | 81 |
| | 1521 | | 0 | 4 | 5 | | | 2490 | 0 | 3 | 24 |
| | 1404 | | 0 | 9 | 31 | | | 2491 | 0 | 4 | 5 |
| | 1406 | | 0 | 6 | 48 | | | 2487 | 0 | 3 | 24 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------|----|------|---|---|----|------------|----|------|---|---|----|
| | | 2483 | 0 | 0 | 40 | | | 189 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2482 | 0 | 2 | 2 | | | 190 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2484 | 0 | 1 | 62 | | | 194 | 0 | 3 | 44 |
| | | 2480 | 0 | 0 | 20 | | | 1816 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2479 | 0 | 2 | 2 | | | 305 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1146 | 0 | 4 | 45 | | | 306 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1134 | 0 | 3 | 24 | | | 1799 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1135 | 0 | 0 | 60 | | | 311 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1136 | 0 | 1 | 62 | | | 310 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1137 | 0 | 3 | 24 | | | 320 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1138 | 0 | 2 | 43 | | | 323 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1141 | 0 | 1 | 62 | | | 326 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1139 | 0 | 1 | 82 | | | 309 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1102 | 0 | 1 | 41 | | | 327 | 0 | 4 | 25 |
| | | 1104 | 0 | 1 | 21 | | | 330 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1103 | 0 | 1 | 41 | | | 343 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1100 | 0 | 0 | 81 | | | 344 | 0 | 3 | 84 |
| | | 1094 | 0 | 1 | 41 | | | 363 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1093 | 0 | 1 | 41 | | | 346 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1088 | 0 | 3 | 64 | | | 362 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1095 | 0 | 0 | 20 | | | 347 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1087 | 0 | 0 | 20 | | | 349 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1052 | 0 | 2 | 83 | | | 348 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1053 | 0 | 5 | 67 | | | 350 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1054 | 0 | 1 | 21 | | | 351 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1082 | 0 | 0 | 20 | | | 353 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1081 | 0 | 5 | 6 | | | 355 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1063 | 0 | 1 | 62 | | | 356 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1064 | 0 | 0 | 81 | | | 357 | 0 | 0 | 43 |
| | | 1065 | 0 | 0 | 12 | | | 358 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1062 | 0 | 7 | 8 | | | 424 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1068 | 0 | 1 | 21 | | | 422 | 0 | 0 | 20 |
| | | 892 | 0 | 2 | 2 | | | 425 | 0 | 1 | 62 |
| | | 646 | 0 | 5 | 67 | | | 426 | 0 | 1 | 62 |
| | | 645 | 0 | 1 | 62 | | | 428 | 0 | 2 | 2 |
| | | 647 | 0 | 0 | 12 | | | 432 | 0 | 2 | 83 |
| | | 648 | 0 | 1 | 1 | | | 433 | 0 | 0 | 40 |
| | | 649 | 0 | 3 | 24 | | | 438 | 0 | 6 | 48 |
| | | 650 | 0 | 1 | 62 | | | 436 | 0 | 2 | 22 |
| | | 668 | 0 | 2 | 43 | | | 440 | 0 | 0 | 40 |
| | | 666 | 0 | 2 | 43 | | | 8 | 0 | 4 | 45 |
| | | 667 | 0 | 3 | 24 | | | 7 | 0 | 0 | 60 |
| | | 722 | 0 | 3 | 24 | | | 1782 | 0 | 3 | 24 |
| | | 721 | 0 | 0 | 81 | | | 1724 | 0 | 2 | 43 |
| | | 720 | 0 | 1 | 41 | | | 11 | 0 | 2 | 2 |
| | | 719 | 0 | 4 | 5 | | | 12 | 0 | 0 | 81 |
| | | 718 | 0 | 2 | 63 | | | 2 | 0 | 3 | 84 |
| | | 717 | 0 | 4 | 5 | Gorankhali | 61 | 1311 | 0 | 1 | 62 |
| | | 715 | 0 | 0 | 40 | | | 713 | 0 | 1 | 21 |
| | | 714 | 0 | 0 | 60 | | | 714 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 715 | 0 | 2 | 63 |
| Manoharpur | 92 | 1883 | 0 | 0 | 81 | | | 716 | 0 | 0 | 81 |
| | | 157 | 0 | 2 | 63 | | | 717 | 0 | 2 | 2 |
| | | 158 | 0 | 2 | 2 | | | 718 | 0 | 1 | 21 |
| | | 160 | 0 | 2 | 83 | | | 747 | 0 | 0 | 40 |
| | | 161 | 0 | 2 | 43 | | | 744 | 0 | 1 | 62 |
| | | 167 | 0 | 4 | 86 | | | 53 | 0 | 0 | 40 |
| | | 169 | 0 | 6 | 48 | | | 1313 | 0 | 0 | 12 |
| | | 172 | 0 | 0 | 12 | | | 743 | 0 | 0 | 20 |
| | | 173 | 0 | 4 | 86 | | | 736 | 0 | 5 | 67 |
| | | 174 | 0 | 1 | 82 | | | 737 | 0 | 0 | 20 |
| | | 202 | 0 | 0 | 12 | | | 738 | 0 | 0 | 12 |
| | | 182 | 0 | 3 | 24 | | | 620 | 0 | 5 | 26 |
| | | 183 | 0 | 0 | 12 | | | 472 | 0 | 0 | 81 |
| | | 185 | 0 | 2 | 43 | | | 473 | 0 | 4 | 5 |
| | | 186 | 0 | 2 | 2 | | | 484 | 0 | 9 | 90 |
| | | 187 | 0 | 0 | 81 | | | 483 | 0 | 5 | 26 |
| | | 188 | 0 | 1 | 62 | | | 486 | 0 | 1 | 62 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------|------------------|------|-------|------|--------|---|---|------|---|----|----|
| | | 102 | 0 | 2 | 2 | | | 2405 | 0 | 2 | 2 |
| | | 101 | 0 | 0 | 40 | | | 3682 | 0 | 2 | 22 |
| | | 99 | 0 | 3 | 24 | | | 2386 | 0 | 4 | 86 |
| | | 98 | 0 | 6 | 7 | | | 2387 | 0 | 4 | 45 |
| | | 97 | 0 | 3 | 1 | | | 2388 | 0 | 2 | 43 |
| | | 96 | 0 | 3 | 64 | | | 2380 | 0 | 2 | 43 |
| | | 430 | 0 | 2 | 2 | | | 2381 | 0 | 0 | 60 |
| | | 95 | 0 | 6 | 88 | | | 2182 | 0 | 1 | 62 |
| | | 467 | 0 | 7 | 69 | | | 2183 | 0 | 2 | 63 |
| | | 471 | 0 | 6 | 7 | | | 2184 | 0 | 8 | 90 |
| | | 470 | 0 | 4 | 86 | | | 2186 | 0 | 16 | 19 |
| | | 468 | 0 | 0 | 12 | | | 2156 | 0 | 0 | 60 |
| | | 469 | 0 | 0 | 20 | | | 1938 | 0 | 2 | 83 |
| | | 513 | 0 | 2 | 83 | | | 1937 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2187 | 0 | 4 | 25 | | | 1939 | 0 | 4 | 86 |
| | | 2188 | 0 | 2 | 43 | | | 1940 | 0 | 11 | 33 |
| | | 518 | 0 | 3 | 24 | | | 1924 | 0 | 8 | 50 |
| | | 519 | 0 | 5 | 87 | | | 1920 | 0 | 2 | 2 |
| | | 520 | 0 | 1 | 62 | | | 1919 | 0 | 0 | 40 |
| | | 65 | 0 | 3 | 64 | | | 1911 | 0 | 5 | 26 |
| | | 63 | 0 | 1 | 21 | | | 1914 | 0 | 4 | 45 |
| Dwari Beria | 46 | 516 | 0 | 0 | 10 | | | 1913 | 0 | 5 | 67 |
| | | 15 | 0 | 2 | 43 | | | 1878 | 0 | 2 | 43 |
| | | 14 | 0 | 0 | 81 | | | 1877 | 0 | 4 | 86 |
| | | 13 | 0 | 2 | 43 | | | 1873 | 0 | 1 | 62 |
| Sapua | 48 | 141 | 0 | 8 | 9 | | | 1875 | 0 | 1 | 62 |
| | | 142 | 0 | 2 | 43 | | | 1874 | 0 | 1 | 62 |
| | | 540 | 0 | 3 | 24 | | | 1872 | 0 | 1 | 21 |
| | | 562 | 0 | 3 | 24 | | | 1871 | 0 | 9 | 71 |
| | | 119 | 0 | 2 | 83 | | | 1970 | 0 | 2 | 2 |
| | | 561 | 0 | 2 | 43 | | | 1868 | 0 | 1 | 62 |
| | | 120 | 0 | 1 | 62 | | | 1867 | 0 | 1 | 62 |
| | | 117 | 0 | 9 | 91 | | | 1866 | 0 | 2 | 83 |
| | | 197 | 0 | 2 | 43 | | | 1865 | 0 | 2 | 83 |
| | | 198 | 0 | 5 | 6 | | | 1860 | 0 | 4 | 5 |
| | | 509 | 0 | 1 | 62 | | | 1859 | 0 | 7 | 28 |
| | | 580 | 0 | 1 | 21 | | | 3662 | 0 | 3 | 24 |
| | | 199 | 0 | 1 | 1 | | | 1183 | 0 | 4 | 5 |
| | | 98 | 0 | 4 | 86 | | | 3564 | 0 | 8 | 90 |
| | | 579 | 0 | 0 | 10 | | | 1184 | 0 | 4 | 5 |
| | | 97 | 0 | 4 | 5 | | | 1201 | 0 | 5 | 26 |
| | | 96 | 0 | 6 | 88 | | | 1207 | 0 | 2 | 2 |
| | | 95 | 0 | 5 | 67 | | | 1206 | 0 | 1 | 62 |
| | | 65 | 0 | 5 | 26 | | | 1205 | 0 | 1 | 62 |
| | | 489 | 0 | 5 | 67 | | | 1214 | 0 | 1 | 62 |
| | | 494 | 0 | 0 | 60 | | | 1213 | 0 | 0 | 40 |
| | | 9 | 0 | 1 | 21 | | | 1212 | 0 | 0 | 40 |
| | | 495 | 0 | 6 | 48 | | | 1211 | 0 | 0 | 40 |
| | | 68 | 0 | 4 | 5 | | | 1199 | 0 | 1 | 21 |
| | | 8 | 0 | 4 | 5 | | | 674 | 0 | 2 | 43 |
| | | 576 | 0 | 13 | 15 | | | 676 | 0 | 4 | 86 |
| | | | | | | | | 673 | 0 | 1 | 21 |
| P.S. Mahishadal | Distt. Midna Pur | | S-ate | West | Bengal | | | 672 | 0 | 1 | 62 |
| Kalikakundu | 148 | 3144 | 0 | 4 | 45 | | | 220 | 0 | 1 | 21 |
| | | 3139 | 0 | 5 | 26 | | | 219 | 0 | 0 | 81 |
| | | 3140 | 0 | 14 | 16 | | | 218 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3141 | 0 | 0 | 20 | | | 216 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3135 | 0 | 0 | 40 | | | 215 | 0 | 6 | 88 |
| | | 2413 | 0 | 4 | 5 | | | 214 | 0 | 2 | 2 |
| | | 2416 | 0 | 3 | 24 | | | 213 | 0 | 2 | 2 |
| | | 3117 | 0 | 0 | 81 | | | 212 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2418 | 0 | 4 | 5 | | | 211 | 0 | 2 | 43 |
| | | 3116 | 0 | 0 | 40 | | | 210 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2419 | 0 | 0 | 40 | | | 209 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2420 | 0 | 8 | 90 | | | 208 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2431 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------------------|-----|------|---|---|---|----|----------------------|------|------|---|----|----|----|
| kalikuku rdu —Contd. | | 269 | | 0 | 2 | 2 | Chanpi—Contd. | | 2457 | | 0 | 1 | 21 |
| | | 79 | | 0 | 1 | 21 | | 2456 | | 0 | 6 | 48 | |
| | | 78 | | 0 | 2 | 2 | | 2082 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 206 | | 0 | 5 | 67 | | 2081 | | 0 | 0 | 81 | |
| | | 285 | | 0 | 2 | 2 | | 2076 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 205 | | 0 | 2 | 2 | | 2078 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 3479 | | 0 | 0 | 40 | | 2077 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 181 | | 0 | 5 | 67 | | 1978 | | 0 | 4 | 86 | |
| | | 180 | | 0 | 2 | 2 | | 1977 | | 0 | 4 | 86 | |
| | | 179 | | 0 | 5 | 26 | | 1976 | | 0 | 3 | 64 | |
| | | 170 | | 0 | 3 | 24 | | 1970 | | 0 | 0 | 81 | |
| | | 171 | | 0 | 1 | 62 | | 1969 | | 0 | 6 | 88 | |
| | | 3488 | | 0 | 4 | 5 | | 1968 | | 0 | 4 | 45 | |
| | | 155 | | 0 | 8 | 90 | | 1965 | | 0 | 5 | 87 | |
| | | | | | | | | 1959 | | 0 | 9 | 31 | |
| | | | | | | | | 2742 | | 0 | 1 | 21 | |
| Lakhya | 161 | 4026 | | 0 | 2 | 2 | | 1881 | | 0 | 0 | 20 | |
| | | 4015 | | 0 | 9 | 10 | | 1958 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 4022 | | 0 | 3 | 24 | | 1955 | | 0 | 0 | 20 | |
| | | 4167 | | 0 | 2 | 83 | | 1953 | | 0 | 0 | 40 | |
| | | 4014 | | 0 | 0 | 10 | | 1956 | | 0 | 4 | 5 | |
| | | 4013 | | 0 | 0 | 40 | | 1611 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 4016 | | 0 | 2 | 43 | | 1949 | | 0 | 0 | 40 | |
| | | 5146 | | 0 | 3 | 24 | | 1952 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 4005 | | 0 | 2 | 43 | | 1950 | | 0 | 4 | 5 | |
| | | 5142 | | 0 | 2 | 43 | | 1948 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 3955 | | 0 | 7 | 28 | | 1946 | | 0 | 1 | 82 | |
| | | 3962 | | 0 | 4 | 86 | | 1943 | | 0 | 1 | 82 | |
| | | 5117 | | 0 | 0 | 81 | | 1942 | | 0 | 0 | 60 | |
| | | 3963 | | 0 | 3 | 64 | | 1941 | | 0 | 1 | 1 | |
| | | 3971 | | 0 | 0 | 10 | | 1940 | | 0 | 0 | 60 | |
| | | 3960 | | 0 | 0 | 10 | | 1939 | | 0 | 0 | 40 | |
| | | 3930 | | 0 | 0 | 40 | | 1938 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 3918 | | 0 | 2 | 83 | | 1875 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 3917 | | 0 | 8 | 90 | | 1874 | | 0 | 3 | 64 | |
| | | 5110 | | 0 | 0 | 20 | | 2557 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 3915 | | 0 | 5 | 26 | | 1873 | | 0 | 4 | 5 | |
| | | 3913 | | 0 | 5 | 6 | | 1876 | | 0 | 4 | 86 | |
| | | 3920 | | 0 | 0 | 60 | | 1877 | | 0 | 4 | 86 | |
| | | 3912 | | 0 | 2 | 22 | | 1878 | | 0 | 5 | 26 | |
| | | 88 | | 0 | 0 | 60 | | 1879 | | 0 | 7 | 28 | |
| | | 3860 | | 0 | 0 | 20 | | 1880 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 3831 | | 0 | 1 | 21 | | 1791 | | 0 | 6 | 48 | |
| | | 3832 | | 0 | 0 | 60 | | 1804 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 3833 | | 0 | 0 | 60 | | 1805 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 3834 | | 0 | 0 | 81 | | 1802 | | 0 | 2 | 43 | |
| | | 3835 | | 0 | 0 | 60 | | 1801 | | 0 | 10 | 52 | |
| | | 3836 | | 0 | 5 | 26 | | 1800 | | 0 | 0 | 81 | |
| | | 5102 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | |
| | | 3859 | | 0 | 0 | 81 | | | | | | | |
| | | 3837 | | 0 | 4 | 5 | | | | | | | |
| | | 3838 | | 0 | 0 | 81 | Jhaupatra | 144 | 903 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 3839 | | 0 | 4 | 65 | | 902 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 3847 | | 0 | 1 | 21 | | 893 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 3849 | | 0 | 6 | 48 | | 888 | | 0 | 0 | 81 | |
| | | 3848 | | 0 | 0 | 10 | | 887 | | 0 | 4 | 5 | |
| | | 3773 | | 0 | 2 | 83 | | 670 | | 0 | 0 | 20 | |
| | | 3770 | | 0 | 2 | 63 | | 668 | | 0 | 0 | 20 | |
| | | 3768 | | 0 | 1 | 21 | | 669 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 3769 | | 0 | 2 | 63 | | 679 | | 0 | 1 | 21 | |
| | | 3762 | | 0 | 2 | 63 | | 674 | | 0 | 3 | 24 | |
| | | 3763 | | 0 | 2 | 22 | | 678 | | 0 | 0 | 40 | |
| | | | | | | | | 677 | | 0 | 0 | 60 | |
| | | | | | | | | 703 | | 0 | 1 | 1 | |
| Chanpi | 146 | 2478 | | 0 | 4 | 45 | | 702 | | 0 | 1 | 62 | |
| | | 2469 | | 0 | 1 | 21 | | 701 | | 0 | 5 | 26 | |
| | | 2468 | | 0 | 1 | 21 | | 700 | | 0 | 1 | 41 | |
| | | 2467 | | 0 | 1 | 21 | | 699 | | 0 | 0 | 40 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|------|---|----|----|---|------------|-----|------|---|----|----|
| Jhaupatra—Contd. | 711 | 0 | 3 | 24 | | Kakurdaha | 136 | 223 | 0 | 0 | 40 |
| | 712 | 0 | 3 | 84 | | | | 224 | 0 | 0 | 20 |
| | 728 | 0 | 3 | 44 | | | | 222 | 0 | 1 | 62 |
| | 727 | 0 | 4 | 86 | | | | 221 | 0 | 1 | 62 |
| | 1273 | 0 | 2 | 2 | | | | 220 | 0 | 0 | 20 |
| | 1265 | 0 | 1 | 1 | | | | 216 | 0 | 0 | 20 |
| | 1267 | 0 | 1 | 62 | | | | 215 | 0 | 0 | 20 |
| | 722 | 0 | 8 | 90 | | | | 219 | 0 | 10 | 52 |
| | 1279 | 0 | 0 | 60 | | | | 1037 | 0 | 0 | 40 |
| | 609 | 0 | 0 | 60 | | | | 59 | 0 | 0 | 40 |
| | 608 | 0 | 1 | 62 | | | | 58 | 0 | 5 | 67 |
| | 607 | 0 | 0 | 10 | | | | 57 | 0 | 5 | 67 |
| | 606 | 0 | 3 | 3 | | | | 56 | 0 | 0 | 20 |
| | 605 | 0 | 0 | 20 | | | | 55 | 0 | 1 | 62 |
| | 601 | 0 | 3 | 64 | | | | 54 | 0 | 9 | 71 |
| | 586 | 0 | 6 | 27 | | Bagda | 138 | 1189 | 0 | 0 | 81 |
| | 585 | 0 | 1 | 62 | | | | 999 | 0 | 0 | 40 |
| | 584 | 0 | 2 | 2 | | | | 998 | 0 | 1 | 1 |
| | 502 | 0 | 0 | 20 | | | | 1001 | 0 | 0 | 20 |
| | 505 | 0 | 0 | 40 | | | | 1000 | 0 | 3 | 64 |
| | 504 | 0 | 0 | 20 | | | | 1142 | 0 | 0 | 40 |
| | 503 | 0 | 0 | 40 | | | | 1145 | 0 | 0 | 20 |
| | 510 | 0 | 7 | 28 | | | | 1143 | 0 | 1 | 21 |
| | 524 | 0 | 0 | 20 | | | | 1144 | 0 | 2 | 2 |
| | 522 | 0 | 2 | 2 | | | | 1159 | 0 | 1 | 21 |
| | 523 | 0 | 0 | 40 | | | | 1138 | 0 | 1 | 62 |
| | 520 | 0 | 1 | 82 | | | | 1137 | 0 | 8 | 9 |
| | 519 | 0 | 1 | 21 | | | | 1136 | 0 | 6 | 88 |
| | 518 | 0 | 0 | 40 | | | | 1094 | 0 | 4 | 86 |
| | 517 | 0 | 0 | 81 | | | | 1110 | 0 | 0 | 60 |
| | 1363 | 0 | 0 | 81 | | | | 1095 | 0 | 1 | 41 |
| | 512 | 0 | 1 | 21 | | | | 1096 | 0 | 2 | 2 |
| | 516 | 0 | 1 | 1 | | | | 1097 | 0 | 5 | 26 |
| | 515 | 0 | 0 | 40 | | | | 1104 | 0 | 2 | 43 |
| | 160 | 0 | 0 | 20 | | | | 1060 | 0 | 0 | 40 |
| | 209 | 0 | 0 | 40 | | | | 1069 | 0 | 1 | 21 |
| | 210 | 0 | 1 | 82 | | | | 1068 | 0 | 1 | 21 |
| | 208 | 0 | 6 | 7 | | | | 1066 | 0 | 0 | 40 |
| | 207 | 0 | 6 | 7 | | | | 1065 | 0 | 0 | 20 |
| | 188 | 0 | 4 | 45 | | | | 1064 | 0 | 1 | 62 |
| | 1171 | 0 | 2 | 2 | | | | 1063 | 0 | 2 | 83 |
| | 187 | 0 | 1 | 82 | | | | 1268 | 0 | 12 | 14 |
| | 186 | 0 | 2 | 43 | | | | 1055 | 0 | 0 | 40 |
| | 182 | 0 | 2 | 43 | | | | | | | |
| | 181 | 0 | 4 | 5 | | Kanchanpur | 137 | 158 | 0 | 3 | 64 |
| | 162 | 0 | 0 | 60 | | | | 164 | 0 | 1 | 1 |
| | 1361 | 0 | 0 | 20 | | | | 163 | 0 | 3 | 24 |
| | 161 | 0 | 0 | 20 | | | | 178 | 0 | 0 | 20 |
| | 156 | 0 | 0 | 81 | | | | 177 | 0 | 0 | 81 |
| | 137 | 0 | 1 | 82 | | | | 176 | 0 | 1 | 62 |
| | 136 | 0 | 6 | 7 | | | | 181 | 0 | 0 | 60 |
| | 135 | 0 | 15 | 78 | | | | 182 | 0 | 0 | 60 |
| | 134 | 0 | 9 | 71 | | | | 183 | 0 | 3 | 64 |
| | 133 | 0 | 1 | 62 | | | | 184 | 0 | 1 | 62 |
| | 126 | 0 | 5 | 26 | | | | 185 | 0 | 1 | 82 |
| | 128 | 0 | 19 | 43 | | | | 1641 | 0 | 1 | 82 |
| | 94 | 0 | 21 | 5 | | | | 186 | 0 | 1 | 62 |
| | 1177 | 0 | 3 | 24 | | | | 90 | 0 | 0 | 81 |
| | 79 | 0 | 1 | 82 | | | | 89 | 0 | 0 | 81 |
| | 80 | 0 | 4 | 86 | | | | 237 | 0 | 0 | 81 |
| | 81 | 0 | 1 | 41 | | | | 238 | 0 | 2 | 2 |
| | 82 | 0 | 0 | 20 | | | | 250 | 0 | 1 | 21 |
| | 1213 | 0 | 0 | 81 | | | | 248 | 0 | 2 | 43 |
| | 84 | 0 | 1 | 82 | | | | 247 | 0 | 1 | 41 |
| | 85 | 0 | 0 | 20 | | | | 244 | 0 | 1 | 41 |
| | | | | | | | | 243 | 0 | 2 | 83 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------|-----|------|---|---|----|---------------|-----|------|---|---|----|
| Kanchanpur—Contd. | | 352 | 0 | 1 | 21 | Tajpur Contd. | | 1493 | 0 | 2 | 43 |
| | | 351 | 0 | 0 | 81 | | | 805 | 0 | 0 | 10 |
| | | 350 | 0 | 2 | 83 | | | 801 | 0 | 1 | 41 |
| | | 348 | 0 | 2 | 2 | | | 797 | 0 | 1 | 1 |
| | | 349 | 0 | 1 | 62 | | | 1492 | 0 | 3 | 24 |
| | | 286 | 0 | 0 | 20 | | | 809 | 0 | 0 | 40 |
| | | 285 | 0 | 0 | 20 | | | 768 | 0 | 5 | 87 |
| | | 289 | 0 | 0 | 20 | | | 773 | 0 | 0 | 81 |
| | | 345 | 0 | 5 | 26 | | | 774 | 0 | 1 | 62 |
| | | 344 | 0 | 1 | 21 | | | 775 | 0 | 2 | 43 |
| | | 343 | 0 | 0 | 20 | | | 776 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1720 | 0 | 0 | 60 | | | 748 | 0 | 0 | 60 |
| | | 321 | 0 | 1 | 1 | | | 749 | 0 | 3 | 44 |
| | | 322 | 0 | 0 | 60 | | | 744 | 0 | 4 | 86 |
| | | 323 | 0 | 0 | 60 | | | 747 | 0 | 4 | 65 |
| | | 324 | 0 | 1 | 1 | | | 737 | 0 | 4 | 45 |
| | | 341 | 0 | 0 | 40 | | | 739 | 0 | 4 | 86 |
| | | 325 | 0 | 3 | 64 | | | 622 | 0 | 1 | 62 |
| | | 326 | 0 | 0 | 20 | | | 741 | 0 | 2 | 43 |
| | | 338 | 0 | 3 | 64 | | | 742 | 0 | 0 | 60 |
| | | 339 | 0 | 1 | 82 | | | 743 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1659 | 0 | 3 | 3 | | | 735 | 0 | 0 | 20 |
| | | 56 | 0 | 1 | 21 | | | 736 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1727 | 0 | 1 | 62 | Malubasan | 123 | 860 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1726 | 0 | 0 | 60 | | | 859 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1724 | 0 | 4 | 86 | | | 861 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1723 | 0 | 0 | 60 | | | 852 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1732 | 0 | 0 | 20 | | | 850 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1728 | 0 | 0 | 81 | | | 849 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1729 | 0 | 1 | 62 | | | 846 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1731 | 0 | 0 | 40 | | | 847 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1730 | 0 | 4 | 5 | | | 848 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 802 | 0 | 0 | 10 |
| | | | | | | | | 803 | 0 | 1 | 82 |
| | | | | | | | | 804 | 0 | 0 | 20 |
| | | | | | | | | 805 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 800 | 0 | 4 | 86 |
| | | | | | | | | 801 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 713 | 0 | 3 | 64 |
| | | | | | | | | 714 | 0 | 4 | 5 |
| | | | | | | | | 715 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 716 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 799 | 0 | 5 | 26 |
| | | | | | | | | 806 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 807 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 709 | 0 | 2 | 43 |
| | | | | | | | | 710 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 842 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 712 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 717 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 702 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 703 | 0 | 2 | 43 |
| | | | | | | | | 704 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 684 | 0 | 0 | 10 |
| | | | | | | | | 685 | 0 | 4 | 86 |
| | | | | | | | | 686 | 0 | 2 | 2 |
| | | | | | | | | 687 | 0 | 4 | 5 |
| | | | | | | Madhabpur | 122 | 3170 | 0 | 1 | 1 |
| | | | | | | | | 2296 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 2295 | 0 | 4 | 25 |
| | | | | | | | | 2299 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 2307 | 0 | 6 | 27 |
| | | | | | | | | 2311 | 0 | 1 | 82 |
| | | | | | | | | 2309 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 2310 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 2326 | 0 | 2 | 43 |
| Rajarampur | 130 | 1536 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 1529 | 0 | 4 | 5 | | | | | | |
| | | 2967 | 0 | 5 | 67 | | | | | | |
| | | 1532 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 1531 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 1530 | 0 | 1 | 82 | | | | | | |
| | | 2965 | 0 | 1 | 1 | | | | | | |
| | | 1690 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 1512 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 1514 | 0 | 7 | 28 | | | | | | |
| | | 1515 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 1516 | 0 | 7 | 28 | | | | | | |
| | | 1491 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 1490 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| | | 1489 | 0 | 6 | 48 | | | | | | |
| | | 1484 | 0 | 5 | 87 | | | | | | |
| | | 1483 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |
| | | 1482 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 1481 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 1465 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 1466 | 0 | 2 | 63 | | | | | | |
| | | 2971 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 1476 | 0 | 1 | 1 | | | | | | |
| | | 1472 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |
| | | 1471 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| | | 1470 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 1468 | 0 | 7 | 69 | | | | | | |
| | | 2893 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| Tajpur | 124 | 959 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |
| | | 798 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 807 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 800 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 806 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|---|------|---|---|----|----------------|---|-----|---|---|----|
| Madhabpur—Contd. | | | | | | Bagmari—Contd. | | | | | |
| | | 2327 | 0 | 4 | 86 | | | 518 | 0 | 2 | 43 |
| | | 3066 | 0 | 6 | 7 | | | 489 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2328 | 0 | 0 | 81 | | | 625 | 0 | 2 | 43 |
| | | 2329 | 0 | 3 | 64 | | | 488 | 0 | 4 | 86 |
| | | 2291 | 0 | 0 | 20 | | | 238 | 0 | 7 | 69 |
| | | 2284 | 0 | 1 | 41 | | | 239 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2285 | 0 | 4 | 5 | | | 614 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2286 | 0 | 0 | 20 | | | 237 | 0 | 2 | 2 |
| | | 2277 | 0 | 2 | 43 | | | 236 | 0 | 4 | 65 |
| | | 2275 | 0 | 6 | 48 | | | 229 | 0 | 4 | 45 |
| | | 2649 | 0 | 1 | 1 | | | 612 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2274 | 0 | 0 | 60 | | | 230 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1240 | 0 | 0 | 20 | | | 231 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1244 | 0 | 0 | 60 | | | 201 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1247 | 0 | 5 | 87 | | | 198 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1245 | 0 | 0 | 10 | | | 199 | 0 | 1 | 41 |
| | | 3079 | 0 | 1 | 82 | | | 191 | 0 | 4 | 86 |
| | | 3178 | 0 | 0 | 10 | | | 192 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1241 | 0 | 1 | 62 | | | 174 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1242 | 0 | 0 | 40 | | | 190 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1243 | 0 | 1 | 62 | | | 175 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2255 | 0 | 2 | 43 | | | 176 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1274 | 0 | 1 | 21 | | | 177 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1275 | 0 | 1 | 62 | | | 610 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1276 | 0 | 4 | 5 | | | 169 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1278 | 0 | 6 | 48 | | | 168 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1284 | 0 | 0 | 60 | | | 167 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1285 | 0 | 5 | 26 | | | 108 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1286 | 0 | 0 | 10 | | | 103 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1224 | 0 | 5 | 46 | | | 598 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1221 | 0 | 0 | 10 | | | 55 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1222 | 0 | 3 | 44 | | | 101 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1223 | 0 | 0 | 81 | | | 102 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1212 | 0 | 1 | 82 | | | 41 | 0 | 0 | 61 |
| | | 1213 | 0 | 0 | 40 | | | 48 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1214 | 0 | 2 | 43 | | | 56 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2297 | 0 | 0 | 10 | | | 58 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1202 | 0 | 4 | 86 | | | 47 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1203 | 0 | 4 | 86 | | | 595 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1204 | 0 | 2 | 63 | | | 46 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1205 | 0 | 0 | 10 | | | 33 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1206 | 0 | 1 | 21 | | | 23 | 0 | 5 | 87 |
| | | 1186 | 0 | 0 | 60 | | | 24 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1187 | 0 | 0 | 60 | | | 21 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1188 | 0 | 2 | 2 | | | 20 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1185 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 3078 | 0 | 0 | 10 | Naikundi 117 | | 832 | 0 | 0 | 20 |
| | | 3073 | 0 | 1 | 1 | | | 831 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1174 | 0 | 0 | 81 | | | 830 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1175 | 0 | 4 | 86 | | | 829 | 0 | 0 | 61 |
| | | 1176 | 0 | 0 | 10 | | | 827 | 0 | 6 | 88 |
| | | 1170 | 0 | 3 | 64 | | | 825 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1171 | 0 | 1 | 62 | | | 824 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 822 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 821 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 820 | 0 | 4 | 25 |
| | | | | | | | | 819 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 503 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 499 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 500 | 0 | 2 | 43 |
| | | | | | | | | 501 | 0 | 2 | 22 |
| | | | | | | | | 502 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 920 | 0 | 2 | 22 |
| | | | | | | | | 498 | 0 | 0 | 10 |
| | | | | | | | | 902 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 470 | 0 | 4 | 25 |
| | | | | | | | | 466 | 0 | 1 | 82 |
| Bagmari 101 | | | | | | | | | | | |
| | | 504 | 0 | 1 | 1 | | | | | | |
| | | 503 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 502 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 531 | 0 | 4 | 45 | | | | | | |
| | | 506 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 540 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 509 | 0 | 5 | 87 | | | | | | |
| | | 514 | 0 | 0 | 10 | | | | | | |
| | | 515 | 0 | 6 | 7 | | | | | | |
| | | 516 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 520 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |
| | | 519 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------|-----|------|---|----|----|-----------------|-----|------|---|---|----|
| Naikundi—contd. | 464 | | 0 | 0 | 81 | Kumarara—contd. | | 1324 | 0 | 2 | 43 |
| | 463 | | 0 | 0 | 20 | | | 1311 | 0 | 1 | 41 |
| | 458 | | 0 | 4 | 86 | | | 1313 | 0 | 2 | 63 |
| | 459 | | 0 | 2 | 2 | | | 1312 | 0 | 2 | 2 |
| | 451 | | 0 | 0 | 81 | | | 1310 | 0 | 2 | 2 |
| | 452 | | 0 | 0 | 61 | | | 1309 | 0 | 0 | 20 |
| | 438 | | 0 | 0 | 60 | | | 1308 | 0 | 1 | 41 |
| | 437 | | 0 | 1 | 21 | | | 1302 | 0 | 0 | 81 |
| | 435 | | 0 | 2 | 83 | | | 1305 | 0 | 0 | 10 |
| | 434 | | 0 | 2 | 43 | | | 1304 | 0 | 2 | 43 |
| | 426 | | 0 | 0 | 60 | | | 1303 | 0 | 0 | 10 |
| | 427 | | 0 | 4 | 5 | | | 1297 | 0 | 0 | 40 |
| | 429 | | 0 | 2 | 43 | | | 1296 | 0 | 5 | 67 |
| | 422 | | 0 | 3 | 64 | | | 29 | 0 | 1 | 21 |
| | 419 | | 0 | 2 | 43 | | | 1295 | 0 | 1 | 41 |
| | 420 | | 0 | 0 | 40 | | | 1290 | 0 | 0 | 40 |
| | 415 | | 0 | 2 | 22 | | | 1289 | 0 | 2 | 2 |
| | 413 | | 0 | 2 | 43 | | | 1288 | 0 | 1 | 62 |
| | 414 | | 0 | 0 | 81 | | | 1287 | 0 | 6 | 48 |
| | 163 | | 0 | 0 | 61 | | | 847 | 0 | 5 | 67 |
| | 1 | 1 | 1 | 3 | 44 | | | 848 | 0 | 8 | 9 |
| | 2 | | 0 | 4 | 86 | | | 758 | 0 | 1 | 62 |
| | 3 | | 0 | 0 | 20 | | | 759 | 0 | 4 | 5 |
| | 7 | | 0 | 5 | 26 | Dhitai Basan | 100 | 210 | 0 | 6 | 7 |
| | 160 | | 0 | 1 | 21 | | | 211 | 0 | 3 | 64 |
| | 159 | | 0 | 2 | 2 | | | 212 | 0 | 0 | 10 |
| | 157 | | 0 | 0 | 81 | | | 200 | 0 | 4 | 86 |
| | 156 | | 0 | 1 | 21 | | | 202 | 0 | 0 | 40 |
| | 155 | | 0 | 1 | 1 | | | 203 | 0 | 2 | 22 |
| | 154 | | 0 | 1 | 1 | | | 204 | 0 | 2 | 43 |
| | 153 | | 0 | 3 | 24 | | | 243 | 0 | 2 | 2 |
| | | | | | | | | 245 | 0 | 0 | 20 |
| | | | | | | | | 199 | 0 | 0 | 40 |
| Kumarara | 118 | 1334 | 0 | 3 | 44 | Jasnan | 99 | 181 | 0 | 8 | 50 |
| | | 1331 | 0 | 1 | 82 | | | 168 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1330 | 0 | 2 | 43 | | | 167 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1363 | 0 | 1 | 21 | | | 166 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1335 | 0 | 2 | 43 | | | 171 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1327 | 0 | 0 | 10 | | | 172 | 0 | 2 | 43 |
| | | 864 | 0 | 0 | 81 | | | 173 | 0 | 0 | 20 |
| | | 863 | 0 | 5 | 26 | | | 174 | 0 | 0 | 40 |
| | | 862 | 0 | 1 | 62 | | | 175 | 0 | 0 | 60 |
| | | 861 | 0 | 1 | 62 | | | 176 | 0 | 2 | 22 |
| | | 860 | 0 | 1 | 1 | | | 177 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1055 | 0 | 6 | 7 | | | 29 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1054 | 0 | 6 | 48 | | | 111 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1052 | 0 | 2 | 43 | | | 110 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1051 | 0 | 1 | 1 | | | 108 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1048 | 0 | 4 | 5 | | | 107 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1050 | 0 | 2 | 22 | | | 104 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1070 | 0 | 4 | 5 | | | 105 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1073 | 0 | 0 | 60 | | | 103 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1038 | 0 | 0 | 40 | | | 102 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1034 | 0 | 11 | 33 | | | 101 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1033 | 0 | 6 | 27 | | | 87 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1032 | 0 | 8 | 9 | | | 88 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1093 | 0 | 1 | 1 | | | 97 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1283 | 0 | 2 | 43 | | | 96 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1284 | 0 | 1 | 62 | | | 89 | 0 | 0 | 61 |
| | | 995 | 0 | 0 | 60 | | | 90 | 0 | 2 | 83 |
| | | 999 | 0 | 20 | 64 | | | 91 | 0 | 0 | 20 |
| | | 972 | 0 | 0 | 40 | | | 66 | 0 | 1 | 21 |
| | | 973 | 0 | 4 | 86 | | | 67 | 0 | 0 | 61 |
| | | 969 | 0 | 3 | 64 | | | 68 | 0 | 1 | 21 |
| | | 968 | 0 | 1 | 21 | | | 69 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1325 | 0 | 1 | 1 | | | 7 | 0 | 3 | 44 |

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|------|---|---|----|----|---|---------------|------|---|---|---|----|---|
| Jamnān—contd. | 6 | | 0 | 2 | 22 | | Kolsar—contd. | 999 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 5 | | 0 | 3 | 64 | | | 1000 | | 0 | 0 | 40 | |
| | 4 | | 0 | 0 | 40 | | | 1001 | | 0 | 0 | 60 | |
| | | | | | | | | 1002 | | 0 | 1 | 1 | |
| Mandargechhya 90 | 1402 | | 0 | 2 | 43 | | | 1003 | | 0 | 0 | 40 | |
| | 1401 | | 0 | 5 | 87 | | | 1004 | | 0 | 3 | 24 | |
| | 1393 | | 0 | 0 | 20 | | | 1005 | | 0 | 3 | 44 | |
| | 1394 | | 0 | 3 | 3 | | | 816 | | 0 | 0 | 20 | |
| | 1395 | | 0 | 4 | 25 | | | 817 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1396 | | 0 | 3 | 24 | | | 818 | | 0 | 1 | 21 | |
| | 1381 | | 0 | 0 | 40 | | | 819 | | 0 | 1 | 21 | |
| | 1382 | | 0 | 6 | 48 | | | 820 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1383 | | 0 | 1 | 62 | | | 807 | | 0 | 1 | 62 | |
| | 1337 | | 0 | 6 | 48 | | | 806 | | 0 | 0 | 40 | |
| | 1245 | | 0 | 15 | 38 | | | 803 | | 0 | 0 | 20 | |
| | 1252 | | 0 | 0 | 81 | | | 678 | | 0 | 0 | 10 | |
| | 1246 | | 0 | 4 | 86 | | | 677 | | 0 | 5 | 46 | |
| | 1244 | | 0 | 2 | 43 | | | 679 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1240 | | 0 | 2 | 2 | | | 676 | | 0 | 0 | 60 | |
| | 1241 | | 0 | 4 | 25 | | | 681 | | 0 | 0 | 60 | |
| | 1239 | | 0 | 2 | 83 | | | 776 | | 0 | 0 | 40 | |
| | 1236 | | 0 | 0 | 10 | | | 769 | | 0 | 4 | 5 | |
| | 1238 | | 0 | 0 | 60 | | | 768 | | 0 | 1 | 62 | |
| | 1237 | | 0 | 2 | 43 | | | 771 | | 0 | 0 | 10 | |
| | 1235 | | 0 | 0 | 10 | | | 765 | | 0 | 7 | 28 | |
| | 1155 | | 0 | 1 | 62 | | | 764 | | 0 | 1 | 62 | |
| | 1227 | | 0 | 1 | 21 | | | 704 | | 0 | 0 | 40 | |
| | 1154 | | 0 | 4 | 5 | | | 690 | | 0 | 0 | 10 | |
| Jambur Basan 87 | 788 | | 0 | 0 | 10 | | | 693 | | 0 | 1 | 82 | |
| | 787 | | 0 | 0 | 20 | | | 694 | | 0 | 1 | 21 | |
| | 778 | | 0 | 2 | 2 | | | 1025 | | 0 | 1 | 21 | |
| | 777 | | 0 | 2 | 22 | | | 698 | | 0 | 2 | 83 | |
| | 776 | | 0 | 0 | 10 | | | 697 | | 0 | 2 | 43 | |
| | 775 | | 0 | 2 | 2 | | | 699 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1403 | | 0 | 0 | 40 | | | 703 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1406 | | 0 | 2 | 43 | | | 681 | | 0 | 0 | 10 | |
| | 743 | | 0 | 2 | 2 | | | 89 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 742 | | 0 | 1 | 1 | | | 90 | | 0 | 1 | 62 | |
| | 741 | | 0 | 0 | 81 | | | 91 | | 0 | 1 | 41 | |
| | 740 | | 0 | 2 | 43 | | | 92 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 1400 | | 0 | 0 | 40 | | | 93 | | 0 | 4 | 45 | |
| | 1398 | | 0 | 1 | 41 | | | 79 | | 0 | 2 | 2 | |
| | 737 | | 0 | 6 | 88 | | | 78 | | 0 | 2 | 22 | |
| | 736 | | 0 | 0 | 40 | | | 77 | | 0 | 0 | 10 | |
| | 727 | | 0 | 0 | 10 | | | 75 | | 0 | 0 | 10 | |
| | 726 | | 0 | 3 | 64 | | | 66 | | 0 | 0 | 60 | |
| | 725 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | | |
| | 724 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | | |
| | 723 | | 0 | 2 | 22 | | | | | | | | |
| | 722 | | 0 | 0 | 81 | | | | | | | | |
| | 721 | | 0 | 0 | 20 | | | | | | | | |
| | 720 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | | |
| Kolsar 88 | 1015 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | | |
| | 1014 | | 0 | 1 | 1 | | | | | | | | |
| | 1013 | | 0 | 0 | 40 | | | | | | | | |
| | 1012 | | 0 | 1 | 22 | | | | | | | | |
| | 985 | | 0 | 2 | 2 | | | | | | | | |
| | 984 | | 0 | 0 | 10 | | | | | | | | |
| | 991 | | 0 | 2 | 43 | | | | | | | | |
| | 989 | | 0 | 0 | 10 | | | | | | | | |
| | 990 | | 0 | 1 | 21 | | | | | | | | |
| | 995 | | 0 | 0 | 81 | | | | | | | | |
| | 994 | | 0 | 0 | 60 | | | | | | | | |
| | 993 | | 0 | 0 | 60 | | | | | | | | |
| | 992 | | 0 | 0 | 10 | | | | | | | | |
| | 1026 | | 0 | 0 | 20 | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|----|------|---|----|----|------------|----|------|---|---|----|
| | | 833 | 0 | 1 | 82 | Tikarampur | 52 | 230 | 0 | 0 | 60 |
| | | 838 | 0 | 0 | 81 | | | 229 | 0 | 1 | 21 |
| | | 837 | 0 | 1 | 82 | | | 228 | 0 | 1 | 21 |
| | | 836 | 0 | 1 | 21 | | | 227 | 0 | 5 | 26 |
| | | 926 | 0 | 3 | 84 | | | 166 | 0 | 0 | 40 |
| | | 793 | 0 | 0 | 40 | | | 167 | 0 | 2 | 22 |
| | | 792 | 0 | 6 | 7 | | | 168 | 0 | 5 | 67 |
| | | 791 | 0 | 0 | 20 | | | 169 | 0 | 8 | 9 |
| | | 788 | 0 | 3 | 64 | | | 172 | 0 | 2 | 2 |
| | | 787 | 0 | 2 | 2 | | | 171 | 0 | 2 | 43 |
| | | 786 | 0 | 0 | 81 | | | 1494 | 0 | 1 | 1 |
| | | 513 | 0 | 3 | 44 | | | 173 | 0 | 4 | 86 |
| | | 506 | 0 | 0 | 81 | | | 1495 | 0 | 1 | 1 |
| | | 507 | 0 | 2 | 63 | | | 1496 | 0 | 1 | 1 |
| | | 505 | 0 | 2 | 22 | | | 176 | 0 | 0 | 81 |
| | | 504 | 0 | 0 | 60 | | | 1499 | 0 | 1 | 21 |
| | | 129 | 0 | 2 | 2 | | | 1498 | 0 | 0 | 20 |
| | | 130 | 0 | 2 | 63 | | | 177 | 0 | 2 | 22 |
| | | 134 | 0 | 5 | 67 | | | 105 | 0 | 1 | 1 |
| | | 135 | 0 | 0 | 10 | | | 104 | 0 | 0 | 81 |
| | | 136 | 0 | 4 | 86 | | | 103 | 0 | 1 | 62 |
| | | 133 | 0 | 0 | 40 | | | 102 | 0 | 2 | 83 |
| | | 132 | 0 | 1 | 41 | | | 99 | 0 | 0 | 40 |
| | | 139 | 0 | 0 | 40 | | | 98 | 0 | 1 | 41 |
| | | 140 | 0 | 3 | 64 | | | | | | |
| | | 115 | 0 | 10 | 52 | | | | | | |
| | | 40 | 0 | 5 | 26 | Tarageria | 51 | 485 | 0 | 3 | 44 |
| | | 38 | 0 | 1 | 1 | | | 487 | 0 | 4 | 86 |
| | | 42 | 0 | 3 | 3 | | | 498 | 0 | 3 | 44 |
| | | 43 | 0 | 5 | 67 | | | 500 | 0 | 3 | 3 |
| | | 46 | 0 | 1 | 62 | | | 501 | 0 | 2 | 2 |
| | | 47 | 0 | 1 | 1 | | | 506 | 0 | 0 | 81 |
| | | 11 | 0 | 1 | 82 | | | 499 | 0 | 1 | 82 |
| | | 10 | 0 | 1 | 82 | | | 428 | 0 | 0 | 10 |
| | | 4 | 0 | 3 | 24 | | | 425 | 0 | 5 | 26 |
| | | 5 | 0 | 2 | 2 | | | 426 | 0 | 3 | 3 |
| | | 8 | 0 | 0 | 60 | | | 420 | 0 | 1 | 62 |
| | | 6 | 0 | 1 | 21 | | | 418 | 0 | 1 | 1 |
| | | | | | | | | 419 | 0 | 0 | 61 |
| | | | | | | | | 407 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 417 | 0 | 4 | 5 |
| | | | | | | | | 415 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 408 | 0 | 2 | 2 |
| | | | | | | | | 410 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 412 | 0 | 2 | 83 |
| | | | | | | | | 317 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 316 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 401 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 321 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 320 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 319 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 318 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 325 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 323 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 322 | 0 | 2 | 83 |
| | | | | | | | | 299 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 298 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 297 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 280 | 0 | 1 | 62 |
| | | | | | | | | 295 | 0 | 2 | 83 |
| | | | | | | | | 285 | 0 | 1 | 41 |
| | | | | | | | | 284 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 286 | 0 | 2 | 43 |
| | | | | | | | | 287 | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | | 268 | 0 | 2 | 2 |
| | | | | | | | | 267 | 0 | 3 | 3 |
| Puyeda | 35 | 2191 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 2190 | 0 | 3 | 44 | | | | | | |
| | | 2188 | 0 | 3 | 84 | | | | | | |
| | | 2187 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 2185 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 2184 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 2183 | 0 | 0 | 81 | | | | | | |
| | | 2176 | 0 | 1 | 1 | | | | | | |
| | | 2177 | 0 | 1 | 1 | | | | | | |
| | | 2171 | 0 | 1 | 41 | | | | | | |
| | | 2170 | 0 | 1 | 82 | | | | | | |
| | | 2167 | 0 | 9 | 71 | | | | | | |
| | | 2155 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 2153 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |
| | | 2152 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 2146 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 2147 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 2138 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 2137 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 2136 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 2133 | 0 | 3 | 3 | | | | | | |
| | | 2131 | 0 | 3 | 44 | | | | | | |
| | | 2128 | 0 | 1 | 41 | | | | | | |
| | | 2125 | 0 | 0 | 81 | | | | | | |
| | | 2127 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 2126 | 0 | 1 | 82 | | | | | | |
| | | 2063 | 0 | 1 | 62 | | | | | | |

| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 | 1471 | 1472 | 1473 | 1474 | 1475 | 1476 |
|--|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
|--|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इसीसे दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप श्री विपबनाथ बोस, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लि., हल्दिया बरौनी पाइपलाइन परियोजना, पोस्ट आफिस-हल्दिया रिफाईनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना—तामलुक जिला—मिदनापुर राज्य-पश्चिमी बंगाल

| गांव | जे एल सं० | प्लॉट सं० | क्षेत्र |
|------|-----------|-----------|---------------------|
| | | | हे० आरे सेंन्टी आरे |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------|----|------|---|---|----|
| सादीचाक | 53 | 67 | 0 | 1 | 62 |
| | | 68 | 0 | 4 | 86 |
| | | 72 | 0 | 4 | 5 |
| | | 71 | 0 | 2 | 43 |
| | | 76 | 0 | 5 | 26 |
| | | 75 | 0 | 0 | 10 |
| | | 77 | 0 | 0 | 81 |
| | | 233 | 0 | 7 | 28 |
| | | 41 | 0 | 2 | 43 |
| | | 40 | 0 | 4 | 45 |
| | | 83 | 0 | 1 | 21 |
| | | 39 | 0 | 2 | 43 |
| | | 38 | 0 | 2 | 43 |
| | | 37 | 0 | 2 | 83 |
| | | 36 | 0 | 0 | 20 |
| नीलकुथिया | 52 | 1538 | 0 | 8 | 50 |
| | | 602 | 0 | 7 | 28 |
| | | 603 | 0 | 4 | 86 |
| | | 610 | 0 | 2 | 43 |
| | | 612 | 0 | 2 | 22 |
| | | 604 | 0 | 4 | 86 |
| | | 605 | 0 | 2 | 63 |
| | | 559 | 0 | 0 | 81 |
| | | 558 | 0 | 0 | 60 |
| | | 3003 | 0 | 0 | 40 |
| | | 557 | 0 | 0 | 81 |
| | | 3058 | 0 | 0 | 10 |
| | | 613 | 0 | 3 | 64 |
| | | 556 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|------|---|------|
| | | 555 | 0 | 1 21 |
| | | 614 | 0 | 3 24 |
| | | 554 | 0 | 2 2 |
| | | 616 | 0 | 0 40 |
| | | 615 | 0 | 2 2 |
| | | 651 | 0 | 0 60 |
| | | 619 | 0 | 4 5 |
| | | 618 | 0 | 2 43 |
| | | 617 | 0 | 4 5 |
| | | 654 | 0 | 1 21 |
| | | 653 | 0 | 8 9 |
| | | 652 | 0 | 3 64 |
| | | 650 | 0 | 4 5 |
| | | 632 | 0 | 1 41 |
| | | 649 | 0 | 5 67 |
| | | 646 | 0 | 0 60 |
| | | 645 | 0 | 3 64 |
| | | 644 | 0 | 2 43 |
| | | 643 | 0 | 1 41 |
| | | 642 | 0 | 0 60 |
| | | 636 | 0 | 0 40 |
| | | 638 | 0 | 2 43 |
| | | 637 | 0 | 3 24 |
| | | 684 | 0 | 1 82 |
| | | 913 | 0 | 2 43 |
| | | 912 | 0 | 0 40 |
| | | 911 | 0 | 3 44 |
| | | 910 | 0 | 2 83 |
| | | 918 | 0 | 0 10 |
| | | 928 | 0 | 0 10 |
| | | 920 | 0 | 0 40 |
| | | 919 | 0 | 2 2 |
| | | 915 | 0 | 0 81 |
| | | 916 | 0 | 4 45 |
| | | 914 | 0 | 1 82 |
| | | 964 | 0 | 4 45 |
| | | 963 | 0 | 0 40 |
| | | 962 | 0 | 2 43 |
| | | 965 | 0 | 0 40 |
| | | 966 | 0 | 6 48 |
| | | 3071 | 0 | 2 83 |
| | | 1107 | 0 | 0 40 |
| | | 1101 | 0 | 3 24 |
| | | 1102 | 0 | 0 60 |
| | | 1099 | 0 | 4 45 |
| | | 1098 | 0 | 0 20 |
| | | 1097 | 0 | 4 45 |
| | | 1095 | 0 | 3 64 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------|----|------|---|----|----|----------------|----|------|---|---|----|
| | | 1091 | 0 | 1 | 1 | हरशंकर खामारचक | 59 | 1634 | 0 | 3 | 44 |
| | | 1093 | 0 | 2 | 43 | | | 1888 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1092 | 0 | 3 | 24 | | | 77 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1044 | 0 | 0 | 20 | | | 1557 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1043 | 0 | 2 | 83 | | | 1556 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1042 | 0 | 4 | 86 | | | 1558 | 0 | 2 | 43 |
| | | 3077 | 0 | 2 | 2 | | | 1555 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1057 | 0 | 2 | 43 | | | 1547 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1056 | 0 | 2 | 83 | | | 1546 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1050 | 0 | 5 | 67 | | | 1519 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1217 | 0 | 0 | 81 | | | 1518 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1223 | 0 | 0 | 20 | | | 1517 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1224 | 0 | 1 | 1 | | | 1516 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1222 | 0 | 1 | 21 | | | 1480 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1221 | 0 | 1 | 62 | | | 1479 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1220 | 0 | 2 | 63 | | | 1478 | 0 | 3 | 84 |
| | | 1219 | 0 | 2 | 63 | | | 1476 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1218 | 0 | 0 | 40 | | | 1475 | 0 | 1 | 62 |
| | | 20 | 0 | 2 | 43 | | | 1524 | 0 | 2 | 43 |
| | | 100 | 0 | 7 | 28 | दक्षिण उसतपुर | 60 | 1657 | 0 | 1 | 1 |
| | | 101 | 0 | 0 | 81 | | | 1658 | 0 | 7 | 28 |
| | | 98 | 0 | 2 | 63 | | | 1583 | 0 | 2 | 22 |
| | | 87 | 0 | 1 | 62 | | | 1584 | 0 | 2 | 2 |
| | | 94 | 0 | 2 | 43 | | | 1616 | 0 | 0 | 20 |
| | | 93 | 0 | 0 | 81 | | | 1588 | 0 | 2 | 63 |
| | | | | | | | | 1587 | 0 | 2 | 43 |
| हरशंकर खामारचक | 59 | 1777 | 0 | 3 | 24 | | | 1775 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1776 | 0 | 1 | 62 | | | 1615 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1775 | 1 | 2 | 2 | | | 1597 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1774 | 0 | 2 | 22 | | | 1596 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1773 | 0 | 2 | 22 | | | 1566 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1772 | 0 | 11 | 53 | | | 1607 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1676 | 0 | 7 | 28 | | | 1606 | 0 | 3 | 44 |
| | | 1675 | 0 | 3 | 24 | | | 1266 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1674 | 0 | 1 | 62 | | | 1265 | 0 | 4 | 25 |
| | | 1673 | 0 | 5 | 67 | | | 1262 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1670 | 0 | 4 | 5 | | | 1264 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1669 | 0 | 3 | 64 | | | 1263 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1668 | 0 | 5 | 6 | | | 1261 | 0 | 5 | 6 |
| | | 1667 | 0 | 4 | 86 | | | 1252 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1631 | 0 | 0 | 81 | | | 1251 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1665 | 0 | 0 | 81 | | | 1250 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1652 | 0 | 4 | 25 | | | 1253 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1651 | 0 | 0 | 40 | | | 1246 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1150 | 0 | 2 | 43 | | | 1245 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1648 | 0 | 2 | 83 | | | 1238 | 0 | 6 | 1 |
| | | 1887 | 0 | 0 | 81 | | | | | | |
| | | 1635 | 0 | 0 | 81 | | | 1158 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------------|----|------|---|---|----|--------------|----|-----|---|---|----|
| दक्षिण उत्तरपुर-ज.रो | 60 | 1007 | 0 | 6 | 48 | पद्मपुर-जारी | 99 | 367 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1006 | 0 | 2 | 83 | | | 366 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1005 | 0 | 3 | 24 | | | 365 | 0 | 8 | 9 |
| | | 1012 | 0 | 2 | 63 | | | 110 | 0 | 7 | 69 |
| | | 1011 | 0 | 2 | 43 | | | 107 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1010 | 0 | 6 | 88 | | | 106 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1009 | 0 | 1 | 1 | | | 105 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1014 | 0 | 2 | 83 | | | 666 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1019 | 0 | 1 | 62 | | | 104 | 0 | 6 | 88 |
| | | 1018 | 0 | 3 | 24 | | | 664 | 0 | 0 | 10 |
| | | 950 | 0 | 0 | 10 | | | 665 | 0 | 0 | 40 |
| | | 930 | 0 | 0 | 60 | | | 102 | 0 | 9 | 31 |
| | | 1021 | 0 | 3 | 3 | | | 101 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1020 | 0 | 2 | 43 | | | 95 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1022 | 0 | 4 | 86 | | | 97 | 0 | 5 | 67 |
| | | | | | | | | 639 | 0 | 1 | 21 |
| | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 21 |
| रामपुर | 99 | 594 | 0 | 4 | 5 | रामकलुआ | 97 | 789 | 0 | 3 | 24 |
| | | 595 | 0 | 0 | 20 | | | 788 | 0 | 0 | 81 |
| | | 600 | 0 | 0 | 10 | | | 76 | 0 | 0 | 40 |
| | | 607 | 0 | 0 | 81 | | | 75 | 0 | 3 | 64 |
| | | 603 | 0 | 0 | 20 | | | 67 | 0 | 0 | 10 |
| | | 602 | 0 | 2 | 43 | | | 66 | 0 | 0 | 20 |
| | | 601 | 0 | 0 | 40 | | | 69 | 0 | 7 | 69 |
| | | 604 | 0 | 2 | 43 | | | 64 | 0 | 3 | 24 |
| | | 606 | 0 | 1 | 62 | | | 63 | 0 | 1 | 21 |
| | | 605 | 0 | 0 | 81 | | | 61 | 0 | 0 | 40 |
| | | 584 | 0 | 1 | 41 | | | 60 | 0 | 0 | 81 |
| | | 583 | 0 | 0 | 20 | | | 59 | 0 | 2 | 83 |
| | | 480 | 0 | 0 | 20 | | | 56 | 0 | 0 | 20 |
| | | 616 | 0 | 0 | 40 | | | 58 | 0 | 4 | 86 |
| | | 481 | 0 | 0 | 81 | बाली लुआ | 93 | 409 | 0 | 7 | 28 |
| | | 482 | 0 | 4 | 5 | | | 408 | 0 | 0 | 10 |
| | | 489 | 0 | 6 | 48 | | | 403 | 0 | 2 | 43 |
| | | 515 | 0 | 0 | 81 | | | 402 | 0 | 2 | 43 |
| | | 488 | 0 | 1 | 21 | | | 401 | 0 | 0 | 60 |
| | | 505 | 0 | 2 | 83 | | | 395 | 0 | 4 | 5 |
| | | 504 | 0 | 1 | 1 | | | 394 | 0 | 4 | 5 |
| | | 506 | 0 | 2 | 22 | | | 393 | 5 | 3 | 24 |
| | | 507 | 0 | 4 | 5 | | | 366 | 0 | 3 | 64 |
| | | 503 | 0 | 1 | 1 | | | 365 | 0 | 3 | 64 |
| | | 502 | 0 | 6 | 48 | | | 364 | 5 | 5 | 20 |
| | | 501 | 0 | 3 | 24 | | | 358 | 0 | 4 | 45 |
| | | 390 | 0 | 1 | 62 | | | 357 | 0 | 4 | 25 |
| | | 389 | 0 | 1 | 21 | | | 356 | 0 | 0 | 60 |
| | | 391 | 0 | 8 | 50 | | | 359 | 0 | 3 | 3 |
| | | 368 | 0 | 7 | 28 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------|----|-----|---|----|----|---------------|-----|------|---|---|----|
| बालीकलुआ—जारी | | | | | | बालीकलुआ—जारी | | | | | |
| | | 351 | 0 | 1 | 1 | | | 432 | 0 | 0 | 81 |
| | | 350 | 0 | 12 | 14 | | | 433 | 0 | 7 | 28 |
| | | 349 | 0 | 7 | 48 | | | 434 | 0 | 1 | 62 |
| | | 293 | 0 | 1 | 21 | | | 449 | 0 | 1 | 62 |
| | | 158 | 0 | 0 | 81 | | | 448 | 0 | 1 | 1 |
| | | 157 | 0 | 1 | 1 | | | 447 | 0 | 0 | 20 |
| | | 154 | 0 | 2 | 83 | | | 439 | 0 | 0 | 20 |
| नरसिंह कलुआ | 94 | 526 | 0 | 1 | 62 | | | 438 | 0 | 1 | 21 |
| | | 524 | 5 | 4 | 5 | | | 453 | 0 | 1 | 21 |
| | | 516 | 0 | 2 | 2 | | | 452 | 0 | 1 | 21 |
| | | 515 | 5 | 2 | 22 | | | 451 | 0 | 1 | 1 |
| | | 514 | 0 | 0 | 20 | | | 450 | 0 | 1 | 62 |
| | | 513 | 0 | 1 | 21 | | | 454 | 0 | 1 | 62 |
| | | 512 | 0 | 3 | 24 | | | 190 | 0 | 2 | 43 |
| | | 510 | 0 | 0 | 40 | | | 189 | 0 | 1 | 62 |
| | | 509 | 0 | 3 | 44 | | | 456 | 0 | 1 | 62 |
| | | 508 | 0 | 2 | 2 | | | 188 | 0 | 1 | 62 |
| | | 507 | 0 | 2 | 22 | | | 1007 | 0 | 1 | 21 |
| | | 506 | 0 | 2 | 2 | | | 178 | 0 | 1 | 21 |
| | | 505 | 0 | 0 | 40 | | | 460 | 0 | 5 | 6 |
| | | 504 | 0 | 1 | 62 | | | 459 | 0 | 0 | 20 |
| | | 503 | 0 | 2 | 83 | | | 175 | 0 | 0 | 81 |
| अमरोच्छया | 95 | 355 | 0 | 7 | 28 | | | 177 | 0 | 2 | 63 |
| | | 354 | 0 | 1 | 62 | | | 479 | 0 | 3 | 64 |
| | | 351 | 0 | 0 | 10 | | | 465 | 0 | 0 | 60 |
| | | 341 | 0 | 2 | 83 | | | 463 | 0 | 1 | 21 |
| | | 340 | 0 | 0 | 81 | | | 462 | 0 | 0 | 40 |
| | | 339 | 0 | 0 | 40 | | | 461 | 0 | 2 | 43 |
| | | 338 | 0 | 1 | 21 | | | 472 | 0 | 0 | 60 |
| | | 337 | 0 | 3 | 3 | | | 471 | 0 | 4 | 86 |
| | | 336 | 0 | 2 | 63 | | | 129 | 0 | 0 | 81 |
| | | 342 | 0 | 9 | 71 | | | 67 | 0 | 0 | 60 |
| | | 392 | 0 | 1 | 1 | | | 51 | 0 | 0 | 20 |
| | | 399 | 0 | 1 | 21 | | | 998 | 0 | 2 | 43 |
| | | 398 | 0 | 0 | 60 | | | 50 | 0 | 3 | 44 |
| | | 397 | 0 | 0 | 40 | बन्नीचार | 136 | 769 | 0 | 2 | 43 |
| | | 408 | 0 | 0 | 12 | | | 770 | 0 | 2 | 2 |
| | | 407 | 0 | 3 | 24 | | | 771 | 0 | 0 | 40 |
| | | 406 | 0 | 2 | 83 | | | 768 | 0 | 3 | 24 |
| | | 405 | 0 | 0 | 10 | | | 1866 | 0 | 7 | 69 |
| | | 404 | 0 | 0 | 40 | | | 801 | 0 | 0 | 60 |
| | | 403 | 0 | 3 | 24 | | | 766 | 0 | 0 | 20 |
| | | 437 | 0 | 1 | 62 | | | 765 | 0 | 3 | 64 |
| | | 416 | 0 | 1 | 21 | | | 764 | 4 | 4 | 45 |
| | | 415 | 0 | 3 | 24 | | | 763 | 0 | 2 | 43 |
| | | 414 | 0 | 1 | 62 | | | 762 | 0 | 2 | 43 |
| | | 413 | 0 | 1 | 62 | | | 761 | 0 | 0 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|-----|------|---|---|----|--------------------|-----|------|---|---|----|
| वनीवार--जारी | | 760 | 0 | 0 | 20 | भुवनेश्वरपुर--जारी | | 479 | 0 | 0 | 20 |
| | | 757 | 0 | 4 | 25 | | | 474 | 0 | 5 | 67 |
| | | 743 | 0 | 1 | 21 | | | 475 | 0 | 0 | 60 |
| | | 742 | 0 | 3 | 24 | | | 1680 | 0 | 0 | 40 |
| | | 740 | 0 | 3 | 64 | | | 217 | 0 | 0 | 10 |
| राधावल्लवपुर | 137 | 582 | 0 | 1 | 82 | | | 219 | 0 | 1 | 62 |
| | | 581 | 0 | 0 | 10 | | | 216 | 0 | 0 | 10 |
| | | 549 | 0 | 1 | 41 | | | 218 | 0 | 2 | 22 |
| | | 539 | 0 | 0 | 81 | | | 220 | 0 | 0 | 40 |
| | | 536 | 3 | 3 | 64 | | | 155 | 0 | 4 | 86 |
| | | 534 | 0 | 2 | 43 | | | 120 | 0 | 0 | 20 |
| | | 533 | 0 | 0 | 60 | | | 152 | 0 | 0 | 10 |
| | | 528 | 0 | 2 | 83 | | | 151 | 0 | 2 | 83 |
| | | 525 | 0 | 2 | 43 | | | 150 | 0 | 2 | 2 |
| | | 524 | 0 | 2 | 83 | | | 149 | 0 | 2 | 2 |
| | | 523 | 0 | 2 | 83 | | | 137 | 0 | 1 | 62 |
| भुवनेश्वरपुर | 146 | 1670 | 0 | 1 | 21 | | | 136 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1669 | 0 | 0 | 40 | | | 138 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1658 | 0 | 4 | 45 | | | 139 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1655 | 0 | 0 | 20 | | | 145 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1661 | 0 | 1 | 21 | | | 141 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1660 | 0 | 1 | 62 | | | 140 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1659 | 0 | 3 | 24 | | | 142 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1654 | 0 | 0 | 81 | | | 71 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1662 | 0 | 1 | 21 | | | 66 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1653 | 0 | 1 | 62 | | | 65 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1614 | 0 | 1 | 21 | | | 64 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1861 | 0 | 0 | 60 | | | 63 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1613 | 0 | 0 | 40 | | | 1725 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1611 | 0 | 0 | 81 | | | 1724 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1608 | 0 | 1 | 62 | | | 51 | 0 | 3 | 3 |
| | | 1610 | 0 | 1 | 62 | | | 1748 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1607 | 0 | 0 | 40 | | | 1747 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1706 | 0 | 1 | 62 | | | 48 | 0 | 1 | 21 |
| | | 169 | 0 | 2 | 2 | | | 49 | 0 | 2 | 2 |
| | | 597 | 0 | 0 | 20 | | | 1722 | 0 | 0 | 40 |
| | | 596 | 0 | 0 | 60 | | | 46 | 0 | 2 | 43 |
| | | 595 | 0 | 1 | 82 | | | 47 | 0 | 0 | 60 |
| | | 594 | 0 | 4 | 86 | | | 1728 | 0 | 3 | 24 |
| | | 488 | 0 | 0 | 10 | बारपाकुमबसन | 145 | 240 | 0 | 1 | 82 |
| | | 492 | 0 | 2 | 83 | | | 239 | 0 | 0 | 10 |
| | | 490 | 0 | 2 | 2 | | | 201 | 0 | 1 | 62 |
| | | 496 | 0 | 0 | 10 | | | 200 | 0 | 0 | 40 |
| | | 494 | 0 | 2 | 22 | | | 206 | 0 | 0 | 81 |
| | | 495 | 0 | 2 | 22 | | | 205 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1742 | 0 | 2 | 83 | | | 877 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 914 | 0 | 4 | 5 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------|---|------|---|---|----|--------------|---|------|---|---|----|
| बारपदुमबसन—जारी | | | | | | पदमबसन—जारी | | | | | |
| | | 173 | 0 | 0 | 40 | | | 486 | 0 | 3 | 3 |
| | | 157 | 0 | 0 | 10 | | | 485 | 0 | 4 | 5 |
| | | 172 | 0 | 1 | 41 | | | 477 | 0 | 4 | 5 |
| | | 171 | 0 | 0 | 40 | | | 475 | 0 | 1 | 62 |
| | | 159 | 0 | 6 | 48 | | | 476 | 0 | 5 | 26 |
| | | 160 | 0 | 6 | 48 | | | 2415 | 0 | 2 | 43 |
| | | 161 | 0 | 1 | 1 | | | 403 | 0 | 0 | 60 |
| | | 139 | 0 | 0 | 20 | | | 128 | 0 | 7 | 28 |
| | | 162 | 0 | 0 | 81 | | | 127 | 0 | 1 | 21 |
| | | 227 | 0 | 0 | 60 | | | 124 | 0 | 0 | 10 |
| | | 218 | 0 | 3 | 3 | | | 125 | 0 | 1 | 62 |
| | | 217 | 0 | 0 | 20 | | | 126 | 0 | 5 | 67 |
| | | 219 | 0 | 3 | 24 | | | 120 | 0 | 1 | 62 |
| | | 190 | 0 | 0 | 81 | | | 119 | 0 | 2 | 43 |
| | | 196 | 0 | 3 | 64 | | | 121 | 0 | 2 | 2 |
| | | 195 | 0 | 1 | 62 | | | 118 | 0 | 1 | 62 |
| | | 194 | 0 | 0 | 20 | | | 115 | 0 | 1 | 21 |
| | | 204 | 0 | 1 | 82 | | | 117 | 0 | 4 | 45 |
| | | 203 | 0 | 0 | 20 | | | 116 | 0 | 6 | 48 |
| पदुमबसन 144 | | | | | | | | 23 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2408 | 0 | 1 | 62 | | | 22 | 0 | 5 | 67 |
| | | 2409 | 0 | 0 | 81 | | | 2464 | 0 | 1 | 41 |
| | | 623 | 0 | 0 | 60 | दाहारपुर 276 | | | | | |
| | | 613 | 0 | 2 | 43 | | | 267 | 0 | 0 | 60 |
| | | 612 | 0 | 4 | 86 | | | 266 | 0 | 0 | 81 |
| | | 611 | 0 | 2 | 2 | | | 265 | 0 | 0 | 20 |
| | | 580 | 0 | 2 | 43 | | | 264 | 0 | 2 | 43 |
| | | 579 | 0 | 2 | 2 | | | 263 | 0 | 0 | 20 |
| | | 588 | 0 | 1 | 62 | | | 252 | 0 | 0 | 10 |
| | | 587 | 0 | 0 | 20 | | | 249 | 0 | 1 | 62 |
| | | 586 | 0 | 4 | 86 | | | 262 | 0 | 2 | 43 |
| | | 576 | 0 | 3 | 24 | | | 261 | 0 | 4 | 86 |
| | | 569 | 0 | 0 | 81 | | | 257 | 0 | 0 | 81 |
| | | 568 | 0 | 4 | 86 | | | 256 | 0 | 1 | 21 |
| | | 567 | 0 | 0 | 10 | | | 171 | 0 | 3 | 24 |
| | | 548 | 0 | 0 | 10 | | | 168 | 0 | 0 | 20 |
| | | 547 | 0 | 1 | 41 | | | 167 | 0 | 0 | 40 |
| | | 546 | 0 | 1 | 21 | | | 166 | 0 | 1 | 21 |
| | | 545 | 0 | 9 | 31 | | | 78 | 0 | 5 | 87 |
| | | 2672 | 0 | 0 | 20 | | | 88 | 0 | 5 | 67 |
| | | 527 | 0 | 1 | 41 | | | 87 | 0 | 2 | 83 |
| | | 526 | 0 | 4 | 5 | | | 86 | 0 | 0 | 40 |
| | | 522 | 0 | 5 | 67 | | | 84 | 0 | 4 | 45 |
| | | 519 | 0 | 2 | 83 | | | 85 | 0 | 4 | 45 |
| | | 518 | 0 | 1 | 82 | | | 102 | 0 | 1 | 1 |
| | | 517 | 0 | 1 | 82 | | | 83 | 0 | 6 | 88 |
| | | 488 | 0 | 4 | 5 | | | 82 | 0 | 0 | 40 |
| | | 487 | 0 | 0 | 81 | | | 32 | 0 | 5 | 8 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|-----|------|---|---|----|---------------|---|------|---|----|----|
| वाहाखुड-ऑरी | | 31 | 0 | 3 | 24 | कापाशखेरे-ऑरी | | 1558 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2 | 0 | 0 | 60 | | | 1195 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1 | 0 | 3 | 24 | | | 1816 | 0 | 0 | 40 |
| कापाशखेरे | 283 | 1467 | 0 | 0 | 60 | | | 1817 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1468 | 0 | 2 | 43 | | | 846 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1707 | 0 | 0 | 60 | | | 835 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1651 | 0 | 1 | 21 | | | 845 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1650 | 0 | 1 | 62 | | | 1775 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1649 | 0 | 1 | 1 | | | 1774 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1648 | 0 | 0 | 10 | | | 848 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1631 | 0 | 6 | 48 | | | 850 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1645 | 0 | 2 | 83 | | | 849 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1643 | 0 | 0 | 60 | | | 1786 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1642 | 0 | 0 | 10 | | | 1781 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1635 | 0 | 2 | 2 | | | 1780 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1636 | 0 | 1 | 62 | | | 855 | 0 | 5 | 26 |
| | | 1623 | 0 | 0 | 10 | | | 1776 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1619 | 0 | 2 | 43 | | | 1782 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1618 | 0 | 0 | 40 | | | 825 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1622 | 0 | 1 | 1 | | | 857 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1621 | 0 | 0 | 40 | | | 1784 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1620 | 0 | 1 | 82 | | | 824 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1613 | 0 | 1 | 62 | | | 823 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1614 | 0 | 3 | 24 | | | 822 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1514 | 0 | 2 | 83 | | | 821 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1513 | 0 | 1 | 62 | | | 819 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1612 | 0 | 1 | 62 | | | 818 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1611 | 0 | 2 | 2 | | | 820 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1610 | 0 | 2 | 83 | | | 816 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1523 | 0 | 0 | 10 | | | 817 | 0 | 9 | 71 |
| | | 1524 | 0 | 4 | 86 | | | 1762 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1525 | 0 | 0 | 20 | | | 771 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1549 | 0 | 1 | 62 | | | 770 | 0 | 11 | 33 |
| | | 1550 | 0 | 0 | 20 | | | 578 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1548 | 0 | 1 | 62 | | | 1406 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1547 | 0 | 0 | 40 | | | 576 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1546 | 0 | 2 | 2 | | | 534 | 0 | 5 | 87 |
| | | 1545 | 0 | 3 | 24 | | | 308 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1537 | 0 | 0 | 40 | | | 309 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1534 | 0 | 0 | 20 | | | 291 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1538 | 0 | 0 | 60 | | | 292 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1636 | 0 | 0 | 40 | | | 293 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1688 | 0 | 0 | 40 | | | 288 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1687 | 0 | 0 | 60 | | | 289 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1540 | 0 | 0 | 10 | | | 285 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1889 | 0 | 1 | 41 | | | 469 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1890 | 0 | 0 | 60 | | | 465 | 0 | 2 | 43 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------|-----|------|---|---|----|---------------|---|------|---|---|----|
| कापाशबेरे—जारी | | | | | | घारिण्डा—जारी | | | | | |
| | | 466 | 0 | 0 | 81 | | | 1197 | 0 | 2 | 22 |
| | | 470 | 0 | 1 | 1 | | | 1196 | 0 | 0 | 60 |
| | | 471 | 0 | 4 | 5 | | | 1248 | 0 | 2 | 43 |
| | | 472 | 0 | 4 | 5 | | | 1247 | 0 | 2 | 83 |
| | | 543 | 0 | 4 | 86 | | | 1246 | 0 | 1 | 62 |
| | | 544 | 0 | 1 | 21 | | | 1245 | 0 | 1 | 62 |
| | | 545 | 0 | 0 | 20 | | | 1270 | 0 | 0 | 40 |
| | | 538 | 0 | 4 | 86 | | | 1269 | 0 | 4 | 45 |
| | | 541 | 0 | 5 | 67 | | | 1275 | 0 | 3 | 44 |
| | | 301 | 0 | 2 | 83 | | | 1274 | 0 | 4 | 5 |
| | | 300 | 0 | 4 | 86 | | | 1283 | 0 | 1 | 62 |
| | | 68 | 0 | 3 | 24 | | | 1284 | 0 | 3 | 24 |
| | | 53 | 0 | 4 | 45 | | | 1299 | 0 | 0 | 40 |
| | | 52 | 0 | 0 | 40 | | | 1298 | 0 | 2 | 2 |
| | | 51 | 0 | 1 | 82 | | | 1293 | 0 | 0 | 60 |
| | | 50 | 0 | 0 | 81 | | | 1292 | 0 | 0 | 20 |
| | | 24 | 0 | 0 | 81 | | | 1295 | 0 | 2 | 83 |
| | | 28 | 0 | 0 | 20 | | | 1296 | 0 | 2 | 63 |
| | | 22 | 0 | 4 | 86 | | | 1317 | 0 | 4 | 5 |
| | | 29 | 0 | 1 | 62 | | | 1318 | 0 | 1 | 1 |
| | | 30 | 0 | 3 | 24 | | | 1320 | 0 | 0 | 10 |
| | | 11 | 0 | 1 | 62 | | | 1319 | 0 | 0 | 81 |
| | | 10 | 0 | 6 | 88 | | | 1321 | 0 | 0 | 81 |
| | | 9 | 0 | 0 | 40 | | | 1050 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1 | 0 | 0 | 60 | | | 1048 | 0 | 0 | 20 |
| घारिण्डा | 279 | 1870 | 0 | 0 | 60 | | | 1049 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1872 | 0 | 0 | 20 | | | 1039 | 0 | 3 | 24 |
| | | 2871 | 0 | 6 | 7 | | | 1036 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1873 | 0 | 1 | 82 | | | 1041 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1866 | 0 | 1 | 62 | | | 1040 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1865 | 0 | 1 | 1 | | | 1042 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1864 | 0 | 1 | 62 | | | 975 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1863 | 0 | 2 | 83 | | | 974 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1862 | 0 | 4 | 5 | | | 973 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1176 | 0 | 1 | 62 | | | 970 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1960 | 0 | 0 | 40 | | | 971 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1178 | 0 | 3 | 64 | | | 972 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1179 | 0 | 0 | 10 | | | 985 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1256 | 0 | 0 | 20 | | | 984 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1255 | 0 | 5 | 26 | | | 983 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1257 | 0 | 0 | 40 | | | 982 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1191 | 0 | 0 | 81 | | | 987 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1254 | 0 | 1 | 62 | | | 986 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1253 | 0 | 1 | 62 | | | 967 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1252 | 0 | 1 | 82 | | | 815 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1251 | 0 | 0 | 40 | | | 826 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1250 | 0 | 3 | 24 | | | 825 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1198 | 0 | 0 | 60 | | | 824 | 0 | 2 | 2 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------|-----|-----|---|---|----|---------|-----|-----|---|---|----|
| | | 823 | 0 | 1 | 62 | | | 245 | 0 | 1 | 1 |
| | | 822 | 0 | 2 | 83 | | | 246 | 0 | 3 | 24 |
| | | 821 | 0 | 2 | 43 | | | 248 | 0 | 4 | 45 |
| | | 818 | 0 | 2 | 43 | | | 249 | 0 | 0 | 40 |
| | | 820 | 0 | 4 | 45 | | | 247 | 0 | 1 | 21 |
| | | 878 | 0 | 0 | 40 | | | 216 | 0 | 2 | 43 |
| | | 879 | 0 | 2 | 22 | | | 222 | 0 | 2 | 43 |
| | | 108 | 0 | 0 | 60 | | | 221 | 0 | 0 | 81 |
| | | 101 | 0 | 3 | 24 | | | 218 | 0 | 3 | 3 |
| | | 107 | 0 | 5 | 67 | | | 217 | 0 | 4 | 5 |
| | | 103 | 0 | 0 | 60 | | | 212 | 0 | 0 | 40 |
| | | 106 | 0 | 0 | 40 | | | 213 | 0 | 4 | 5 |
| राजगोडा | 100 | 466 | 0 | 9 | 71 | | | 280 | 0 | 4 | 5 |
| | | 465 | 0 | 8 | 90 | | | 281 | 0 | 2 | 43 |
| | | 248 | 0 | 0 | 40 | | | 190 | 0 | 3 | 3 |
| | | 464 | 0 | 0 | 20 | | | 188 | 0 | 0 | 40 |
| | | 463 | 0 | 2 | 63 | | | 189 | 0 | 2 | 83 |
| | | 462 | 0 | 1 | 1 | | | 187 | 0 | 2 | 83 |
| | | 461 | 0 | 4 | 86 | | | 185 | 0 | 3 | 24 |
| | | 263 | 0 | 1 | 62 | | | 186 | 0 | 0 | 40 |
| | | 444 | 0 | 4 | 5 | | | 175 | 0 | 0 | 20 |
| | | 443 | 0 | 0 | 60 | | | 176 | 0 | 5 | 67 |
| | | 442 | 0 | 0 | 10 | | | 179 | 0 | 0 | 10 |
| | | 267 | 0 | 9 | 10 | | | 177 | 0 | 2 | 2 |
| | | 274 | 0 | 1 | 62 | | | 172 | 0 | 4 | 25 |
| | | 268 | 0 | 3 | 24 | | | 171 | 0 | 9 | 31 |
| | | 270 | 0 | 0 | 81 | | | 605 | 0 | 0 | 20 |
| | | 273 | 0 | 3 | 64 | | | 151 | 0 | 1 | 21 |
| | | 272 | 0 | 6 | 48 | | | 163 | 0 | 4 | 45 |
| | | 284 | 0 | 4 | 5 | | | 150 | 0 | 4 | 5 |
| | | 283 | 0 | 4 | 25 | | | 49 | 0 | 1 | 41 |
| | | 287 | 0 | 3 | 44 | | | 47 | 0 | 0 | 81 |
| | | 555 | 0 | 2 | 83 | | | 8 | 0 | 0 | 20 |
| | | 299 | 0 | 1 | 41 | | | | | | |
| | | 298 | 0 | 4 | 5 | | | | | | |
| | | 297 | 0 | 0 | 10 | कुंगरुट | 296 | 581 | 0 | 4 | 86 |
| | | 296 | 0 | 7 | 28 | | | 580 | 0 | 1 | 62 |
| | | 56 | 0 | 0 | 40 | | | 647 | 0 | 2 | 83 |
| | | 55 | 0 | 0 | 20 | | | 576 | 0 | 0 | 40 |
| | | 54 | 0 | 0 | 20 | | | 575 | 0 | 4 | 5 |
| | | 304 | 0 | 3 | 24 | | | 574 | 0 | 4 | 5 |
| | | 303 | 0 | 2 | 83 | | | 553 | 0 | 0 | 40 |
| पू. था. — पंस्कूण | | 308 | 0 | 4 | 5 | | | 642 | 0 | 2 | 63 |
| जि.ता.—मिदनापुर | | 309 | 0 | 4 | 5 | | | 537 | 0 | 2 | 43 |
| राज्य—पश्चिमो बंगाल | | 311 | 0 | 2 | 43 | | | 573 | 0 | 2 | 43 |
| पायाग | 297 | 597 | 0 | 0 | 40 | | | 541 | 0 | 7 | 28 |
| | | 251 | 0 | 5 | 67 | | | 542 | 0 | 2 | 22 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|-----|------|---|---|----|------------------|-----|-----|---|---|----|
| बाराहाबर | 298 | 499 | 0 | 2 | 43 | उत्तर सागखर जारी | 306 | 64 | 0 | 7 | 28 |
| | | 498 | 0 | 0 | 81 | | | 69 | 0 | 5 | 26 |
| | | 496 | 0 | 8 | 9 | | | 68 | 0 | 6 | 48 |
| | | 495 | 0 | 5 | 26 | | | 70 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1052 | 0 | 3 | 24 | | | 85 | 0 | 1 | 41 |
| | | 487 | 0 | 5 | 87 | | | 86 | 0 | 0 | 81 |
| | | 486 | 0 | 4 | 86 | | | 84 | 0 | 5 | 46 |
| | | 1051 | 0 | 0 | 10 | | | 83 | 0 | 2 | 14 |
| | | 482 | 0 | 4 | 86 | | | 93 | 0 | 0 | 81 |
| | | 483 | 0 | 4 | 86 | | | 92 | 0 | 1 | 1 |
| | | 481 | 0 | 1 | 62 | शरदावसन | 305 | 470 | 0 | 4 | 5 |
| | | 478 | 0 | 5 | 67 | | | 469 | 0 | 3 | 24 |
| | | 476 | 0 | 0 | 10 | | | 468 | 0 | 3 | 24 |
| | | 474 | 0 | 4 | 45 | | | 467 | 0 | 1 | 1 |
| | | 475 | 0 | 4 | 25 | | | 466 | 0 | 5 | 6 |
| | | 471 | 0 | 4 | 5 | | | 359 | 0 | 8 | 29 |
| | | 1047 | 0 | 2 | 2 | | | 358 | 0 | 3 | 24 |
| | | 994 | 0 | 2 | 2 | | | 357 | 0 | 5 | 67 |
| | | 406 | 0 | 3 | 24 | | | 355 | 0 | 8 | 9 |
| | | 374 | 0 | 2 | 43 | | | 354 | 0 | 0 | 40 |
| | | 148 | 0 | 2 | 2 | | | 353 | 0 | 0 | 81 |
| | | 149 | 0 | 6 | 7 | | | 352 | 0 | 5 | 67 |
| | | 155 | 0 | 4 | 86 | | | 351 | 0 | 1 | 62 |
| | | 142 | 0 | 5 | 46 | | | 336 | 0 | 3 | 64 |
| | | 143 | 0 | 0 | 81 | | | 335 | 0 | 7 | 28 |
| | | 141 | 0 | 2 | 43 | | | 334 | 0 | 3 | 64 |
| | | 140 | 0 | 0 | 60 | | | 333 | 0 | 8 | 90 |
| | | 139 | 0 | 2 | 63 | | | 243 | 4 | 3 | 64 |
| | | 133 | 0 | 1 | 82 | | | 244 | 0 | 1 | 62 |
| | | 931 | 0 | 1 | 62 | | | 245 | 0 | 7 | 28 |
| | | 132 | 0 | 2 | 43 | | | 246 | 0 | 0 | 40 |
| | | 131 | 0 | 3 | 84 | | | 248 | 0 | 7 | 48 |
| | | 130 | 0 | 1 | 62 | | | 238 | 0 | 3 | 24 |
| | | 105 | 0 | 4 | 86 | | | 237 | 0 | 5 | 67 |
| | | 104 | 0 | 3 | 24 | | | 217 | 0 | 6 | 48 |
| | | 103 | 0 | 2 | 2 | | | 216 | 0 | 0 | 20 |
| | | 914 | 0 | 2 | 2 | | | 218 | 0 | 5 | 6 |
| | | 101 | 0 | 0 | 20 | | | 148 | 0 | 0 | 40 |
| | | 100 | 0 | 2 | 63 | | | 147 | 0 | 7 | 28 |
| पारित | 299 | 187 | 0 | 0 | 60 | | | 143 | 0 | 5 | 67 |
| | | 189 | 0 | 0 | 16 | | | 145 | 0 | 0 | 20 |
| | | 190 | 0 | 0 | 1 | | | 144 | 0 | 3 | 44 |
| | | 185 | 0 | 0 | 1 | नाकृष्ण | 304 | 341 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 340 | 0 | 7 | 28 |
| उत्तर सागखर | 306 | 171 | 0 | 0 | 40 | | | 754 | 0 | 1 | 21 |
| | | 58 | 0 | 5 | 46 | | | 338 | 0 | 3 | 84 |
| | | 59 | 0 | 6 | 88 | | | 337 | 0 | 3 | 64 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------|-----|------|---|---|----|---------------|-----|------|---|---|----|
| माहला जारी | 304 | 336 | 0 | 7 | 28 | नंदाईगजन जारी | 310 | 903 | 0 | 3 | 64 |
| | | 329 | 0 | 0 | 40 | | | 1363 | 0 | 1 | 21 |
| | | 243 | 0 | 4 | 5 | | | 904 | 0 | 0 | 40 |
| | | 242 | 0 | 0 | 10 | | | 907 | 0 | 2 | 83 |
| | | 241 | 0 | 7 | 28 | | | 906 | 0 | 0 | 20 |
| | | 236 | 0 | 1 | 1 | | | 911 | 0 | 4 | 5 |
| | | 237 | 0 | 4 | 86 | | | 303 | 0 | 1 | 62 |
| | | 238 | 0 | 4 | 65 | | | 302 | 0 | 4 | 86 |
| | | 746 | 0 | 0 | 20 | | | 290 | 0 | 2 | 2 |
| | | 225 | 0 | 3 | 84 | | | 291 | 0 | 0 | 20 |
| | | 224 | 0 | 0 | 10 | | | 289 | 0 | 3 | 24 |
| नंदाईगजन | 310 | 803 | 0 | 0 | 81 | | | 287 | 0 | 3 | 24 |
| | | 843 | 0 | 1 | 62 | | | 286 | 0 | 1 | 62 |
| | | 842 | 0 | 1 | 62 | | | 284 | 0 | 0 | 81 |
| | | 844 | 0 | 7 | 69 | | | 938 | 0 | 6 | 7 |
| | | 832 | 0 | 8 | 50 | | | 279 | 0 | 0 | 81 |
| | | 853 | 0 | 3 | 3 | | | 275 | 0 | 3 | 84 |
| | | 856 | 0 | 2 | 83 | | | 278 | 0 | 0 | 40 |
| | | 857 | 0 | 3 | 44 | | | 276 | 0 | 0 | 40 |
| | | 858 | 0 | 2 | 43 | | | 274 | 0 | 4 | 45 |
| | | 826 | 0 | 0 | 60 | | | 1388 | 0 | 3 | 24 |
| | | 859 | 0 | 2 | 2 | | | 86 | 0 | 2 | 43 |
| | | 825 | 0 | 3 | 64 | | | 88 | 0 | 0 | 20 |
| | | 860 | 0 | 0 | 10 | | | 85 | 0 | 5 | 67 |
| | | 759 | 0 | 6 | 68 | | | 89 | 0 | 1 | 1 |
| | | 760 | 0 | 0 | 10 | | | 90 | 0 | 0 | 81 |
| | | 758 | 0 | 3 | 24 | | | 83 | 0 | 4 | 5 |
| | | 757 | 0 | 4 | 5 | | | 91 | 0 | 1 | 41 |
| | | 676 | 0 | 6 | 48 | | | 80 | 0 | 3 | 24 |
| | | 675 | 0 | 3 | 24 | | | 79 | 0 | 3 | 44 |
| | | 674 | 0 | 6 | 7 | | | 65 | 0 | 4 | 5 |
| | | 638 | 0 | 4 | 86 | | | 66 | 0 | 2 | 83 |
| | | 637 | 0 | 0 | 81 | | | 67 | 0 | 4 | 5 |
| | | 636 | 0 | 1 | 21 | | | 68 | 0 | 2 | 83 |
| | | 635 | 0 | 2 | 63 | | | 69 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1193 | 0 | 0 | 40 | | | 54 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1192 | 0 | 0 | 40 | | | 55 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1191 | 0 | 0 | 60 | | | 56 | 0 | 2 | 83 |
| | | 631 | 0 | 5 | 67 | | | 57 | 0 | 2 | 83 |
| | | 632 | 0 | 1 | 1 | | | 51 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1158 | 0 | 1 | 62 | | | 32 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1081 | 0 | 3 | 24 | | | 30 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1080 | 0 | 0 | 81 | | | 24 | 0 | 8 | 90 |
| | | 1079 | 0 | 0 | 81 | बंगालपुर] | 317 | 1680 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1078 | 0 | 1 | 62 | | | 959 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1077 | 0 | 2 | 43 | | | 960 | 0 | 4 | 5 |
| | | 992 | 0 | 1 | 41 | | | 1679 | 0 | 0 | 81 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------|------|---|----|----|---|-------------------|---|------|---|---|----|
| बंगालपुर जारी 317 | 961 | 0 | 2 | 83 | | बंगालपुर जारी 317 | | 1358 | 0 | 5 | 67 |
| | 1678 | 0 | 1 | 21 | | | | 1972 | 0 | 1 | 62 |
| | 1677 | 0 | 1 | 1 | | | | 1316 | 0 | 0 | 10 |
| | 1676 | 0 | 0 | 60 | | | | 1317 | 0 | 0 | 40 |
| | 1675 | 0 | 3 | 84 | | | | 1318 | 0 | 3 | 24 |
| | 1674 | 0 | 3 | 61 | | | | 1319 | 0 | 0 | 60 |
| | 1672 | 0 | 9 | 31 | | | | 1320 | 0 | 2 | 2 |
| | 1671 | 0 | 0 | 20 | | | | 1321 | 0 | 0 | 40 |
| | 1685 | 0 | 4 | 45 | | | | 1323 | 0 | 4 | 5 |
| | 2037 | 0 | 0 | 81 | | | | 1325 | 0 | 6 | 7 |
| | 1079 | 0 | 0 | 81 | | | | 1326 | 0 | 1 | 21 |
| | 874 | 0 | 0 | 81 | | देरियाचक 318 | | 1332 | 0 | 0 | 40 |
| | 873 | 0 | 1 | 62 | | | | 1233 | 0 | 3 | 24 |
| | 872 | 0 | 1 | 62 | | | | 1234 | 0 | 0 | 67 |
| | 1982 | 0 | 0 | 60 | | | | 1235 | 0 | 1 | 62 |
| | 2035 | 0 | 0 | 81 | | | | 1236 | 0 | 1 | 62 |
| | 1686 | 0 | 0 | 20 | | | | 1238 | 0 | 2 | 22 |
| | 1669 | 0 | 6 | 7 | | | | 1237 | 0 | 3 | 64 |
| | 1668 | 0 | 1 | 62 | | | | 1240 | 0 | 5 | 26 |
| | 1667 | 0 | 3 | 24 | | | | 1252 | 0 | 2 | 22 |
| | 1660 | 0 | 2 | 43 | | | | 4325 | 0 | 2 | 43 |
| | 1659 | 0 | 4 | 5 | | | | 1251 | 0 | 2 | 22 |
| | 1642 | 0 | 7 | 28 | | | | 1250 | 0 | 1 | 21 |
| | 1725 | 0 | 3 | 24 | | | | 1247 | 0 | 0 | 40 |
| | 1727 | 0 | 0 | 81 | | | | 1528 | 0 | 4 | 45 |
| | 1726 | 0 | 4 | 86 | | | | 1529 | 0 | 1 | 82 |
| | 1734 | 0 | 2 | 22 | | | | 1537 | 0 | 9 | 31 |
| | 1735 | 0 | 2 | 2 | | | | 1544 | 0 | 3 | 24 |
| | 1623 | 0 | 1 | 21 | | | | 1542 | 0 | 2 | 83 |
| | 1621 | 0 | 0 | 40 | | | | 915 | 0 | 0 | 60 |
| | 1736 | 0 | 4 | 86 | | | | 914 | 0 | 1 | 62 |
| | 1553 | 0 | 4 | 86 | | | | 913 | 0 | 0 | 81 |
| | 1557 | 0 | 0 | 60 | | | | 2210 | 0 | 1 | 62 |
| | 1555 | 0 | 4 | 45 | | | | 2203 | 0 | 1 | 62 |
| | 1556 | 0 | 2 | 83 | | | | 4408 | 0 | 5 | 67 |
| | 1424 | 0 | 4 | 86 | | | | 2197 | 0 | 4 | 86 |
| | 1423 | 0 | 1 | 62 | | | | 2191 | 0 | 2 | 2 |
| | 1422 | 0 | 1 | 62 | | | | 2192 | 0 | 4 | 86 |
| | 1421 | 0 | 1 | 21 | | | | 2187 | 0 | 4 | 5 |
| | 1427 | 0 | 1 | 21 | | | | 2186 | 0 | 2 | 83 |
| | 1428 | 0 | 1 | 62 | | | | 2183 | 0 | 5 | 67 |
| | 1429 | 0 | 2 | 83 | | | | 2180 | 0 | 5 | 26 |
| | 1420 | 0 | 2 | 43 | | | | 2176 | 0 | 4 | 5 |
| | 1398 | 0 | 3 | 44 | | | | 2175 | 0 | 2 | 2 |
| | 1399 | 0 | 12 | 95 | | | | 2171 | 0 | 0 | 20 |
| | 1400 | 0 | 4 | 5 | | | | 2172 | 0 | 0 | 40 |
| | 1401 | 0 | 7 | 69 | | | | 2173 | 0 | 4 | 45 |
| | | | | | | | | 2163 | 0 | 6 | 7 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|------|---|---|----|------------|-----|------|---|---|----|
| बैनपुर | 321 | 2159 | 0 | 4 | 86 | वरिमाषक | 318 | 1529 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2155 | 0 | 5 | 67 | | | 1528 | 0 | 1 | 41 |
| | | 2151 | 0 | 0 | 40 | | | 947 | 0 | 1 | 1 |
| | | 2152 | 0 | 8 | 9 | | | 456 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2147 | 0 | 4 | 45 | | | 455 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2146 | 0 | 1 | 21 | | | 454 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2145 | 0 | 1 | 41 | | | 453 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2144 | 0 | 5 | 67 | | | 459 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 458 | 0 | 0 | 81 |
| बैनपुर | 321 | 1223 | 0 | 2 | 43 | | | 521 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1222 | 0 | 1 | 1 | | | 518 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1225 | 0 | 3 | 24 | | | 517 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1229 | 0 | 1 | 1 | | | 516 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1230 | 0 | 0 | 81 | | | 500 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1231 | 0 | 2 | 2 | | | 499 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1712 | 0 | 0 | 20 | | | 461 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1232 | 0 | 1 | 62 | | | 460 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1234 | 0 | 0 | 81 | | | 462 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1235 | 0 | 2 | 63 | | | 490 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1237 | 0 | 1 | 21 | | | 489 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1238 | 0 | 4 | 25 | | | 271 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1239 | 0 | 0 | 81 | | | 488 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1713 | 0 | 0 | 40 | | | 331 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1252 | 0 | 0 | 20 | | | 332 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1248 | 0 | 1 | 1 | | | 333 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1247 | 0 | 4 | 45 | | | 340 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1253 | 0 | 2 | 63 | | | 347 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1272 | 0 | 2 | 63 | | | 346 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1271 | 0 | 0 | 40 | | | 348 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1264 | 0 | 0 | 10 | | | 269 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1270 | 0 | 0 | 81 | | | 265 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1269 | 0 | 1 | 1 | | | 264 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1268 | 0 | 0 | 40 | | | 262 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1267 | 0 | 1 | 1 | | | 223 | 0 | 0 | 61 |
| | | 1482 | 0 | 0 | 60 | | | 198 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1483 | 0 | 1 | 82 | | | 197 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1488 | 0 | 0 | 20 | | | 196 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1486 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 1484 | 0 | 0 | 81 | उत्तरापारा | 322 | 397 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1485 | 0 | 0 | 40 | | | 395 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1498 | 0 | 0 | 40 | | | 394 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1502 | 0 | 1 | 21 | | | 387 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1501 | 0 | 1 | 21 | | | 388 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1500 | 0 | 1 | 62 | | | 389 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1506 | 0 | 0 | 60 | | | 390 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1508 | 0 | 3 | 24 | | | 391 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1531 | 0 | 0 | 81 | | | 369 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1532 | 0 | 0 | 20 | | | 370 | 0 | 0 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|---|-----|---|---|----|-------------|---|-----|---|---|----|
| उबरापारा 322 | | 365 | 0 | 2 | 22 | हरापोटा 319 | | 431 | 0 | 2 | 43 |
| | | 363 | 0 | 1 | 21 | | | 439 | 0 | 0 | 10 |
| | | 364 | 0 | 1 | 21 | | | 430 | 0 | 1 | 1 |
| | | 354 | 0 | 2 | 63 | | | 330 | 0 | 4 | 86 |
| | | 351 | 0 | 2 | 43 | | | 329 | 0 | 2 | 43 |
| | | 341 | 0 | 1 | 62 | | | 328 | 0 | 2 | 83 |
| | | 342 | 0 | 0 | 10 | | | 327 | 0 | 4 | 5 |
| | | 340 | 0 | 3 | 3 | | | 326 | 0 | 2 | 43 |
| | | 338 | 0 | 1 | 82 | | | 301 | 0 | 1 | 1 |
| | | 335 | 0 | 2 | 83 | | | 302 | 0 | 4 | 5 |
| | | 336 | 0 | 3 | 24 | | | 304 | 0 | 0 | 60 |
| | | 328 | 0 | 2 | 2 | | | 303 | 0 | 2 | 83 |
| | | 327 | 0 | 2 | 83 | | | 288 | 0 | 4 | 5 |
| | | 326 | 0 | 2 | 22 | | | 289 | 0 | 0 | 81 |
| | | 325 | 0 | 3 | 64 | | | 286 | 0 | 4 | 86 |
| | | 452 | 0 | 2 | 2 | | | 285 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 284 | 0 | 3 | 24 |
| | | | | | | | | 462 | 0 | 1 | 21 |
| बहरापोटा 319 | | 607 | 0 | 3 | 24 | | | 1 | 0 | 2 | 2 |
| | | 606 | 0 | 0 | 40 | मेवाहाट 238 | | 30 | 0 | 2 | 43 |
| | | 582 | 0 | 0 | 40 | | | 203 | 0 | 1 | 1 |
| | | 605 | 0 | 2 | 83 | | | 202 | 0 | 1 | 1 |
| | | 604 | 0 | 2 | 83 | | | 32 | 0 | 4 | 5 |
| | | 725 | 0 | 2 | 2 | | | 35 | 0 | 0 | 10 |
| | | 603 | 0 | 1 | 21 | | | 29 | 0 | 2 | 2 |
| | | 602 | 0 | 6 | 7 | | | 39 | 0 | 0 | 61 |
| | | 601 | 0 | 4 | 5 | | | 28 | 0 | 2 | 63 |
| | | 599 | 0 | 7 | 82 | | | 27 | 0 | 1 | 62 |
| | | 598 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 592 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 594 | 0 | 0 | 10 | | | | | | |
| | | 593 | 0 | 4 | 45 | | | | | | |
| | | 412 | 0 | 4 | 86 | | | | | | |
| | | 413 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 409 | 0 | 0 | 45 | | | | | | |
| | | 408 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 417 | 0 | 8 | 9 | | | | | | |
| | | 418 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 555 | 0 | 3 | 44 | | | | | | |
| | | 419 | 0 | 5 | 67 | | | | | | |
| | | 553 | 0 | 5 | 40 | | | | | | |
| | | 421 | 0 | 0 | 86 | | | | | | |
| | | 552 | 0 | 5 | 67 | | | | | | |
| | | 551 | 5 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 435 | 0 | 5 | 26 | | | | | | |
| | | 436 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| | | 433 | 0 | 2 | 83 | | | | | | |
| | | 432 | 0 | 3 | 64 | | | | | | |

[स. आर-31015/10/96—ओ. आर. -I]
के. सी. कटोच, प्रवर सचिव

New Delhi, the 15th October, 1996

S.O. 2988.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to require the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, objection in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Rose,

Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited,
Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P.O. Haldia Re-
finery, District-Midnapore, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station—Tamluk District—Midnapore State—
West Bengal

Village Area

Jl. Plot
No. No. Hectares Ares Centiares

1 2 3 4 5 6

| | | | | | |
|------------|----|------|---|---|----|
| Sadichak | 53 | 67 | 0 | 1 | 62 |
| | | 68 | 0 | 4 | 86 |
| | | 72 | 0 | 4 | 5 |
| | | 71 | 0 | 2 | 43 |
| | | 76 | 0 | 5 | 26 |
| | | 75 | 0 | 0 | 10 |
| | | 77 | 0 | 0 | 81 |
| | | 233 | 0 | 7 | 28 |
| | | 41 | 0 | 2 | 43 |
| | | 40 | 0 | 4 | 45 |
| | | 83 | 0 | 1 | 21 |
| | | 39 | 0 | 2 | 43 |
| | | 38 | 0 | 2 | 43 |
| | | 37 | 0 | 2 | 83 |
| | | 36 | 0 | 0 | 20 |
| Nilkunthia | 52 | 1538 | 0 | 8 | 50 |
| | | 602 | 0 | 7 | 28 |
| | | 603 | 0 | 4 | 86 |
| | | 610 | 0 | 2 | 43 |
| | | 612 | 0 | 2 | 22 |
| | | 604 | 0 | 4 | 86 |
| | | 605 | 0 | 2 | 63 |
| | | 559 | 0 | 0 | 81 |
| | | 558 | 0 | 0 | 60 |
| | | 3003 | 0 | 0 | 40 |
| | | 557 | 0 | 0 | 81 |
| | | 3058 | 0 | 0 | 10 |
| | | 613 | 0 | 3 | 64 |
| | | 556 | 0 | 0 | 60 |
| | | 555 | 0 | 1 | 21 |
| | | 614 | 0 | 3 | 24 |
| | | 554 | 0 | 2 | 2 |
| | | 616 | 0 | 0 | 40 |
| | | 615 | 0 | 2 | 2 |
| | | 651 | 0 | 0 | 60 |
| | | 619 | 0 | 4 | 5 |
| | | 618 | 0 | 2 | 43 |
| | | 617 | 0 | 4 | 5 |
| | | 654 | 0 | 1 | 21 |
| | | 653 | 0 | 8 | 9 |
| | | 652 | 0 | 3 | 64 |
| | | 650 | 0 | 4 | 5 |
| | | 632 | 0 | 1 | 41 |
| | | 649 | 0 | 5 | 67 |
| | | 646 | 0 | 0 | 60 |
| | | 645 | 0 | 3 | 64 |
| | | 644 | 0 | 2 | 43 |
| | | 643 | 0 | 1 | 41 |
| | | 642 | 0 | 0 | 60 |
| | | 636 | 0 | 0 | 40 |
| | | 638 | 0 | 2 | 43 |
| | | 637 | 0 | 3 | 24 |
| | | 684 | 0 | 1 | 82 |
| | | 913 | 0 | 2 | 43 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------|---------------------------|------|----|-----|----|
| Nilkunthia 52 | 912 | 0 | 0 | 40 | |
| | 911 | 0 | 3 | 44 | |
| | 910 | 0 | 2 | 83 | |
| | 918 | 0 | 0 | 10 | |
| | 928 | 0 | 0 | 10 | |
| | 920 | 0 | 0 | 40 | |
| | 919 | 0 | 2 | 2 | |
| | 915 | 0 | 0 | 81 | |
| | 916 | 0 | 4 | 45 | |
| | 914 | 0 | 1 | 82 | |
| | 964 | 0 | 4 | 45 | |
| | 963 | 0 | 0 | 40 | |
| | 962 | 0 | 2 | 438 | |
| | 965 | 0 | 0 | 40 | |
| | 966 | 0 | 6 | 48 | |
| | 3071 | 0 | 2 | 83 | |
| | 1107 | 0 | 0 | 40 | |
| | 1101 | 0 | 3 | 24 | |
| | 1102 | 0 | 0 | 60 | |
| | 1099 | 0 | 4 | 45 | |
| | 1098 | 0 | 0 | 20 | |
| | 1097 | 0 | 4 | 45 | |
| | 1095 | 0 | 3 | 64 | |
| | 1091 | 0 | 1 | 1 | |
| | 1093 | 0 | 2 | 43 | |
| | 1092 | 0 | 3 | 24 | |
| | 1044 | 0 | 0 | 20 | |
| | 1043 | 0 | 2 | 83 | |
| | 1042 | 0 | 4 | 86 | |
| | 3077 | 0 | 2 | 2 | |
| | 1057 | 0 | 2 | 43 | |
| | 1056 | 0 | 2 | 83 | |
| | 1050 | 0 | 5 | 67 | |
| | 1217 | 0 | 0 | 81 | |
| | 1223 | 0 | 0 | 20 | |
| | 1224 | 0 | 1 | 1 | |
| | 1222 | 0 | 1 | 21 | |
| | 1221 | 0 | 1 | 62 | |
| | 1220 | 0 | 2 | 63 | |
| | 1219 | 0 | 2 | 63 | |
| | 1218 | 0 | 0 | 40 | |
| | 20 | 0 | 2 | 43 | |
| | 100 | 0 | 7 | 28 | |
| | 101 | 0 | 0 | 81 | |
| | 98 | 0 | 2 | 63 | |
| | 87 | 0 | 1 | 62 | |
| | 94 | 0 | 2 | 43 | |
| | 93 | 0 | 0 | 81 | |
| | Harashankar Khamarchak 59 | 1777 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1776 | 0 | 1 | 62 |
| 1775 | | 1 | 2 | 2 | |
| 1774 | | 0 | 2 | 22 | |
| 1773 | | 0 | 2 | 22 | |
| 1772 | | 0 | 11 | 53 | |
| 1676 | | 0 | 7 | 28 | |
| 1675 | | 0 | 3 | 24 | |
| 1674 | | 0 | 1 | 62 | |
| 1673 | | 0 | 5 | 67 | |
| 1670 | | 0 | 4 | | |
| 1669 | | 0 | 3 | 64 | |
| 1668 | | 0 | 5 | 6 | |
| 1667 | | 0 | 4 | 86 | |
| 1631 | | 0 | 0 | 81 | |
| 1665 | | 0 | 0 | 81 | |
| 1652 | | 0 | 4 | 25 | |
| 1651 | | 0 | 0 | 40 | |
| 1650 | | 0 | 2 | 43 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------------|----|------|---|---|----|-----------|----|-----|----|---|----|
| Harashankar | 59 | 1648 | 0 | 2 | 83 | Padampur | 99 | 594 | 0 | 4 | 5 |
| Khamarchak | | 1887 | 0 | 0 | 81 | | | 595 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1635 | 0 | 0 | 81 | | | 600 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1634 | 0 | 3 | 44 | | | 607 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1888 | 0 | 2 | 63 | | | 603 | 0 | 0 | 20 |
| | | 77 | 0 | 2 | 2 | | | 602 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1557 | 0 | 4 | 5 | | | 601 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1556 | 0 | 0 | 40 | | | 604 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1558 | 0 | 2 | 43 | | | 606 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1555 | 0 | 0 | 81 | | | 605 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1547 | 0 | 4 | 86 | | | 584 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1546 | 0 | 7 | 28 | | | 583 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1519 | 0 | 0 | 40 | | | 480 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1518 | 0 | 6 | 48 | | | 616 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1517 | 0 | 2 | 63 | | | 481 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1516 | 0 | 2 | 43 | | | 482 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1480 | 0 | 2 | 2 | | | 489 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1479 | 0 | 1 | 62 | | | 515 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1478 | 0 | 3 | 84 | | | 488 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1476 | 0 | 2 | 43 | | | 505 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1475 | 0 | 1 | 62 | | | 504 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1524 | 0 | 2 | 43 | | | 506 | 0 | 2 | 22 |
| | | | | | | | | 507 | 0 | 4 | 5 |
| Dakshin Usatpur 60 | | 1657 | 0 | 1 | 1 | | | 503 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1658 | 0 | 7 | 28 | | | 502 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1583 | 0 | 2 | 2 | | | 501 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1584 | 0 | 2 | 2 | | | 390 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1616 | 0 | 0 | 20 | | | 389 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1588 | 0 | 2 | 2 | | | 391 | 0 | 8 | 50 |
| | | 1587 | 0 | 2 | 4 | | | 368 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1775 | 0 | 4 | 3 | | | 367 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1615 | 0 | 0 | 60 | | | 366 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1597 | 0 | 1 | 21 | | | 365 | 0 | 8 | 9 |
| | | 1596 | 0 | 3 | 24 | | | 110 | 0 | 7 | 69 |
| | | 1566 | 0 | 3 | 64 | | | 107 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1607 | 0 | 5 | 67 | | | 106 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1606 | 0 | 3 | 44 | | | 105 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1266 | 0 | 3 | 24 | | | 666 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1265 | 0 | 4 | 25 | | | 104 | 0 | 6 | 88 |
| | | 1262 | 0 | 0 | 20 | | | 664 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1264 | 0 | 6 | 48 | | | 665 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1263 | 0 | 0 | 81 | | | 102 | 0 | 9 | 31 |
| | | 1261 | 0 | 5 | 6 | | | 101 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1252 | 0 | 1 | 62 | | | 95 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1251 | 0 | 1 | 62 | | | 97 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1250 | 0 | 0 | 81 | | | 639 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1253 | 0 | 4 | 5 | | | 2 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1246 | 0 | 4 | 45 | | | 789 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1245 | 0 | 5 | 67 | Ramkalua | 79 | 788 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1238 | 0 | 9 | 31 | | | 76 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1158 | 0 | 0 | 60 | | | 95 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1007 | 0 | 6 | 48 | | | 67 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1006 | 0 | 2 | 83 | | | 66 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1005 | 0 | 3 | 24 | | | 69 | 0 | 7 | 69 |
| | | 1012 | 0 | 2 | 63 | | | 64 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1011 | 0 | 2 | 43 | | | 63 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1010 | 0 | 6 | 88 | | | 61 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1009 | 0 | 1 | 1 | | | 60 | 0 | 2 | 81 |
| | | 1014 | 0 | 2 | 83 | | | 59 | | 2 | 83 |
| | | 1019 | 0 | 1 | 62 | | | 56 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1018 | 0 | 3 | 24 | | | 58 | 00 | 4 | 86 |
| | | 950 | 0 | 0 | 10 | | | 409 | 0 | 7 | 28 |
| | | 930 | 0 | 0 | 60 | Baklialua | 93 | 408 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1021 | 0 | 3 | 3 | | | 403 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1020 | 0 | 2 | 43 | | | 402 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1022 | 0 | 4 | 86 | | | 401 | 0 | 0 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------|-----|---|----|----|---|--------------------|------|---|---|----|---|
| Bali Kalua (Contd.) | 395 | 0 | 4 | 5 | | Amgechhya (Contd.) | 451 | 0 | 1 | 1 | |
| | 394 | 0 | 4 | 5 | | | 450 | 0 | 1 | 62 | |
| | 393 | 0 | 3 | 24 | | | 454 | 0 | 1 | 62 | |
| | 366 | 0 | 3 | 64 | | | 190 | 0 | 2 | 43 | |
| | 365 | 0 | 3 | 64 | | | 189 | 0 | 1 | 62 | |
| | 364 | 0 | 0 | 64 | | | 456 | 0 | 1 | 62 | |
| | 358 | 0 | 4 | 45 | | | 188 | 0 | 1 | 62 | |
| | 357 | 0 | 4 | 25 | | | 1007 | 0 | 1 | 21 | |
| | 356 | 0 | 0 | 60 | | | 178 | 0 | 1 | 21 | |
| | 359 | 0 | 3 | 3 | | | 460 | 0 | 5 | 6 | |
| | 351 | 0 | 1 | 1 | | | 459 | 0 | 0 | 20 | |
| | 350 | 0 | 12 | 14 | | | 175 | 0 | 0 | 81 | |
| | 347 | 0 | 7 | 48 | | | 177 | 0 | 2 | 63 | |
| | 273 | 0 | 1 | 21 | | | 479 | 0 | 3 | 64 | |
| | 158 | 0 | 0 | 81 | | | 465 | 0 | 0 | 60 | |
| | 157 | 0 | 1 | 1 | | | 463 | 0 | 1 | 21 | |
| | 154 | 0 | 2 | 83 | | | 462 | 0 | 0 | 40 | |
| Narasingh Kalua 94 | 526 | 0 | 1 | 62 | | | 461 | 0 | 2 | 43 | |
| | 524 | 0 | 4 | 5 | | | 472 | 0 | 0 | 60 | |
| | 516 | 0 | 2 | 2 | | | 471 | 0 | 4 | 86 | |
| | 515 | 0 | 2 | 22 | | | 129 | 0 | 0 | 81 | |
| | 514 | 0 | 0 | 20 | | | 67 | 0 | 0 | 60 | |
| | 513 | 0 | 1 | 21 | | | 51 | 0 | 0 | 20 | |
| | 512 | 0 | 3 | 24 | | | 998 | 0 | 2 | 43 | |
| | 510 | 0 | 0 | 40 | | | 50 | 0 | 3 | 44 | |
| | 509 | 0 | 3 | 44 | | | | | | | |
| | 508 | 0 | 2 | 2 | | Banhichar 136 | 769 | 0 | 2 | 43 | |
| | 507 | 0 | 2 | 22 | | | 770 | 0 | 2 | 0 | |
| | 506 | 0 | 2 | 2 | | | 771 | 0 | 0 | 40 | |
| | 505 | 0 | 0 | 40 | | | 768 | 0 | 3 | 24 | |
| | 504 | 0 | 1 | 62 | | | 1866 | 0 | 7 | 69 | |
| | 503 | 0 | 2 | 83 | | | 801 | 0 | 0 | 60 | |
| Amgechhya 95 | 355 | 0 | 7 | 28 | | | 766 | 0 | 0 | 20 | |
| | 354 | 0 | 1 | 62 | | | 765 | 0 | 3 | 64 | |
| | 351 | 0 | 0 | 10 | | | 764 | 0 | 4 | 45 | |
| | 341 | 0 | 2 | 83 | | | 763 | 0 | 2 | 43 | |
| | 340 | 0 | 0 | 81 | | | 762 | 0 | 2 | 43 | |
| | 339 | 0 | 0 | 40 | | | 761 | 0 | 0 | 40 | |
| | 338 | 0 | 1 | 21 | | | 760 | 0 | 0 | 20 | |
| | 337 | 0 | 3 | 3 | | | 757 | 0 | 4 | 25 | |
| | 336 | 0 | 2 | 63 | | | 743 | 0 | 1 | 21 | |
| | 342 | 0 | 9 | 71 | | | 742 | 0 | 3 | 24 | |
| | 392 | 0 | 1 | 1 | | | 740 | 0 | 3 | 64 | |
| | 399 | 0 | 1 | 21 | | Radhaballavpur 137 | 582 | 0 | 1 | 82 | |
| | 398 | 0 | 0 | 60 | | | 581 | 0 | 0 | 10 | |
| | 397 | 0 | 0 | 40 | | | 549 | 0 | 1 | 41 | |
| | 408 | 0 | 0 | 12 | | | 539 | 0 | 0 | 81 | |
| | 407 | 0 | 3 | 24 | | | 536 | 0 | 3 | 64 | |
| | 406 | 0 | 2 | 83 | | | 534 | 0 | 2 | 43 | |
| | 405 | 0 | 0 | 10 | | | 533 | 0 | 0 | 60 | |
| | 404 | 0 | 0 | 40 | | | 528 | 0 | 2 | 83 | |
| | 403 | 0 | 3 | 24 | | | 525 | 0 | 2 | 43 | |
| | 437 | 0 | 1 | 62 | | | 524 | 0 | 2 | 83 | |
| | 416 | 0 | 1 | 21 | | | 523 | 0 | 2 | 83 | |
| | 415 | 0 | 3 | 24 | | | | | | | |
| | 414 | 0 | 1 | 62 | | Bhubaneswarpur 146 | 1670 | 0 | 1 | 21 | |
| | 413 | 0 | 1 | 62 | | | 1669 | 0 | 0 | 40 | |
| | 432 | 0 | 0 | 81 | | | 1658 | 0 | 4 | 45 | |
| | 433 | 0 | 7 | 28 | | | 1655 | 0 | 0 | 20 | |
| | 434 | 0 | 1 | 62 | | | 1661 | 0 | 1 | 21 | |
| | 449 | 0 | 1 | 62 | | | 1660 | 0 | 1 | 62 | |
| | 448 | 0 | 1 | 1 | | | 1659 | 0 | 3 | 24 | |
| | 447 | 0 | 0 | 20 | | | 1654 | 0 | 0 | 81 | |
| | 439 | 0 | 0 | 20 | | | 1662 | 0 | 1 | 21 | |
| | 438 | 0 | 1 | 21 | | | 1653 | 0 | 1 | 62 | |
| | 453 | 0 | 1 | 21 | | | 1614 | 0 | 1 | 21 | |
| | 452 | 0 | 1 | 21 | | | 1861 | 0 | 0 | 60 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------|------|------|---|----|----|------------|-----|------|---|---|----|
| Bhubaneswar | 46 | 1613 | 0 | 0 | 40 | | | 157 | 0 | 0 | 10 |
| | | 1611 | 0 | 0 | 81 | | | 172 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1608 | 0 | 1 | 62 | | | 171 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1610 | 0 | 1 | 62 | | | 159 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1607 | 0 | 0 | 40 | | | 160 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1706 | 0 | 1 | 62 | | | 161 | 0 | 1 | 1 |
| | | 169 | 0 | 2 | 2 | | | 139 | 0 | 0 | 20 |
| | | 597 | 0 | 0 | 20 | | | 162 | 0 | 0 | 81 |
| | | 596 | 0 | 0 | 60 | | | 227 | 0 | 0 | 60 |
| | | 595 | 0 | 1 | 82 | | | 218 | 0 | 3 | 3 |
| | | 594 | 0 | 4 | 86 | | | 217 | 0 | 0 | 20 |
| | | 488 | 0 | 0 | 10 | | | 219 | 0 | 3 | 24 |
| | | 492 | 0 | 2 | 83 | | | 190 | 0 | 0 | 81 |
| | | 490 | 0 | 2 | 2 | | | 196 | 0 | 3 | 64 |
| | | 496 | 0 | 0 | 10 | | | 195 | 0 | 1 | 62 |
| | | 494 | 0 | 2 | 22 | | | 204 | 0 | 1 | 82 |
| | | 495 | 0 | 2 | 22 | Padumbasan | 144 | 203 | 0 | 0 | 20 |
| | 1742 | 0 | 2 | 83 | | | | 2408 | 0 | 1 | 62 |
| | 479 | 0 | 0 | 20 | | | | 2409 | 0 | 0 | 81 |
| | 474 | 0 | 5 | 67 | | | | 623 | 0 | 0 | 60 |
| | 475 | 0 | 0 | 60 | | | | 613 | 0 | 2 | 43 |
| | 1680 | 0 | 0 | 40 | | | | 612 | 0 | 4 | 86 |
| | 217 | 0 | 0 | 10 | | | | 611 | 0 | 2 | 2 |
| | 219 | 0 | 1 | 62 | | | | 580 | 0 | 2 | 43 |
| | 216 | 0 | 0 | 10 | | | | 579 | 0 | 2 | 2 |
| | 218 | 0 | 2 | 22 | | | | 588 | 0 | 1 | 62 |
| | 220 | 0 | 0 | 40 | | | | 587 | 0 | 0 | 20 |
| | 155 | 0 | 4 | 86 | | | | 586 | 0 | 4 | 86 |
| | 120 | 0 | 0 | 20 | | | | 576 | 0 | 3 | 24 |
| | 152 | 0 | 0 | 10 | | | | 569 | 0 | 0 | 81 |
| | 151 | 0 | 2 | 83 | | | | 568 | 0 | 4 | 86 |
| | 150 | 0 | 2 | 2 | | | | 567 | 0 | 0 | 10 |
| | 149 | 0 | 2 | 2 | | | | 548 | 0 | 0 | 10 |
| | 137 | 0 | 1 | 62 | | | | 547 | 0 | 1 | 41 |
| | 136 | 0 | 1 | 21 | | | | 546 | 0 | 1 | 21 |
| | 138 | 0 | 1 | 62 | | | | 545 | 0 | 9 | 11 |
| | 139 | 0 | 0 | 81 | | | | 2672 | 0 | 0 | 20 |
| | 145 | 0 | 1 | 1 | | | | 527 | 0 | 1 | 41 |
| | 141 | 0 | 3 | 24 | | | | 526 | 0 | 4 | 5 |
| | 140 | 0 | 4 | 5 | | | | 522 | 0 | 5 | 67 |
| | 142 | 0 | 0 | 20 | | | | 519 | 0 | 2 | 83 |
| | 71 | 0 | 3 | 64 | | | | 518 | 0 | 1 | 82 |
| | 66 | 0 | 3 | 64 | | | | 517 | 0 | 1 | 82 |
| | 65 | 0 | 1 | 62 | | | | 488 | 0 | 4 | 5 |
| | 64 | 0 | 0 | 20 | | | | 487 | 0 | 0 | 81 |
| | 63 | 0 | 4 | 45 | | | | 486 | 0 | 3 | 3 |
| | 1725 | 0 | 1 | 62 | | | | 485 | 0 | 4 | 5 |
| | 1724 | 0 | 0 | 81 | | | | 477 | 0 | 4 | 5 |
| | 51 | 0 | 3 | 3 | | | | 475 | 0 | 1 | 62 |
| | 1748 | 0 | 0 | 40 | | | | 476 | 0 | 5 | 26 |
| | 1747 | 0 | 0 | 40 | | | | 2415 | 0 | 2 | 43 |
| | 48 | 0 | 1 | 21 | | | | 403 | 0 | 0 | 60 |
| | 49 | 0 | 2 | 2 | | | | 128 | 0 | 7 | 28 |
| | 1722 | 0 | 0 | 40 | | | | 127 | 0 | 1 | 21 |
| | 46 | 0 | 2 | 43 | | | | 124 | 0 | 0 | 10 |
| | 47 | 0 | 0 | 60 | | | | 125 | 0 | 1 | 62 |
| | 1728 | 0 | 3 | 24 | | | | 126 | 0 | 5 | 67 |
| Barpadumbasan | 145 | 240 | 0 | 1 | 82 | | | 120 | 0 | 1 | 62 |
| | | 239 | 0 | 0 | 10 | | | 119 | 0 | 2 | 43 |
| | | 201 | 0 | 1 | 62 | | | 121 | 0 | 2 | 2 |
| | | 200 | 0 | 0 | 40 | | | 118 | 0 | 1 | 62 |
| | | 206 | 0 | 0 | 88 | | | 115 | 0 | 1 | 21 |
| | | 203 | 0 | 0 | 40 | | | 117 | 0 | 4 | 45 |
| | | 877 | 0 | 0 | 81 | | | 116 | 0 | 6 | 48 |
| | | 914 | 0 | 4 | 5 | | | 23 | 0 | 0 | 4 |
| | | 173 | 0 | 0 | 40 | | | 22 | 0 | 5 | 67 |
| | | | | | | | | 2464 | 0 | 1 | 41 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------|-----|------|---|---|----|---|---|------|---|----|----|
| Daharpur | 276 | 267 | 0 | 0 | 60 | | | 1536 | 0 | 0 | 40 |
| | | 266 | 0 | 0 | 81 | | | 1688 | 0 | 0 | 40 |
| | | 265 | 0 | 0 | 20 | | | 1687 | 0 | 0 | 60 |
| | | 264 | 0 | 2 | 43 | | | 1540 | 0 | 0 | 10 |
| | | 263 | 0 | 0 | 20 | | | 1889 | 0 | 1 | 41 |
| | | 252 | 0 | 0 | 10 | | | 1890 | 0 | 0 | 60 |
| | | 249 | 0 | 1 | 62 | | | 1558 | 0 | 1 | 21 |
| | | 262 | 0 | 2 | 43 | | | 1195 | 0 | 2 | 2 |
| | | 261 | 0 | 4 | 86 | | | 1816 | 0 | 0 | 40 |
| | | 257 | 0 | 0 | 81 | | | 1817 | 0 | 1 | 62 |
| | | 256 | 0 | 1 | 21 | | | 846 | 0 | 0 | 40 |
| | | 171 | 0 | 3 | 24 | | | 835 | 0 | 0 | 40 |
| | | 168 | 0 | 0 | 20 | | | 845 | 0 | 0 | 81 |
| | | 167 | 0 | 0 | 40 | | | 1775 | 0 | 1 | 1 |
| | | 166 | 0 | 1 | 21 | | | 1774 | 0 | 0 | 60 |
| | | 78 | 0 | 5 | 87 | | | 848 | 0 | 0 | 40 |
| | | 88 | 0 | 5 | 67 | | | 850 | 0 | 2 | 83 |
| | | 87 | 0 | 2 | 83 | | | 849 | 0 | 0 | 81 |
| | | 86 | 0 | 0 | 40 | | | 1786 | 0 | 0 | 40 |
| | | 84 | 0 | 4 | 5 | | | 1781 | 0 | 0 | 20 |
| | | 85 | 0 | 4 | 45 | | | 1780 | 0 | 0 | 10 |
| | | 102 | 0 | 1 | 1 | | | 855 | 0 | 5 | 26 |
| | | 83 | 0 | 6 | 88 | | | 1776 | 0 | 3 | 24 |
| | | 82 | 0 | 0 | 40 | | | 1782 | 0 | 0 | 40 |
| | | 32 | 0 | 5 | 87 | | | 825 | 0 | 2 | 43 |
| | | 31 | 0 | 3 | 24 | | | 857 | 0 | 1 | 1 |
| | | 2 | 0 | 0 | 60 | | | 1784 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1 | 0 | 3 | 24 | | | 824 | 0 | 2 | 2 |
| Kapashbere | 283 | 1467 | 0 | 0 | 60 | | | 823 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1468 | 0 | 2 | 43 | | | 822 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1707 | 0 | 0 | 60 | | | 821 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1651 | 0 | 1 | 21 | | | 819 | 0 | 1 | 41 |
| | | 1650 | 0 | 1 | 62 | | | 818 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1649 | 0 | 1 | 1 | | | 820 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1648 | 0 | 0 | 10 | | | 816 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1631 | 0 | 6 | 48 | | | 817 | 0 | 9 | 71 |
| | | 1645 | 0 | 2 | 83 | | | 1762 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1643 | 0 | 0 | 60 | | | 771 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1642 | 0 | 0 | 10 | | | 770 | 0 | 11 | 33 |
| | | 1635 | 0 | 2 | 2 | | | 578 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1636 | 0 | 1 | 62 | | | 1406 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1623 | 0 | 0 | 10 | | | 576 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1619 | 0 | 2 | 43 | | | 534 | 0 | 5 | 87 |
| | | 1618 | 0 | 0 | 40 | | | 308 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1622 | 0 | 1 | 1 | | | 309 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1621 | 0 | 0 | 40 | | | 291 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1620 | 0 | 1 | 82 | | | 292 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1613 | 0 | 1 | 62 | | | 293 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1614 | 0 | 3 | 24 | | | 288 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1514 | 0 | 2 | 83 | | | 289 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1513 | 0 | 1 | 62 | | | 285 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1612 | 0 | 1 | 62 | | | 469 | 0 | 2 | 2 |
| | | 1611 | 0 | 2 | 2 | | | 465 | 0 | 2 | 43 |
| | | 1610 | 0 | 2 | 83 | | | 466 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1523 | 0 | 0 | 10 | | | 470 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1524 | 0 | 4 | 86 | | | 471 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1525 | 0 | 0 | 20 | | | 472 | 0 | 4 | 5 |
| | | 1549 | 0 | 1 | 62 | | | 543 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1530 | 0 | 0 | 20 | | | 544 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1548 | 0 | 1 | 62 | | | 545 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1547 | 0 | 0 | 40 | | | 538 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1546 | 0 | 2 | 2 | | | 541 | 0 | 5 | 67 |
| | | 1545 | 0 | 3 | 24 | | | 301 | 0 | 2 | 83 |
| | | 1537 | 0 | 0 | 40 | | | 300 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1534 | 0 | 0 | 20 | | | 68 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1538 | 0 | 0 | 60 | | | 53 | 0 | 4 | 45 |
| | | | | | | | | 52 | 0 | 0 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------|-----|------|---|---|----|----------------|-----|-----|---|---|----|
| Payag | 297 | 249 | 0 | 0 | 40 | Baradabar | 298 | 143 | 0 | 0 | 81 |
| | | 247 | 0 | 1 | 21 | | | 141 | 0 | 2 | 43 |
| | | 216 | 0 | 2 | 43 | | | 140 | 0 | 0 | 60 |
| | | 222 | 0 | 2 | 43 | | | 139 | 0 | 2 | 63 |
| | | 221 | 0 | 0 | 81 | | | 133 | 0 | 1 | 82 |
| | | 218 | 0 | 3 | 3 | | | 931 | 0 | 1 | 62 |
| | | 217 | 0 | 4 | 5 | | | 132 | 0 | 2 | 43 |
| | | 212 | 0 | 0 | 40 | | | 131 | 0 | 3 | 84 |
| | | 213 | 0 | 4 | 5 | | | 130 | 0 | 1 | 62 |
| | | 280 | 0 | 4 | 5 | | | 105 | 0 | 4 | 86 |
| | | 281 | 0 | 2 | 43 | | | 104 | 0 | 3 | 24 |
| | | 190 | 0 | 3 | 3 | | | 103 | 0 | 2 | 2 |
| | | 188 | 0 | 0 | 40 | | | 914 | 0 | 2 | 2 |
| | | 189 | 0 | 2 | 83 | | | 101 | 0 | 0 | 20 |
| | | 187 | 0 | 2 | 83 | | | 100 | 0 | 2 | 63 |
| | | 185 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 186 | 0 | 0 | 40 | Parrit | 299 | 187 | 0 | 0 | 60 |
| | | 175 | 0 | 0 | 20 | | | 189 | 0 | 0 | 16 |
| | | 176 | 0 | 5 | 67 | | | 190 | 0 | 0 | 1 |
| | | 179 | 0 | 0 | 10 | | | 185 | 0 | 0 | 1 |
| | | 177 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 172 | 0 | 4 | 25 | Uttar Sagarbar | 306 | 171 | 0 | 0 | 40 |
| | | 171 | 0 | 9 | 31 | | | 58 | 0 | 5 | 46 |
| | | 605 | 0 | 0 | 20 | | | 59 | 0 | 6 | 88 |
| | | 151 | 0 | 1 | 21 | | | 64 | 0 | 7 | 28 |
| | | 163 | 0 | 4 | 45 | | | 69 | 0 | 5 | 26 |
| | | 150 | 0 | 4 | 5 | | | 68 | 0 | 6 | 48 |
| | | 49 | 0 | 1 | 41 | | | 70 | 0 | 0 | 40 |
| | | 47 | 0 | 0 | 84 | | | 85 | 0 | 1 | 41 |
| | | 8 | 0 | 0 | 20 | | | 86 | 0 | 0 | 81 |
| | | | | | | | | 84 | 0 | 5 | 46 |
| Kutigarhat | 298 | 581 | 0 | 4 | 86 | | | 83 | 0 | 2 | 14 |
| | | 580 | 0 | 1 | 62 | | | 93 | 0 | 0 | 81 |
| | | 647 | 0 | 2 | 83 | | | 92 | 0 | 1 | 1 |
| | | 576 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 575 | 0 | 4 | 5 | Sardabasan | 305 | 470 | 0 | 4 | 5 |
| | | 574 | 0 | 4 | 5 | | | 469 | 0 | 3 | 24 |
| | | 553 | 0 | 0 | 40 | | | 468 | 0 | 3 | 24 |
| | | 642 | 0 | 2 | 63 | | | 467 | 0 | 1 | 1 |
| | | 537 | 0 | 2 | 43 | | | 466 | 0 | 5 | 6 |
| | | 573 | 0 | 2 | 43 | | | 359 | 0 | 8 | 29 |
| | | 541 | 0 | 7 | 28 | | | 358 | 0 | 3 | 24 |
| | | 542 | 0 | 2 | 22 | | | 357 | 0 | 5 | 67 |
| | | | | | | | | 355 | 0 | 8 | 9 |
| Baradabar | 298 | 499 | 0 | 2 | 43 | | | 354 | 0 | 0 | 40 |
| | | 498 | 0 | 0 | 81 | | | 353 | 0 | 0 | 81 |
| | | 496 | 0 | 8 | 9 | | | 352 | 0 | 5 | 67 |
| | | 495 | 0 | 5 | 26 | | | 351 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1052 | 0 | 3 | 24 | | | 336 | 0 | 3 | 64 |
| | | 487 | 0 | 5 | 87 | | | 335 | 0 | 7 | 28 |
| | | 486 | 0 | 4 | 86 | | | 334 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1051 | 0 | 0 | 10 | | | 333 | 0 | 8 | 90 |
| | | 482 | 0 | 4 | 86 | | | 243 | 0 | 3 | 64 |
| | | 483 | 0 | 4 | 86 | | | 244 | 0 | 1 | 62 |
| | | 481 | 0 | 1 | 62 | | | 245 | 0 | 7 | 28 |
| | | 478 | 0 | 5 | 67 | | | 246 | 0 | 0 | 40 |
| | | 476 | 0 | 0 | 10 | | | 248 | 0 | 7 | 48 |
| | | 474 | 0 | 4 | 45 | | | 238 | 0 | 3 | 24 |
| | | 475 | 0 | 4 | 25 | | | 237 | 0 | 5 | 67 |
| | | 471 | 0 | 4 | 5 | | | 217 | 0 | 6 | 48 |
| | | 1047 | 0 | 2 | 2 | | | 216 | 0 | 0 | 20 |
| | | 994 | 0 | 2 | 2 | | | 218 | 0 | 5 | 6 |
| | | 406 | 0 | 3 | 24 | | | 148 | 0 | 0 | 40 |
| | | 374 | 0 | 2 | 43 | | | 147 | 0 | 7 | 28 |
| | | 148 | 0 | 2 | 2 | | | 143 | 0 | 5 | 67 |
| | | 149 | 0 | 6 | 7 | | | 145 | 0 | 0 | 20 |
| | | 155 | 0 | 4 | 86 | | | 144 | 0 | 3 | 44 |
| | | 142 | 0 | 5 | 46 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|-----|------|---|---|----|-----------|------|------|---|---|----|
| Nahala | 304 | 341 | 0 | 3 | 24 | | 938 | | 0 | 6 | 7 |
| | | 340 | 0 | 7 | 28 | | 279 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 754 | 0 | 1 | 21 | | 275 | | 0 | 3 | 84 |
| | | 338 | 0 | 3 | 84 | | 278 | | 0 | 0 | 40 |
| | | 337 | 0 | 3 | 64 | | 276 | | 0 | 0 | 40 |
| | | 336 | 0 | 7 | 28 | | 274 | | 0 | 4 | 45 |
| | | 329 | 0 | 0 | 40 | | 1388 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 243 | 0 | 4 | 5 | | 86 | | 0 | 2 | 43 |
| | | 242 | 0 | 0 | 10 | | 88 | | 0 | 0 | 20 |
| | | 241 | 0 | 7 | 28 | | 85 | | 0 | 5 | 67 |
| | | 236 | 0 | 1 | 1 | | 89 | | 0 | 1 | 1 |
| | | 237 | 0 | 4 | 86 | | 90 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 238 | 0 | 4 | 65 | | 83 | | 0 | 4 | 5 |
| | | 746 | 0 | 0 | 20 | | 91 | | 0 | 1 | 41 |
| | | 225 | 0 | 3 | 84 | | 80 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 224 | 0 | 0 | 10 | | 79 | | 0 | 3 | 44 |
| | | | | | | | 63 | | 0 | 4 | 5 |
| Nandaigagan | 310 | 803 | 0 | 0 | 81 | | 66 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 843 | 0 | 1 | 62 | | 67 | | 0 | 4 | 5 |
| | | 842 | 0 | 1 | 62 | | 68 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 844 | 0 | 7 | 69 | | 69 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 832 | 0 | 8 | 50 | | 54 | | 0 | 2 | 43 |
| | | 853 | 0 | 3 | 3 | | 58 | | 0 | 2 | 63 |
| | | 856 | 0 | 2 | 83 | | 56 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 857 | 0 | 3 | 44 | | 57 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 858 | 0 | 2 | 43 | | 51 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 826 | 0 | 0 | 60 | | 32 | | 0 | 4 | 86 |
| | | 850 | 0 | 2 | 2 | | 30 | | 0 | 5 | 67 |
| | | 828 | 0 | 3 | 64 | | 24 | | 0 | 8 | 90 |
| | | 860 | 0 | 0 | 10 | | | | | | |
| | | 759 | 0 | 6 | 68 | Bangalpur | 317 | 1680 | 0 | 0 | 40 |
| | | 760 | 0 | 0 | 10 | | 959 | | 0 | 4 | 5 |
| | | 758 | 0 | 3 | 24 | | 960 | | 0 | 4 | 5 |
| | | 757 | 0 | 4 | 5 | | 1679 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 676 | 0 | 6 | 48 | | 981 | | 0 | 2 | 83 |
| | | 675 | 0 | 3 | 24 | | 1678 | | 0 | 1 | 21 |
| | | 674 | 0 | 6 | 7 | | 1677 | | 0 | 1 | 1 |
| | | 638 | 0 | 4 | 86 | | 1676 | | 0 | 0 | 60 |
| | | 637 | 0 | 0 | 81 | | 1675 | | 0 | 3 | 84 |
| | | 636 | 0 | 1 | 21 | | 1674 | | 0 | 3 | 64 |
| | | 635 | 0 | 2 | 63 | | 1672 | | 0 | 9 | 31 |
| | | 1198 | 0 | 0 | 40 | | 1671 | | 0 | 0 | 20 |
| | | 1192 | 0 | 0 | 40 | | 1685 | | 0 | 4 | 45 |
| | | 1191 | 0 | 0 | 60 | | 2037 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 631 | 0 | 5 | 67 | | 1079 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 632 | 0 | 1 | 1 | | 874 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 1358 | 0 | 1 | 62 | | 873 | | 0 | 1 | 62 |
| | | 1081 | 0 | 3 | 24 | | 872 | | 0 | 1 | 62 |
| | | 1080 | 0 | 0 | 81 | | 1982 | | 0 | 0 | 60 |
| | | 1079 | 0 | 0 | 81 | | 2035 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 1078 | 0 | 1 | 62 | | 1686 | | 0 | 0 | 20 |
| | | 1077 | 0 | 2 | 43 | | 1669 | | 0 | 6 | 7 |
| | | 902 | 0 | 1 | 41 | | 1668 | | 0 | 1 | 62 |
| | | 903 | 0 | 3 | 64 | | 1667 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 1363 | 0 | 1 | 21 | | 1660 | | 0 | 2 | 43 |
| | | 904 | 0 | 0 | 40 | | 1659 | | 0 | 4 | 5 |
| | | 907 | 0 | 2 | 83 | | 1642 | | 0 | 7 | 28 |
| | | 906 | 0 | 0 | 20 | | 1725 | | 0 | 3 | 24 |
| | | 911 | 0 | 4 | 5 | | 1727 | | 0 | 0 | 81 |
| | | 303 | 0 | 1 | 62 | | 1726 | | 0 | 4 | 86 |
| | | 302 | 0 | 4 | 86 | | 1734 | | 0 | 2 | 22 |
| | | 290 | 0 | 2 | 2 | | 1735 | | 0 | 2 | 2 |
| | | 291 | 0 | 0 | 20 | | 1623 | | 0 | 1 | 21 |
| | | 289 | 0 | 3 | 24 | | 1621 | | 0 | 0 | 40 |
| | | 287 | 0 | 3 | 24 | | 1736 | | 0 | 4 | 86 |
| | | 286 | 0 | 1 | 62 | | 1553 | | 0 | 4 | 86 |
| | | 284 | 0 | 0 | 81 | | 1557 | | 0 | 0 | 60 |
| | | | | | | | 1555 | | 0 | 4 | 45 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|------|------|----|----|----|----------|-----|------|---|---|----|
| Nandaigazam | 1556 | 0 | 2 | 83 | | | | 2147 | 0 | 4 | 45 |
| | 1424 | 0 | 4 | 86 | | | | 2146 | 0 | 1 | 21 |
| | 1423 | 0 | 1 | 62 | | | | 2145 | 0 | 1 | 41 |
| | 1422 | 0 | 1 | 62 | | | | 2144 | 0 | 5 | 67 |
| | 1421 | 0 | 1 | 21 | | | | | | | |
| | 1427 | 0 | 1 | 21 | | Chainpur | 321 | 1223 | 0 | 2 | 43 |
| | 1428 | 0 | 1 | 62 | | | | 1222 | 0 | 1 | 1 |
| | 1429 | 0 | 2 | 83 | | | | 1225 | 0 | 3 | 24 |
| | 1420 | 0 | 2 | 43 | | | | 1229 | 0 | 1 | 1 |
| | 1398 | 3 | 3 | 44 | | | | 1230 | 0 | 0 | 81 |
| | 1399 | 0 | 12 | 95 | | | | 1231 | 0 | 2 | 2 |
| | 1400 | 0 | 4 | 5 | | | | 1712 | 0 | 0 | 20 |
| | 1401 | 0 | 7 | 69 | | | | 1232 | 0 | 1 | 62 |
| | 1358 | 0 | 5 | 67 | | | | 1234 | 0 | 0 | 81 |
| | 1972 | 0 | 1 | 62 | | | | 1235 | 0 | 2 | 63 |
| | 1316 | 0 | 0 | 10 | | | | 1237 | 0 | 1 | 21 |
| | 1317 | 0 | 0 | 40 | | | | 1238 | 0 | 4 | 25 |
| | 1318 | 0 | 3 | 24 | | | | 1239 | 0 | 0 | 81 |
| | 1319 | 0 | 0 | 60 | | | | 1713 | 0 | 0 | 40 |
| | 1320 | 0 | 2 | 2 | | | | 1252 | 0 | 0 | 20 |
| | 1321 | 0 | 0 | 40 | | | | 1248 | 0 | 1 | 1 |
| | 1323 | 0 | 4 | 5 | | | | 1247 | 0 | 4 | 45 |
| | 1325 | 0 | 6 | 7 | | | | 1253 | 0 | 2 | 63 |
| | 1326 | 0 | 1 | 21 | | | | 1272 | 0 | 2 | 63 |
| | | | | | | | | 1271 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 1264 | 0 | 0 | 10 |
| Deryachak | 318 | 1332 | 0 | 0 | 40 | | | 1270 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1233 | 0 | 3 | 24 | | | 1269 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1234 | 0 | 5 | 67 | | | 1268 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1235 | 0 | 1 | 62 | | | 1267 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1236 | 0 | 1 | 62 | | | 1482 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1238 | 0 | 2 | 22 | | | 1483 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1237 | 0 | 3 | 64 | | | 1488 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1240 | 0 | 5 | 26 | | | 1486 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1252 | 0 | 2 | 22 | | | 1484 | 0 | 0 | 81 |
| | | 4325 | 0 | 2 | 43 | | | 1485 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1251 | 0 | 2 | 22 | | | 1498 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1250 | 0 | 1 | 21 | | | 1502 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1247 | 0 | 0 | 40 | | | 1501 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1528 | 0 | 4 | 45 | | | 1500 | 0 | 1 | 62 |
| | | 1529 | 0 | 1 | 82 | | | 1506 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1537 | 0 | 9 | 31 | | | 1508 | 0 | 3 | 24 |
| | | 1544 | 0 | 3 | 24 | | | 1531 | 0 | 0 | 81 |
| | | 1542 | 0 | 2 | 83 | | | 1532 | 0 | 0 | 20 |
| | | 915 | 0 | 0 | 60 | | | 1929 | 0 | 0 | 81 |
| | | 914 | 0 | 1 | 62 | | | 1528 | 0 | 1 | 14 |
| | | 913 | 0 | 0 | 81 | | | 947 | 0 | 1 | 1 |
| | | 2210 | 0 | 1 | 62 | | | 456 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2203 | 0 | 1 | 62 | | | 455 | 0 | 0 | 81 |
| | | 4408 | 0 | 5 | 67 | | | 454 | 0 | 1 | 62 |
| | | 2197 | 0 | 4 | 86 | | | 453 | 0 | 1 | 21 |
| | | 2191 | 0 | 2 | 2 | | | 459 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2192 | 0 | 4 | 86 | | | 458 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2187 | 0 | 4 | 5 | | | 521 | 0 | 0 | 20 |
| | | 2186 | 0 | 2 | 83 | | | 518 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2183 | 0 | 5 | 67 | | | 517 | 0 | 0 | 41 |
| | | 2180 | 0 | 5 | 26 | | | 516 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2176 | 0 | 4 | 5 | | | 500 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2175 | 0 | 2 | 2 | | | 499 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2171 | 0 | 0 | 20 | | | 461 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2172 | 0 | 0 | 40 | | | 460 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2173 | 0 | 4 | 45 | | | 462 | 0 | 0 | 81 |
| | | 2163 | 0 | 6 | 7 | | | 490 | 0 | 4 | 5 |
| | | 2159 | 0 | 4 | 86 | | | 489 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2155 | 0 | 5 | 67 | | | 271 | 0 | 0 | 40 |
| | | 2151 | 0 | 0 | 40 | | | 488 | 0 | 0 | 20 |
| | | 2152 | 0 | 8 | 9 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------|-----|-----|---|---|----|------------|-----|-----|---|---|----|
| Chainpar | | 331 | 0 | 2 | 63 | | | 421 | 0 | 4 | 86 |
| | | 332 | 0 | 1 | 1 | | | 552 | 0 | 5 | 67 |
| | | 333 | 0 | 1 | 62 | | | 551 | 0 | 0 | 40 |
| | | 340 | 0 | 0 | 40 | | | 435 | 0 | 5 | 26 |
| | | 347 | 0 | 0 | 20 | | | 436 | 0 | 1 | 21 |
| | | 346 | 0 | 0 | 40 | | | 433 | 0 | 2 | 83 |
| | | 348 | 0 | 4 | 86 | | | 432 | 0 | 3 | 64 |
| | | 269 | 0 | 2 | 83 | | | 431 | 0 | 2 | 43 |
| | | 265 | 0 | 1 | 62 | | | 439 | 0 | 0 | 10 |
| | | 264 | 0 | 2 | 43 | | | 430 | 0 | 1 | 1 |
| | | 262 | 0 | 3 | 24 | | | 330 | 0 | 4 | 86 |
| | | 223 | 0 | 0 | 61 | | | 329 | 0 | 2 | 43 |
| | | 198 | 0 | 5 | 67 | | | 328 | 0 | 2 | 83 |
| | | 197 | 0 | 2 | 43 | | | 327 | 0 | 4 | 5 |
| | | 196 | 0 | 6 | 48 | | | 326 | 0 | 2 | 43 |
| | | | | | | | | 301 | 0 | 1 | 1 |
| Ukhrepara | 322 | 397 | 0 | 4 | 5 | | | 302 | 0 | 4 | 5 |
| | | 395 | 0 | 0 | 60 | | | 304 | 0 | 0 | 60 |
| | | 394 | 0 | 0 | 60 | | | 303 | 0 | 2 | 83 |
| | | 387 | 0 | 2 | 43 | | | 288 | 0 | 4 | 5 |
| | | 388 | 0 | 2 | 43 | | | 289 | 0 | 0 | 81 |
| | | 389 | 0 | 2 | 2 | | | 286 | 0 | 4 | 86 |
| | | 390 | 0 | 0 | 81 | | | 285 | 0 | 3 | 24 |
| | | 391 | 0 | 0 | 81 | | | 284 | 0 | 3 | 24 |
| | | 369 | 0 | 1 | 62 | | | 462 | 0 | 1 | 21 |
| | | 370 | 0 | 0 | 40 | | | 1 | 0 | 2 | 2 |
| | | 365 | 0 | 2 | 22 | Kshetrahat | 238 | 30 | 0 | 2 | 43 |
| | | 363 | 0 | 1 | 21 | | | 203 | 0 | 1 | 1 |
| | | 364 | 0 | 1 | 21 | | | 202 | 0 | 1 | 1 |
| | | 354 | 0 | 2 | 63 | | | 32 | 0 | 4 | 5 |
| | | 351 | 0 | 2 | 43 | | | 35 | 0 | 0 | 10 |
| | | 341 | 0 | 1 | 62 | | | 29 | 0 | 2 | 22 |
| | | 342 | 0 | 0 | 10 | | | 39 | 0 | 0 | 61 |
| | | 340 | 0 | 3 | 3 | | | 28 | 0 | 2 | 63 |
| | | 338 | 0 | 1 | 82 | | | 27 | 0 | 1 | 62 |
| | | 335 | 0 | 2 | 83 | | | | | | |
| | | 336 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 328 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 327 | 0 | 2 | 83 | | | | | | |
| | | 326 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 325 | 0 | 3 | 64 | | | | | | |
| | | 452 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| Baharpeta | 319 | 607 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 606 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 582 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 605 | 0 | 2 | 83 | | | | | | |
| | | 604 | 0 | 2 | 83 | | | | | | |
| | | 725 | 0 | 2 | 2 | | | | | | |
| | | 603 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| | | 602 | 0 | 6 | 7 | | | | | | |
| | | 601 | 0 | 4 | 5 | | | | | | |
| | | 599 | 0 | 7 | 82 | | | | | | |
| | | 598 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 592 | 0 | 2 | 43 | | | | | | |
| | | 594 | 0 | 0 | 10 | | | | | | |
| | | 593 | 0 | 4 | 45 | | | | | | |
| | | 412 | 0 | 4 | 86 | | | | | | |
| | | 413 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 409 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 408 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 417 | 0 | 8 | 9 | | | | | | |
| | | 418 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 555 | 0 | 3 | 44 | | | | | | |
| | | 419 | 0 | 5 | 67 | | | | | | |
| | | 553 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |

[No. R-31015/10/96-OR-I]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2989:— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हुलिया से बिहार राज्य के बरौनी तक पेट्रोलियम (क्रूड) के परिवहन के लिये इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाईन बिछाई जानी चाहिये।

और यह प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिसबदख कोई व्यक्ति उस नारीखसे जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिमूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, से इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के संबंध में उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित रूप में आक्षेप श्री विश्वनाथ बोस, सक्षम प्राधिकारी इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, हल्दिया-बरोनी पाइपलाईन परियोजना, डाकघर-हल्दिया रिफाइनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकता है।

अनुसूची

पुलिस थाना: आराम बाग जिला : हुगली राज्य: पश्चिमी बंगाल

| गांव का नाम | सं. खा. | प्लॉट सं. | क्षेत्र | | |
|-------------|---------|-----------|--------------|------------|----|
| | सं. | | हैक्टेयर आरे | सैटीम्यारे | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| हरादिया | 134 | 1944 | 0 | 0 | 22 |
| | | 1945 | 0 | 0 | 64 |
| | | 1946 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1943 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1942 | 0 | 1 | 5 |
| | | 1970 | 0 | 0 | 85 |
| | | 1973 | 0 | 0 | 2 |
| | | 2207 | 0 | 0 | 49 |
| | | 1915 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1914 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1912 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1911 | 0 | 0 | 28 |
| | | 1910 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1916 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1917 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1909 | 0 | 0 | 89 |
| | | 1918 | 0 | 0 | 8 |
| | | 1919 | 0 | 0 | 8 |
| | | 1922 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1923 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1924 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1908 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1907 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1854 | 0 | 0 | 52 |
| | | 1855 | 0 | 1 | 5 |
| | | 1861 | 0 | 1 | 45 |
| | | 1846 | 0 | 0 | 26 |
| | | 1862 | 0 | 0 | 18 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------|-----|------|---|---|----|
| | | 1814 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1815 | 0 | 0 | 76 |
| | | 1666 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1586 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1584 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1585 | 0 | 0 | 56 |
| | | 1573 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1574 | 0 | 0 | 32 |
| | | 1577 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1575 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1576 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1551 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1550 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1549 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1548 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1547 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1546 | 0 | 0 | 6 |
| | | 1545 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1537 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1536 | 0 | 1 | 13 |
| | | 1509 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1513 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1514 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1517 | 0 | 0 | 4 |
| दक्षिण रसूलपुर | 132 | 1831 | 0 | 0 | 97 |
| | | 1830 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1832 | 0 | 0 | 28 |
| | | 1834 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1864 | 0 | 1 | 13 |

[गं. आर-31015/12/96-बो.आर.-I]

के.सी. कटोव, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd October, 1996

S.O. 2989.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the State of West Bengal to Barauni in the State of Bihar pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Pipeline project, P.O. Haldia Refinery, Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station : Arambagh District : Hooghly
State : West Bengal

| Village | Jurisdiction List No. | Plot No. | Area Hectares | Ares | Centiares |
|-----------|-----------------------|----------|---------------|------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Haraditya | 134 | 1944 | 0 | 0 | 22 |
| | | 1945 | 0 | 0 | 64 |
| | | 1946 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1943 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1942 | 0 | 1 | 5 |
| | | 1970 | 0 | 0 | 85 |
| | | 1973 | 0 | 0 | 2 |
| | | 2207 | 0 | 0 | 49 |
| | | 1915 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1914 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1912 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1911 | 0 | 0 | 28 |
| | | 1910 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1916 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1917 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1909 | 0 | 0 | 89 |
| | | 1918 | 0 | 0 | 8 |
| | | 1919 | 0 | 0 | 8 |
| | | 1922 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1923 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1924 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1908 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1907 | 0 | 0 | 16 |
| | | 1854 | 0 | 0 | 52 |
| | | 1855 | 0 | 1 | 5 |
| | | 1861 | 0 | 1 | 45 |
| | | 1846 | 0 | 0 | 26 |
| | | 1862 | 0 | 0 | 18 |
| | | 1814 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1815 | 0 | 0 | 76 |
| | | 1666 | 0 | 1 | 1 |
| | | 1586 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1584 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1585 | 0 | 0 | 56 |
| | | 1573 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1574 | 0 | 0 | 32 |
| | | 1577 | 0 | 0 | 36 |
| | | 1575 | 0 | 0 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|---|----|
| | | 1576 | 0 | 0 | 12 |
| | | 1551 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1550 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1549 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1548 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1547 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1546 | 0 | 0 | 6 |
| | | 1545 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1537 | 0 | 0 | 2 |
| | | 1536 | 0 | 1 | 13 |
| | | 1509 | 0 | 0 | 4 |
| | | 1513 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1514 | 0 | 0 | 20 |
| | | 1517 | 0 | 0 | 4 |

Dakshin 132 1831 0 0 97
Rashulpur

[No. R-31015/12/96-OR-I]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2990-केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 588 तारीख 2 मार्च, 1996 द्वारा पश्चिमी बंगाल राज्य में हृन्दिदा से बिहारा राज्य में बगौनी तक पेट्रोलियम (क्रूड) के परिवहन के लिये पाइपलाइन खिंचने के प्रयोजन हेतु उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 मार्च, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाये,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार को अर्जित करना है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लंगमों से रहित इंडियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

पुलित थाना : खनकल जिला : हुगली राज्य : पश्चिमी बंगाल

गांव जे.एल. प्लॉट क्षेत्र
सं. सं. सं.
हैम्प्टेयर आरे सैटीप्रारे

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|----|------|---|---|----|
| घोराबाहा | 57 | 2273 | 0 | 6 | 51 |
| | | 2272 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2274 | 0 | 0 | 14 |
| | | 3053 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2276 | 0 | 5 | 45 |
| | | 2280 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2279 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2277 | 0 | 1 | 28 |
| | | 2264 | 0 | 0 | 55 |
| | | 2263 | 0 | 2 | 82 |
| | | 2262 | 0 | 0 | 54 |
| | | 2261 | 0 | 0 | 45 |
| | | 2278 | 0 | 8 | 8 |
| | | 2248 | 0 | 0 | 1 |
| | | 8260 | 0 | 3 | 70 |
| | | 8261 | 0 | 5 | 52 |
| | | 2299 | 0 | 0 | 36 |
| | | 2303 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2302 | 0 | 0 | 62 |
| | | 2301 | 0 | 2 | 23 |
| | | 2300 | 0 | 1 | 96 |
| | | 2308 | 0 | 0 | 25 |
| | | 2333 | 0 | 7 | 7 |
| | | 2335 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2332 | 0 | 5 | 34 |
| | | 2339 | 0 | 0 | 53 |
| | | 2340 | 0 | 0 | 42 |
| | | 2336 | 0 | 0 | 1 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|---|----|
| | | 2335 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2337 | 0 | 0 | 10 |
| | | 2338 | 0 | 0 | 85 |
| | | 2343 | 0 | 1 | 52 |
| | | 2342 | 0 | 0 | 37 |
| | | 2344 | 0 | 0 | 97 |
| | | 2345 | 0 | 0 | 87 |
| | | 2346 | 0 | 2 | 3 |
| | | 2347 | 0 | 2 | 29 |
| | | 2348 | 0 | 4 | 22 |
| | | 2328 | 0 | 0 | 42 |
| | | 2334 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2757 | 0 | 0 | 12 |
| | | 2394 | 0 | 3 | 7 |
| | | 2395 | 0 | 8 | 46 |
| | | 2396 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2397 | 0 | 4 | 20 |
| | | 2398 | 0 | 3 | 50 |
| | | 2399 | 0 | 7 | 19 |
| | | 2764 | 0 | 0 | 14 |
| | | 2763 | 0 | 1 | 40 |
| | | 2761 | 0 | 2 | 8 |
| | | 2762 | 0 | 5 | 9 |
| | | 2760 | 0 | 0 | 65 |
| | | 2759 | 0 | 5 | 42 |
| | | 2751 | 0 | 0 | 24 |
| | | 2758 | 0 | 3 | 31 |
| | | 2756 | 0 | 4 | 56 |
| | | 2767 | 0 | 0 | 42 |
| | | 2755 | 0 | 6 | 12 |
| | | 2754 | 0 | 1 | 93 |
| | | 2731 | 0 | 0 | 64 |
| | | 8250 | 0 | 6 | 1 |
| | | 2922 | 0 | 0 | 1 |
| | | 4301 | 0 | 3 | 12 |
| | | 4302 | 0 | 2 | 20 |
| | | 8310 | 0 | 1 | 78 |
| | | 4282 | 0 | 5 | 31 |
| | | 4279 | 0 | 0 | 1 |
| | | 4340 | 0 | 5 | 56 |
| | | 4342 | 0 | 0 | 7 |
| | | 4351 | 0 | 3 | 15 |
| | | 4350 | 0 | 2 | 75 |
| | | 8316 | 0 | 2 | 1 |
| | | 8318 | 0 | 0 | 55 |
| | | 4349 | 0 | 1 | 70 |
| | | 4352 | 0 | 5 | 79 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|----|----|---|---|------|---|---|----|
| | | 4341 | 0 | 0 | 18 | | | 5582 | 0 | 3 | 91 |
| | | 4303 | 0 | 0 | 74 | | | 8417 | 0 | 0 | 75 |
| | | 4304 | 0 | 0 | 40 | | | 5580 | 0 | 3 | 40 |
| | | 4358 | 0 | 11 | 83 | | | 5579 | 0 | 1 | 95 |
| | | 4357 | 0 | 1 | 25 | | | 5578 | 0 | 2 | 11 |
| | | 4373 | 0 | 0 | 1 | | | 5577 | 0 | 1 | 54 |
| | | 4365 | 0 | 2 | 50 | | | 5576 | 0 | 4 | 40 |
| | | 4366 | 0 | 2 | 33 | | | 5551 | 0 | 1 | 82 |
| | | 4367 | 0 | 1 | 72 | | | 5575 | 0 | 6 | 12 |
| | | 4368 | 0 | 1 | 83 | | | 5574 | 0 | 2 | 63 |
| | | 4369 | 0 | 1 | 35 | | | 5610 | 0 | 5 | 73 |
| | | 4364 | 0 | 8 | 81 | | | 5608 | 0 | 2 | 23 |
| | | 4284 | 0 | 2 | 78 | | | 5611 | 0 | 5 | 46 |
| | | 4285 | 0 | 0 | 55 | | | 5533 | 0 | 2 | 83 |
| | | 4276 | 0 | 0 | 24 | | | 2782 | 0 | 6 | 79 |
| | | 5343 | 0 | 4 | 34 | | | 2781 | 0 | 2 | 9 |
| | | 5414 | 0 | 1 | 26 | | | 2784 | 0 | 0 | 21 |
| | | 5345 | 0 | 2 | 89 | | | 2787 | 0 | 3 | 86 |
| | | 5412 | 0 | 2 | 0 | | | 2788 | 0 | 4 | 3 |
| | | 5410 | 0 | 0 | 42 | | | 2789 | 0 | 1 | 69 |
| | | 5413 | 0 | 0 | 94 | | | 3057 | 0 | 8 | 48 |
| | | 5347 | 0 | 4 | 38 | | | 3056 | 0 | 0 | 50 |
| | | 5348 | 0 | 2 | 72 | | | 2785 | 0 | 0 | 76 |
| | | 5349 | 0 | 9 | 7 | | | 3323 | 0 | 3 | 93 |
| | | 5404 | 0 | 2 | 33 | | | 3322 | 0 | 1 | 66 |
| | | 5401 | 0 | 0 | 83 | | | 3052 | 0 | 3 | 57 |
| | | 5402 | 0 | 5 | 57 | | | 3051 | 0 | 3 | 40 |
| | | 5398 | 0 | 1 | 13 | | | 3044 | 0 | 0 | 35 |
| | | 8395 | 0 | 1 | 10 | | | 3045 | 0 | 2 | 12 |
| | | 5397 | 0 | 1 | 25 | | | 3046 | 0 | 2 | 47 |
| | | 5478 | 0 | 4 | 8 | | | 3022 | 0 | 0 | 66 |
| | | 5390 | 0 | 0 | 97 | | | 3024 | 0 | 6 | 18 |
| | | 8394 | 0 | 4 | 8 | | | 3025 | 0 | 0 | 12 |
| | | 5520 | 0 | 2 | 60 | | | 3023 | 0 | 1 | 81 |
| | | 5519 | 0 | 6 | 68 | | | 3013 | 0 | 6 | 13 |
| | | 5521 | 0 | 1 | 22 | | | 3011 | 0 | 0 | 42 |
| | | 5522 | 0 | 1 | 19 | | | 3018 | 0 | 2 | 84 |
| | | 5523 | 0 | 3 | 34 | | | 3329 | 0 | 0 | 83 |
| | | 5524 | 0 | 3 | 12 | | | 3010 | 0 | 1 | 26 |
| | | 5525 | 0 | 2 | 95 | | | 3015 | 0 | 1 | 35 |
| | | 5660 | 0 | 0 | 86 | | | 3014 | 0 | 1 | 2 |
| | | 5661 | 0 | 2 | 78 | | | 3016 | 0 | 3 | 18 |
| | | 8400 | 0 | 0 | 29 | | | 3008 | 0 | 1 | 15 |
| | | 5583 | 0 | 2 | 14 | | | 3007 | 0 | 9 | 9 |
| | | 5584 | 0 | 3 | 23 | | | 3006 | 0 | 2 | 78 |
| | | 5585 | 0 | 3 | 83 | | | 3005 | 0 | 6 | 40 |
| | | 5391 | 0 | 1 | 13 | | | 2921 | 0 | 1 | 34 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|----|----|---|---|------|---|----|----|
| | | 2922 | 0 | 0 | 1 | | | 7790 | 0 | 0 | 90 |
| | | 2926 | 0 | 14 | 87 | | | 7799 | 0 | 5 | 32 |
| | | 2931 | 0 | 11 | 14 | | | 7800 | 0 | 0 | 88 |
| | | 2937 | 0 | 2 | 85 | | | 7801 | 0 | 0 | 24 |
| | | 2938 | 0 | 2 | 23 | | | 7068 | 0 | 0 | 28 |
| | | 8182 | 0 | 0 | 44 | | | 7075 | 0 | 10 | 69 |
| | | 2955 | 0 | 4 | 27 | | | 7076 | 0 | 2 | 91 |
| | | 2956 | 0 | 1 | 6 | | | 7074 | 0 | 3 | 70 |
| | | 2957 | 0 | 3 | 95 | | | 7072 | 0 | 0 | 23 |
| | | 2959 | 0 | 0 | 95 | | | 7077 | 0 | 4 | 90 |
| | | 2954 | 0 | 8 | 46 | | | 7078 | 0 | 2 | 84 |
| | | 2961 | 0 | 3 | 49 | | | 7084 | 0 | 0 | 49 |
| | | 4294 | 0 | 0 | 37 | | | 7099 | 0 | 1 | 62 |
| | | 4295 | 0 | 7 | 79 | | | 7098 | 0 | 0 | 72 |
| | | 4296 | 0 | 3 | 32 | | | 7097 | 0 | 0 | 1 |
| | | 4277 | 0 | 6 | 54 | | | 7100 | 0 | 9 | 3 |
| | | 4272 | 0 | 0 | 75 | | | 7101 | 0 | 9 | 17 |
| | | 4278 | 0 | 1 | 78 | | | 7140 | 0 | 0 | 1 |
| | | 4271 | 0 | 2 | 78 | | | 7137 | 0 | 2 | 79 |
| | | 4270 | 0 | 3 | 90 | | | 7136 | 0 | 0 | 51 |
| | | 8017 | 0 | 6 | 12 | | | 7135 | 0 | 0 | 1 |
| | | 8015 | 0 | 7 | 63 | | | 8458 | 0 | 4 | 8 |
| | | 8014 | 0 | 3 | 51 | | | 7134 | 0 | 0 | 44 |
| | | 8013 | 0 | 2 | 72 | | | 7362 | 0 | 0 | 1 |
| | | 8007 | 0 | 7 | 75 | | | 7363 | 0 | 5 | 69 |
| | | 8005 | 0 | 0 | 43 | | | 7361 | 0 | 1 | 11 |
| | | 8004 | 0 | 1 | 49 | | | 7359 | 0 | 6 | 82 |
| | | 8003 | 0 | 2 | 89 | | | 7364 | 0 | 1 | 0 |
| | | 8002 | 0 | 2 | 62 | | | 7351 | 0 | 1 | 11 |
| | | 8001 | 0 | 2 | 17 | | | 7349 | 0 | 2 | 51 |
| | | 8000 | 0 | 2 | 23 | | | 7335 | 0 | 6 | 24 |
| | | 8485 | 0 | 0 | 74 | | | 7337 | 0 | 5 | 36 |
| | | 8484 | 0 | 3 | 78 | | | 7338 | 0 | 1 | 39 |
| | | 7999 | 0 | 2 | 84 | | | 7339 | 0 | 0 | 91 |
| | | 7922 | 0 | 5 | 57 | | | 7336 | 0 | 0 | 42 |
| | | 7924 | 0 | 3 | 90 | | | 7334 | 0 | 0 | 49 |
| | | 7923 | 0 | 2 | 90 | | | 7333 | 0 | 5 | 21 |
| | | 7917 | 0 | 6 | 68 | | | 7332 | 0 | 1 | 55 |
| | | 7915 | 0 | 0 | 1 | | | 7325 | 0 | 2 | 41 |
| | | 7925 | 0 | 0 | 1 | | | 7432 | 0 | 1 | 60 |
| | | 7916 | 0 | 9 | 47 | | | 7328 | 0 | 0 | 81 |
| | | 7930 | 0 | 1 | 23 | | | 7329 | 0 | 5 | 98 |
| | | 7931 | 0 | 0 | 8 | | | 7330 | 0 | 0 | 10 |
| | | 7791 | 0 | 4 | 69 | | | 7331 | 0 | 0 | 1 |
| | | 7792 | 0 | 0 | 32 | | | 7438 | 0 | 2 | 14 |
| | | 7797 | 0 | 3 | 89 | | | 7440 | 0 | 0 | 48 |
| | | 7798 | 0 | 3 | 89 | | | 7446 | 0 | 1 | 32 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|----|------|---|----|----|--------------|---------|------|---|----|----|
| | | 8147 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 7444 | 0 | 0 | 64 | | | | | | |
| | | 8148 | 0 | 1 | 6 | | | | | | |
| | | 7442 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 7517 | 0 | 1 | 67 | | | | | | |
| | | 7445 | 0 | 3 | 13 | | | | | | |
| | | 7441 | 0 | 2 | 61 | | | | | | |
| | | 7446 | 0 | 1 | 32 | | | | | | |
| | | 7601 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 7602 | 0 | 1 | 21 | | | | | | |
| | | 7603 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 7604 | 0 | 3 | 89 | | | | | | |
| | | 7600 | 0 | 5 | 56 | | | | | | |
| | | 7606 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 7060 | 0 | 1 | 56 | | | | | | |
| | | 7806 | 0 | 0 | 28 | | | | | | |
| | | 7067 | 0 | 6 | 67 | | | | | | |
| | | 7868 | 0 | 2 | 78 | | | | | | |
| | | 7805 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 7607 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| रामचन्द्रपुर | 54 | 403 | 0 | 4 | 0 | रामचन्द्रपुर | 54 जारी | 287 | 0 | 4 | 34 |
| | | 405 | 0 | 5 | 84 | | | 314 | 0 | 0 | 37 |
| | | 408 | 0 | 7 | 27 | | | 315 | 0 | 0 | 53 |
| | | 409 | 0 | 17 | 16 | | | 316 | 0 | 0 | 88 |
| | | 438 | 0 | 1 | 52 | | | 2377 | 0 | 3 | 0 |
| | | 433 | 0 | 15 | 12 | | | 2378 | 0 | 5 | 70 |
| | | 416 | 0 | 0 | 74 | | | 2374 | 0 | 2 | 14 |
| | | 417 | 0 | 9 | 74 | | | 2376 | 0 | 2 | 76 |
| | | 430 | 0 | 5 | 1 | | | 2375 | 0 | 7 | 3 |
| | | 429 | 0 | 5 | 56 | | | 2373 | 0 | 2 | 49 |
| | | 426 | 0 | 6 | 73 | | | 2379 | 0 | 1 | 25 |
| | | 423 | 0 | 1 | 62 | | | 2652 | 0 | 0 | 61 |
| | | 424 | 0 | 6 | 53 | | | 2401 | 0 | 18 | 37 |
| | | 425 | 0 | 1 | 5 | | | 2400 | 0 | 0 | 48 |
| | | 333 | 0 | 1 | 22 | | | 2402 | 0 | 1 | 49 |
| | | 330 | 0 | 3 | 78 | | | 2405 | 0 | 17 | 31 |
| | | 298 | 0 | 4 | 94 | | | 2406 | 0 | 2 | 20 |
| | | 332 | 0 | 1 | 22 | | | 2403 | 0 | 0 | 0 |
| | | 297 | 0 | 0 | 43 | | | 2419 | 0 | 0 | 66 |
| | | 295 | 0 | 10 | 21 | | | 2418 | 0 | 6 | 23 |
| | | 294 | 0 | 4 | 34 | | | 2417 | 0 | 6 | 12 |
| | | 293 | 0 | 6 | 57 | | | 2415 | 0 | 3 | 76 |
| | | 306 | 0 | 3 | 57 | | | 2416 | 0 | 4 | 96 |
| | | 307 | 0 | 7 | 2 | | | 2569 | 0 | 0 | 42 |
| | | 312 | 0 | 0 | 1 | | | 2476 | 0 | 5 | 34 |
| | | 313 | 0 | 1 | 33 | | | 2477 | 0 | 3 | 78 |
| | | 288 | 0 | 7 | 72 | | | 2568 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 2478 | 0 | 5 | 79 |
| | | | | | | | | 2479 | 0 | 1 | 42 |
| | | | | | | | | 2561 | 0 | 3 | 28 |
| | | | | | | | | 2560 | 0 | 7 | 24 |
| | | | | | | | | 2557 | 0 | 0 | 64 |
| | | | | | | | | 2556 | 0 | 7 | 12 |
| | | | | | | | | 2555 | 0 | 6 | 68 |
| | | | | | | | | 2554 | 0 | 4 | 94 |
| | | | | | | | | 2553 | 0 | 5 | 80 |
| | | | | | | | | 2552 | 0 | 3 | 31 |
| | | | | | | | | 2631 | 0 | 2 | 92 |
| | | | | | | | | 2543 | 0 | 2 | 26 |
| | | | | | | | | 2642 | 0 | 10 | 63 |
| | | | | | | | | 2643 | 0 | 2 | 40 |
| | | | | | | | | 2645 | 0 | 1 | 25 |
| | | | | | | | | 2646 | 0 | 15 | 32 |
| | | | | | | हीरापुर | 52 | 687 | 0 | 3 | 45 |
| | | | | | | | | 688 | 0 | 3 | 35 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|---------|------|---|----|----|---------|---------|------|---|----|----|
| हीरापुर | 52 जारी | 685 | 0 | 6 | 96 | घर्मपुर | 23 जारी | 773 | 0 | 1 | 83 |
| | | 690 | 0 | 4 | 84 | | | 775 | 0 | 5 | 33 |
| | | 692 | 0 | 0 | 47 | | | 774 | 0 | 13 | 81 |
| | | 691 | 0 | 3 | 78 | | | 785 | 0 | 6 | 50 |
| | | 693 | 0 | 9 | 46 | | | 784 | 0 | 0 | 40 |
| | | 760 | 0 | 1 | 72 | | | 782 | 0 | 9 | 70 |
| | | 759 | 0 | 6 | 59 | | | 1270 | 0 | 0 | 40 |
| | | 758 | 0 | 5 | 92 | | | 791 | 0 | 6 | 24 |
| | | 706 | 0 | 5 | 84 | | | 792 | 0 | 0 | 1 |
| | | 707 | 0 | 6 | 12 | | | 790 | 0 | 4 | 52 |
| | | 710 | 0 | 2 | 71 | | | 794 | 0 | 1 | 85 |
| | | 713 | 0 | 3 | 22 | | | 796 | 0 | 5 | 10 |
| | | 712 | 0 | 5 | 35 | | | 799 | 0 | 0 | 1 |
| | | 711 | 0 | 4 | 50 | | | 795 | 0 | 0 | 83 |
| | | 586 | 0 | 5 | 1 | | | 797 | 0 | 4 | 7 |
| | | 585 | 0 | 2 | 4 | | | 798 | 0 | 0 | 44 |
| | | 554 | 0 | 4 | 40 | | | 800 | 0 | 2 | 80 |
| | | 553 | 0 | 7 | 98 | | | 801 | 0 | 2 | 28 |
| | | 558 | 0 | 1 | 91 | | | 808 | 0 | 1 | 0 |
| | | 559 | 0 | 4 | 77 | | | 857 | 0 | 1 | 47 |
| | | 560 | 0 | 3 | 53 | | | 855 | 0 | 7 | 20 |
| | | 563 | 0 | 2 | 85 | | | 848 | 0 | 1 | 38 |
| | | 562 | 0 | 2 | 82 | | | 847 | 0 | 4 | 36 |
| | | 564 | 0 | 2 | 25 | | | 846 | 0 | 1 | 3 |
| | | 568 | 0 | 11 | 42 | | | 849 | 0 | 4 | 60 |
| | | 488 | 0 | 20 | 60 | | | 844 | 0 | 3 | 84 |
| | | 487 | 0 | 2 | 78 | | | 843 | 0 | 4 | 81 |
| | | 486 | 0 | 1 | 58 | | | 840 | 0 | 1 | 88 |
| | | 484 | 0 | 0 | 54 | | | 837 | 0 | 0 | 32 |
| | | 485 | 0 | 1 | 32 | | | 838 | 0 | 4 | 73 |
| | | 289 | 0 | 5 | 45 | | | 839 | 0 | 0 | 18 |
| | | 290 | 0 | 0 | 1 | | | 675 | 0 | 15 | 31 |
| | | 284 | 0 | 6 | 68 | | | 676 | 0 | 0 | 1 |
| | | 291 | 0 | 3 | 43 | | | 673 | 0 | 0 | 40 |
| | | 283 | 0 | 8 | 91 | | | 672 | 0 | 3 | 79 |
| | | 299 | 0 | 3 | 90 | | | 678 | 0 | 12 | 31 |
| | | 268 | 0 | 3 | 50 | | | 664 | 0 | 0 | 41 |
| | | 267 | 0 | 10 | 19 | | | 679 | 0 | 3 | 44 |
| | | 260 | 0 | 2 | 97 | | | 665 | 0 | 0 | 0 |
| | | 306 | 0 | 1 | 6 | | | 677 | 0 | 0 | 90 |
| | | 259 | 0 | 0 | 1 | | | 663 | 0 | 8 | 71 |
| | | 309 | 0 | 8 | 74 | | | 662 | 0 | 5 | 67 |
| | | 257 | 0 | 1 | 97 | | | 114 | 0 | 4 | 3 |
| | | 310 | 0 | 7 | 77 | | | 109 | 0 | 1 | 41 |
| | | 311 | 0 | 4 | 41 | | | 115 | 0 | 0 | 21 |
| | | | | | | | | 113 | 0 | 2 | 44 |
| | | | | | | | | 112 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 117 | 0 | 2 | 41 |
| घर्मपुर | 23 | 1264 | 0 | 15 | 14 | | | | | | |
| | | 771 | 0 | 13 | 86 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|----|------|---|----|----|--------|----|-----|---|----|----|
| | | 116 | 0 | 0 | 85 | | | 109 | 0 | 6 | 12 |
| | | 118 | 0 | 0 | 49 | | | 105 | 0 | 0 | 16 |
| | | 119 | 0 | 1 | 8 | | | 107 | 0 | 3 | 24 |
| | | 120 | 0 | 3 | 34 | | | 106 | 0 | 0 | 6 |
| | | 121 | 0 | 2 | 33 | | | 108 | 0 | 5 | 56 |
| | | 126 | 0 | 2 | 22 | | | 97 | 0 | 9 | 74 |
| | | 127 | 0 | 0 | 78 | | | 96 | 0 | 0 | 1 |
| | | 94 | 0 | 2 | 63 | | | 95 | 0 | 1 | 67 |
| | | 95 | 0 | 0 | 57 | | | 94 | 0 | 6 | 5 |
| | | 130 | 0 | 0 | 1 | | | 92 | 0 | 0 | 1 |
| | | 132 | 0 | 12 | 78 | | | 93 | 0 | 13 | 92 |
| | | 603 | 0 | 3 | 26 | | | 221 | 0 | 1 | 18 |
| | | 602 | 0 | 0 | 46 | | | 224 | 0 | 17 | 26 |
| | | 133 | 0 | 11 | 13 | रामनगर | 42 | 448 | 0 | 6 | 96 |
| | | 134 | 0 | 5 | 61 | | | 449 | 0 | 2 | 78 |
| | | 135 | 0 | 4 | 77 | | | 450 | 0 | 3 | 89 |
| | | 209 | 0 | 12 | 63 | | | 610 | 0 | 0 | 69 |
| | | 214 | 0 | 0 | 62 | | | 608 | 0 | 5 | 56 |
| | | 208 | 0 | 5 | 56 | | | 577 | 0 | 1 | 11 |
| | | 215 | 0 | 5 | 1 | | | 578 | 0 | 14 | 3 |
| | | 1237 | 0 | 2 | 14 | | | 579 | 0 | 5 | 84 |
| | | 200 | 0 | 0 | 1 | | | 580 | 0 | 13 | 36 |
| | | 198 | 0 | 11 | 97 | | | 597 | 0 | 0 | 40 |
| | | 197 | 0 | 5 | 84 | | | 581 | 0 | 0 | 1 |
| | | 196 | 0 | 7 | 23 | | | 587 | 0 | 5 | 1 |
| | | 240 | 0 | 14 | 75 | | | 589 | 0 | 3 | 84 |
| | | 241 | 0 | 6 | 96 | | | 596 | 0 | 0 | 1 |
| | | 242 | 0 | 2 | 49 | | | 588 | 0 | 1 | 67 |
| | | 180 | 0 | 1 | 48 | | | 545 | 0 | 2 | 39 |
| | | 179 | 0 | 2 | 3 | | | 544 | 0 | 0 | 64 |
| नावागाम | 47 | 146 | 0 | 6 | 57 | | | 546 | 0 | 4 | 73 |
| | | 147 | 0 | 6 | 80 | | | 543 | 0 | 4 | 45 |
| | | 144 | 0 | 11 | 13 | | | 542 | 0 | 0 | 69 |
| | | 143 | 0 | 5 | 11 | | | 541 | 0 | 3 | 78 |
| | | 39 | 0 | 1 | 68 | | | 540 | 0 | 0 | 12 |
| | | 140 | 0 | 3 | 80 | | | 538 | 0 | 2 | 50 |
| | | 136 | 0 | 9 | 2 | | | 524 | 0 | 3 | 28 |
| | | 133 | 0 | 1 | 8 | | | 535 | 0 | 0 | 1 |
| | | 135 | 0 | 1 | 12 | | | 536 | 0 | 0 | 61 |
| | | 134 | 0 | 3 | 80 | | | 643 | 0 | 11 | 13 |
| | | 127 | 0 | 3 | 1 | | | 645 | 0 | 2 | 56 |
| | | 129 | 0 | 13 | 47 | | | 644 | 0 | 1 | 55 |
| | | 119 | 0 | 0 | 30 | | | 646 | 0 | 5 | 6 |
| | | 118 | 0 | 26 | 26 | | | 649 | 0 | 2 | 78 |
| | | 110 | 0 | 1 | 48 | | | 650 | 0 | 7 | 90 |
| | | 111 | 0 | 10 | 88 | | | 651 | 0 | 0 | 1 |
| | | 112 | 0 | 2 | 12 | | | 616 | 0 | 2 | 22 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|----|-----|---|----|----|------------|----|-----|---|----|----|
| | | 309 | 0 | 6 | 68 | | | 49 | 0 | 9 | 74 |
| | | 111 | 0 | 1 | 67 | | | 48 | 0 | 1 | 16 |
| | | 110 | 0 | 3 | 34 | | | 47 | 0 | 1 | 65 |
| | | 370 | 0 | 2 | 89 | | | 46 | 0 | 1 | 12 |
| | | 114 | 0 | 2 | 78 | | | 50 | 0 | 2 | 96 |
| | | 115 | 0 | 9 | 46 | | | 51 | 0 | 0 | 51 |
| | | 230 | 0 | 7 | 4 | | | 615 | 0 | 5 | 0 |
| | | 231 | 0 | 3 | 11 | | | 44 | 0 | 8 | 58 |
| | | 229 | 0 | 2 | 89 | | | 45 | 0 | 5 | 57 |
| | | 228 | 0 | 3 | 34 | | | 43 | 0 | 0 | 99 |
| | | 227 | 0 | 2 | 22 | | | 614 | 0 | 2 | 95 |
| | | 226 | 0 | 0 | 41 | | | 24 | 0 | 0 | 1 |
| | | 217 | 0 | 5 | 49 | | | 97 | 0 | 0 | 1 |
| | | 208 | 0 | 7 | 1 | | | 98 | 0 | 0 | 1 |
| | | 216 | 0 | 2 | 13 | | | 23 | 0 | 5 | 3 |
| | | 215 | 0 | 0 | 74 | | | 22 | 0 | 8 | 7 |
| | | 209 | 0 | 7 | 24 | | | 112 | 0 | 0 | 1 |
| | | 201 | 0 | 0 | 1 | | | 21 | 0 | 3 | 56 |
| | | 210 | 0 | 3 | 50 | | | 113 | 0 | 0 | 1 |
| | | 177 | 0 | 4 | 2 | | | 114 | 0 | 0 | 1 |
| | | 170 | 0 | 0 | 1 | | | 20 | 0 | 1 | 96 |
| | | 171 | 0 | 3 | 37 | | | 19 | 0 | 0 | 1 |
| | | 172 | 0 | 2 | 22 | | | 116 | 0 | 17 | 56 |
| | | 176 | 0 | 3 | 99 | | | | | | |
| | | 175 | 0 | 4 | 45 | | | | | | |
| मिरसोका | 41 | 44 | 0 | 15 | 3 | कृष्णा नगर | 37 | 563 | 0 | 3 | 34 |
| | | 50 | 0 | 1 | 55 | | | 584 | 0 | 18 | 37 |
| | | 49 | 0 | 0 | 1 | | | 575 | 0 | 1 | 78 |
| | | 34 | 0 | 10 | 48 | | | 565 | 0 | 3 | 89 |
| | | 53 | 0 | 9 | 99 | | | 566 | 0 | 8 | 7 |
| | | 55 | 0 | 11 | 13 | | | 567 | 0 | 3 | 11 |
| | | 54 | 0 | 0 | 30 | | | 568 | 0 | 3 | 4 |
| | | 56 | 0 | 0 | 66 | | | 497 | 0 | 13 | 92 |
| | | 57 | 0 | 8 | 63 | | | 335 | 0 | 9 | 23 |
| | | 58 | 0 | 12 | 30 | | | 598 | 0 | 0 | 45 |
| | | 15 | 0 | 10 | 2 | | | 334 | 0 | 5 | 45 |
| | | 17 | 0 | 2 | 66 | | | 333 | 0 | 7 | 79 |
| | | 16 | 0 | 1 | 67 | | | 332 | 0 | 11 | 31 |
| | | 14 | 0 | 1 | 40 | | | 324 | 0 | 1 | 39 |
| | | 61 | 0 | 0 | 27 | | | 290 | 0 | 12 | 14 |
| | | 13 | 0 | 2 | 97 | | | 292 | 0 | 6 | 0 |
| | | | | | | | | 227 | 0 | 12 | 88 |
| मोपालनगर | 38 | 73 | 0 | 7 | 85 | | | 226 | 0 | 2 | 50 |
| | | 75 | 0 | 19 | 32 | | | 208 | 0 | 10 | 13 |
| | | 74 | 0 | 3 | 61 | | | 221 | 0 | 1 | 78 |
| | | 63 | 0 | 3 | 24 | | | 222 | 0 | 10 | 13 |
| | | 78 | 0 | 1 | 48 | | | 219 | 0 | 5 | 61 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|----|------|---|----|----|--------------|----|-----|---|----|----|
| | | 218 | 0 | 5 | 71 | | | 346 | 0 | 12 | 60 |
| | | 183 | 0 | 5 | 62 | | | 430 | 0 | 1 | 12 |
| | | 184 | 0 | 0 | 1 | | | 370 | 0 | 10 | 2 |
| | | 182 | 0 | 6 | 15 | | | 468 | 0 | 0 | 83 |
| | | 185 | 0 | 1 | 12 | | | 388 | 0 | 1 | 12 |
| | | 591 | 0 | 32 | 7 | | | 467 | 0 | 3 | 6 |
| | | 162 | 0 | 0 | 37 | | | 28 | 0 | 8 | 35 |
| | | 155 | 0 | 3 | 25 | | | 360 | 0 | 14 | 20 |
| | | 154 | 0 | 1 | 0 | | | 29 | 0 | 7 | 61 |
| | | 153 | 0 | 0 | 34 | | | 462 | 0 | 6 | 31 |
| | | 151 | 0 | 1 | 8 | | | 15 | 0 | 0 | 81 |
| | | 149 | 0 | 5 | 27 | | | 327 | 0 | 13 | 53 |
| | | 150 | 0 | 2 | 20 | | | 10 | 0 | 1 | 16 |
| | | 148 | 0 | 10 | 57 | | | 355 | 0 | 20 | 4 |
| | | 145 | 0 | 0 | 20 | | | 458 | 0 | 7 | 37 |
| | | 1041 | 0 | 0 | 48 | | | 350 | 0 | 20 | 60 |
| | | 1039 | 0 | 12 | 14 | | | 5 | 0 | 5 | 60 |
| | | 1038 | 0 | 11 | 97 | | | 343 | 0 | 3 | 34 |
| | | 1034 | 0 | 4 | 84 | | | 4 | 0 | 5 | 68 |
| | | 1035 | 0 | 5 | 32 | | | 354 | 0 | 4 | 62 |
| | | 1033 | 0 | 3 | 24 | | | 3 | 0 | 8 | 51 |
| | | 1028 | 0 | 8 | 30 | | | | | | |
| | | 2435 | 0 | 4 | 40 | | | | | | |
| | | 1026 | 0 | 12 | 52 | मीरान मंवरान | 32 | 192 | 0 | 0 | 39 |
| | | 2431 | 0 | 14 | 25 | | | 158 | 0 | 12 | 14 |
| | | 1016 | 0 | 3 | 50 | | | 157 | 0 | 2 | 69 |
| | | 1002 | 0 | 6 | 99 | | | 196 | 0 | 7 | 46 |
| | | 1003 | 0 | 7 | 94 | | | 159 | 0 | 2 | 42 |
| | | | | | | | | 158 | 0 | 0 | 41 |
| | | | | | | | | 195 | 0 | 12 | 61 |
| | | | | | | | | 140 | 0 | 9 | 6 |
| | | | | | | | | 143 | 0 | 0 | 76 |
| | | | | | | | | 141 | 0 | 9 | 2 |
| | | | | | | | | 142 | 0 | 5 | 45 |
| | | | | | | | | 186 | 0 | 8 | 51 |
| | | | | | | | | 123 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 166 | 0 | 11 | 39 |
| | | | | | | | | 124 | 0 | 11 | 74 |
| | | | | | | | | 101 | 0 | 12 | 91 |
| | | | | | | | | 103 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 104 | 0 | 4 | 51 |
| | | | | | | | | 105 | 0 | 2 | 16 |
| | | | | | | | | 108 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 96 | 0 | 8 | 40 |
| | | | | | | | | 95 | 0 | 8 | 70 |
| | | | | | | | | 93 | 0 | 0 | 79 |
| | | | | | | | | 94 | 9 | 11 | 70 |
| | | | | | | | | 88 | 0 | 7 | 34 |
| बकमेदुमा | 30 | 375 | 0 | 13 | 92 | | | | | | |
| | | 377 | 0 | 21 | 16 | | | | | | |
| | | 402 | 0 | 16 | 70 | | | | | | |
| | | 401 | 0 | 8 | 16 | | | | | | |
| | | 332 | 0 | 6 | 76 | | | | | | |
| | | 331 | 0 | 0 | 46 | | | | | | |
| | | 333 | 0 | 5 | 33 | | | | | | |
| | | 314 | 0 | 3 | 24 | | | | | | |
| | | 310 | 0 | 4 | 17 | | | | | | |
| | | 311 | 0 | 7 | 23 | | | | | | |
| | | 308 | 0 | 7 | 43 | | | | | | |
| | | 307 | 0 | 0 | 41 | | | | | | |
| साइबोना | 31 | 303 | 0 | 5 | 88 | | | | | | |
| | | 301 | 0 | 1 | 4 | | | | | | |
| | | 302 | 0 | 7 | 17 | | | | | | |
| | | 300 | 0 | 0 | 33 | | | | | | |
| | | 299 | 0 | 3 | 71 | | | | | | |
| | | 298 | 0 | 8 | 36 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|-----|------|---|----|----|------------|-----|------|---|----|----|
| | | 86 | 0 | 0 | 52 | | | 117 | 0 | 3 | 71 |
| | | 87 | 0 | 8 | 35 | | | 116 | 0 | 16 | 89 |
| | | 75 | 0 | 2 | 49 | | | 75 | 0 | 2 | 37 |
| | | 100 | 0 | 1 | 12 | | | 108 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 21 | 0 | 15 | 87 |
| पीरान | 33 | 1344 | 0 | 11 | 69 | | | 118 | 0 | 16 | 70 |
| | | 1345 | 0 | 11 | 24 | | | 66 | 0 | 2 | 7 |
| | | 1348 | 0 | 0 | 49 | | | 22 | 0 | 1 | 52 |
| | | 1347 | 0 | 5 | 40 | | | 105 | 0 | 31 | 4 |
| | | 1346 | 0 | 0 | 78 | | | 837 | 0 | 7 | 65 |
| | | 402 | 0 | 20 | 43 | | | 85 | 0 | 6 | 51 |
| | | 401 | 0 | 1 | 78 | | | 84 | 0 | 8 | 68 |
| | | 390 | 0 | 15 | 14 | | | 836 | 0 | 3 | 59 |
| | | 604 | 0 | 4 | 95 | | | 90 | 0 | 10 | 58 |
| | | 389 | 0 | 5 | 17 | | | 91 | 0 | 3 | 99 |
| | | 384 | 0 | 3 | 40 | | | 65 | 0 | 24 | 2 |
| | | 325 | 0 | 6 | 51 | | | 4 | 0 | 10 | 7 |
| | | 626 | 0 | 2 | 78 | | | 94 | 0 | 26 | 84 |
| | | 593 | 0 | 0 | 83 | | | 50 | 0 | 3 | 73 |
| | | 327 | 0 | 14 | 53 | पराङ्ग | 161 | 158 | 0 | 2 | 27 |
| | | 329 | 0 | 8 | 85 | | | 159 | 0 | 1 | 11 |
| | | 332 | 0 | 7 | 79 | | | 165 | 0 | 9 | 4 |
| | | 307 | 0 | 3 | 92 | | | 157 | 0 | 3 | 45 |
| | | 306 | 0 | 4 | 23 | | | 150 | 0 | 7 | 24 |
| | | 578 | 0 | 0 | 38 | | | 149 | 0 | 3 | 89 |
| | | 298 | 0 | 9 | 27 | | | 148 | 0 | 6 | 47 |
| | | 304 | 0 | 3 | | सीतनपुर | 157 | 1473 | 0 | 2 | 2 |
| | | 305 | 0 | 0 | 1 | | | 1472 | 0 | 4 | 17 |
| | | 555 | 0 | 0 | 85 | | | 1538 | 0 | 11 | 99 |
| | | 301 | 0 | 3 | 66 | | | 1330 | 0 | 10 | 57 |
| | | 300 | 0 | 0 | 70 | | | 1328 | 0 | 19 | 11 |
| | | 295 | 0 | 8 | 29 | | | 1327 | 0 | 10 | 11 |
| | | 293 | 0 | 19 | 76 | | | 1326 | 0 | 5 | 12 |
| | | 547 | 0 | 28 | 6 | | | 1322 | 0 | 11 | 65 |
| पुलिस थाना—आरुमबाग जिला—हुगली राज्य—पश्चिमी बंगाल | | | | | | | | 1311 | 0 | 14 | 62 |
| भाण्डादी | 153 | 394 | 0 | 5 | 28 | | | 1310 | 0 | 2 | 22 |
| | | 395 | 0 | 13 | 8 | | | 1308 | 0 | 11 | 13 |
| | | 400 | 0 | 14 | 3 | प्रताप नगर | 160 | 1926 | 0 | 1 | 62 |
| | | 383 | 0 | 5 | 1 | | | 1263 | 0 | 26 | 45 |
| | | 382 | 0 | 12 | 97 | | | 1256 | 0 | 1 | 66 |
| | | 393 | 0 | 0 | 1 | | | 1259 | 0 | 2 | 85 |
| | | | | | | | | 1260 | 0 | 4 | 16 |
| सतमास | 162 | 1435 | 0 | 11 | 35 | | | 1927 | 0 | 6 | 13 |
| | | 1175 | 0 | 44 | 22 | | | 1261 | 0 | 3 | 22 |
| | | 1138 | 0 | 8 | 63 | | | 1262 | 0 | 13 | 36 |
| | | 1167 | 0 | 16 | 43 | | | 1938 | 0 | 44 | 55 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|-----|------|---|----|----|-----------|-----|------|---|----|----|
| | | 1212 | 0 | 2 | 0 | कांतावानी | 142 | 375 | 0 | 0 | 95 |
| | | 1928 | 0 | 4 | 8 | | | 372 | 0 | 0 | 69 |
| | | 1213 | 0 | 0 | 1 | | | 371 | 0 | 6 | 40 |
| | | 1208 | 0 | 6 | 40 | | | 370 | 0 | 0 | 76 |
| | | 1207 | 0 | 24 | 61 | | | 369 | 0 | 5 | 28 |
| | | 178 | 0 | 8 | 7 | | | 368 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1993 | 0 | 0 | 1 | | | 367 | 0 | 0 | 1 |
| | | 173 | 0 | 3 | 92 | | | 684 | 0 | 7 | 7 |
| | | 174 | 0 | 6 | 1 | | | 362 | 0 | 4 | 45 |
| | | | | | | | | 361 | 0 | 3 | 61 |
| मंदराज | 158 | 353 | 0 | 0 | 1 | | | 359 | 0 | 5 | 1 |
| | | 359 | 0 | 10 | 36 | | | 360 | 0 | 2 | 92 |
| | | 355 | 0 | 0 | 89 | | | 355 | 0 | 0 | 80 |
| | | 358 | 0 | 5 | 23 | | | 323 | 0 | 6 | 96 |
| | | 357 | 0 | 10 | 69 | | | 322 | 0 | 3 | 13 |
| | | 356 | 0 | 6 | 40 | | | 320 | 0 | 5 | 68 |
| | | 343 | 0 | 1 | 66 | | | 319 | 0 | 3 | 57 |
| | | 338 | 0 | 3 | 17 | | | 316 | 0 | 3 | 5 |
| | | 341 | 0 | 3 | 15 | | | 315 | 0 | 17 | 54 |
| | | 342 | 0 | 4 | 6 | सेलाखुर् | 144 | 1129 | 0 | 4 | 86 |
| | | 169 | 0 | 2 | 89 | | | 1131 | 0 | 0 | 50 |
| | | 168 | 0 | 0 | 1 | | | 1130 | 0 | 16 | 70 |
| | | 170 | 0 | 9 | 64 | | | 1169 | 0 | 7 | 79 |
| | | 172 | 0 | 5 | 51 | | | 1167 | 0 | 3 | 45 |
| | | 587 | 0 | 4 | 10 | | | 1166 | 0 | 3 | 61 |
| | | 163 | 0 | 3 | 61 | | | 1165 | 0 | 2 | 22 |
| | | 83 | 0 | 7 | 48 | | | 1164 | 0 | 1 | 78 |
| | | 51 | 0 | 10 | 42 | | | 1163 | 0 | 4 | 45 |
| | | 585 | 0 | 7 | 35 | | | 1139 | 0 | 1 | 48 |
| | | 43 | 0 | 5 | 73 | | | 1180 | 0 | 0 | 66 |
| | | 42 | 0 | 9 | 19 | | | 1162 | 0 | 8 | 35 |
| | | 44 | 0 | 0 | 97 | | | 1160 | 0 | 1 | 61 |
| | | 41 | 0 | 6 | 68 | | | 1150 | 0 | 0 | 1 |
| | | 40 | 0 | 0 | 76 | | | 1151 | 0 | 0 | 1 |
| | | 38 | 0 | 0 | 1 | | | 1152 | 0 | 3 | 89 |
| | | 34 | 0 | 6 | 33 | | | 1361 | 0 | 2 | 11 |
| | | 35 | 0 | 6 | 68 | | | 840 | 0 | 4 | 62 |
| | | 36 | 0 | 7 | 34 | | | 1357 | 0 | 1 | 94 |
| | | 37 | 0 | 0 | 1 | | | 1359 | 0 | 1 | 94 |
| | | 21 | 0 | 12 | 52 | पीरीमपुर | 143 | 589 | 0 | 1 | 66 |
| | | 20 | 0 | 4 | 48 | | | 588 | 0 | 0 | 61 |
| | | 19 | 0 | 5 | 26 | | | 587 | 0 | 3 | 33 |
| प्रतापी | 159 | 377 | 0 | 6 | 96 | | | 586 | 0 | 11 | 13 |
| | | 376 | 0 | 0 | 1 | | | 631 | 0 | 0 | 97 |
| | | 375 | 0 | 0 | 37 | | | 599 | 0 | 1 | 80 |
| | | 371 | 0 | 10 | 2 | | | 600 | 0 | 1 | 55 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|-----|-----|---|----|----|---------|----|------|---|---|----|
| | | 598 | 0 | 3 | 22 | | | 254 | 0 | 0 | 69 |
| | | 597 | 0 | 8 | 7 | | | 206 | 0 | 1 | 11 |
| | | 642 | 0 | 3 | 61 | | | 205 | 0 | 2 | 95 |
| | | 638 | 0 | 2 | 22 | | | 204 | 0 | 3 | 38 |
| | | 641 | 0 | 2 | 11 | | | 208 | 0 | 0 | 26 |
| | | 639 | 0 | 4 | 45 | | | 202 | 0 | 2 | 80 |
| | | 636 | 0 | 8 | 63 | | | 203 | 0 | 4 | 9 |
| | | 633 | 0 | 2 | 96 | | | 200 | 0 | 0 | 97 |
| | | 632 | 0 | 0 | 16 | | | 201 | 0 | 2 | 92 |
| | | 631 | 0 | 5 | 18 | | | 197 | 0 | 8 | 35 |
| | | 658 | 0 | 5 | 1 | | | 195 | 0 | 0 | 69 |
| | | 659 | 0 | 0 | 1 | | | 196 | 0 | 1 | 67 |
| | | 657 | 0 | 0 | 1 | | | 182 | 0 | 0 | 1 |
| | | 664 | 0 | 5 | 90 | | | 183 | 0 | 1 | 78 |
| | | 662 | 0 | 0 | 1 | | | 185 | 0 | 1 | 39 |
| | | 661 | 0 | 4 | 34 | | | 184 | 0 | 9 | 18 |
| | | 347 | 0 | 6 | 67 | | | 168 | 0 | 0 | 1 |
| | | 346 | 0 | 1 | 11 | | | 166 | 0 | 6 | 12 |
| | | 348 | 0 | 6 | 12 | | | 187 | 0 | 0 | 87 |
| | | 345 | 0 | 2 | 53 | | | 165 | 0 | 5 | 28 |
| | | 297 | 0 | 3 | 56 | | | 164 | 0 | 0 | 68 |
| | | 299 | 0 | 7 | 35 | | | 162 | 0 | 3 | 5 |
| | | 298 | 0 | 2 | 59 | | | 161 | 0 | 2 | 29 |
| | | 301 | 0 | 6 | 40 | | | 121 | 0 | 1 | 9 |
| | | 302 | 0 | 0 | 78 | | | 122 | 0 | 2 | 11 |
| | | 303 | 0 | 1 | 33 | | | 126 | 0 | 5 | 53 |
| | | 305 | 0 | 1 | 37 | | | 125 | 0 | 3 | 26 |
| | | 304 | 0 | 11 | 45 | | | 124 | 0 | 0 | 57 |
| | | 308 | 0 | 6 | 32 | | | 128 | 0 | 4 | 59 |
| | | 309 | 0 | 6 | 47 | | | 127 | 0 | 8 | 91 |
| | | 321 | 0 | 1 | 49 | | | 23 | 0 | 1 | 33 |
| | | 314 | 0 | 8 | 63 | | | 24 | 0 | 6 | 12 |
| | | 315 | 0 | 6 | 96 | | | 22 | 0 | 3 | 34 |
| | | | | | | | | 520 | 0 | 5 | 17 |
| काशाल. | 133 | 473 | 0 | 3 | 46 | | | 21 | 0 | 6 | 68 |
| | | 467 | 0 | 8 | 27 | | | 20 | 0 | 0 | 89 |
| | | 454 | 0 | 23 | 50 | | | 15 | 0 | 8 | 35 |
| | | 515 | 0 | 0 | 84 | | | 16 | 0 | 0 | 36 |
| | | 440 | 0 | 3 | 7 | | | 18 | 0 | 3 | 71 |
| | | 443 | 0 | 0 | 89 | | | 19 | 0 | 3 | 23 |
| | | 260 | 0 | 3 | 3 | | | 2 | 0 | 1 | 66 |
| | | 259 | 0 | 3 | 3 | मायापुर | 84 | 2763 | 0 | 6 | 12 |
| | | 265 | 0 | 0 | 1 | | | 2557 | 0 | 1 | 83 |
| | | 266 | 0 | 0 | 1 | | | 5536 | 0 | 3 | 61 |
| | | 257 | 0 | 1 | 67 | | | 2862 | 0 | 8 | 35 |
| | | 256 | 0 | 1 | 1 | | | 2564 | 0 | 1 | 99 |
| | | 255 | 0 | 0 | 53 | | | 2561 | 0 | 8 | 35 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|----|------|---|----|----|---------|----|-----|---|----|----|
| | | 5702 | 0 | 0 | 62 | | | 347 | 0 | 0 | 60 |
| | | 5703 | 0 | 7 | 79 | | | 346 | 0 | 2 | 16 |
| | | 5704 | 0 | 4 | 0 | | | 354 | 0 | 1 | 30 |
| | | 2565 | 0 | 2 | 83 | | | 355 | 0 | 1 | 80 |
| | | 2560 | 0 | 14 | 20 | | | 356 | 0 | 4 | 17 |
| | | 5508 | 0 | 1 | 14 | | | 357 | 0 | 2 | 55 |
| | | 5513 | 0 | 7 | 51 | | | 345 | 9 | 16 | 15 |
| | | 2504 | 0 | 0 | 60 | | | 344 | 0 | 5 | 1 |
| | | 2505 | 0 | 0 | 60 | | | 420 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2506 | 0 | 10 | 2 | | | 148 | 0 | 3 | 34 |
| | | 2507 | 0 | 6 | 19 | | | 147 | 0 | 6 | 1 |
| | | 2508 | 0 | 5 | 93 | | | 146 | 0 | 5 | 1 |
| | | 2510 | 0 | 3 | 73 | | | 137 | 0 | 9 | 46 |
| | | 2513 | 0 | 12 | 52 | | | 127 | 0 | 0 | 60 |
| | | 2512 | 0 | 16 | 33 | | | 128 | 0 | 6 | 47 |
| | | | | | | | | 126 | 0 | 7 | 53 |
| भसापपुर | 78 | 683 | 0 | 8 | 19 | | | 121 | 0 | 0 | 40 |
| | | 686 | 0 | 0 | 43 | | | 40 | 0 | 0 | 1 |
| | | 674 | 0 | 8 | 13 | | | 41 | 0 | 0 | 1 |
| | | 685 | 0 | 0 | 1 | | | 42 | 0 | 0 | 1 |
| | | 675 | 0 | 3 | 56 | | | 125 | 0 | 14 | 29 |
| | | 683 | 0 | 4 | 56 | | | 123 | 0 | 6 | 12 |
| | | 682 | 0 | 4 | 17 | | | 56 | 0 | 8 | 68 |
| | | 681 | 0 | 3 | 83 | | | 54 | 0 | 0 | 1 |
| | | 680 | 0 | 0 | 84 | | | 58 | 0 | 12 | 36 |
| | | 959 | 0 | 0 | 1 | | | 906 | 0 | 2 | 53 |
| | | 968 | 0 | 7 | 26 | | | 59 | 0 | 8 | 35 |
| | | 693 | 0 | 9 | 57 | जोसापुर | 75 | 350 | 0 | 0 | 40 |
| | | 958 | 0 | 8 | 99 | | | 344 | 0 | 6 | 45 |
| | | 656 | 0 | 0 | 50 | | | 343 | 0 | 6 | 87 |
| | | 309 | 0 | 0 | 1 | | | 342 | 0 | 4 | 34 |
| | | 655 | 0 | 20 | 49 | | | 370 | 0 | 6 | 68 |
| | | 648 | 0 | 4 | 73 | | | 312 | 0 | 0 | 36 |
| | | 956 | 0 | 5 | 28 | | | 321 | 0 | 12 | 14 |
| | | 639 | 0 | 2 | 76 | | | 215 | 0 | 13 | 36 |
| | | 638 | 0 | 2 | 73 | | | 307 | 0 | 13 | 18 |
| | | 640 | 0 | 6 | 1 | | | 208 | 0 | 5 | 13 |
| | | 635 | 0 | 3 | 6 | | | 207 | 0 | 0 | 72 |
| | | 955 | 0 | 1 | 92 | | | 209 | 0 | 1 | 1 |
| | | 632 | 0 | 1 | 12 | | | 306 | 0 | 0 | 1 |
| | | 634 | 0 | 1 | 48 | | | 300 | 0 | 7 | 14 |
| | | 636 | 0 | 0 | 55 | | | 299 | 0 | 0 | 40 |
| | | 351 | 0 | 0 | 80 | | | 278 | 0 | 8 | 35 |
| | | 350 | 0 | 1 | 48 | | | 266 | 0 | 1 | 44 |
| | | 349 | 0 | 0 | 28 | | | 267 | 0 | 7 | 46 |
| | | 348 | 0 | 0 | 40 | | | 193 | 0 | 3 | 4 |
| | | 353 | 0 | 7 | 50 | | | 268 | 0 | 3 | 0 |
| | | 921 | 0 | 0 | 0 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------|----|------|---|----|----|----------|----|------|---|----|----|
| | | 270 | 0 | 3 | 64 | | | 1378 | 0 | 0 | 76 |
| | | 269 | 0 | 0 | 26 | | | 1379 | 0 | 1 | 1 |
| | | 271 | 0 | 2 | 89 | | | 1380 | 0 | 3 | 8 |
| | | 272 | 0 | 1 | 27 | | | | | | |
| | | | | | | मालिआ | 78 | 822 | 0 | 1 | 21 |
| जेसुआ | 74 | 1681 | 0 | 1 | 80 | | | 623 | 0 | 16 | 70 |
| | | 1682 | 0 | 6 | 47 | | | 624 | 0 | 1 | 65 |
| | | 1667 | 0 | 0 | 28 | | | 626 | 0 | 0 | 24 |
| | | 1680 | 0 | 6 | 50 | | | 625 | 0 | 10 | 2 |
| | | 1678 | 0 | 11 | 13 | | | 629 | 0 | 6 | 96 |
| | | 1673 | 0 | 1 | 45 | | | 632 | 0 | 5 | 1 |
| | | 1674 | 0 | 5 | 70 | | | 3005 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1676 | 0 | 0 | 1 | | | 631 | 0 | 4 | 37 |
| | | 1675 | 0 | 0 | 84 | | | 3004 | 0 | 4 | 62 |
| | | 1672 | 0 | 0 | 30 | | | 643 | 0 | 6 | 39 |
| | | 1577 | 0 | 1 | 93 | | | 638 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1576 | 0 | 2 | 22 | | | 642 | 0 | 3 | 1 |
| | | 1575 | 0 | 3 | 23 | | | 556 | 0 | 1 | 61 |
| | | 1579 | 0 | 5 | 85 | | | 555 | 0 | 7 | 21 |
| | | 1573 | 0 | 8 | 63 | | | 647 | 0 | 1 | 61 |
| | | 1528 | 0 | 5 | 28 | | | 648 | 0 | 1 | 90 |
| | | 1534 | 0 | 8 | 61 | | | 554 | 0 | 8 | 9 |
| | | 1529 | 0 | 0 | 28 | | | 553 | 0 | 1 | 82 |
| | | 1533 | 0 | 7 | 68 | | | 552 | 0 | 7 | 60 |
| | | 1530 | 0 | 0 | 84 | | | 3007 | 0 | 5 | 90 |
| | | 1531 | 0 | 2 | 80 | | | 657 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1532 | 0 | 4 | 13 | | | 3006 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1489 | 0 | 9 | 80 | | | 661 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1488 | 0 | 1 | 9 | | | 662 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1484 | 0 | 3 | 71 | | | 663 | 0 | 1 | 33 |
| | | 1979 | 0 | 3 | 11 | | | 666 | 0 | 2 | 59 |
| | | 1487 | 0 | 3 | 43 | | | 512 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1486 | 0 | 2 | 2 | | | 511 | 0 | 2 | 26 |
| | | 1485 | 0 | 6 | 47 | | | | | | |
| | | 1476 | 0 | 1 | 21 | मोलायपुर | 69 | 1756 | 0 | 6 | 68 |
| | | 1479 | 0 | 0 | 60 | | | 1755 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1473 | 0 | 0 | 58 | कासीगोरे | 72 | 429 | 0 | 3 | 71 |
| | | 1474 | 0 | 0 | 1 | | | 427 | 0 | 3 | 96 |
| | | 1472 | 0 | 5 | 26 | | | 421 | 0 | 6 | 49 |
| | | 1471 | 0 | 0 | 72 | | | 426 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1470 | 0 | 1 | 1 | | | 422 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1469 | 0 | 2 | 83 | | | 424 | 0 | 14 | 20 |
| | | 1370 | 0 | 1 | 36 | | | 382 | 0 | 12 | 80 |
| | | 1372 | 0 | 1 | 37 | | | 383 | 0 | 5 | 76 |
| | | 1371 | 0 | 1 | 71 | | | 381 | 0 | 5 | 70 |
| | | 1373 | 0 | 5 | 13 | | | 361 | 0 | 0 | 30 |
| | | 1374 | 0 | 5 | 26 | | | 380 | 0 | 10 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------|----|------|---|----|----|----------|----|------|---|----|----|
| | | 368 | 0 | 8 | 63 | | | 1474 | 0 | 8 | 34 |
| | | 366 | 0 | 7 | 34 | | | 1467 | 0 | 11 | 14 |
| | | 337 | 0 | 6 | 40 | | | 1468 | 0 | 1 | 86 |
| | | 332 | 0 | 0 | 36 | | | 1464 | 0 | 3 | 26 |
| | | 283 | 0 | 13 | 75 | | | 1463 | 0 | 2 | 90 |
| | | 284 | 0 | 4 | 51 | | | 1417 | 0 | 2 | 97 |
| | | 462 | 0 | 5 | 28 | | | 1418 | 0 | 3 | 56 |
| | | 461 | 0 | 7 | 51 | | | 1462 | 0 | 11 | 2 |
| | | 285 | 0 | 0 | 11 | | | 1424 | 0 | 7 | 79 |
| | | 288 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 289 | 0 | 15 | 87 | बटानाल | 55 | 363 | 0 | 10 | 13 |
| | | 89 | 0 | 21 | 4 | | | 362 | 0 | 3 | 78 |
| | | 94 | 0 | 10 | 1 | | | 369 | 0 | 9 | 91 |
| | | 86 | 0 | 7 | 7 | | | 371 | 0 | 3 | 31 |
| | | 35 | 0 | 11 | 13 | | | 370 | 0 | 6 | 7 |
| | | 25 | 0 | 10 | 29 | | | 373 | 0 | 2 | 50 |
| | | 24 | 0 | 5 | 26 | | | | | | |
| | | 23 | 0 | 5 | 42 | चक भनव | 60 | 180 | 0 | 16 | 71 |
| | | 19 | 0 | 0 | 40 | | | 176 | 0 | 1 | 41 |
| | | 21 | 0 | 5 | 10 | | | 177 | 0 | 6 | 96 |
| | | 20 | 0 | 6 | 27 | | | 726 | 0 | 4 | 37 |
| | | 2 | 0 | 8 | 90 | | | 175 | 0 | 4 | 65 |
| | | 3 | 0 | 0 | 1 | | | 174 | 0 | 11 | 41 |
| | | 1 | 0 | 15 | 59 | | | 145 | 0 | 11 | 53 |
| | | | | | | | | 144 | 0 | 13 | 11 |
| बाब्राजी | 71 | 1778 | 0 | 9 | 46 | | | 706 | 0 | 12 | 54 |
| | | 1787 | 0 | 2 | 96 | | | 142 | 0 | 7 | 28 |
| | | 1786 | 0 | 4 | 93 | | | 705 | 0 | 8 | 70 |
| | | 1785 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1902 | 0 | 7 | 79 | चक फाजिल | 57 | 1140 | 0 | 1 | 29 |
| | | 1796 | 0 | 11 | 41 | | | 1198 | 0 | 3 | 3 |
| | | 1802 | 0 | 13 | 8 | | | 1139 | 0 | 1 | 94 |
| | | 1804 | 0 | 5 | 4 | | | 1141 | 0 | 5 | 62 |
| | | 1805 | 0 | 2 | 64 | | | 1033 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1806 | 0 | 2 | 68 | | | 1032 | 0 | 10 | 52 |
| | | 1807 | 0 | 4 | 15 | | | 1034 | 0 | 9 | 74 |
| | | 1809 | 0 | 3 | 71 | | | 1029 | 0 | 6 | 17 |
| | | 1808 | 0 | 4 | 57 | | | 1027 | 0 | 3 | 92 |
| | | 1568 | 0 | 8 | 56 | | | 1024 | 0 | 1 | 33 |
| | | 1567 | 0 | 10 | 58 | | | 1025 | 0 | 1 | 57 |
| | | 1566 | 0 | 3 | 5 | | | 1026 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1563 | 0 | 4 | 73 | | | 1010 | 0 | 10 | 48 |
| | | 1561 | 0 | 8 | 90 | | | 1011 | 0 | 9 | 91 |
| | | 1559 | 0 | 7 | 51 | | | 981 | 0 | 9 | 91 |
| | | 1396 | 0 | 7 | 54 | | | 980 | 0 | 12 | 82 |
| | | 1397 | 0 | 14 | 20 | | | 954 | 0 | 11 | 97 |
| | | 1404 | 0 | 0 | 1 | | | 955 | 0 | 5 | 22 |
| | | 1475 | 0 | 6 | 96 | | | 953 | 0 | 1 | 69 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------|----|------|---|----|----|--------------|----|-----|---|----|----|
| | | 924 | 0 | 11 | 53 | | | 86 | 0 | 4 | 17 |
| | | 1184 | 0 | 0 | 1 | | | 27 | 0 | 6 | 40 |
| | | 925 | 0 | 4 | 4 | | | 23 | 0 | 6 | 68 |
| | | 922 | 0 | 5 | 46 | | | 24 | 0 | 7 | 79 |
| | | 921 | 0 | 3 | 7 | | | 9 | 0 | 1 | 67 |
| | | 920 | 0 | 11 | 53 | | | 8 | 0 | 1 | 82 |
| | | 919 | 0 | 11 | 25 | | | 10 | 0 | 4 | 17 |
| उत्तर रसूलपुर | 58 | 1391 | 0 | 9 | 46 | | | 11 | 0 | 0 | 97 |
| | | 1390 | 0 | 11 | 13 | उत्तर मेखपुर | 59 | 631 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1389 | 0 | 1 | 66 | | | 674 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1388 | 0 | 3 | 11 | | | 203 | 0 | 6 | 68 |
| | | 1387 | 0 | 3 | 11 | | | 202 | 0 | 5 | 56 |
| | | 1386 | 0 | 2 | 78 | | | 199 | 0 | 8 | 35 |
| | | 1385 | 0 | 1 | 66 | | | 198 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1382 | 0 | 10 | 2 | | | 197 | 0 | 2 | 63 |
| | | 1377 | 0 | 11 | 69 | | | 193 | 0 | 10 | 57 |
| | | 1378 | 0 | 1 | 94 | | | 196 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1083 | 0 | 3 | 89 | | | 194 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1082 | 0 | 1 | 66 | | | 192 | 0 | 1 | 52 |
| | | 1081 | 0 | 11 | 69 | | | | | | |
| | | 1084 | 0 | 0 | 92 | | | | | | |
| | | 1085 | 0 | 0 | 60 | | | | | | |
| | | 1086 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 1087 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1080 | 0 | 6 | 68 | | | | | | |
| | | 1088 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1022 | 0 | 4 | 17 | | | | | | |
| | | 1021 | 0 | 4 | 0 | | | | | | |
| | | 1019 | 0 | 5 | 1 | | | | | | |
| | | 1018 | 0 | 4 | 73 | | | | | | |
| | | 1623 | 0 | 2 | 22 | | | | | | |
| | | 1014 | 0 | 9 | 47 | | | | | | |
| | | 1013 | 0 | 0 | 20 | | | | | | |
| | | 160 | 0 | 11 | 69 | | | | | | |
| | | 161 | 0 | 11 | 69 | | | | | | |
| | | 162 | 0 | 15 | 3 | | | | | | |
| | | 153 | 0 | 0 | 40 | | | | | | |
| | | 163 | 0 | 5 | 56 | | | | | | |
| | | 166 | 0 | 7 | 79 | | | | | | |
| | | 165 | 0 | 2 | 50 | | | | | | |
| | | 167 | 0 | 11 | 41 | | | | | | |
| | | 109 | 0 | 6 | 12 | | | | | | |
| | | 108 | 0 | 11 | 41 | | | | | | |
| | | 99 | 0 | 8 | 90 | | | | | | |
| | | 97 | 0 | 5 | 84 | | | | | | |
| | | 88 | 0 | 6 | 40 | | | | | | |
| | | 89 | 0 | 4 | 17 | | | | | | |

[सं. आर-31015/1/96-ओ.आर-1]

के.सी. कटोव, अवर सचिव

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 2990.—Whereas by the Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 588 dated the 2nd March, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the State of West Bengal to Barauni in the state of Bihar ;

And, whereas, the copies of the said Notification were made available to the public on the 12th March, 1996 ;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government ;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in lands specified in the Schedule appended to this Notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

| SCHEDULE | | | | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--|--|--|--|--|--|---|---|------|---|----|----|
| Police Station : Khanakul District : Hooghly | | | | | | | | 2756 | 0 | 4 | 56 |
| State : West Bengal | | | | | | | | 2767 | 0 | 0 | 42 |
| | | | | | | | | 2755 | 0 | 6 | 12 |
| | | | | | | | | 2754 | 0 | 1 | 93 |
| | | | | | | | | 2731 | 0 | 0 | 64 |
| | | | | | | | | 8250 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 2922 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 4301 | 0 | 3 | 12 |
| | | | | | | | | 4302 | 0 | 2 | 20 |
| | | | | | | | | 8310 | 0 | 1 | 78 |
| | | | | | | | | 4282 | 0 | 5 | 31 |
| | | | | | | | | 4279 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 4340 | 0 | 5 | 56 |
| | | | | | | | | 4342 | 0 | 0 | 7 |
| | | | | | | | | 4351 | 0 | 3 | 15 |
| | | | | | | | | 4350 | 0 | 2 | 75 |
| | | | | | | | | 8316 | 0 | 2 | 1 |
| | | | | | | | | 8318 | 0 | 0 | 55 |
| | | | | | | | | 4349 | 0 | 1 | 76 |
| | | | | | | | | 4352 | 0 | 5 | 79 |
| | | | | | | | | 4341 | 0 | 0 | 18 |
| | | | | | | | | 4303 | 0 | 0 | 74 |
| | | | | | | | | 4304 | 0 | 0 | 40 |
| | | | | | | | | 4358 | 0 | 11 | 83 |
| | | | | | | | | 4357 | 0 | 1 | 25 |
| | | | | | | | | 4373 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 4365 | 0 | 2 | 50 |
| | | | | | | | | 4366 | 0 | 2 | 33 |
| | | | | | | | | 4367 | 0 | 1 | 72 |
| | | | | | | | | 4368 | 0 | 1 | 83 |
| | | | | | | | | 4369 | 0 | 1 | 35 |
| | | | | | | | | 4364 | 0 | 8 | 81 |
| | | | | | | | | 4284 | 0 | 2 | 78 |
| | | | | | | | | 4285 | 0 | 0 | 55 |
| | | | | | | | | 4276 | 0 | 0 | 24 |
| | | | | | | | | 5343 | 0 | 4 | 34 |
| | | | | | | | | 5414 | 0 | 1 | 26 |
| | | | | | | | | 5345 | 0 | 2 | 89 |
| | | | | | | | | 5412 | 0 | 2 | 0 |
| | | | | | | | | 5410 | 0 | 0 | 42 |
| | | | | | | | | 5413 | 0 | 0 | 94 |
| | | | | | | | | 5347 | 0 | 4 | 38 |
| | | | | | | | | 5348 | 0 | 2 | 72 |
| | | | | | | | | 5349 | 0 | 9 | 7 |
| | | | | | | | | 5404 | 0 | 2 | 33 |
| | | | | | | | | 5401 | 0 | 0 | 83 |
| | | | | | | | | 5402 | 0 | 5 | 57 |
| | | | | | | | | 5398 | 0 | 1 | 13 |
| | | | | | | | | 8395 | 0 | 1 | 10 |
| | | | | | | | | 5397 | 0 | 1 | 25 |
| | | | | | | | | 5478 | 0 | 4 | 8 |
| | | | | | | | | 5390 | 0 | 0 | 97 |
| | | | | | | | | 8394 | 0 | 4 | 8 |
| | | | | | | | | 5520 | 0 | 2 | 60 |
| | | | | | | | | 5519 | 0 | 6 | 68 |
| | | | | | | | | 5521 | 0 | 1 | 22 |
| | | | | | | | | 5522 | 0 | 1 | 19 |
| | | | | | | | | 5523 | 0 | 3 | 34 |
| | | | | | | | | 5524 | 0 | 3 | 12 |
| | | | | | | | | 5525 | 0 | 2 | 95 |
| | | | | | | | | 5660 | 0 | 0 | 86 |
| | | | | | | | | 5661 | 0 | 2 | 78 |
| | | | | | | | | 8400 | 0 | 0 | 29 |
| | | | | | | | | 5583 | 0 | 2 | 14 |
| | | | | | | | | 5584 | 0 | 3 | 23 |
| | | | | | | | | 5585 | 0 | 3 | 83 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|------|---|----|----|---|---|------|---|----|----|
| | | 5391 | 0 | 1 | 13 | | | 4271 | 0 | 2 | 78 |
| | | 5582 | 0 | 3 | 91 | | | 4270 | 0 | 3 | 90 |
| | | 8417 | 0 | 0 | 75 | | | 8017 | 0 | 6 | 12 |
| | | 5580 | 0 | 3 | 40 | | | 8015 | 0 | 7 | 63 |
| | | 5579 | 0 | 1 | 95 | | | 8014 | 0 | 3 | 51 |
| | | 5578 | 0 | 2 | 11 | | | 8013 | 0 | 2 | 72 |
| | | 5577 | 0 | 1 | 54 | | | 8007 | 0 | 7 | 75 |
| | | 5576 | 0 | 4 | 40 | | | 8005 | 0 | 0 | 43 |
| | | 5551 | 0 | 1 | 82 | | | 8004 | 0 | 1 | 49 |
| | | 5575 | 0 | 6 | 12 | | | 8003 | 0 | 2 | 89 |
| | | 5574 | 0 | 2 | 63 | | | 8002 | 0 | 2 | 62 |
| | | 5610 | 0 | 5 | 73 | | | 8001 | 0 | 2 | 17 |
| | | 5608 | 0 | 2 | 23 | | | 8000 | 0 | 2 | 23 |
| | | 5611 | 0 | 5 | 46 | | | 8485 | 0 | 0 | 74 |
| | | 5533 | 0 | 2 | 83 | | | 8484 | 0 | 3 | 78 |
| | | 2782 | 0 | 6 | 79 | | | 7999 | 0 | 2 | 84 |
| | | 2781 | 0 | 2 | 9 | | | 7922 | 0 | 5 | 57 |
| | | 2784 | 0 | 0 | 21 | | | 7924 | 0 | 3 | 90 |
| | | 2787 | 0 | 3 | 86 | | | 7923 | 0 | 2 | 90 |
| | | 2788 | 0 | 4 | 3 | | | 7917 | 0 | 6 | 68 |
| | | 2789 | 0 | 1 | 69 | | | 7915 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3057 | 0 | 8 | 48 | | | 7925 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3056 | 0 | 0 | 50 | | | 7916 | 0 | 9 | 47 |
| | | 2785 | 0 | 0 | 76 | | | 7930 | 0 | 1 | 23 |
| | | 3323 | 0 | 3 | 93 | | | 7931 | 0 | 0 | 8 |
| | | 3322 | 0 | 1 | 66 | | | 7791 | 0 | 4 | 69 |
| | | 3052 | 0 | 3 | 57 | | | 7792 | 0 | 0 | 32 |
| | | 3051 | 0 | 3 | 40 | | | 7797 | 0 | 3 | 89 |
| | | 3044 | 0 | 0 | 35 | | | 7798 | 0 | 3 | 89 |
| | | 3045 | 0 | 2 | 12 | | | 7790 | 0 | 0 | 90 |
| | | 3046 | 0 | 2 | 47 | | | 7799 | 0 | 5 | 32 |
| | | 3022 | 0 | 0 | 66 | | | 7800 | 0 | 0 | 88 |
| | | 3024 | 0 | 6 | 18 | | | 7801 | 0 | 0 | 24 |
| | | 3025 | 0 | 0 | 12 | | | 7068 | 0 | 0 | 28 |
| | | 3023 | 0 | 1 | 81 | | | 7075 | 0 | 10 | 69 |
| | | 3013 | 0 | 6 | 13 | | | 7076 | 0 | 2 | 91 |
| | | 3011 | 0 | 0 | 42 | | | 7074 | 0 | 3 | 70 |
| | | 3018 | 0 | 2 | 84 | | | 7072 | 0 | 0 | 23 |
| | | 3329 | 0 | 0 | 83 | | | 7077 | 0 | 4 | 90 |
| | | 3010 | 0 | 1 | 26 | | | 7078 | 0 | 2 | 84 |
| | | 3015 | 0 | 1 | 35 | | | 7084 | 0 | 0 | 49 |
| | | 3014 | 0 | 1 | 2 | | | 7099 | 0 | 1 | 62 |
| | | 3016 | 0 | 3 | 18 | | | 7098 | 0 | 0 | 72 |
| | | 3008 | 0 | 1 | 15 | | | 7097 | 0 | 0 | 1 |
| | | 3007 | 0 | 9 | 9 | | | 7100 | 0 | 9 | 3 |
| | | 3006 | 0 | 2 | 78 | | | 7101 | 0 | 9 | 17 |
| | | 3005 | 0 | 6 | 40 | | | 7140 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2921 | 0 | 1 | 34 | | | 7137 | 0 | 2 | 79 |
| | | 2922 | 0 | 0 | 1 | | | 7136 | 0 | 0 | 51 |
| | | 2926 | 0 | 14 | 87 | | | 7135 | 0 | 0 | 1 |
| | | 2931 | 0 | 11 | 14 | | | 8458 | 0 | 4 | 8 |
| | | 2937 | 0 | 2 | 85 | | | 7134 | 0 | 0 | 44 |
| | | 2938 | 0 | 2 | 23 | | | 7362 | 0 | 0 | 1 |
| | | 8182 | 0 | 0 | 44 | | | 7363 | 0 | 5 | 69 |
| | | 2955 | 0 | 4 | 27 | | | 7361 | 0 | 1 | 11 |
| | | 2956 | 0 | 1 | 6 | | | 7359 | 0 | 6 | 82 |
| | | 2957 | 0 | 3 | 95 | | | 7351 | 0 | 1 | 11 |
| | | 2959 | 0 | 0 | 95 | | | 7349 | 0 | 2 | 51 |
| | | 2954 | 0 | 8 | 46 | | | 7350 | 0 | 1 | 68 |
| | | 2961 | 0 | 3 | 49 | | | 7335 | 0 | 6 | 24 |
| | | 4294 | 0 | 0 | 37 | | | 7337 | 0 | 5 | 36 |
| | | 4295 | 0 | 7 | 79 | | | 7338 | 0 | 1 | 39 |
| | | 4296 | 0 | 3 | 32 | | | 7339 | 0 | 0 | 91 |
| | | 4277 | 0 | 6 | 54 | | | 7336 | 0 | 0 | 42 |
| | | 4272 | 0 | 0 | 75 | | | 7334 | 0 | 0 | 49 |
| | | 4278 | 0 | 1 | 78 | | | 7333 | 0 | 5 | 21 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|------------------|------|---|----|----|---|---------|----|------|---|----|----|
| | | | | | | | | 2373 | 0 | 2 | 49 |
| | 7332 | 0 | 1 | 55 | | | | 2379 | 0 | 1 | 25 |
| | 7325 | 0 | 2 | 41 | | | | 2652 | 0 | 0 | 61 |
| | 7432 | 0 | 1 | 60 | | | | 2401 | 0 | 18 | 37 |
| | 7228 | 0 | 0 | 81 | | | | 2400 | 0 | 0 | 48 |
| | 7329 | 0 | 5 | 98 | | | | 2402 | 0 | 1 | 49 |
| | 7330 | 0 | 0 | 10 | | | | 2405 | 0 | 17 | 31 |
| | 7331 | 0 | 0 | 1 | | | | 2406 | 0 | 2 | 20 |
| | 7438 | 0 | 2 | 14 | | | | 2403 | 0 | 0 | 0 |
| | 7440 | 0 | 0 | 48 | | | | 2419 | 0 | 0 | 66 |
| | 7446 | 0 | 1 | 32 | | | | 2418 | 0 | 6 | 23 |
| | 8147 | 0 | 0 | 1 | | | | 2417 | 0 | 6 | 12 |
| | 7444 | 0 | 0 | 64 | | | | 2410 | 0 | 3 | 76 |
| | 8148 | 0 | 1 | 6 | | | | 2416 | 0 | 4 | 98 |
| | 7442 | 0 | 2 | 22 | | | | 2569 | 0 | 0 | 42 |
| | 7517 | 0 | 1 | 67 | | | | 2476 | 0 | 5 | 34 |
| | 7445 | 0 | 3 | 13 | | | | 2477 | 0 | 3 | 78 |
| | 7441 | 0 | 2 | 61 | | | | 2568 | 0 | 0 | 1 |
| | 7446 | 0 | 1 | 32 | | | | 2478 | 0 | 5 | 79 |
| | 7601 | 0 | 0 | 60 | | | | 2479 | 0 | 1 | 42 |
| | 7602 | 0 | 1 | 21 | | | | 2561 | 0 | 3 | 28 |
| | 7603 | 0 | 0 | 1 | | | | 2560 | 0 | 7 | 24 |
| | 7604 | 0 | 3 | 89 | | | | 2557 | 0 | 0 | 64 |
| | 7600 | 0 | 5 | 56 | | | | 2556 | 0 | 7 | 12 |
| | 7606 | 0 | 0 | 1 | | | | 2555 | 0 | 6 | 68 |
| | 7060 | 0 | 1 | 56 | | | | 2554 | 0 | 4 | 94 |
| | 7806 | 0 | 0 | 28 | | | | 2553 | 0 | 5 | 80 |
| | 7067 | 0 | 6 | 67 | | | | 2552 | 0 | 3 | 31 |
| | 7868 | 0 | 2 | 78 | | | | 2631 | 0 | 2 | 92 |
| | 7605 | 0 | 0 | 1 | | | | 2543 | 0 | 2 | 26 |
| | 7607 | 0 | 0 | 1 | | | | 2642 | 0 | 10 | 63 |
| Ramchandrapur 54 | 403 | 0 | 4 | 0 | | | | 2643 | 0 | 2 | 40 |
| | 405 | 0 | 5 | 84 | | | | 2645 | 0 | 1 | 25 |
| | 408 | 0 | 7 | 27 | | | | 2646 | 0 | 15 | 32 |
| | 409 | 0 | 17 | 16 | | Hirepur | 52 | 687 | 0 | 3 | 45 |
| | 438 | 0 | 1 | 52 | | | | 688 | 0 | 3 | 35 |
| | 433 | 0 | 15 | 12 | | | | 685 | 0 | 6 | 96 |
| | 416 | 0 | 0 | 74 | | | | 690 | 0 | 4 | 84 |
| | 417 | 0 | 9 | 74 | | | | 692 | 0 | 0 | 47 |
| | 430 | 0 | 5 | 1 | | | | 691 | 0 | 3 | 78 |
| | 429 | 0 | 5 | 56 | | | | 693 | 0 | 9 | 46 |
| | 426 | 0 | 6 | 73 | | | | 760 | 0 | 1 | 72 |
| | 423 | 0 | 1 | 62 | | | | 759 | 0 | 6 | 59 |
| | 424 | 0 | 6 | 53 | | | | 758 | 0 | 5 | 92 |
| | 425 | 0 | 1 | 5 | | | | 706 | 0 | 5 | 84 |
| | 333 | 0 | 1 | 22 | | | | 707 | 0 | 6 | 12 |
| | 330 | 0 | 3 | 78 | | | | 710 | 0 | 2 | 71 |
| | 298 | 0 | 4 | 94 | | | | 713 | 0 | 3 | 22 |
| | 332 | 0 | 1 | 22 | | | | 712 | 0 | 5 | 35 |
| | 297 | 0 | 0 | 43 | | | | 711 | 0 | 4 | 50 |
| | 295 | 0 | 10 | 21 | | | | 586 | 0 | 5 | 1 |
| | 294 | 0 | 4 | 34 | | | | 585 | 0 | 2 | 4 |
| | 293 | 0 | 6 | 57 | | | | 554 | 0 | 5 | 40 |
| | 306 | 0 | 3 | 57 | | | | 553 | 0 | 7 | 98 |
| | 307 | 0 | 7 | 2 | | | | 558 | 0 | 1 | 91 |
| | 312 | 0 | 0 | 1 | | | | 559 | 0 | 4 | 77 |
| | 313 | 0 | 1 | 33 | | | | 560 | 0 | 3 | 53 |
| | 288 | 0 | 7 | 72 | | | | 563 | 0 | 2 | 85 |
| | 287 | 0 | 4 | 34 | | | | 562 | 0 | 2 | 82 |
| | 314 | 0 | 0 | 37 | | | | 564 | 0 | 2 | 25 |
| | 315 | 0 | 0 | 53 | | | | 568 | 0 | 11 | 42 |
| | 316 | 0 | 0 | 88 | | | | 488 | 0 | 20 | 60 |
| | 2377 | 0 | 3 | 0 | | | | 487 | 0 | 2 | 78 |
| | 2378 | 0 | 5 | 70 | | | | 486 | 0 | 1 | 58 |
| | 2374 | 0 | 2 | 14 | | | | 484 | 0 | 0 | 54 |
| | 2376 | 0 | 2 | 76 | | | | 485 | 0 | 1 | 32 |
| | 2375 | 0 | 7 | 3 | | | | 289 | 0 | 5 | 45 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------|----|------|---|----|----|----------|----|------|---|----|----|
| | | 290 | 0 | 0 | 1 | | | 119 | 0 | 1 | 8 |
| | | 284 | 0 | 6 | 68 | | | 120 | 0 | 3 | 34 |
| | | 291 | 0 | 3 | 43 | | | 121 | 0 | 2 | 33 |
| | | 283 | 0 | 8 | 91 | | | 126 | 0 | 2 | 22 |
| | | 299 | 0 | 3 | 90 | | | 127 | 0 | 0 | 78 |
| | | 268 | 0 | 3 | 50 | | | 94 | 0 | 2 | 63 |
| | | 267 | 0 | 10 | 19 | | | 95 | 0 | 0 | 57 |
| | | 260 | 0 | 2 | 97 | | | 130 | 0 | 0 | 1 |
| | | 306 | 0 | 1 | 6 | | | 132 | 0 | 12 | 78 |
| | | 259 | 0 | 0 | 1 | | | 603 | 0 | 3 | 26 |
| | | 309 | 0 | 8 | 74 | | | 602 | 0 | 0 | 46 |
| | | 257 | 0 | 1 | 97 | | | 133 | 0 | 11 | 13 |
| | | 310 | 0 | 7 | 77 | | | 134 | 0 | 5 | 61 |
| | | 311 | 0 | 4 | 41 | | | 135 | 0 | 4 | 77 |
| Dharampur | 23 | | | | | | | 209 | 0 | 12 | 63 |
| | | 1264 | 0 | 15 | 14 | | | 214 | 0 | 0 | 62 |
| | | 771 | 0 | 13 | 86 | | | 208 | 0 | 5 | 56 |
| | | 773 | 0 | 1 | 83 | | | 215 | 0 | 5 | 1 |
| | | 775 | 0 | 5 | 33 | | | 1237 | 0 | 2 | 14 |
| | | 774 | 0 | 13 | 81 | | | 200 | 0 | 0 | 1 |
| | | 785 | 0 | 6 | 50 | | | 198 | 0 | 11 | 97 |
| | | 784 | 0 | 0 | 40 | | | 197 | 0 | 5 | 84 |
| | | 782 | 0 | 9 | 70 | | | 196 | 0 | 7 | 23 |
| | | 1270 | 0 | 0 | 40 | | | 240 | 0 | 14 | 75 |
| | | 791 | 0 | 6 | 24 | | | 241 | 0 | 6 | 96 |
| | | 792 | 0 | 0 | 1 | | | 242 | 0 | 2 | 49 |
| | | 790 | 0 | 4 | 52 | | | 180 | 0 | 1 | 48 |
| | | 794 | 0 | 1 | 85 | | | 179 | 0 | 2 | 3 |
| | | 796 | 0 | 5 | 10 | Nabashan | 47 | 146 | 0 | 6 | 57 |
| | | 799 | 0 | 0 | 1 | | | 147 | 0 | 6 | 80 |
| | | 795 | 0 | 0 | 83 | | | 144 | 0 | 11 | 13 |
| | | 797 | 0 | 4 | 7 | | | 143 | 0 | 5 | 11 |
| | | 798 | 0 | 0 | 44 | | | 39 | 0 | 1 | 68 |
| | | 800 | 0 | 2 | 80 | | | 140 | 0 | 3 | 80 |
| | | 801 | 0 | 2 | 28 | | | 136 | 0 | 9 | 2 |
| | | 808 | 0 | 1 | 0 | | | 133 | 0 | 1 | 8 |
| | | 857 | 0 | 1 | 47 | | | 135 | 0 | 1 | 12 |
| | | 855 | 0 | 7 | 20 | | | 134 | 0 | 3 | 80 |
| | | 848 | 0 | 1 | 38 | | | 127 | 0 | 3 | 1 |
| | | 847 | 0 | 4 | 36 | | | 129 | 0 | 13 | 47 |
| | | 846 | 0 | 1 | 3 | | | 119 | 0 | 0 | 30 |
| | | 849 | 0 | 4 | 60 | | | 118 | 0 | 26 | 26 |
| | | 844 | 0 | 3 | 84 | | | 116 | 0 | 1 | 48 |
| | | 843 | 0 | 4 | 81 | | | 111 | 0 | 10 | 58 |
| | | 840 | 0 | 1 | 88 | | | 112 | 0 | 2 | 12 |
| | | 837 | 0 | 0 | 32 | | | 109 | 0 | 6 | 12 |
| | | 838 | 0 | 4 | 73 | | | 105 | 0 | 0 | 16 |
| | | 829 | 0 | 0 | 18 | | | 107 | 0 | 3 | 24 |
| | | 675 | 0 | 15 | 31 | | | 106 | 0 | 0 | 6 |
| | | 676 | 0 | 0 | 1 | | | 108 | 0 | 5 | 56 |
| | | 673 | 0 | 0 | 40 | | | 97 | 0 | 9 | 74 |
| | | 672 | 0 | 3 | 79 | | | 96 | 0 | 0 | 1 |
| | | 678 | 0 | 12 | 31 | | | 95 | 0 | 1 | 67 |
| | | 664 | 0 | 0 | 41 | | | 94 | 0 | 6 | 5 |
| | | 679 | 0 | 3 | 44 | | | 92 | 0 | 0 | 1 |
| | | 665 | 0 | 0 | 0 | | | 93 | 0 | 13 | 92 |
| | | 677 | 0 | 0 | 90 | | | 221 | 0 | 1 | 18 |
| | | 663 | 0 | 8 | 71 | | | 224 | 0 | 17 | 26 |
| | | 662 | 0 | 5 | 67 | Ramnagar | 42 | 448 | 0 | 6 | 96 |
| | | 114 | 0 | 4 | 3 | | | 449 | 0 | 2 | 78 |
| | | 109 | 0 | 1 | 41 | | | 450 | 0 | 3 | 89 |
| | | 115 | 0 | 0 | 21 | | | 610 | 0 | 0 | 69 |
| | | 113 | 0 | 2 | 44 | | | 608 | 0 | 5 | 56 |
| | | 112 | 0 | 0 | 1 | | | 577 | 0 | 1 | 11 |
| | | 117 | 0 | 2 | 41 | | | 578 | 0 | 14 | 3 |
| | | 116 | 0 | 0 | 85 | | | 579 | 0 | 5 | 84 |
| | | 118 | 0 | 0 | 40 | | | 580 | 0 | 13 | 36 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------|----|-----|---|----|----|--------------|----|------|---|----|----|
| | | 597 | 0 | 0 | 40 | Gopainagar | 38 | 73 | 0 | 7 | 85 |
| | | 581 | 0 | 0 | 1 | | | 75 | 0 | 19 | 32 |
| | | 587 | 0 | 5 | 1 | | | 74 | 0 | 3 | 61 |
| | | 589 | 0 | 3 | 34 | | | 63 | 0 | 3 | 24 |
| | | 596 | 0 | 0 | 1 | | | 78 | 0 | 1 | 48 |
| | | 588 | 0 | 1 | 67 | | | 49 | 0 | 9 | 74 |
| | | 545 | 0 | 2 | 39 | | | 48 | 0 | 1 | 16 |
| | | 544 | 0 | 0 | 64 | | | 47 | 0 | 1 | 65 |
| | | 546 | 0 | 4 | 73 | | | 46 | 0 | 1 | 12 |
| | | 543 | 0 | 4 | 45 | | | 50 | 0 | 2 | 96 |
| | | 542 | 0 | 0 | 69 | | | 51 | 0 | 0 | 51 |
| | | 541 | 0 | 3 | 87 | | | 615 | 0 | 5 | 0 |
| | | 540 | 0 | 0 | 12 | | | 44 | 0 | 8 | 58 |
| | | 538 | 0 | 2 | 50 | | | 45 | 0 | 5 | 57 |
| | | 524 | 0 | 3 | 28 | | | 43 | 0 | 0 | 99 |
| | | 535 | 0 | 0 | 1 | | | 614 | 0 | 2 | 95 |
| | | 536 | 0 | 0 | 61 | | | 24 | 0 | 0 | 1 |
| | | 643 | 0 | 11 | 13 | | | 97 | 0 | 0 | 1 |
| | | 645 | 0 | 2 | 56 | | | 98 | 0 | 0 | 1 |
| | | 644 | 0 | 1 | 55 | | | 23 | 0 | 5 | 3 |
| | | 646 | 0 | 5 | 6 | | | 22 | 0 | 8 | 7 |
| | | 649 | 0 | 2 | 78 | | | 112 | 0 | 0 | 1 |
| | | 650 | 0 | 7 | 90 | | | 21 | 0 | 3 | 56 |
| | | 651 | 0 | 0 | 1 | | | 113 | 0 | 0 | 1 |
| | | 516 | 0 | 2 | 22 | | | 114 | 0 | 0 | 1 |
| | | 309 | 0 | 6 | 68 | | | 20 | 0 | 1 | 96 |
| | | 111 | 0 | 1 | 67 | | | 19 | 0 | 0 | 1 |
| | | 110 | 0 | 3 | 34 | | | 116 | 0 | 17 | 56 |
| | | 370 | 0 | 2 | 89 | Krishnanagar | 37 | 563 | 0 | 3 | 34 |
| | | 114 | 0 | 2 | 78 | | | 584 | 0 | 18 | 37 |
| | | 115 | 0 | 9 | 46 | | | 575 | 0 | 1 | 78 |
| | | 230 | 0 | 1 | 4 | | | 565 | 0 | 3 | 89 |
| | | 231 | 0 | 3 | 11 | | | 566 | 0 | 8 | 7 |
| | | 229 | 0 | 2 | 89 | | | 567 | 0 | 3 | 11 |
| | | 228 | 0 | 3 | 34 | | | 568 | 0 | 3 | 4 |
| | | 227 | 0 | 2 | 22 | | | 497 | 0 | 13 | 92 |
| | | 226 | 0 | 0 | 41 | | | 335 | 0 | 9 | 23 |
| | | 217 | 0 | 5 | 49 | | | 598 | 0 | 0 | 45 |
| | | 208 | 0 | 7 | 1 | | | 334 | 0 | 5 | 45 |
| | | 216 | 0 | 2 | 13 | | | 333 | 0 | 7 | 79 |
| | | 215 | 0 | 0 | 74 | | | 332 | 0 | 11 | 31 |
| | | 209 | 0 | 7 | 24 | | | 324 | 0 | 1 | 39 |
| | | 201 | 0 | 0 | 1 | | | 290 | 0 | 12 | 14 |
| | | 210 | 0 | 3 | 50 | | | 292 | 0 | 6 | 0 |
| | | 177 | 0 | 4 | 2 | | | 227 | 0 | 12 | 88 |
| | | 170 | 0 | 0 | 1 | | | 226 | 0 | 2 | 50 |
| | | 171 | 0 | 3 | 37 | | | 208 | 0 | 10 | 13 |
| | | 172 | 0 | 2 | 22 | | | 221 | 0 | 1 | 78 |
| | | 176 | 0 | 3 | 99 | | | 222 | 0 | 10 | 13 |
| | | 175 | 0 | 4 | 45 | | | 219 | 0 | 5 | 61 |
| Birloka | 41 | 44 | 0 | 15 | 3 | | | 218 | 0 | 5 | 71 |
| | | 50 | 0 | 1 | 55 | | | 183 | 0 | 5 | 62 |
| | | 49 | 0 | 0 | 1 | | | 184 | 0 | 0 | 1 |
| | | 34 | 0 | 10 | 48 | | | 182 | 0 | 6 | 15 |
| | | 53 | 0 | 9 | 99 | | | 185 | 0 | 1 | 12 |
| | | 55 | 0 | 11 | 13 | | | 591 | 0 | 32 | 7 |
| | | 54 | 0 | 0 | 30 | | | 162 | 0 | 0 | 37 |
| | | 56 | 0 | 0 | 66 | | | 155 | 0 | 3 | 25 |
| | | 57 | 0 | 8 | 63 | | | 154 | 0 | 3 | 0 |
| | | 58 | 0 | 12 | 30 | | | 153 | 0 | 0 | 34 |
| | | 15 | 0 | 10 | 2 | | | 151 | 0 | 1 | 8 |
| | | 17 | 0 | 2 | 66 | | | 149 | 0 | 5 | 27 |
| | | 16 | 0 | 1 | 67 | | | 150 | 0 | 2 | 20 |
| | | 14 | 0 | 1 | 40 | | | 148 | 0 | 10 | 57 |
| | | 61 | 0 | 0 | 27 | | | 145 | 0 | 0 | 20 |
| | | 13 | 0 | 2 | 97 | | | 1041 | 0 | 0 | 48 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----------------|----|------|---|----|----|---|-----|------|---|----|----|
| | | 1039 | 0 | 12 | 14 | | | 103 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1038 | 0 | 11 | 97 | | | 104 | 0 | 4 | 51 |
| | | 1034 | 0 | 4 | 84 | | | 105 | 0 | 2 | 16 |
| | | 1035 | 0 | 5 | 32 | | | 108 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1033 | 0 | 3 | 24 | | | 96 | 0 | 8 | 40 |
| | | 1028 | 0 | 8 | 30 | | | 95 | 0 | 8 | 70 |
| | | 2435 | 0 | 4 | 40 | | | 93 | 0 | 0 | 79 |
| | | 1026 | 0 | 12 | 52 | | | 94 | 0 | 11 | 70 |
| | | 2431 | 0 | 14 | 25 | | | 88 | 0 | 7 | 34 |
| | | 1016 | 0 | 3 | 50 | | | 86 | 0 | 0 | 52 |
| | | 1002 | 0 | 6 | 99 | | | 87 | 0 | 8 | 35 |
| | | 1003 | 0 | 7 | 94 | | | 75 | 0 | 2 | 49 |
| Chakbhedua | 30 | 375 | 0 | 13 | 92 | Gouran | 33 | 100 | 0 | 1 | 12 |
| | | 377 | 0 | 21 | 16 | | | 1344 | 0 | 11 | 69 |
| | | 402 | 0 | 16 | 70 | | | 1345 | 0 | 11 | 24 |
| | | 401 | 0 | 8 | 16 | | | 1348 | 0 | 0 | 49 |
| | | 332 | 0 | 6 | 76 | | | 1347 | 0 | 5 | 47 |
| | | 331 | 0 | 0 | 46 | | | 1346 | 0 | 0 | 78 |
| | | 333 | 0 | 5 | 33 | | | 402 | 0 | 20 | 43 |
| | | 314 | 0 | 3 | 24 | | | 401 | 0 | 1 | 78 |
| | | 310 | 0 | 4 | 17 | | | 390 | 0 | 15 | 14 |
| | | 311 | 0 | 7 | 23 | | | 604 | 0 | 4 | 95 |
| | | 308 | 0 | 7 | 43 | | | 389 | 0 | 5 | 17 |
| | | 307 | 0 | 0 | 41 | | | 384 | 0 | 3 | 40 |
| Saibona | 31 | 303 | 0 | 5 | 88 | | | 325 | 0 | 6 | 51 |
| | | 301 | 0 | 1 | 4 | | | 626 | 0 | 2 | 78 |
| | | 302 | 0 | 7 | 17 | | | 593 | 0 | 0 | 83 |
| | | 300 | 0 | 0 | 33 | | | 327 | 0 | 14 | 53 |
| | | 299 | 0 | 3 | 71 | | | 329 | 0 | 8 | 85 |
| | | 298 | 0 | 8 | 36 | | | 332 | 0 | 7 | 79 |
| | | 346 | 0 | 12 | 69 | | | 307 | 0 | 3 | 92 |
| | | 430 | 0 | 1 | 12 | | | 306 | 0 | 4 | 23 |
| | | 370 | 0 | 10 | 2 | | | 578 | 0 | 0 | 38 |
| | | 468 | 0 | 0 | 83 | | | 298 | 0 | 9 | 27 |
| | | 388 | 0 | 1 | 12 | | | 304 | 0 | 3 | 11 |
| | | 467 | 0 | 3 | 6 | | | 305 | 0 | 0 | 1 |
| | | 28 | 0 | 8 | 35 | | | 555 | 0 | 0 | 85 |
| | | 360 | 0 | 14 | 20 | | | 301 | 0 | 3 | 66 |
| | | 29 | 0 | 7 | 61 | | | 300 | 0 | 0 | 70 |
| | | 462 | 0 | 6 | 31 | | | 295 | 0 | 8 | 29 |
| | | 15 | 0 | 0 | 81 | | | 293 | 0 | 19 | 76 |
| | | 327 | 0 | 13 | 53 | | | 547 | 0 | 28 | 6 |
| | | 10 | 0 | 1 | 16 | Police Station—Arumbagh District—Hooghly State— | | | | | |
| | | 355 | 0 | 20 | 4 | West Bengal | | | | | |
| | | 458 | 0 | 7 | 37 | Bhanderhati | 153 | 394 | 0 | 5 | 28 |
| | | 350 | 0 | 20 | 60 | | | 395 | 0 | 13 | 8 |
| | | 5 | 0 | 5 | 60 | | | 400 | 0 | 14 | 3 |
| | | 343 | 0 | 3 | 34 | | | 383 | 0 | 5 | 1 |
| | | 4 | 0 | 5 | 68 | | | 382 | 0 | 12 | 97 |
| | | 354 | 0 | 4 | 62 | | | 393 | 0 | 0 | |
| | | 3 | 0 | 8 | 51 | Satmasa | 162 | 1435 | 0 | 11 | 35 |
| Gouran Mandran | 32 | 192 | 0 | 0 | 39 | | | 1175 | 0 | 44 | 22 |
| | | 156 | 0 | 12 | 14 | | | 1138 | 0 | 8 | 63 |
| | | 157 | 0 | 2 | 69 | | | 1157 | 0 | 16 | 43 |
| | | 196 | 0 | 7 | 46 | | | 117 | 0 | 3 | 71 |
| | | 159 | 0 | 2 | 42 | | | 116 | 0 | 16 | 89 |
| | | 158 | 0 | 0 | 41 | | | 75 | 0 | 2 | 37 |
| | | 195 | 0 | 12 | 61 | | | 108 | 0 | 0 | 1 |
| | | 140 | 0 | 9 | 6 | | | 21 | 0 | 15 | 87 |
| | | 143 | 0 | 0 | 76 | | | 118 | 0 | 16 | 70 |
| | | 141 | 0 | 9 | 2 | | | 66 | 0 | 2 | 7 |
| | | 142 | 0 | 5 | 45 | | | 22 | 0 | 1 | 52 |
| | | 188 | 0 | 8 | 51 | | | 105 | 0 | 31 | 4 |
| | | 123 | 0 | 0 | 1 | | | 837 | 0 | 7 | 65 |
| | | 166 | 0 | 11 | 30 | | | 85 | 0 | 6 | 51 |
| | | 124 | 0 | 11 | 74 | | | 84 | 0 | 8 | 68 |
| | | 101 | 0 | 12 | 91 | | | 835 | 0 | 3 | 59 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------|-----|------|---|----|----|-----------|-----|------|---|----|----|
| | | 90 | 0 | 10 | 58 | | | 40 | 0 | 0 | 76 |
| | | 91 | 0 | 3 | 99 | | | 39 | 0 | 0 | 1 |
| | | 65 | 0 | 24 | 2 | | | 34 | 0 | 6 | 33 |
| | | 4 | 0 | 10 | 7 | | | 35 | 0 | 6 | 68 |
| | | 94 | 0 | 26 | 84 | | | 36 | 0 | 7 | 34 |
| | | 50 | 0 | 3 | 73 | | | 37 | 0 | 0 | 1 |
| Arakul | 161 | 158 | 0 | 2 | 27 | | | 21 | 0 | 12 | 52 |
| | | 159 | 0 | 1 | 11 | | | 20 | 0 | 4 | 48 |
| | | 165 | 0 | 9 | 4 | | | 19 | 0 | 5 | 26 |
| | | 157 | 0 | 3 | 45 | Arandi | 159 | 377 | 0 | 6 | 96 |
| | | 150 | 0 | 7 | 24 | | | 376 | 0 | 0 | 1 |
| | | 149 | 0 | 3 | 89 | | | 375 | 0 | 0 | 37 |
| | | 148 | 0 | 6 | 47 | | | 371 | 0 | 10 | 2 |
| Sitalpur | 157 | 1473 | 0 | 2 | 2 | Kantabani | 142 | 375 | 0 | 0 | 95 |
| | | 1472 | 0 | 4 | 17 | | | 372 | 0 | 0 | 69 |
| | | 1536 | 0 | 11 | 99 | | | 371 | 0 | 6 | 40 |
| | | 1330 | 0 | 10 | 57 | | | 370 | 0 | 0 | 76 |
| | | 1328 | 0 | 19 | 11 | | | 369 | 0 | 5 | 28 |
| | | 1327 | 0 | 10 | 11 | | | 368 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1326 | 0 | 5 | 92 | | | 367 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1322 | 0 | 11 | 65 | | | 684 | 0 | 7 | 7 |
| | | 1311 | 0 | 14 | 62 | | | 362 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1310 | 0 | 2 | 22 | | | 361 | 0 | 3 | 61 |
| | | 1308 | 0 | 11 | 13 | | | 359 | 0 | 5 | 1 |
| Pratapnagar | 160 | 1926 | 0 | 1 | 62 | | | 360 | 0 | 2 | 92 |
| | | 1263 | 0 | 26 | 45 | | | 355 | 0 | 0 | 80 |
| | | 1256 | 0 | 1 | 66 | | | 323 | 0 | 6 | 96 |
| | | 1259 | 0 | 2 | 85 | | | 322 | 0 | 3 | 13 |
| | | 1260 | 0 | 4 | 16 | | | 320 | 0 | 5 | 68 |
| | | 1927 | 0 | 6 | 13 | | | 319 | 0 | 3 | 57 |
| | | 1261 | 0 | 3 | 22 | | | 316 | 0 | 3 | 5 |
| | | 1262 | 0 | 13 | 26 | | | 315 | 0 | 17 | 54 |
| | | 1938 | 0 | 44 | 55 | Selaipur | 144 | 1129 | 0 | 4 | 86 |
| | | 1212 | 0 | 2 | 0 | | | 1131 | 0 | 0 | 50 |
| | | 1928 | 0 | 4 | 8 | | | 1130 | 0 | 16 | 70 |
| | | 1213 | 0 | 0 | 1 | | | 1169 | 0 | 7 | 70 |
| | | 1208 | 0 | 6 | 40 | | | 1167 | 0 | 3 | 45 |
| | | 1207 | 0 | 24 | 61 | | | 1166 | 0 | 3 | 61 |
| | | 176 | 0 | 8 | 7 | | | 1165 | 0 | 2 | 22 |
| | | 1993 | 0 | 0 | 1 | | | 1164 | 0 | 1 | 78 |
| | | 173 | 0 | 3 | 92 | | | 1163 | 0 | 4 | 54 |
| | | 174 | 0 | 6 | 1 | | | 1139 | 0 | 1 | 48 |
| Maudaram | 158 | 353 | 0 | 0 | 1 | | | 1180 | 0 | 0 | 66 |
| | | 359 | 0 | 10 | 36 | | | 1162 | 0 | 8 | 35 |
| | | 355 | 0 | 0 | 89 | | | 1160 | 0 | 1 | 61 |
| | | 358 | 0 | 5 | 23 | | | 1150 | 0 | 0 | 1 |
| | | 357 | 0 | 10 | 69 | | | 1151 | 0 | 0 | 1 |
| | | 356 | 0 | 6 | 40 | | | 1152 | 0 | 3 | 89 |
| | | 343 | 0 | 1 | 66 | | | 1361 | 0 | 2 | 11 |
| | | 338 | 0 | 3 | 17 | | | 840 | 0 | 4 | 62 |
| | | 341 | 0 | 3 | 15 | | | 1357 | 0 | 1 | 94 |
| | | 342 | 0 | 4 | 6 | | | 1359 | 0 | 1 | 94 |
| | | 169 | 0 | 2 | 89 | Pirichpur | 143 | 589 | 0 | 1 | 66 |
| | | 168 | 0 | 0 | 1 | | | 588 | 0 | 0 | 61 |
| | | 170 | 0 | 9 | 64 | | | 587 | 0 | 3 | 33 |
| | | 172 | 0 | 5 | 51 | | | 586 | 0 | 11 | 13 |
| | | 587 | 0 | 4 | 10 | | | 631 | 0 | 0 | 97 |
| | | 163 | 0 | 3 | 61 | | | 599 | 0 | 1 | 80 |
| | | 53 | 0 | 7 | 48 | | | 600 | 0 | 1 | 55 |
| | | 51 | 0 | 10 | 42 | | | 598 | 0 | 3 | 22 |
| | | 585 | 0 | 7 | 35 | | | 597 | 0 | 8 | 7 |
| | | 43 | 0 | 5 | 73 | | | 642 | 0 | 3 | 61 |
| | | 42 | 0 | 9 | 19 | | | 638 | 0 | 2 | 22 |
| | | 44 | 0 | 0 | 97 | | | 641 | 0 | 2 | 11 |
| | | 41 | 0 | 6 | 68 | | | 639 | 0 | 4 | 45 |
| | | | | | | | | 636 | 0 | 8 | 63 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------|-----|-----|---|----|----|--------------|-----|------|---|----|----|
| | | 633 | 0 | 2 | 96 | Total—Contd. | 133 | 124 | 0 | 0 | 57 |
| | | 632 | 0 | 0 | 16 | | | 128 | 0 | 4 | 59 |
| | | 631 | 0 | 5 | 18 | | | 127 | 0 | 8 | 91 |
| | | 658 | 0 | 5 | 1 | | | 23 | 0 | 1 | 33 |
| | | 659 | 0 | 0 | 1 | | | 24 | 0 | 6 | 12 |
| | | 657 | 0 | 0 | 1 | | | 22 | 0 | 3 | 34 |
| | | 664 | 0 | 5 | 90 | | | 520 | 0 | 5 | 17 |
| | | 662 | 0 | 0 | 1 | | | 21 | 0 | 6 | 68 |
| | | 661 | 0 | 4 | 34 | | | 20 | 0 | 0 | 89 |
| | | 347 | 0 | 6 | 67 | | | 15 | 0 | 8 | 35 |
| | | 346 | 0 | 1 | 11 | | | 16 | 0 | 0 | 36 |
| | | 348 | 0 | 6 | 12 | | | 18 | 0 | 3 | 71 |
| | | 345 | 0 | 2 | 53 | | | 19 | 0 | 3 | 23 |
| | | 297 | 0 | 3 | 56 | | | 2 | 0 | 1 | 66 |
| | | 299 | 0 | 7 | 35 | Mayapur | 84 | 2763 | 0 | 6 | 12 |
| | | 298 | 0 | 2 | 59 | | | 2557 | 0 | 1 | 83 |
| | | 301 | 0 | 6 | 40 | | | 5536 | 0 | 3 | 61 |
| | | 302 | 0 | 0 | 78 | | | 2862 | 0 | 8 | 35 |
| | | 303 | 0 | 1 | 33 | | | 2564 | 0 | 1 | 99 |
| | | 305 | 0 | 1 | 37 | | | 2561 | 0 | 8 | 35 |
| | | 304 | 0 | 11 | 45 | | | 5702 | 0 | 0 | 62 |
| | | 308 | 0 | 6 | 32 | | | 5703 | 0 | 7 | 79 |
| | | 309 | 0 | 6 | 47 | | | 5704 | 0 | 4 | 0 |
| | | 321 | 0 | 1 | 49 | | | 2565 | 0 | 2 | 83 |
| | | 314 | 0 | 8 | 63 | | | 2560 | 0 | 14 | 20 |
| | | 315 | 0 | 6 | 96 | | | 5508 | 0 | 1 | 14 |
| Total | 133 | 473 | 0 | 3 | 46 | | | 5513 | 0 | 7 | 51 |
| | | 467 | 0 | 8 | 27 | | | 2504 | 0 | 0 | 60 |
| | | 454 | 0 | 23 | 50 | | | 2505 | 0 | 0 | 60 |
| | | 515 | 0 | 0 | 84 | | | 2506 | 0 | 10 | 2 |
| | | 440 | 0 | 3 | 7 | | | 2507 | 0 | 6 | 19 |
| | | 443 | 0 | 0 | 89 | | | 2508 | 0 | 5 | 93 |
| | | 260 | 0 | 3 | 3 | | | 2510 | 0 | 3 | 73 |
| | | 259 | 0 | 3 | 3 | | | 2513 | 0 | 12 | 52 |
| | | 265 | 0 | 0 | 1 | | | 2512 | 0 | 16 | 23 |
| | | 266 | 0 | 0 | 1 | Asanpur | 78 | 683 | 0 | 8 | 19 |
| | | 257 | 0 | 1 | 67 | | | 686 | 0 | 0 | 43 |
| | | 256 | 0 | 1 | 1 | | | 674 | 0 | 8 | 13 |
| | | 255 | 0 | 0 | 53 | | | 685 | 0 | 0 | 1 |
| | | 254 | 0 | 9 | 69 | | | 675 | 0 | 3 | 56 |
| | | 206 | 0 | 1 | 11 | | | 683 | 0 | 4 | 56 |
| | | 205 | 0 | 2 | 95 | | | 682 | 0 | 4 | 17 |
| | | 204 | 0 | 3 | 38 | | | 681 | 0 | 3 | 83 |
| | | 208 | 0 | 0 | 26 | | | 680 | 0 | 0 | 84 |
| | | 202 | 0 | 2 | 80 | | | 959 | 0 | 0 | 1 |
| | | 203 | 0 | 4 | 9 | | | 968 | 0 | 7 | 26 |
| | | 200 | 0 | 0 | 97 | | | 693 | 0 | 9 | 57 |
| | | 201 | 0 | 2 | 92 | | | 958 | 0 | 8 | 99 |
| | | 197 | 0 | 8 | 35 | | | 656 | 0 | 0 | 50 |
| | | 195 | 0 | 0 | 69 | | | 309 | 0 | 0 | 1 |
| | | 196 | 0 | 1 | 67 | | | 655 | 0 | 20 | 49 |
| | | 182 | 0 | 0 | 1 | | | 648 | 0 | 4 | 73 |
| | | 183 | 0 | 1 | 78 | | | 956 | 0 | 5 | 28 |
| | | 185 | 0 | 1 | 39 | | | 639 | 0 | 2 | 76 |
| | | 184 | 0 | 9 | 18 | | | 638 | 0 | 2 | 73 |
| | | 168 | 0 | 0 | 1 | | | 640 | 0 | 6 | 1 |
| | | 166 | 0 | 6 | 12 | | | 635 | 0 | 3 | 6 |
| | | 187 | 0 | 0 | 87 | | | 955 | 0 | 1 | 92 |
| | | 165 | 0 | 5 | 28 | | | 632 | 0 | 1 | 12 |
| | | 164 | 0 | 6 | 68 | | | 634 | 0 | 1 | 48 |
| | | 162 | 0 | 3 | 5 | | | 636 | 0 | 0 | 55 |
| | | 161 | 0 | 2 | 29 | | | 351 | 0 | 0 | 80 |
| | | 121 | 0 | 1 | 9 | | | 350 | 0 | 1 | 48 |
| | | 122 | 0 | 2 | 11 | | | 349 | 0 | 0 | 28 |
| | | 126 | 0 | 5 | 53 | | | 348 | 0 | 0 | 40 |
| | | 125 | 0 | 3 | 26 | | | 353 | 0 | 7 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------|----|------|---|----|----|----------|----|------|---|----|----|
| Asanpur 78—Contd. | | 921 | 0 | 0 | 0 | | | 1579 | 0 | 5 | 85 |
| | | 347 | 0 | 0 | 60 | | | 1573 | 0 | 8 | 63 |
| | | 346 | 0 | 2 | 16 | | | 1528 | 0 | 5 | 28 |
| | | 354 | 0 | 1 | 30 | | | 1534 | 0 | 8 | 61 |
| | | 355 | 0 | 1 | 80 | | | 1529 | 0 | 0 | 28 |
| | | 356 | 0 | 4 | 17 | | | 1533 | 0 | 7 | 68 |
| | | 357 | 0 | 2 | 55 | | | 1530 | 0 | 0 | 84 |
| | | 345 | 0 | 16 | 15 | | | 1531 | 0 | 2 | 80 |
| | | 344 | 0 | 5 | 1 | | | 1532 | 0 | 4 | 13 |
| | | 420 | 0 | 0 | 1 | | | 1489 | 0 | 0 | 80 |
| | | 148 | 0 | 3 | 34 | | | 1488 | 0 | 1 | 9 |
| | | 147 | 0 | 6 | 1 | | | 1484 | 0 | 3 | 71 |
| | | 146 | 0 | 5 | 1 | | | 1979 | 0 | 3 | 11 |
| | | 137 | 0 | 9 | 46 | | | 1487 | 0 | 3 | 43 |
| | | 127 | 0 | 0 | 60 | | | 1486 | 0 | 2 | 2 |
| | | 128 | 0 | 6 | 47 | | | 1485 | 0 | 6 | 47 |
| | | 126 | 0 | 7 | 53 | | | 1476 | 0 | 1 | 21 |
| | | 121 | 0 | 0 | 40 | | | 1479 | 0 | 0 | 60 |
| | | 40 | 0 | 0 | 1 | | | 1473 | 0 | 0 | 58 |
| | | 41 | 0 | 0 | 1 | | | 1474 | 0 | 0 | 1 |
| | | 42 | 0 | 0 | 1 | | | 1472 | 0 | 5 | 26 |
| | | 125 | 0 | 14 | 20 | | | 1471 | 0 | 0 | 72 |
| | | | | | | | | 1470 | 0 | 1 | 1 |
| | | 123 | 0 | 6 | 12 | | | 1469 | 0 | 2 | 83 |
| | | 56 | 0 | 8 | 68 | | | 1370 | 0 | 1 | 36 |
| | | 54 | 0 | 0 | 1 | | | 1372 | 0 | 1 | 37 |
| | | 58 | 0 | 12 | 36 | | | 1371 | 0 | 1 | 71 |
| | | 906 | 0 | 2 | 53 | | | 1373 | 0 | 5 | 13 |
| | | 59 | 0 | 8 | 35 | | | 1374 | 0 | 5 | 26 |
| Josapur | 75 | 350 | 0 | 0 | 40 | | | 1378 | 0 | 0 | 76 |
| | | 344 | 0 | 6 | 45 | | | 1379 | 0 | 1 | 1 |
| | | 343 | 0 | 6 | 87 | | | 1380 | 0 | 3 | 8 |
| | | 342 | 0 | 4 | 34 | Walia | 73 | 622 | 0 | 1 | 21 |
| | | 370 | 0 | 6 | 68 | | | 623 | 0 | 16 | 70 |
| | | 312 | 0 | 0 | 36 | | | 624 | 0 | 1 | 65 |
| | | 321 | 0 | 12 | 14 | | | 626 | 0 | 0 | 24 |
| | | 215 | 0 | 13 | 36 | | | 625 | 0 | 10 | 2 |
| | | 307 | 0 | 13 | 18 | | | 629 | 0 | 6 | 96 |
| | | 208 | 0 | 5 | 13 | | | 632 | 0 | 5 | 1 |
| | | 207 | 0 | 0 | 72 | | | 3005 | 0 | 4 | 45 |
| | | 209 | 0 | 1 | 1 | | | 631 | 0 | 4 | 37 |
| | | 306 | 0 | 0 | 1 | | | 3004 | 0 | 4 | 62 |
| | | 300 | 0 | 7 | 14 | | | 643 | 0 | 6 | 39 |
| | | 299 | 0 | 0 | 40 | | | 638 | 0 | 0 | 1 |
| | | 278 | 0 | 8 | 35 | | | 642 | 0 | 3 | 1 |
| | | 266 | 0 | 1 | 44 | | | 556 | 0 | 1 | 61 |
| | | 267 | 0 | 7 | 46 | | | 555 | 0 | 7 | 21 |
| | | 193 | 0 | 3 | 4 | | | 647 | 0 | 1 | 61 |
| | | 268 | 0 | 3 | 0 | | | 648 | 0 | 1 | 90 |
| | | 270 | 0 | 3 | 64 | | | 554 | 0 | 8 | 9 |
| | | 269 | 0 | 0 | 26 | | | 553 | 0 | 1 | 82 |
| | | 271 | 0 | 2 | 89 | | | 552 | 0 | 7 | 60 |
| | | 272 | 0 | 1 | 27 | | | 3007 | 0 | 5 | 90 |
| | | | | | | | | 657 | 0 | 5 | 86 |
| Telua | 74 | 1681 | 0 | 1 | 90 | | | 3006 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1682 | 0 | 6 | 47 | | | 661 | 0 | 4 | 45 |
| | | 1667 | 0 | 0 | 28 | | | 662 | 0 | 1 | 21 |
| | | 1680 | 0 | 6 | 50 | | | 663 | 0 | 1 | 33 |
| | | 1678 | 0 | 11 | 13 | | | 666 | 0 | 2 | 59 |
| | | 1673 | 0 | 1 | 45 | | | 512 | 0 | 5 | 86 |
| | | 1674 | 0 | 5 | 70 | | | 511 | 0 | 2 | 26 |
| | | 1676 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1675 | 0 | 0 | 84 | Malaypur | 69 | 1756 | 0 | 6 | 68 |
| | | 1672 | 0 | 0 | 30 | | | 1755 | 0 | 3 | 64 |
| | | 1577 | 0 | 1 | 93 | | | | | | |
| | | 1576 | 0 | 2 | 22 | Kasigore | 72 | 429 | 0 | 3 | 71 |
| | | 1575 | 0 | 3 | 23 | | | 427 | 0 | 3 | 96 |
| | | | | | | | | 421 | 0 | 6 | 49 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------------|----|------|---|----|----|----------------|----|------|---|----|----|
| Kasigore 72—Contd. | | 426 | 0 | 5 | 86 | Batanal | 55 | 363 | 0 | 10 | 13 |
| | | 422 | 0 | 0 | 1 | | | 362 | 0 | 3 | 78 |
| | | 424 | 0 | 14 | 20 | | | 369 | 0 | 9 | 91 |
| | | 382 | 0 | 12 | 80 | | | 371 | 0 | 3 | 31 |
| | | 383 | 0 | 5 | 76 | | | 370 | 0 | 6 | 7 |
| | | 381 | 0 | 5 | 70 | | | 373 | 0 | 2 | 50 |
| | | 361 | 0 | 0 | 30 | Chak Amad | 60 | 180 | 0 | 16 | 71 |
| | | 380 | 0 | 10 | 95 | | | 176 | 0 | 1 | 41 |
| | | 368 | 0 | 8 | 63 | | | 177 | 0 | 6 | 96 |
| | | 366 | 0 | 7 | 34 | | | 726 | 0 | 4 | 37 |
| | | 337 | 0 | 6 | 40 | | | 175 | 0 | 4 | 65 |
| | | 332 | 0 | 0 | 36 | | | 174 | 0 | 11 | 41 |
| | | 283 | 0 | 13 | 75 | | | 145 | 0 | 11 | 53 |
| | | 284 | 0 | 4 | 51 | | | 144 | 0 | 13 | 11 |
| | | 462 | 0 | 5 | 28 | | | 706 | 0 | 12 | 54 |
| | | 461 | 0 | 7 | 51 | | | 142 | 0 | 7 | 28 |
| | | 285 | 0 | 0 | 1 | | | 705 | 0 | 8 | 70 |
| | | 288 | 0 | 0 | 1 | Chak Fazil | 57 | 1140 | 0 | 1 | 29 |
| | | 289 | 0 | 15 | 87 | | | 1198 | 0 | 3 | 3 |
| | | 89 | 0 | 21 | 4 | | | 1139 | 0 | 1 | 94 |
| | | 94 | 0 | 0 | 1 | | | 1141 | 0 | 5 | 62 |
| | | 86 | 0 | 7 | 7 | | | 1033 | 0 | 0 | 40 |
| | | 35 | 0 | 11 | 13 | | | 1032 | 0 | 10 | 52 |
| | | 25 | 0 | 10 | 29 | | | 1034 | 0 | 9 | 74 |
| | | 24 | 0 | 5 | 26 | | | 1029 | 0 | 6 | 17 |
| | | 23 | 0 | 5 | 42 | | | 1027 | 0 | 3 | 92 |
| | | 19 | 0 | 0 | 40 | | | 1024 | 0 | 1 | 33 |
| | | 21 | 0 | 5 | 10 | | | 1025 | 0 | 1 | 57 |
| | | 20 | 0 | 6 | 27 | | | 1026 | 0 | 5 | 86 |
| | | 2 | 0 | 8 | 90 | | | 1010 | 0 | 10 | 48 |
| | | 3 | 0 | 0 | 1 | | | 1011 | 0 | 9 | 91 |
| | | 1 | 0 | 15 | 59 | | | 981 | 0 | 9 | 91 |
| | | | | | | | | 980 | 0 | 12 | 82 |
| | | | | | | | | 954 | 0 | 11 | 97 |
| | | | | | | | | 955 | 0 | 5 | 22 |
| | | | | | | | | 953 | 0 | 1 | 69 |
| | | | | | | | | 924 | 0 | 11 | 53 |
| | | | | | | | | 1184 | 0 | 0 | 1 |
| | | | | | | | | 925 | 0 | 4 | 4 |
| | | | | | | | | 922 | 0 | 5 | 46 |
| | | | | | | | | 921 | 0 | 3 | 7 |
| | | | | | | | | 920 | 0 | 11 | 53 |
| | | | | | | | | 919 | 0 | 11 | 25 |
| Chakhazi | 71 | 1778 | 0 | 9 | 46 | Uttar Rasulpur | 58 | 1391 | 0 | 9 | 46 |
| | | 1787 | 0 | 2 | 96 | | | 1390 | 0 | 11 | 13 |
| | | 1786 | 0 | 4 | 93 | | | 1389 | 0 | 1 | 66 |
| | | 1785 | 0 | 0 | 1 | | | 1388 | 0 | 3 | 11 |
| | | 1902 | 0 | 7 | 79 | | | 1387 | 0 | 3 | 11 |
| | | 1796 | 0 | 11 | 41 | | | 1386 | 0 | 2 | 78 |
| | | 1802 | 0 | 13 | 8 | | | 1385 | 0 | 1 | 66 |
| | | 1804 | 0 | 5 | 4 | | | 1382 | 0 | 10 | 2 |
| | | 1805 | 0 | 2 | 64 | | | 1377 | 0 | 11 | 69 |
| | | 1806 | 0 | 2 | 68 | | | 1378 | 0 | 1 | 94 |
| | | 1807 | 0 | 4 | 15 | | | 1083 | 0 | 3 | 89 |
| | | 1809 | 0 | 3 | 71 | | | 1082 | 0 | 1 | 66 |
| | | 1808 | 0 | 4 | 57 | | | 1081 | 0 | 11 | 69 |
| | | 1568 | 0 | 8 | 56 | | | 1084 | 0 | 0 | 92 |
| | | 1567 | 0 | 10 | 58 | | | 1085 | 0 | 0 | 60 |
| | | 1566 | 0 | 3 | 5 | | | 1086 | 0 | 0 | 40 |
| | | 1563 | 0 | 4 | 73 | | | 1087 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1561 | 0 | 8 | 90 | | | 1080 | 0 | 6 | 68 |
| | | 1559 | 0 | 7 | 51 | | | 1088 | 0 | 0 | 1 |
| | | 1396 | 0 | 17 | 54 | | | 1022 | 0 | 4 | 17 |
| | | 1397 | 0 | 14 | 20 | | | 1021 | 0 | 4 | 0 |
| | | 1404 | 0 | 0 | 1 | | | | | | |
| | | 1475 | 0 | 6 | 96 | | | | | | |
| | | 1474 | 0 | 8 | 34 | | | | | | |
| | | 1467 | 0 | 11 | 14 | | | | | | |
| | | 1468 | 0 | 1 | 86 | | | | | | |
| | | 1464 | 0 | 3 | 26 | | | | | | |
| | | 1463 | 0 | 2 | 90 | | | | | | |
| | | 1417 | 0 | 2 | 97 | | | | | | |
| | | 1418 | 0 | 3 | 56 | | | | | | |
| | | 1462 | 0 | 11 | 2 | | | | | | |
| | | 1424 | 0 | 7 | 79 | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------------------|------|---|----|----|---|
| Uttar Razulpur 58 (Contd.) | 1019 | 0 | 5 | 1 | |
| | 1018 | 0 | 4 | 73 | |
| | 1623 | 0 | 2 | 22 | |
| | 1014 | 0 | 9 | 47 | |
| | 1013 | 0 | 0 | 20 | |
| | 160 | 0 | 11 | 69 | |
| | 161 | 0 | 11 | 69 | |
| | 162 | 0 | 15 | 3 | |
| | 153 | 0 | 0 | 40 | |
| | 163 | 0 | 5 | 56 | |
| | 166 | 0 | 7 | 79 | |
| | 165 | 0 | 2 | 50 | |
| | 167 | 0 | 11 | 41 | |
| | 109 | 0 | 6 | 12 | |
| | 108 | 0 | 11 | 41 | |
| | 99 | 0 | 8 | 90 | |
| | 97 | 0 | 5 | 84 | |
| | 88 | 0 | 6 | 40 | |
| | 89 | 0 | 4 | 17 | |
| | 86 | 0 | 4 | 17 | |
| Uttar Sheikhpur 59 | 27 | 0 | 6 | 40 | |
| | 23 | 0 | 6 | 68 | |
| | 24 | 0 | 7 | 79 | |
| | 9 | 0 | 1 | 67 | |
| | 8 | 0 | 1 | 82 | |
| | 10 | 0 | 4 | 17 | |
| | 11 | 0 | 0 | 97 | |
| | 631 | 0 | 2 | 78 | |
| | 674 | 0 | 0 | 40 | |
| | 203 | 0 | 6 | 68 | |
| | 202 | 0 | 5 | 56 | |
| | 199 | 0 | 8 | 35 | |
| | 198 | 0 | 2 | 63 | |
| | 197 | 0 | 2 | 63 | |
| | 193 | 0 | 10 | 57 | |
| | 196 | 0 | 0 | 1 | |
| | 194 | 0 | 4 | 45 | |
| | 192 | 0 | 1 | 52 | |

[No. R-31015/1/96-OR-I]
K. C. KATOCH, Under Secy.

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय

(शहरी विकास विभाग)

(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2991—यतः निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन जिन्हें केन्द्रीय सरकार अधोवर्णित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहद् योजना / क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार विनांक 29-4-95 के अधिसूचना संख्या एफ 20(3)93/एम. पी. द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिसमें उप-अधिनियम की धारा 11-ए की उपधारा (3) में अपेक्षित आपत्तियों/सुझाव उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में प्रामाणित किए गए थे।

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में मात्र एक सुझाव प्राप्त हुआ था।

यतः कराये गये सर्वेक्षण के आधार पर यह नोटिस में आया है कि उपरोक्त सार्वजनिक नोटिस में उल्लिखित भूमि का वास्तविक क्षेत्र 4,035 हेक्टेयर (10 एकड़) के बजाय मात्र 3.45 हेक्टेयर (8.52 एकड़) वैधता है।

यतः प्राधिकरण सर्वेक्षण के आधार पर भूमि के संशोधित क्षेत्र के लिए दिनांक 19-2-96 के संकल्प मद सं० 16/96 के माध्यम से मास्टर प्लान में संशोधन प्रस्तावित करता है।

और यतः केन्द्र सरकार ने मामले के सभी पहलुओं पर सावधानी पूर्वक विचार करने के पश्चात् दिल्ली वृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय लिया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11-ए की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त वृहद् योजना में एम्ब-द्वारा निम्नलिखित संशोधन करता है।

संशोधन —(1) जोन (डिवीजन) “एफ (दक्षिणी दिल्ली-1) में पड़ने वाले और उत्तर में रिंग रोड तथा मौजूदा पेट्रोल पम्प से पूर्व में सार्वजनिक तथा अर्धसार्वजनिक सुविधा क्षेत्र से, दक्षिण में श्री निवासपुरी से जाएं और पश्चिम में विद्यमान केम्ब्रिज स्कूल से बिरे 4.035 हेक्टेयर (10 एकड़) क्षेत्र के भूमि उपयोग को “सार्वजनिक एवं अर्धसार्वजनिक” सुविधाओं से आवासीय (नर्स होस्टल) में परिवर्तित किया जाता है।

[सं.के. 13011/15/94-डीडी I बी]

आर. विश्वनाथन, अव्वर सचिव

MINISTRY OF URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT

(Department of Urban Development)

(Delhi Division)

New Delhi, the 7th October, 1996

S.O. 2991.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposed to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder was published with Notification No. F. 20(3)93/MP dated 29th April, 1995 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

Whereas only one objection was received in regard to the said proposed modification;

Whereas it came to notice on the basis of the survey conducted that the actual area of the land involved works out to only 3.45 ha. (8.52 acres) instead of 4.035 ha. (10 acres) indicated in the aforesaid public notice;

Whereas the Authority vide its item No. 16/96 of its resolution dated 19th February, 1996 recommended the proposal involving amendment of Master Plan for the revised area of the land based on the survey;

And whereas the Central Government have after carefully considering all the aspects of the matter, decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

MODIFICATION

"The land use of an area measuring 3.45 ha. 8.52 acres) falling in Zone (Division) 'F' (South Delhi-I) and bounded by Ring Road and existing Petrol Pump in the North, public and semi-public facility area in the East, Srinivaspuri in the South and existing Cambridge School in the West is changed from 'public and semi-public facilities' to 'Residential (Nurses Hostel)."

[No. K. 13011/15/94-DDIB]
R. VISHWANATHAN, Under Secy.

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 27 नितम्बर, 1996

का. आ. 2992.—राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड नियम 1960 के नियम 3 के साथ पठित वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 15-6-1995 के आर्थिक संशोधन में भारत सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय (नौवहन पक्ष) की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

(1) उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 2 से 5 पर की गई प्रविष्टियों को निम्नलिखित प्रविष्टियों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

2. श्री भार. शानमुस्वामी
3. श्री गोर्धनभाई जाविवा —लोक सभा
4. श्री मातिलाल पुरुषोत्तमवास पटेल
5. श्री पी. सी. थामस

[फा. सं. एस एस-18011/2/94-एस एस]

भार. के. भार्गव, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (Shipping Wing)

New Delhi, the 27th September, 1996

S.O. 2992.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with Rule 3 of the National Shipping Board Rules, 1960, the Central Government in partial modification of Ministry of Surface Transport's Notification dated 15-6-1995, hereby makes the following amendments in the Notification of Government of India, Ministry of Surface Transport, (Shipping Wing) S.O. No. 55 (E) dated 30-1-1995, namely:—

(1) In the said notification, for the entries at S. Nos. 2 to 5, the following entries shall be substituted namely:—

2. Shri R. Gnanagurusamy
3. Shri Gordhanbhai Javiya
4. Shri Shantilal Persotamdass
Patal Lok Sabha
5. Shri P. C. Thomas

[File No. SS-18011/2/94-SL]

R. K. SHARMA, Under Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1996

का. आ. 2993.—गोदी कामगार (रोजगार का विनियम) अधिनियम, 1948 की धारा 5क की उपधारा (3) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. का. आ. 924 (अ) दिनांक 23-12-92 के अधिसूचना में केन्द्र सरकार, निम्नलिखित व्यक्तियों को उक्त धारा 5क की उपधारा (i) के तहत गठित कलकत्ता गोदी कामगार मंडल के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात्:—

I. केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य:

1. अध्यक्ष, कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता।
2. उपाध्यक्ष, कलकत्ता डॉक लेबर बोर्ड, कलकत्ता।
3. संयुक्त सचिव (औद्योगिक संबंध), श्रम प्रभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता।
4. यातायात प्रबंधक, कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता।
5. श्री एस. के. दरगन, अवर सचिव, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली।

II. गोदी कामगारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य:

1. श्री सुधीर कुमार मिश्र पश्चिम बंगाल गोदी मजदूर संघ (आई एन टी यू सी) का प्रतिनिधि।
2. श्री अमिताभ बनर्जी कलकत्ता पत्तन एवं गोदी औद्योगिक कामगार संघ (आई एन डी) के प्रतिनिधि।
3. श्री बाहिब अली आजाद कलकत्ता गोदी कामगार संघ (एच एम एस) के प्रतिनिधि।
4. श्री रविन मजुमदार गोदी श्रमिक संघ, कलकत्ता (सी आई टी यू) के प्रतिनिधि।
5. श्री जानकी मुखर्जी नेशनल यूनियन ऑफ वाटर-फ्रंट वर्कर्स (आई एन टी यू सी) के प्रतिनिधि।

III. गोदी कामगारों और नौवहन कंपनियों के नियोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य:

1. श्री डी० एस० बोस } कलकत्ता में स्टीवडोर संघ की
2. श्री एस० महालिंगम } परामर्शदात्री समिति के प्रतिनिधि।
3. श्री डी० के० गोरसिया }
4. श्री डी० के० राय, उप महा-भारतीय राष्ट्रीय जहाज प्रबंधक भा. नौ. नि., मालिक संघ के प्रतिनिधि। कलकत्ता।
5. कैप्टन एस० बी० मजुमदार, कलकत्ता में नौवहन हितों के कार्यपालक निदेशक संघ के प्रतिनिधि।
मै० सी० हार्स शिप एजेंसिज (प्रा०)
लि० कलकत्ता

2. केन्द्र सरकार एतद्द्वारा अध्यक्ष, कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता को इस बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नामित करती है।

[पा. सं. एल बी.-13014/1/96-यूएस (एल)]

के. जे. दीव्य प्रसाद, अवर सचिव

(Transport Wing)

New Delhi, the 17th October, 1996

S.O. 2993.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Transport Wing), No. S.O. 924(E) dated the 23rd December, 1992, the Central Government hereby appoints the following persons to be members of the Calcutta Dock Labour Board established under sub-section (1) of the said section 5A, namely :

I. MEMBERS REPRESENTING THE CENTRAL GOVERNMENT :

1. Chairman, Calcutta Port Trust, Calcutta.
2. Deputy Chairman, Calcutta Dock Labour Board, Calcutta.
3. Joint Secretary (Industrial Relations), Labour Deptt., Government of West Bengal, Calcutta.
4. Traffic Manager, Calcutta Port Trust, Calcutta.
5. Shri S. K. Dargan, Under Secretary, Ministry of Surface Transport, New Delhi.

II. MEMBERS REPRESENTING THE DOCK WORKERS :

1. Shri Sudhir Kumar Mitra, Representative of West Bengal Dock Mazdoor Union (INTUC).
2. Shri Amitabha Banerjee, Representative of Calcutta Port &

Dock Industria Workmen Union (IND).

3. Shri Wahid Ali Azad. — Representative of Calcutta Dock Workers' Union (HMS).

4. Shri Rabin Majumdar. — Representative of Dock Shramik Association, Calcutta (CITU).

5. Shri Janaki Mukherjee. — Representative of National Union of Waterfront Workers (INTUC).

III. MEMBERS REPRESENTING THE EMPLOYERS OF DOCK WORKERS AND SHIPPING COMPANIES :

1. Shri D. S. Bose } Representatives of the
2. Shri S. Mahalingam. } Consultative Committee of Stevedores' Association in Calcutta.
3. Shri D. K. Gorsia. }
4. Shri D. K. Roy, Deputy General Manager, SCI, Calcutta. Representative of Indian National Ship-owners' Association.
5. Capt. S. B. Mazumdar, Executive Director, M/s. Sea Horse Ship Agencies (P) Ltd., Calcutta. Representative of Association of Shipping Interests in Calcutta.

2. The Central Government hereby nominated the Chairman, Calcutta Port Trust, Calcutta as the Chairman of the Board.

[F. No. LB-13014/1/96-US (L)]

K. J. DYVA PRASAD, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1996

का.आ. 2994—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियमों 1983 के नियम 9 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सुभता विश्वास, भारतीय प्रशासनिक सेवा (केरल 185) को 16-8-96 की पूर्वाह्न से चार वर्षों की अवधि हेतु अथवा अगले आदेशों तक, इन्हें वे जो भी पहले हों, के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर क्षेत्रीय अधिकारी केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, कलकत्ता (3700—5000/ रुपए) के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. संख्या 801/11/95-एफ(सी)]

बी.के. महोत्ता, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 30th September, 1996

S.O. 2994.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with rule 9 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government is pleased to appoint Shri Subrata Biswas, IAS (Kerala : 85) as Regional Officer, Central Board of Film Certification, Calcutta (Rs. 3700-5000) on deputation basis for a period of four years from 16-8-96 FN or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 801/11/95-F(C)]

V. K. MALTHORA, Desk Officer

इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1996

का.भा. - 2995—राजभाषा संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रायोग (नियम, 1976) (यथा संशोधित 1967) के नियम-10 के उप नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी वृन्ध ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :—

- (1) स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड,
शाखा विक्रय कार्यालय
जीसीडीए कमर्शियल कामप्लेक्स तीसरी मंजिल,
गन मुगम रोड, मैरिन ड्राइव,
कोचीन—682031
- (2) स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड,
शाखा विक्रय कार्यालय
शांभाग चैम्बर (चौथी मंजिल),
किर्लोस्कर रोड बेलगांव-590002

[सं. ई. 11011(1)/95-हिन्दी]

अशोक भारद्वाज, निदेशक

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 8th October, 1996

S.O. 2995.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 (as amended 1987) the Central Government hereby notifies the following offices under the Administrative control of Ministry of Steel, where more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Steel Authority of India Limited,
Branch Sales Office,
G.C.D.A. Commercial Complex,
3rd Floor, Shanmugam Road,
Marine Drive,
Cochin-682031.
2. Steel Authority of India Limited,
Branch Sales Office,
Shambag Chambers, (4th Floor),
Kirlosker Road,
Belgaum-590 002.

[No. E. 11011(1)/95-Hindi]

ASHOK BHARDWAJ, Director

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली 30 सितम्बर, 1996

का.भा. 2996 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40011/7/95-आईआर (डीयू)]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th September, 1996

S.O. 2996.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom District Engineer and their workman, which was received by the Central Government on 27-9-1996.

[No. L-40011/7/95-IR(DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I

AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B.,
Industrial Tribunal-I.

Dated : 4th day of September, 1996.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 85 OF 1995

BETWEEN

Sri G. V. Subbaiah, So G. P. Venkataiah,
C/o Sri N. Anjaneyulu, TDO Telephone,
Exchange, Vinukonda-522 647,
Guntur Dist.

PETITIONER

AND

The Telecom District Engineer,
Ananthapur-515 050. . . RESPONDENT
APPEARANCES :

Sri C. Suryamarayana, Advocate for the Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Advocate for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour,

New Delhi by its Order No. L-40011/7/95-IR-(DU) dated 27/30-11-1995 referred under Sections 10(1)(d) and 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in the Schedule which reads as follows :—

“Whether the action of the management of Telecom Distt. Manager Ananthapur is justified in terminating the service of Sri G. V. Subbaiah w.e.f. 1-7-1986? If not, what relief he is entitled to ?”

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 85 of 1995 on the file of this Tribunal. After notice was issued by this Tribunal, to both the parties, the workman filed claim statement and the Respondent filed a counter.

2. The learned Advocate for the Respondent-Management requested this Tribunal to decide the legality of the reference as a preliminary point, in view of the fact that the Supreme Court held that the Telecom Department is not an industry within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, 1947.

3. Both the parties are heard on the point.

4. The point for consideration is whether this Tribunal has got jurisdiction to adjudicate the dispute?

5. POINT.—The Petitioner-workman was employed in the Telecom Department. The Government of India made a reference to this Tribunal treating the Telecom Department as an industry and the Petitioner as a workman coming within the purview of Industrial Disputes Act, 1947. The Supreme Court in Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and Others v. Thevvan Joseph etc. (1996 I.L.R. Page 483). While deciding the case of Postal Department which is a part of Telecom Department held as follows :—

“Having regard to the contentions, the question arises whether the appellant is an industry? India as a sovereign socialist, secular democratic republic has to establish an egalitarian social order under rule of law. The welfare measures part take the character of sovereign functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of State. Directive principles of State policy enjoin on the State diverse duties under Part IV of the Constitution and the performance of the duties are constitutional functions. One of the duty is of the State to provide telecommunication service to the general public and an amenity, and so is one essen-

tial part of the sovereign functions of the State as a Welfare State. It is not, therefore, an industry.

In view of the specific findings of the Supreme Court, Telecom Department is not an industry. This Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the dispute between the Government Department and its employee.

6. However the learned Advocate for the Petitioner workman raised several contentions. He argued that the Supreme Court did not refer to the two leading decisions on the subject viz. Bangalore Water Supply & Sewerage Board v. A. Rajappa (AIR 1978 S.C., Page 969—1978 (1) LLJ Page 349 and also Chief Conservator of Forests v. Jagannath Maruti Kondhare and Others (1996 S.C.C. (L&S) 500) which dealt with the sovereign functions of the State. He also referred to N. Nagendra Rao & Co. v. State of Andhra Pradesh (1994 6 S.C., Page 205) wherein the sovereign functions of the State are set out. He relied upon the decision in Delhi Science Forum v. Union of India and another (AIR, 1996 S.C., Page 1356) which upheld the new Telecom policy of the Government by which a part of the industry is entrusted to private enterprises. He lastly argued at length and referred to several decisions referred to page 477 of The A.I.R. Manual (Vth Edition) wherein the word “might” used in Section 11 of C.P.C. was considered. He argued that the Supreme Court might have or ought to have considered several other decisions on the subject and they were not considered.

7. This Tribunal as a subordinate to High Court and Supreme Court cannot distinguish any decisions given by Supreme Court directly on a particular point by referring to the decisions of the Supreme Court or of our High Court on a similar point. The Supreme Court held that the Telecom Department is not an industry. When once the employer is not an industry, there cannot be an industrial dispute and so this Tribunal cannot entertain the dispute, if any, between the Petitioner and the Respondent. I, therefore, hold that this Tribunal has no jurisdiction to entertain this dispute.

8. In the result, an Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 4th day of September, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I, Hyd.

Appendix of evidence

NIL

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

AWARD

का.आ. 2097.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/423/91-(आई.आर.)बी. 2]

सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 2997.—In pursuance of Section 11 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th September, 1996.

[No. L-12012/423/91-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU,
MADRAS

Wednesday, the 7th day of August, 1996

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B., Industrial Tribunal,
Industrial Dispute No. 32 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of Central Bank of India, Madras)

BETWEEN

The workman represented by :

The General Secretary,
Central Bank of India Employees Union,
P.B. No. 1579, No. 11, Second Line Beach,
Madras-600 001.

AND

The Chief Manager,
Central Bank of India, Zonal Office,
48/49, Montieth Road, Egmore,
Madras-600 008.

REFERENCE :

Order No. L-12012/423/91-IR(B.II), dated 25th March, 1992, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 2nd day of July, 1996 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru G. Venkataraman, for Tvl. Aivar and Dolia, R. Arumugam and B. Haribabu, Advocates appearing for the workmen and of Tvl. T. S. Gopalan and P. Ibrahim Kalifulla, Advocates appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

The Government of India, by its Order No. L-12012/423/91-IR(B-II), dated 25th March, 1992, Ministry of Labour, referred for adjudication by this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute :

"Whether the action of the management of Central Bank of India in dismissing from their services Sh. D. David w.e.f. 11st February, 1987 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?

After service of notices the petitioner and respondent filed their claim statement and counter statement respectively.

2. The main averments found in the claim statement are as follows :

The workman Shri David has joined the respondent-bank as sub-staff at Sivakasi branch in 1970. He was permitted as a Clerk in the year 1980 and was working as Assistant Cashier in Sivakasi branch of the respondent, Central Bank of India w.e.f. 7th July, 1980. On 3rd September, 1984 the respondent issued a memo to the workman alleging that he has misappropriated Rs. 700 from and out of the amount handed over to him by one Gurusamy for payment of dues for the loan obtained by him. Subsequently another charge was framed against him for misappropriating a sum of Rs. 200 from the bundle of Rs. 50 denomination kept in the cash chest. The petitioner denied the charges and a domestic enquiry was conducted against him. Copies of complaints on which charges have been framed were not furnished to the workman before the commencement of the enquiry. Original documents have not been exhibited in the enquiry. The enquiry officer elicited favourable answers from MW2 in the re-examination. The complainant Gurusamy was not examined in the enquiry and the workman lost the opportunity of cross-examining him. No reasonable opportunity was granted to the workman to defend himself and principles of natural justice have been violated by the Enquiry Officer. The Enquiry Officer was biased and the findings given by the Enquiry Officer are one sided and perverse. The enquiry was totally vitiated and the same is liable to be set aside. On the perverse findings given by the Enquiry Officer, the respondent bank dismissed the petitioner from service by an order dated 11th February, 1987. The petitioner had preferred an appeal on 24th March, 1987 and the Appellate Authority without analysing his mind confirmed the punishment awarded. The order of dismissal passed by the respondent management may be set aside and the petitioner reinstated in service with continuity of service and full back wages.

3. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows :

The petitioner-union has no competency to raise the dispute on behalf of workman Shri David. No valid industrial dispute within the meaning of Sec. 2(L) of the ID Act, has arisen and the reference is invalid in law. Shri David was transferred as a Clerk in the Sivakasi branch of the respondent-bank, in the year 1960 and he introduced one Gurusamy who opened a Savings Bank Account. On 16th September, 1982 Gurusamy availed a loan of Rs. 4,500 and he has been paying at the rate of Rs. 200 per month, towards the loan instalments to the workman concerned, who received the amount and effected shortage remittance of Rs. 700. Gurusamy tried to recover the sum of Rs. 700 from David and when he failed in his attempts he gave a report against the workman. On receipt of the complaint, a show cause notice was issued to the workman and he wanted a week's time to give his explanation. Since he has failed to submit his explanation, reminder has been issued on 5th December, 1984. He has sent a reply saying that he has already submitted his explanation on 9th September, 1984, which happened to be Sunday. When this fact was brought to the knowledge of the workman, he sent a letter that the date should be read as 10th September, 1984. When Sh. M. Sankaravelu Chief Cashier of Sivakasi branch fell sick, the workman had to act as Chief Cashier, and when Sankaravelu resumed duty on 1st March, 1985, on verification of cash, he found a shortage of 4 pieces in a section of Rs. 50 currency notes (total shortage of Rs. 200). Immediately, Sankaravelu re-

ported the matter to the Branch Manager, and on the advice of the authorities concerned, on 6th June, 1986 a charge-sheet for the 2 instances was issued to the workman. Since his explanation was unsatisfactory, a departmental enquiry was held and the Enquiry Officer submitted a report finding him guilty of the two charges. Based on the findings a show cause notice was issued to the workman and he submitted his explanation. After considering the representations of the workman, the Disciplinary Authority passed orders on 11th February, 1987 dismissing the workman from service. In the departmental enquiry all the copies of documents were furnished to the workman and the enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice. The non-examination of Sh. V. Gurusamy in no way affected the findings of the Enquiry Officer. Sufficient evidence was let in to establish the said charge against the workman. Since the conduct of the workman impaired the confidence reposed on him by the respondent-bank any punishment except dismissal can be awarded in this case. An award may be passed rejecting the prayers of the petitioner-union.

4. Exs. M. 1 to M. 67 have been marked by the respondent-management.

5. The point for consideration is : Whether the action of the management of Central Bank of India, in dismissing from their services Sh. D. David w.e.f. 11th February, 1987 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?

6. The Point : The workman Shri David at the relevant time was working as a Clerk in the Sivakasi branch of the respondent, Central Bank of India. When the workman was employed as a Clerk in the respondent-bank, he introduced one Gurusamy who obtained a loan of Rs. 4,500 and the amount has to be repaid in 19 instalments. Mr. V. Gurusamy has alleged in his petition Ex. M. 2, that he paid Rs. 200 each in 8 instalments and when verified a sum of Rs. 700 has not been paid by the workman towards the loan. The workman has admitted in the enquiry that Gurusamy was known to him for over 10 years. Due to the close association and that since the workman was working in the said branch of the bank, Gurusamy handed over the amounts to the workman who defalcated to pay a sum of Rs. 700 into the account of V. Gurusamy. The main objection raised on the side of the petitioner-union was that Gurusamy was not examined in the enquiry on the side of the management. However, the report given by Gurusamy and all other available been produced in the enquiry. Unlike a Criminal case, in a departmental enquiry any particular witness need not be examined provided the document would prove the charge. Accordingly when the documents have been marked and they revealed the preponderance of probability of the workman having received the amount from Gurusamy, and thereafter failed to deposit a sum of Rs. 700 the non-examination of Gurusamy was not immaterial. The workman has not shown any valid reason that the allegations made against him in Ex. M.2 were false. On the contrary, he has sent a letter Ex. M.4 to the Branch Manager of the respondent-bank seeing a week's time to give his reply even thereafter he has not sent any reply. The Management sent Ex. M.5 letter reminding him of the expiry of the period requested by him and to submit his explanation forthwith. The workman sent a reply Ex. M.6 stating he had already sent an explanation on 9-9-84. It was brought to the knowledge of the workman by the letter Ex. M.7 that 9-9-84 was Sunday, and probably he could not have sent reply on a holiday. The workman sent a reply Ex. M.8 saying that instead of 10-9-84 he has written as 9-9-84. The workman has not moved his little finger to show that it was a false complaint and on the contrary he was gaining time by saying various reasons. His allegation that he had sent a reply on 9-9-84 has not been proved and the circumstances show that he could not have sent any reply as alleged by him. Above all, he has failed to produce a copy of the reply if at all he had sent any such reply. So, it is clear that the workman had not shown any reasonable explanation for the allegation levelled against him in Ex. M.2. MW1 Krishnamurthy the then Branch Manager of Sivakasi and MW2, Mohan have deposed in the departmental enquiry and documents have been marked through them. Their evidence is corent and convincing and there is ample materials to prove charge No. 1 against the workman. The non-examination of Gurusamy cannot be taken as a reason to disbelieve the various documents and also the evidence

of the officials examined on the side of the management. There is ample evidence to prove that the workman Sh. David having received the money from Gurusamy has failed to deposit Rs. 700. Therefore, the finding of the Enquiry Officer that charge No. 1 has been proved against the workman is correct and there is no reason to interfere with the said findings.

5. One Shri M. Sankaravelu was the permanent Chief Cashier of Thiruvannamalai branch of Central Bank of India. He went on leave and one Sivanesa Saivan, Clerk looked after the work of Sankaravelu. The workman being the senior Clerk working in the branch, was posted as Acting Chief Cashier, in the place of Sankaravelu, for 3 days on 26th, 27th, and 28th February, 1985. The permanent chief cashier Sankaravelu re-joined the duty on 1-3-85 and while verifying the cash, one bundle of Rs. 20 currency notes had contained only 96 pieces as against 100 pieces. It was found that the workman has defalcated a sum of Rs. 200 while he was acting as Chief Cashier. On 1-3-85 the workman sent a letter Ex. M.10 to the Branch Manager for 4 days Casual Leave. Again on 4-3-85 he has sent Ex. M.11 for 1 day casual leave. Once again on 5-3-85 he has sent an application Ex. M.12 for one day C.L. On 5-3-85 he has sent Ex. M.13 for treating the casual leave from 1-3-85 to 9-3-85 as commuted sick leave. On 8-3-85, the Branch Manager by seeing the contradictory reasons stated by him in the previous leave letters instructed to obtain a illness certificate from the District Medical Officer. When the Branch Manager asked him to get Medical Certificate from the District Medical Officer, he has sent Ex. M.14. Ex. M.14 letter seeking 3 days time to get the certificate and also to grant 3 days leave. Once again he has sent Ex. M.15 letter asking for Medical leave till 18-3-85. In the mean time, on 1-3-85 itself, the Chief Cashier Shri M. Sankaravelu, reported the shortage of Rs. 200 to the Branch Manager under Ex. M.1/letter. The chief cashier has passed on order Ex. M.18 on the same day instructing the workman to deposit a sum of Rs. 200 and sent one Thangavelu,peon of that branch to the house of the workman with instructions to bring him immediately. When Thangavelu went there the workman was not there and his wife informed him that he had already left for office. Thangavelu gave a letter Ex. M.19 to that effect to the Branch Manager. Again the Branch Manager sent Palanisamy a Clerk working in the said branch to the resident of the workman Shri David regard the shortage of cash. After going there, Palanisamy reported back under Ex. M.20 saying that workman has expressed his inability to come to the branch on that day. The said sum of Rs. 200 was not remitted back by the workman as directed by the Branch Manager under Ex. M.18 and the Branch Manager once again sent another letter by registered post with acknowledgement due on 12-3-85 marked as Ex. M.21 charging the workman that because of his negligence and dereliction of his duties a loss of Rs. 200 has been occurred and he should make good the loss and to offer the explanation within 3 days. On 19-3-85 he has sent an explanation Ex. M.22 stating that on 1-3-85 at about 9.30 a.m. he handed over the charge to the Chief Cashier M. Sankaravelu and thereafter went to the hospital and though he was not responsible for the said shortage, he had paid the sum of Rs. 200 on 19-3-85 as per the instructions of the Branch Manager. The statements of Mr. Krishnamurthy, Branch Manager, Mr. Sankaravelu, Chief Cashier and Sivanesa Selvan, Clerk was recorded by one Padmanabhan, Officer. The muster roll for the date 1-3-85 shows that the workman attended the bank on that date and after handing over the keys to the Chief Cashier Sri Sankaravelu, he left the office immediately. The circumstances and also the letter correspondence taken place between the bank and the workman and also the evidence of staff members working in the said branch show that knowing fully well about the shortage of Rs. 200 the workman had left the bank all of a sudden. If he had any such illness, he would have informed Branch Manager and got his prior permission before leaving the bank on 1-3-85. He has also not stated about his sudden illness to any of the officials working in the bank and he has left the bank abruptly. The behaviour of the workman clearly shows that when Sankaravelu took charge, he would count the cash and thereafter the shortage would be revealed. Knowing fully well about this fact, the workman had left the bank under the pretext that he had developed some illness all of a sudden on that day. It is also to note that in his leave letter dated 1-3-85 marked as Ex. M.10 he had not stated his illness. On the contrary,

the reason stated therein was his "personal work". On 4-3-85 he had sent another leave letter Ex. M.11 seeking one day casual leave to attend some domestic work. There also he has not mentioned his illness. On 5-3-85 he had stated that for some important work he required one day casual leave. It is only after 5-3-85, he had sent Ex. M-13 for cancellation of the casual leave between 1-3-85 and 5-3-85 and to commute the same as Sick Leave till 9-3-85. The Branch Manager has found out the contradictory reasons stated by him in his leave applications and directed him to obtain Medical Certificate from the District Medical Officer. It is clear from the evidence of Thangavelu, Pcon of that bank that the workman was not in his house on 1-3-85 at about 10.30 a.m. When Palanisamy one of the Clerks went to his residence and informed him of the shortage of Rs. 200 he said that he was unable to come to the branch on that day he was unwell. However, if he was unwell on 1-3-85, he could have stated the said reason in the casual leave application Ex. M.10 whereas he had stated that due to some important personal work he could not attend office on 1-3-85 and 2-3-85. Therefore, the reasons stated by the workman for his continuous absence from 1-3-85 was contradictory and the same cannot be accepted. The workman never denied the shortage and he has paid Rs. 200 as directed by the Branch Manager. He has explained it by saying that in order to fulfil the directions of the Branch Manager, he had paid the amount and the same should be returned to him after enquiry. It is nothing but an explanation in order to show that he was innocent, of the charge. The behaviour of the workman leaving the bank at about 9.30 a.m. and applying for leave since then and extending the leave under some pretext or other would go to show the hollowness in his plea of innocence. A perusal of the findings given by the Enquiry Officer would go to show that he has assessed every one of the reasons for and against the workman and finally had come to the conclusion that the charge has been proved against the workman. The findings cannot be called as unsatisfactory much less perverse.

6. It was argued on the side of the workman that the Enquiry Officer took the role of the management representative in the departmental enquiry and put questions to MW2 in the re-examination. The enquiry proceedings contain the questions put by the Enquiry Officer and also the answers given by MW2. The Enquiry Officer has got right to clarify the doubts arise in the ambiguous statements given by the witness. Accordingly, the Enquiry Officer has elicited certain facts from the mouth of MW2 and the same cannot be shown against the Enquiry Officer's partisan attitude towards the workman. From the evidence available on the record, it would lead to the irresistible conclusion that charge No. 2 has been proved against the workman.

7. The workman has not challenged the departmental enquiry and the findings of the Enquiry Officer and asked for preliminary enquiry before this Tribunal. The petitioner-union has argued its case under Section 11-A of the I.D. Act. Section 11-A was introduced in the I.D. Act on 15th December, 1971. In order to show the position of law before 15th December, 1971 and the legal position as on 15th December, 1971 two rulings of the Supreme Court were cited before me. In *Chartered Bank, Bombay vs. Chartered Bank Employees' Union & Another* (1960 II LLJ p. 222) the Supreme Court has held:

"The form of the order of termination is not conclusive of the true nature of the order, for it is possible that the form may be merely a camouflage for an order of dismissal for misconduct. It is therefore, always open to the Tribunal to go behind the form and look at the substance; and if it comes to the conclusion, for example, that though in form the order amounts to termination simpliciter, it in reality cloaks a dismissal for misconduct, it will be open to set it aside as a colourable exercise of the power."

8. In *workmen of Fire Stone Tyre and Rubber Company vs. The management of Fire Stone Tyre and Rubber Company & Others* (1973 I LLJ P. 278 at Page 294 & 295), the Supreme Court has held:

"To invoke S. 11A, It is necessary that an industrial dispute of the type mentioned therein should have

been referred to an Industrial Tribunal for adjudication. In the course of such adjudication, the Tribunal has to be satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified. If it comes to such a conclusion, the Tribunal has to set aside the order and direct reinstatement of the workman on such terms as it think fit. The Tribunal has also power to give any other relief to the workman including the imposing of a lesser punishment having due regard to the circumstances."

The earlier decision in *Chartered Bank's* case shows that this Tribunal can go beyond the form and look at the substance and if it comes to the conclusion that though in form the order amounts to termination simpliciter, it in reality cloaks a dismissal for the misconduct. It will be open to set it aside as a colourable exercise of the power. That was the position prior to the introduction of S. 11-A as on 15th December, 1971. After the introduction of S. 11A, if the Tribunal is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it can set aside the order and direct the reinstatement of the workman and the Tribunal has power to give any other relief to the workman including imposing of lesser punishment having due regard to the circumstances. Therefore, Section 11-A gives power to the Tribunal to impose a just punishment. When we consider the facts of the instant case in the light of the above ruling, we cannot disagree with the finding of the Enquiry Officer. Once this Tribunal has come to the conclusion of confirming the view taken by the Enquiry Officer, it was argued that the Tribunal has no power to interfere with the punishment awarded by the Management. However, Section 11-A of the Industrial Disputes Act gives ample power to the Tribunal to give any other relief to the workman including imposing of lesser punishment having "due regard to the circumstances". In the instant case both the charges framed against the workman have been proved. Charge No. 2 which deals with removing 4 currency notes of Rs. 50 denomination each is a serious one, considering the nature of work of the workman. The workman who is working in the bank has removed the currency notes kept under his safe custody. There cannot be any other serious violation of his official duties than this. The employees of the Bank who deal in cash are real custodians of the public money. If any Bank employee has indulged in the misconduct of removing the currency notes kept in the locker no other punishment except dismissal can be awarded to such person. Under these circumstances, the punishment awarded to the workman by the management is just and proper and the same has to be confirmed.

In the result, an award is passed rejecting the claim of the petitioner—No costs.

Dated, this the 7th day of August, 1996.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides—None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman—Nil.

For Management :

- Ex. M-1—Proceedings of the Enquiry Officer (Xerox copy).
- Ex. M-2/17-7-84—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-3/3-9-84—Memo issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-4/3-9-84—Letter from Petitioner-workman to the Respondent bank (Xerox copy).
- Ex. M-5/5-12-84—Memo issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-6/17-12-84—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-7/26-12-84—Letter from Respondent Bank to Petitioner workman (Xerox copy).

- Ex. M-8/28-12-84—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-9/25-2-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-10/1-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-11/4-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-12/5-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-13/5-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-14/ —Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-15/15-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-16/8-3-85—Memo issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-17/1-3-85—Letter from Thiru M. Singaravelu to Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-18/1-3-85—Letter from Respondent-bank to Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-19/ —Letter from Th. A. Thangavelu, to Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-20/1-3-85—Letter from Thiru A. Palanisamy to Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-21/12-3-85—Letter from Respondent-bank to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-22/19-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-23/1-3-85—Statement of Thiru S. Krishnamoorthy (Xerox copy).
- Ex. M-24/ —Statement of Thiru P. Sivanesachelvan (Xerox copy).
- Ex. M-25/ —Statement of Thiru M. Singaravelu (Xerox copy).
- Ex. M-26/ —Loan account of Th. V. Gurusamy Extract from Ledger (Xerox copy).
- Ex. M-27/5-12-84—Memo by the Respondent-bank to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-28/1-3-85—Memo by the Respondent-bank to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-29/19-3-85—Letter from Petitioner-workman to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-30/20-10-82/2-7-84—Challans numbering 19 (Xerox copy).
- Ex. M-31/6-9-82—Debit note to Thiru Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-32/16-9-82—Debit note to Thiru Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-33/16-9-82—Credit note for Rs. 6,000 (Xerox copy).
- Ex. M-34/25-2-85/28-2-85—Xerox copy of Page Nos. 207, 208, 209 and 210 of Cash Balance book.
- Ex. M-35/ —Xerox copy of Page Nos. 93 and 94 of Stock Register & Locker.
- Ex. M-36/26-2-85/1-3-85—Xerox copy of Page Nos. 121, 122, 123, 124 and 125 and 126 of Token book.
- Ex. M-37/25-8-82—Specimen signature of Card—SB account of Th. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-38/28-2-85/2-3-85—Extract from Attendance Register (Xerox copy).
- Ex. M-39/1-3-85—Debit note (Xerox copy).
- Ex. M-40/19-3-85—Credit Note (Xerox copy).
- Ex. M-41/ —Extract from Key Movement register (Xerox copy).
- Ex. M-42/14-8-84—Confidential note from Respondent-bank to Divisional office, Madurai (Xerox copy).
- Ex. M-43/25-8-82—Savings Account - Opening form of Thiru V. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-44/23-4-85—Account opening form of Thiru V. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-45/30-11-84—Promissory Note by Thiru V. Gurusamy to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-46/30-11-84—Term loan agreement for small loan by Th. V. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-47/ —Letter from Th. V. Gurusamy to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-48/6-12-84—Cash bill of Bama Cycles (Xerox copy).
- Ex. M-49/6-12-84—Receipt for Rs. 8,060 (Xerox copy).
- Ex. M-50/30-11-84—Self Employment Loan form of Th. V. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-51/3-9-82—Letter from Th. V. Gurusamy to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-52/3-9-82—Letter from Th. D. Vellaichamy to the Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-53/ —Extract of Folio Nos. 111 and 84/88 from Current Account Register (Xerox copy).
- Ex. M-54/6-9-84—Challan for Rs. 200 issued to Th. V. Gurusamy (Xerox copy).
- Ex. M-55/ —Self Employment Loan Statement of Respondent-bank (Xerox copy).
- Ex. M-56/5-7-85—Memo on transfer of staff members (Xerox copy).
- Ex. M-57/1-3-82—Increment statement pertaining to the petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-58/4-3-83—Increment statement pertaining to the petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-59/14-6-89—Increment Report on Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-60/March 1984—Increment statement of Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-61/6-6-86—Charge sheet issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-62/29-10-86—Findings of the Enquiry Officer (Xerox copy).
- Ex. M-63/22-1-87—Second show cause notice issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- Ex. M-64/24-1-87—Explanation by the Petitioner-workman to Ex. M. 63 (Xerox copy).
- Ex. M-65/11-2-87—Memo issued to Petitioner-workman enclosing order of dismissal (Xerox copy).
- Ex. M-66/24-3-87—Appeal preferred by Petitioner-workman against the dismissal order (Xerox copy).
- Ex. M-67/31-7-87—Order of Appellate Authority rejecting the appeal filed by the petitioner-workman (Xerox copy).

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2998:- केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि खनिज तेल (कच्चा तेल) मोटर और विमानन स्पिरिट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल, विविध हाइड्रोजन तेल और उनके मिश्रण, जिनमें सिन्येटिक ईंधन, स्नेहक तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल हैं, के निर्माण या उत्पादन में लगे उद्योग में सेवाओं को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 26 में शामिल हैं, उक्त

अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (8) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग की उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छह मास की कालावधि के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/2/84-डी-1 (ए)]
एच.सी. गुप्ता, अवसर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th October, 1996

S.O. 2998.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (Crude oil), motor and aviation spirit, diesel oil, Kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like, which are covered by entry 26 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said Industry to be a public utility service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

का.आ. 2999:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रवृत्तल के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/115/93-आई आर(सी II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1996

S.O. 2999.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th October, 1996.

[No. L-22012/115/93-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

PRESENT:

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, the 14th day of August, 1996
Industrial Dispute No. 91 of 1995

BETWEEN

The Regional Secretary,
S. C. Employees Union (CETU) Godabarikhani,
Karimnagar District. ... Petitioner.

AND

The General Manager, S.C.C. Ltd.,
Ramagundam III Area, Godavarikhani,
Karimnagar. ... Respondent.

APPEARANCES:

Sri. K. Vasudeva Reddy, Advocate—for the Petitioner.
M/s. K. Srinivasa Murthy & G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi made a reference to this Tribunal by its Order No. L-22012/115/93-IR(C-II) dated 29th September, 1995 and corrigendum dated 8th March, 1996 under Section 10(1)(d) & 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in its schedule which reads as follows:

"Whether the action of the management in insisting wardboys of Area Hospital, SCCL.RG.III, Godavarikhani, to shave the parts of the body as part of preparation of the patient for elective surgery is legal and justified? If not, what relief the workmen are entitled to?"

2. After receipt of the above reference, this Tribunal issued notice to both the parties and the Respondent has acknowledged the receipt of the notice. The Advocate for the Petitioner filed vakalat on 11th March, 1996. For claim statement of the Petitioner the case was adjourned from time to time. No claim statement of the petitioner was filed. Hence it is found that the petitioner is not evincing any interest to prosecute his matter even though several adjournments were granted by this Tribunal to lead his evidence and prosecute the matter.

3. On a perusal of the docket sheet, it is found that both parties are not evincing any interest to prosecute this matter. Hence there is no option except to close the reference. Hence the industrial dispute is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 14th day of August, 1996.

Sd/-

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I
Appendix of evidence

NIL

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3000:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार एस.सी.सी.एल. के प्रवृत्तल के संबंध नियोजकों और उसके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/330/92-आई आर. (सी-II)]
राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1996

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

S.O. 3000.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 8-10-96.

[No. L-22012/330/92-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated 14th day of August, 1996

Industrial Dispute No. 55 of 1995

BETWEEN :

The Vice President,
Singareni Miners & Engineering,
Workers Union (BMS) No. D-2156
Tilaknagar, Godavarihan Post

..Petitioner.

AND

The General Manager,
M/s. S.C. Co. Ltd., Ramagundam Area-I.
Godavarihan Post, Karimnagar Dist. A.P. ..Respondent.
APPEARANCES

Sri K. Vasudev Reddy, Advocate—for the Petitioner
M/s. K. Srinivasa Murthy & G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi made a referred to this Tribunal by its Order No. L-22012/330/92-IR(C-II) dt. 25-5-1995 under Section 10(1)(d) & 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in its schedule which reads as follows :—

"Whether the action of the management in not absorbing Sh. Debata Pandu and 52 contract labour engaged in erection, operation of transmission lines and maintenance of townships of SCCL at Godavarihan region since, 1987 which is a perennial nature of work and where some company's employees are also engaged is legal and justified? If not, what relief the workmen are entitled to?"

2. After receipt of the above reference, this Tribunal issued notice to both the parties and both parties have acknowledged the receipt of notice. The Petitioner filed claim statement on 23-8-1996 while the Respondent filed their counter on 27-2-1996. The matter was posted for enquiry. From 2-4-1996 to till date i.e. 14-8-1996 neither the Petitioner nor the Respondent was ready to lead the evidence. Hence it is found that the Petitioner is not evincing any interest to prosecute this matter even though adjournments were granted by this Tribunal to lead his evidence and prosecute his matter.

3. On a perusal of the docket sheet, it is found that both parties are not evincing any interest to prosecute this matter. Hence there is no option except to close the reference. Hence the Industrial Dispute is closed.

Given under my hand the seal of this Tribunal, this the 14th day of August, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I
Appendix of evidence

NIL

का.आ. 3001.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी.सी.एल. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-22012/375/95-आई.आर. (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1996

S.O. 3001.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 8-10-96.

[No. L-22012/375/95-IR(C II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.
Dated, 8th day of August, 1996
Industrial Dispute No. 53 of 1996

BETWEEN :

Sri D. S.Rao, Vice President,
Central Council Singareni Collieries,
Workers Union, Coal Chemical Complex,
504 302. ..Petitioner.

AND

The Project Manager, S.C. Co. Ltd.,
Coal Chemical Complex, A.P. 504 302 ..Respondent.

APPEARANCES :

M/s. K. Srinivasa Murthy, G. Sudha and K. Bharathi.
Advocates—for the Respondent.

Petitioner set exparte.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, made a reference to this Tribunal by its Order No. L-22012/376/95-IR(C-II) dt. 13-4-1996 under Section 10(1)(d) & 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows :—

"Whether Smt. Maddi Sammakka, Smt. Maddi Devaleela and Sh. Raj Mouli (R. Rajamogili) joined on 9-12-91, 3-12-90 and 3-7-90 respectively Badli workers entitled for regularisation on par with Sh. R. Pratap Reddy, Junior Operator, Coal Chemical Complex or not? If not what relief they are entitled to?"

2 After receipt of the notice issued by this Tribunal, the Petitioner called absent though summons served on 25-6-96 and the Petitioner has been set exparte. Sri K. Srinivasa Murthy filed a memo offering to file Vakalat for the Respondent. Time was extended to the vakalat of the Respondent till 10-7-1996 and again extended to 20-7-1996.

3. On 20-7-1996 Sri Krnivas Murty filed Vakalat for the Respondent on 9-7-1996. For counter time was extended to 8-8-1996. On 8-8-1996 Smt. Bharathi for Sri K. Srinivasa Murthy represented that the Respondent has no counter.

4. On a perusal of the docket sheet, it is found that the parties are not evincing an interest to prosecute the matter before this Tribunal. Hence there is no option except to close the reference. Hence the industrial dispute is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 8th day of August, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3002:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम.सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद को पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-22012/385/94-आई.आर. (सी-ii)]
राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th October, 1996

S.O. 3002.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 8-10-96.

[No. J-22012/385/94-IR(C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I

Dated, 9th day of August, 1996

Industrial Dispute No 18 of 1995

BETWEEN :

General Secretary, Singareni Collieries,

Labour Union (INTUC), Bellampalli,

District, Adilabad.

..Petitioner.

AND

The General Manager, Singareni,

Colliery Co. Ltd., Mandamarrri,

District, Adilabad.

..Respondent

APPEARANCES :

Sri R. N. Reddy, Advocate—for the Petitioner S/Sri K. Srinivasa Murty & G. Sudha. Advocates—for Respondent.

AWARD

This is a reference made by the Govt. of India, Ministry

of Labour, New Delhi by its Order No. L-22012(385)/94-IR.C.II Dt. 5-12-1994 under Sections 10(1)(j) & 2A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows:—

"Whether the action of the management of SCCL in terminating the services of Shri N. Odellu En. Badli Filler, KK5 Incline, SCCL Mandamarrri without offering any opportunity against the principles of natural justice and in violation of Clause No. 13(a)(2) of the Company's Certified Standing Orders is legal and justified? If not to what relief is the workman entitled to?"

2. After receipt of the said reference, this Tribunal issued notice to both the parties and they have acknowledged the notice. The claim statement was received by post from the Petitioner. The Advocates for both parties have filed their Vakalats. Subsequently the counter has been filed by the Respondent on 26-7-95. The case was adjourned from time to time but both parties were not ready for enquiry. On 9-8-1996 both parties as well as their Advocates are called absent and no representations are made on their behalf. Hence it is found that both parties are not evincing any interest to prosecute the matter.

3. On a perusal of the docket sheet from 8-9-1995 to till date both parties are not evincing any interest in prosecuting the matter. Hence there is no option except to close the reference. Hence the I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal this the 9th day of August, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3003.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/225/93-आईआर (बीआई)]
पी० जे० माईकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 3003.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workman, which was received by the Central Government on 30-9-96.

[No. L-12012/225/93-IR(BI)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I

Dated : 12th day of August, 1996

Industrial Dispute No. 14 of 1996

BETWEEN :

Sri J. Jaishankar H. No. 44/98-A,

Prakash Nagar, Kurnool 518 004.

.. Petitioner.

AND

The Regional Manager,

State Bank of India, Zonal Office,

Hyderabad-500 001.

.. Respondent.

APPEARANCES :

Sri B. G. Ravinder Reddy, Advocate—for the Respondent.

Petitioner set ex parte.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi made a reference to this Tribunal by its Order No. L-12012/225(93-1R(B.I) dt. 29-2-1996 under Section 10(1)(d) and 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in its schedule which reads as follows :—

"Whether the action of the management of State Bank of India, Hyderabad in terminating the services of Sh. J. Jaishankar is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Claims statement and counter of both the parties not filed. On 12-8-1996 the Respondent filed a memo requesting this Court to close the industrial dispute in view of the judgment in W.A. No. 111/96. The judgment is filed in this Court. The removal of the petitioner is held to be justified by the Hon'ble High Court in view of his conviction. Hence this reference cannot stand. Hence this industrial Dispute is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of August, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.प्र. 3004 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, संबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/669/86-आई आरबी]

पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 3004.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workman, which was received by the Central Government on the 30-9-1996.

[L-12012/669/86-IRB]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

2501 GI/96—17,

ANNEXURE

BEFORE SRI B K SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR
DEOGI, PALACE ROAD, KANPUR

I. D. No. 162/87

In the matter of dispute between :

The Regional Manager State Bank of India

Regional Office, The Mall

Kanpur.

AND

Sri Raj Narain Yadav

Village Lilabat

P O Phoolpur

District Allahabad

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification number L-12012/669/86-D.II(A) dated 10-11-87 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their Phoolpur Branch in terminating the services of Sri Raj Narain Yadav w.e.f. 24-9-85 (A.N) is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

2. Following facts are undisputed—

The concerned workman Raj Narain Yadav was working as guard with the opposite party State Bank of India from 4-5-75. His last posting was at Phoolpur Branch in Allahabad. He was retrenched on 13-12-82 from that place. He raised I.D. No. 44 of 84 challenging his retrenchment on the ground of breach of sec. 25F of I.D. Act. The award was given on 29-6-88 which was published on 18-7-85 against the management and the termination was held to be bad in law. Consequently orders for reinstatement with back wages were passed. In compliance of this award the opposite party reinstated the workman on 23-9-85. Next day that is on 24-9-85 the concerned workman was again retrenched after payment of retrenchment compensation and notice pay on the ground that his services were no longer required. The concerned workman filed writ petition no. 17288 of 85 before Hon'ble High Court. By order dated 4-12-88, Hon'ble High Court directed the concerned workman to seek relief by way of reference. Thereupon the concerned workman raised the instant industrial dispute.

3. In the claim statement it has been alleged that termination is bad in law as juniors were retained. Further when new hands were recruited he was not given any chance. Further this reference is arbitrary and amounts to unfair labour practice.

4. The opposite party has filed reply alleging that the termination of the concerned workman earlier was found to be bad on technical ground. The employer had every right to effect retrenchment after meeting such technical defect. It is further alleged that in any case the concerned workman was not a regular guard. Instead he was a badli guard hence provisions of secs. 25F, G&H of I.D. Act were not applicable to him. It is also alleged that there had taken place settlement between the management and the Union on 27-11-87, 27-10-88 and January, 1991 by which the concerned workman was to appear in test. As he failed to appear in test he has got no substantive right now. Lastly it was alleged that this Tribunal in the case of P. C. Sharma in the circumstances as they exist in the instant case had upheld the retrenchment. This case is fully covered by the above mentioned award.

5. In the rejoinder the all factual pleas raised in the written statement have been denied.

6. The management has filed the affidavit of one Umesh Guha on 26-2-91 besides Exts. M-1 to M-8 were filed regarding statement between the parties and holding of examination. Raj Narain Yadav WW 1 has examined himself besides he has filed Exts. W-1 to W-17.

7. At the outset it may be mentioned that the award of P. C. Sharma has not been filed. Hence it cannot be ascertained whether this Tribunal had given any award under the facts and circumstances as they exist in the instant case. In the absence of award the contention of the opposite party in this regard is repelled.

8. In the second place defence of settlement may be taken up. The settlements are alleged to have taken place on 17-11-87, 27-10-88 and in January, 1991 that is during the pendency of instant reference. In the case of M/s Hari Fertilizers Sahupuri versus State of U.P. 1991 Lab IC 777 it has been held that when any settlement is arrived at during the existence of reference and the workman is not a party to it then such settlement will have no binding effect on the workman. In view of this authority I arrive at the conclusion that the above mentioned settlements will not be any impediment to the getting of any relief in the instant case.

9. The third contention of the management may be taken up. It is alleged that the concerned workman was a badli guard and as such was not covered by the provisions of Industrial Disputes Act. In my opinion this dispute is no longer res integra in the earlier I.D. No. 44 of 84. This point has been fully crushed out and a finding has been given holding the concerned workman as a workman u/s 2(s) of I.D. Act. That award has become final between the parties. Even the opposite party has implemented it by reinstating the concerned workman and giving him back wages. Apart from this the concerned workman has also been given benefit of sec. 25F of I.D. Act before passing the impugned retrenchment order. These all factors go to show that according to own admission of the management the concerned workman is a regular workman and is covered by the provisions of I.D. Act.

10. Next it was contended that sections 25 G and H are not independent of section 25F of I.D. Act. This contention stands repelled by judgment rendered by Hon'ble Supreme Court in the case of management of State Bank of Bikaner & Jaipur versus Their workmen Civil Appeal No. 7029 of 1994 dt. 8-2-96, it has been held that section 25G and H of I.D. Act are independent of section 25 F of I.D. Act.

11. Now it will be seen if there has been breach of sections 25G and H of I.D. Act. In this regard there is evidence of the concerned workman that when the concerned workman was retrenched juniors to him like Ram Krishan, Antu etc. were retained in service. Further according to own admission of the management new hands have been recruited. The concerned workman has stated on oath that he was not given any opportunity. There is no rebuttal of this evidence. Hence from this un rebutted evidence it is established that there is breach of sections 25G and H of I.D. Act which has rendered the termination bad in law.

12. I am also of the firm view that this retrenchment order smacks of evil intention of the management. It has been passed just to circumvent the reinstatement order passed by this Tribunal in Industrial Dispute No. 44 of 1984. Simple observation that services are no longer required was not sufficient, in the instant case specially when juniors were retained. Thus this order being arbitrary amounts to unfair labour practice termination is also held to be vitiated on this count.

13. Lastly the authorised representative of the concerned workman has filed a number of authorities in which the principle have been laid down regarding the manner of retrenchment and regularisation. The same have not been referred to as they are not relevant for the purposes of present case.

14. In the end my award is that the retrenchment of the concerned workman by order dt. 4-7-85 is bad in law and he is entitled to be reinstated in service with back wages.

15. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.प्र. 3005.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके

कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/9/89-आईआरबीआई]

पी० जे० माईकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 3005.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 30-9-1996.

[No. L-41012/9/89-IR (B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-

CUM-LABOUR COURT, DECKI PALACE ROAD, PANDU

NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 87 of 1992

In the matter of dispute :

BETWEEN

Zonal Working President

Uttar Railway Karamchhari Union

96/196, Roshan Bajar, Lane,

Ganeshganj, Lucknow.

AND

Senior Civil Engineering (Constn.),

Northern Railway

Lucknow.

APPEARANCE :

Shri D. P. Awasthi - for the workman.

Shri Kamal Singh Chauhan—for the Management.

AWARD

1. Central Government Ministry of Labour, New Delhi vide its Notification No. L-41012/9/89-IR (D/U) dated 17-7-92 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the Sr. Civil Engineer (Construction), Northern Railway, Lucknow is justified in terminating the services of Shri Sabir Ali, S/o Shri Rajab Ali, Casual Labour w.e.f. 14-4-82 ? If not, what relief he is entitled to ?

2. The case of concerned workman Sabir Ali is that he was engaged as a casual labour under I.O.W. (Constn.)-III Northern Railway on 14-3-81. He worked there more than 240 days upto 14-4-82. Thereafter his services illegally determined. He had also acquired temporary status.

3. The opposite party has filed reply in which it is alleged that the concerned workman has worked from 14-6-81 to 28-6-81 for 15 days, from 1-8-81 to 14-9-81 for 45 days and from 9-10-81 to 12-10-81 for 2 days, total 70 days. Hence he had not completed 240 days in a year. It is also alleged that services of the concerned workman were brought to an end as sanction for work has expired.

4. In the rejoinder nothing new has been said.

5. The 1st point which needs to consideration that when the concerned workman has completed 240 days a year. In this regard there is evidence from the workman which has been rebutted by K. S. Sharma IOW (MW-1) however there is copy of service card of the concerned workman, the entries of which have been admitted to be correct by K. S. Sharma MW-1. According to this service card the concerned workman had completed 196 days. If Sundays are added to it will come more than 240 days. Hence my finding is that concerned workman has completed 240 days in a year. Admittedly no compensation and notice pay was given to him. Hence there is breach of Sect on 25-F I. D. Act.

6. Accordingly my finding is that termination of concerned workman is bad in law. Consequently my award is that the concerned workman is entitled for reinstatement but without back wages.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3006—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे के प्रबंधतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/109/90-आईआरबीआई]
पी० जे० माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 3006.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 30-9-1996.

[No. L-41012/109/90 IR B-I]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT DEOKI PALACE ROAD PANDU
NAGAR KANPUR

Industrial dispute No. 147 of 1991

In the matter of dispute.

BETWEEN

Senior D.P.O.
Northern Railway
Hazratganj Lucknow.

AND

Divisional Secretary
Northern Railway Karamchari Union
96/196, Roshan Bajaj Lane
Ganeshganj Lucknow.

APPEARANCE :

Shri D. P. Awasthi—for the workman.

Shri Hamid Quraish—for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-41012/109/90-IR B-I (DL) dated 18-9-91, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the Northern Railway, Lucknow in not regularising the services of Shri Bal Krishna, w.e.f. 6-2-75 is justified? If not, what relief the concerned workman is entitled to?

2. It is not necessary to give details of the case as on 18-9-96 representative of the concerned workman made a statement that he has no instructions. Hence the reference answered against the concerned workman for want of proof and concerned workman is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3007—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे के प्रबंधतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/30/93-आईआरबीआई]
पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1996

S.O. 3007.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in relation to the management of Northern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 30-9-1996.

[No. L-41012/30/93-IR B-I]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU
NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 6 of 1995

In the matter of dispute :

BETWEEN

Zonal Working President
URKU 96/196 Roshan Bajaj Lane
Ganeshganj Lucknow.

AND

Divisional Railway Manager
Northern Railway
Moradabad.

APPEARANCE :

Shri D. P. Awasthi—for the workman.
 Km. Suman Gupta—for the Management.

AWARD

1. Central Government Ministry of Labour, New Delhi vide its Notification No. L-41012/30,93-IR (B-I) dated Nil has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

Whether action of Divisional Railway Manager Northern Railway Moradabad in terminating the services of Shri Jagnoo S/o of Jiyatal Mason under IOW Northern Railway Distt. Hardoi w.e.f. 15-2-85 is justified. If not what relief the workman is entitled to ?

2. The case of the concerned workman is that he was engaged as a mason on 1-3-83 by the opposite party Northern Railway. He continued to work there upto 14-2-85. In this way he has completed more than 240 days in a year. Yet his services has been terminated on 15-2-85 without paying compensation and notice pay. In this way his termination is illegal, being in breach of Section 25 F I.D. Act. Further there had taking place of settlement on 17-1-90, by virtue of which concerned workman was to be provided to work.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that the concerned workman was engaged as a casual worker and not as a mason. He worked between 15-6-84 to 14-2-85 for 153 days. He did no work more than 240 days in a year.

4. In the rejoinder nothing new has been said.

5. The workman was given opportunity to adduce evidence on 21-5-96, but he failed to adduce it. Further he must be having service card. The same has not been filed. Apart from this D. C. Khare MW-1 IOW has stated that he had not completed 240 days.

6. From the above it will be seen from the side of concerned workman there is no evidence to prove his case. Hence it is held that concerned workman has not completed 240 days in year. Consequently he was not entitled for benefit of Section 25-F I. D. Act.

7. In view of above my award is that termination of services of concerned workman is not bad in law. The workman is not entitled to any relief.

Dated : 18-9-1996

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1996

का.ग्रा. 3008—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार वालनो कोलियरी ऑफ इण्डिया लि. के प्रबंधन के संदर्भ में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 2, मुम्बई पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/113/88-डी. IV (बी)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1996

S.O. 3008.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Mumbai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Walni Colliery of W.C.L. and their

workmen, which was received by the Central Government on 1st October, 1996.

[No-22012/(113)/88 D.IV(B)]
 BRAJ MOHAN, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
 TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/3 of 1989

Employers in relation to the management of Walni Colliery of M/s. W.C.L.,

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—Shri D. L. Dharamadikari, Advocate.

For the Worker—No Appearance.

Mumbai, the 9th September, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012(113)/88-D.IV(B) dated 13th January, 1989, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication :

"Whether the action of the management of Walni Colliery of M/s. W.C. Ltd., Nagpur :—

(1) in denying allotment of company's quarters to S/Shri Surajpal Prasad, Naimuddin, Sivaiddin, Ram Saran, Dashrath Umeda, Shanker Bala, Niaz Ahmed, Khalik, Nawab Mia and Ram Khilawan.

(2) In dismissing from services Shri Shanker Bala, Dresser w.e.f. 20th February, 1988 is justified? If not, to what relief the workmen concerned any entitled?

2. At the outset I must mention it here so far as schedule No. 1 is concerned even though there is mention of it in the Statement of claim, in the written statement, the issue No. 1 is framed for its adjudication. They are no more required to be considered. It is because on 19th December, 1991 the Learned Counsel for Party No. 2 filed a prushis to the following effect. The party No. 2 does not want to agitate the Issue No. 1, in respect of point No. 1 referred by the Government as per schedule No. L-22012(113)/88-D.IV(B) dated 13th January, 1989.

3. The General Secretary, for the dismissal of Shanker Bala, dresser w.e.f. 20th February, 1988 had contended that Quarter No. 787 was given to Shankar Bala verbally alongwith others who were rendered shelterless due to floods in 1985. It is submitted that the area manager Mr. Lal assured to allot a permanent accommodation to him. He was waiting for the accommodation as per the seniority list. Inspite of doing so some 15 other workmen were allotted the quarters. The union raised objections to different authorities.

4. The union pleaded that as a counter action the Colliery Manager, Walni Mines issued charge sheet to nearly 30—35 workers including Shanker Bala. It deals with unauthorised occupation of company's quarters No. 787. The worker was suspended with effect from 11th July, 1987. It is averred that one Aprajit was appointed as the Inquiry officer. One another order was also issued imposing standard rent of Rs. 103 per month alongwith deduction of standard rent of Rs. 515 for not vacating the quarter No. 787, for the past period which were deducted from his salary bill of July, 1987.

5. It is averred that one Gosh the Trainee officer issued a memo directing that the inquiry will be held on 28th November, 1987. It is averred that many time the worker presented an application to the colliery manager requesting him to allow Shri Tirah Singh to represent his case. No sanction was received till then. It is, therefore on 28th November, 1987 no inquiry was held.

6. The inquiry was held on 2nd December, 1987 wherein the application for adjournment was given by the worker. The inquiry was adjourned, but no further date was informed to the worker. Thereafter the Colliery Manager issued an order No. 2682 dated 20th February, 1988, dismissing Shanker Bala from service on the basis of the findings of the inquiry officer Shri Ghosh. It is submitted that the inquiry was against the Principles of Natural Justice. It was held ex-parte. No opportunity was given to the worker to cross-examine the management witnesses. It is pleaded that no action was taken against other workers, against whom the same charge was levelled. It is therefore, discretionary. It is pleaded that the inquiry officer not competent to hold an inquiry. Hence it is vitiated. For all these reasons it is submitted that the worker may be reinstated in service with full back wages and continuity and the reference may be answered accordingly.

7. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-6. It is submitted that the domestic inquiry which was held is as per the Principles of Natural Justice. The worker was given an opportunity to represent the case through company worker. It is never denied as alleged. It is asserted that the matter was adjourned on the request of the worker and he was intimated in respect of the adjourned date, but he remained absent. Under such circumstances the inquiry was conducted. The inquiry officer gave his report which was accepted by the disciplinary authority and on its basis the punishment was awarded which it just and proper. Under such circumstances it is submitted that the reference may be answered in favour of the management.

8. My Learned Predecessor framed issues at Exhibit-7. It is further seen that by passing an order at Exhibit-12 he directed that all the issues be decided together. The issues and my findings there on are as follows:—

| Issues | Findings |
|---|-------------------|
| 1. Whether the action of the management of Does not Walni Colliery of M/s. W.C.L. Nagpur in survive denying allotment of Company's quarters in view to S/Shri Surajpal Prasad, Na'muddin, of parshis Sivaiddin, Ram Saran, Dashrath Umeda, Shanker Bala, Niaz Ahmed, Khalik, Nawab Mia, and Ram Khilawan is justified ? | |
| 2. Whether the quarter No. 789 was orally allotted to Shri Shanker Bala by the management ? | No. |
| 3. Whether the enquiry held against the workman Shri Shanker Bala was not held properly and the rules of Natural justice were not followed ? | No. |
| 4. Whether the findings of the Inquiry officer are not just and proper, but are perverse ? | No. |
| 5. Whether the action of the management of Walni Colliery of M/s. W.C.L., Nagpur in dismissing from services Shri Shanker Bala, Dresser w.e.f. 20-2-88 is justified ? | Yes. |
| 6. To what relief, if any, the workman is entitled ? | Does not survive. |
| 7. What Award ? | As per order. |

REASONS

9. Shankar Bala, the worker filed his affidavit at Exhibit-13 & 14. He was cross-examined. He accepts the position that he occupied quarter No. 787 of W.C.L. without any written order regarding allotment. He is supported by Siddha Gopal (Exhibit-16), Secretary of the union. This fact is denied by Arvind Mehta (Ex-18) the Personnel

Manager of the Western Coal Fields Limited. In fact Mr. Mehta, according to the worker who allotted the quarter, should have been examined by the union to prove this fact. I am not inclined to accept that the quarter can be allotted orally. There is nothing on the record to show that it is possible to allot the quarter orally. It can be further seen that initially the quarter would have been allotted orally. Hence the follow up action should have been that a written order to that effect should have been passed by the concerned authority. No such order was issued. I therefore find that there is no substance in the contention of the worker that he was orally allotted the quarter. Sum and substance of the testimony of Shanker Bala is that he was not informed regarding the adjourned date and the proceedings were held ex-parte. I am not inclined to accept this case. Arvind Kumar Mehta (Ex. 18) Personnel Manager affirmed contrary to it. Not only that the documents on the records supports the case. The documents are alongwith Exhibit-10. These documents clearly speaks that whenever the worker asked for adjournments it was granted. He was finally informed by the inquiry officer that no further adjournments will be granted. On that date he remained absent. Naturally the inquiry officer proceeded with the inquiry and gave his report. It can be seen that the worker at one stage affirmed that he went on the place of inquiry and found that nobody was there. But the Personnel officer speaks contrary to that. Really speaking there was no reason for the inquiry officer for holding the inquiry at different place and show the worker absent. So far as the testimony of Arvind Kumar Mehta is concerned there is no cross-examination. Sufficient opportunity was given to the worker for cross-examination. But nobody was present. I may mention it here that on 12-9-95 and on 14-9-95 when I was holding camp at Nagpur the union representative advocate was present. Hence I adjourned the matter. On 2-9-96, 3-9-96 and 5-9-96 when the matter came for hearing at Nagpur again the history repeated. Mr. Dharmadikari, The Learned Advocate for the management was present. Immediately he argued the matter and today the matter is fixed for award.

10. It is interesting to note that in the departmental inquiry also the contention of the worker was that the matter was conducted ex-parte and he was not given an opportunity to cross-examine the witnesses. Here also it appears that he will have the same grounds to agitate again. But there appears to be no merit.

11. On the contention of the union is that Mr. Ghosh was not an inquiry officer. This is without any basis. In the statement of claim his competency is challenged. But without any reasons. For all these reasons I find that the domestic inquiry which was held against the workman was as per the Principles of Natural Justice.

12. Nothing was brought before me for coming to the conclusion that the findings of the inquiry officer are not based on the evidence before him. I do not find any reason to come to the conclusion that the findings are not proper. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The action of the management of Walni Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., denying allotment of company's quarters to S/Shri Surajpal Prasad, Na'muddin, Sivaiddin, Ram Saran, Dashrath Umeda, Shanker Bala, Niaz Ahmed, Khalik, Nawab Mia and Ram Khilawan.

The action of the management of Walni Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., Nagpur in dismissing from service Shri Shankar Bala w.e.f. 20-2-88 is justified.

Dated : 9-9-96

Sd/-

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली 25 सितम्बर, 1996

का.आ. 3009.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स सीसीएल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/161/86-डी-IV(बी)आईआरसी-I]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3009.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. CC Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 24-9-96.

[No. I-24012/161/86-D.IV(B)/IR-C-I]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

Reference No. 74 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of R. R. Shop Jarangdih Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—None.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.
Dated, Dhanbad, the 16th September, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012 (161)/86-D.IV(B), dated, the 30th January, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of R. R. Shop, Jarangdih Colliery of M/s. C.C. Ltd., P.O. Jarangdih (Giridih) in denying promotion to Shri U. A. Ansari, w.e.f. 28-4-1985 as per recommendation of the First DPC held vide Order dated 3-5-1985 though he was declared fit for promotion, by the second DPC held vide order dated 1-7-1985 and superseding him by his junior vide Order dated 13-6-1985 is justified. If not, to what relief the workman is entitled?"

2. Soon after the receipt of the Order of reference notices were duly served upon the parties. But none of them filed their written statement. In this case only Shri R. S. Murthy, appeared for the management. It also reveals from the record that a petition was submitted by the Secretary, CCLCKS, RR Shop before this Tribunal stating therein that the dispute in question has since been settled and he prayed to pass a "No dispute" Award. I heard the learned counsel for the management and he also prayed to pass a "No dispute" Award. In the circumstances, I have no other alternative but to pass a "No dispute" Award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

BRAJ MOHAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3010.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 2, मुंबई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30012/7/92-आईआर (विवाद)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1996

S.O. .—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the central Government Industrial Tribunal, No 2, Mumbai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Petroleum Corporation Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 1st October, 1996.

[No. I-30012/7/92-IR(Misc.)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 MUMBAI
PRESENT :

Shri S. B. PANSE Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2, 42 OF 1993.

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF HINDUSTAN PETROLEUM CORPORATION LTD.,

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

For the Employer : Mr. V. H. Kantharia
Advocate.

For the Workmen : Mr. P. M. Pradhan
Advocate.

Mumbai dated 11th September, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its order No. 30012/7/92-IR(Misc.), dated 5-5-1992, had referred to the following Industrial dispute for adjudication ?

"Whether the action of the management of Hindustan Petroleum Corpn. Ltd., Mahul refinery, Bombay, in terminating the services of Mr. Pratap V'shnu Dhuri and Mr. Mahesh Ramchandra Natu, Asstt. Process Technicians w.e.f. 9-4-1991 is legal and justified? If not, to what relief both the workmen are entitled to?"

2. Natu filed a statement of claim at Ex-2 and Dhuri filed a statement of claim at Exhibit-3. Both these workmen joined the H.P.C.L., the management in the post of Asstt. Process Technicians. They were posted at Bombay Refinery. They joined the job in skilled category.

3. Both these workers were given charge-sheet dated 10-7-1986. It is contended inter alia that when they were on duty for C.B.F.S. loading operations in the OM&S area on 10-3-1986 in 8th—4th shifts. On this shift tank truck No. MCU 1913 was loaded with CBFS. As per the recording made in the weighment slip by him the quantity loaded was 10.250 kgs. It is further averred that subsequently police authorities have informed that the tank truck was loaded with substantial amount of excess CBFS. Upon checking the record it is confirmed that entries endorsed by the worker the wage slip indicated the aforesaid quantity of 10.250 kgs. The billing to the customer was also made based on this quantity. It is further alleged that loading of the excess C.B.F.S. as stated above has resulted in loss to corporation and is indicative of serious misconduct on the part of the workers. The worker pleaded that they were charged under the standing order No. 28(IX) fraud and dishonestly in connection with the company's business and 28 (XVII); wilful falsification of the record of the company. Both these workers pleaded that Shri D. S. Mathur, Dy. General Manager Refinery was appointed as an inquiry officer. It is submitted that even though these workmen were given different chargesheet they conducted a common inquiry which is against the Principles of Natural Justice. It is averred that standing orders which are applicable to the workmen of the Corporation do not contemplate nor has it been ordered by the disciplinary authority to hold a combined inquiry against both the employees.

4. The workman averred that they had not raised any objection for a common inquiry. That does not mean that they confirmed jurisdiction on the inquiry officer when he had no power whatsoever to order a joint inquiry. It is submitted that the defence counsel in the written statement had raised objection to that effect but it was not considered. It is pleaded that the evidence which has been taken on the record is clearly not only contrary to the law of evidence but also is completely imprudent discharge of the rules of natural justice. It is submitted that the documents on which the management relied were not supplied to the workman. It is averred that the confessional statement of the witnesses of which the management relied were not made available for cross-examination. Under such circumstances the inquiry officer should not have relied upon it. It is submitted that a criminal case which was filed against the workers along with other emp-

loyees were heard by Metropolitan Magistrate, Bombay. These workmen were discharged in the said proceeding. Under such circumstances the inquiry officer should not have found him guilty. In fact the enquiry should have been dropped. For all these reasons it is submitted that the inquiry which was held against these workmen was against the principles of Natural Justice.

5. It is pleaded that even assuming without admitting that the evidence which was lead before the inquiry officer is not at all sufficient to prove the charges which were levelled against the worker. Thus the findings of the inquiry officer are not based on the evidence before me. It is pleaded that even if it is said that the charges are proved the punishment which is awarded is disproportionate to the charges proved. For all these reasons it is prayed that the punishment which is awarded against the workman may be quashed and the management may be directed to reinstate the workman with full back wages and other reliefs.

6. The management resisted the claim of Nathu by the Written Statement Exhibit-4, and that of Dhuri by Written Statement, Exhibit-5. They pleaded that the domestic inquiry which was held against the workman was as per the principles of Natural Justice. It is submitted that both the workmen specifically agreed to have a joint inquiry and were represented by a common defence representative. It is therefore there is no substance in the allegation of the workman that one inquiry cannot be held for two separate charges against these workers. It is submitted that the witnesses were duly examined and they were thoroughly cross-examined by the representative of the workmen were supplied with copies of all necessary documents. It is averred that the inquiry officer had given his report which is well reasoned and logical. It is denied that the findings of the inquiry officer are perverse. The management averred that the Chief General Manager who is the disciplinary authority carefully reviewed the entire proceedings of the inquiry as well as the evidence on record and was satisfied that the inquiry which was conducted was objective, fairly and impartial. He agreed with the findings of the inquiry officer and ultimately a dismissal order in respect of both the workmen was issued on 5.4.1991 w.e.f. 10.4.1991. The appeals which were filed by the workman before the Chairman and Managing Director were also rejected.

7. The management contended that if the Tribunal finds that the inquiry was conducted as per the Principles of Natural Justice or that the findings of the inquiry officer are perverse then it may be allowed to lead evidence to justify its action. For all these reasons it is submitted that the reference may be answered in favour of the management.

8. Nathu, the workman had filed a rejoinder at Exhibit-6. He had reiterated the points which he had already taken in the statement of claim and denied the contentions taken in the written statement.

9. The issue No. 1 is tried as a preliminary issue. The issue and my findings there on is as follows :—

Issues

Findings

1. Whether the domestic inquiry No. which was held against the workers was against the Principles of Natural Justice ?

REASONS

10. Pratap V shnu Dhuri (Exhibit-9) and Mahesh Ramchandra Nahu (Exhibit-10) had corroborated each other on the point that the domestic inquiry which was held against them was against the Principles of Natural Justice. They have affirmed that they were discharged in a criminal case by the Metropolitan Magistrate and that fact was not considered by the inquiry officer.

They affirmed that they were not given a fair opportunity to answer the charges which were levelled against them. They affirmed that the management only examined V. D. Mohite & Bhoir but not examined other persons which were really necessary to be examined. He called for production of the register maintained for the purposes of fixing the duties at the gate with a view to know who were in the gate on 10-3-1986 when the allegations are sought to be levelled against them in respect of truck bearing No. MCU/1918. They affirmed that the said register was not made available to them by denying them the opportunity to examine these persons about the duties which were required to be performed by them and allowing the vehicles to pass through the gate. They affirmed that the examination which took place before the inquiry officer was not proper. I may say that these affidavits are just like their statement of claim.

11. The cross-examination of both these witnesses is very material. They have admitted that the inquiry proceedings are correctly recorded. In the beginning one D'Souza was their representative and as per their choice. But later on Dhuri got his representative changed and one N. Krishna was his representative. They admitted that their representative fully cross-examined the management witnesses. They do not deny that the departmental proceedings were correctly recorded. They were explained the procedure by the inquiry officer. They also admitted that whatever documents they asked for were produced by the management. Nahu admits that the 7 Street Gate register was produced by the company. But according to him it was not identified by the witnesses. From sum and substance of their cross-examination it is very clear that there is no fault so far as the departmental inquiry is concerned.

12. Mr. Pradhan, the Learned Advocate for the workmen argued that when these workmen were charged by the Metropolitan magistrate in a criminal case which was filed against them and others in respect of the same charges then the inquiry officer should have come to the conclusion that the charges are not proved. I may say it here that so far as this argument is concerned it has no merit with the issue No. 1. It can be considered at the time of deciding issue No. 2 regarding the findings of the inquiry officer.

13. Mr. Kantharia, the Learned Advocate for management also placed reliance on State of Hariana V/s. Ratan Singh AIR 1977, Supreme Court 1512 wherein Their Lordships have observed, how the evidence on domestic inquiry has to be appreciated. But again so far as Issue No. 1 is concerned this authority has no bearing.

14. In the statement of claim there is a contention that the one inquiry which was held against both these workmen even though two different charge-sheets were issued against them. It is contended by the management that the workmen gave consent for the same. It appears to me that has witnesses were same the incident was of the same date and to avoid repetition one inquiry was conducted for two separate charges. Nothing was shown to me how under such circumstances the inquiry can be said to be against the principles of Natural Justice. I may mention it here that no rule is brought to my notice to show that in such a peculiar situation there was need for conducting a separate inquiry for separate charge-sheets. For all these reasons I record my findings on issue No. 1 accordingly and pass the following order :—

ORDER

The Domestic Inquiry which was held against the workman was as per the Principles of Natural Justice.

Sd./-

S. B. PANSE, Presiding Officer.
11-9-1996.

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3011—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बल्लारी कोलियरी ऑफ बो. सी. सी. एन. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, सं. 2, धनबाद के पत्राद को प्रेषित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-20012(234)/92-आईआर (कोल-I)]

[सं. एन-20012(255)/92-आईआर (कोल-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी।

New Delhi, the 3rd October, 1996

S.O. 3011.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Ballari Colliery of BCCL and their workmen which was received by the Central Government on 1-10-96.

[No. L-20012(234)/92-I.R.(Coal-I)]

[No. L-20012(255)/92-I.R.(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of Industrial Disputes under Section
10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 234 of 1993

PARTIES

Employers in relation to the management of
Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. and their
workmen.(Ministry's Order No. L-20012(255)92-I.R. Coal-I,
dated, the 2nd September, 1993).

Reference No. 135 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. and
their workmen.(Ministry's Order No. L-20012(234)92-I.R. Coal-I,
dated, the 2nd September, 1993).

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. K. Vema,
Advocate.On behalf of the employers : Shri Harihar Nath,
Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 23rd September, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the power conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Orders referred to above.

THE SCHEDULE IN REFERENCE No. 134 OF
1993

"Whether the demand of the Bihar Mines Lal Jhanda Mazdoor Union for employment of Shri Binay Kumar Singh and 21 others (as per list enclosed) on the roll of Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. is justified? If not, to what relief they are entitled?"

THE SCHEDULE IN REFERENCE NO 135 OF
1993.....

"Whether the demand of Bihar Mines Lal Jhanda Mazdoor Union for employment of Shri Anil Kumar and 22 others (as per list enclosed) on the roll of Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. is justified? If so, to what relief they are entitled?"

2. For the adjudication of the aforesaid two references on agreement of both the parties an order was passed by order No. 18 dt. 2-3-96 in Ref. No. 134/93 that as both the cases are based on common question of law and facts to avoid repetition in all the matters the cases are to be heard analogously and according to this Award will govern both the references as the case were heard analogously and an Award resulting to that is also passed which will govern the adjudication of both the references.

3. In both the cases the case of the workmen in short is that they have been working in the concerned management collieries under M/s. B.C.C.L. in regular manner. They used to perform the job which is of permanent and perennial nature. The further case of the workmen is that they used to perform stone cutting, coal cutting, transporting of machines materials and also for like, packing besides other misc. job in underground as well as on surface, as and when required by the management.

4. The further case of the workmen in both the cases is that they have been working under the direct control and supervision of the officials of the management such as Manager, Asstt. Manager, Overman, Mining Sirdar, Engineer, Foreman and other supervisory staff of the colliery and also they were provided with the equipments and tools for their work by the management which were needed for doing the said jobs. Their attendance were also recorded in the Form C register which is a statutory register. In case No. 134/93 it is the further case of the workman that there was a Samity under the banner of Bhartiya Mazdoor Shramik Sahyog Samitee and practically in a camouflage the management used to employ the concerned workmen through the said cooperative to avoid and to defeat the claim of the workmen in future though actually they have been working under direct control of the management and they have completed more than 190 days in their work in each calendar year starting from 1989.

5. In case of 135/93 the concerned workmen have also been working through Mazdoor Vikash Shramik Sahyog Samitee Ltd. which was also a camouflage in order to defeat the claim of the concerned workmen in future.

6. In spite of their long and continuous work in the job of permanent and perennial nature their demand for regularisation was not accepted by the management of BCCL and from that refusal they raised the dispute and as a result this reference has been made

7. It is further stated that the demands of the concerned workmen are justified and supported by the different registers maintained in the company and they have been refused unjustifiedly and they claim for regularisation on the roll of Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. as stated in the reference and the names of the concerned workmen are enclosed and stated with the reference and also those are stated in this way in respect of two reference.

8. The case of the management is that there is no relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen. They have been working under the control of respective cooperative society though their work was supervised by the management person only for the purpose of safety and payment to assess the quantum of work. Thereby in no way they can be considered to be the workman under the management but they are the contractors men and simply for completing 190 days or 240 days attendance in their work as stated do not entitle them for regularisation as claimed.

9. It is stated further that the said demand is baseless, unjustified and unconstitutional and if it is accepted by the management that will deprive the young citizen to get their job specially in the country where the employment is a burning question and that has been decided in several decisions pronounced by the Hon'ble Supreme Court as well as different Hon'ble High Courts with reference to Article 14 and 16 of the Constitution of India and hereby it is stated that in no way they can be considered to be the men of the management but they are only the workers under the control of the respective cooperative societies.

10. The further case of the management is that they never performed the job continuously nor their job was of perennial nature. So their claim is not justified nor they are entitled to get relief of regularisation and other consequential benefits as prayed for.

11. In both the cases it is accepted position rather not disputed by the management that the concerned persons claiming to be the workmen have been working in the management colliery since 1989. It is also not disputed that they were supplied with the materials and equipment for their work in the underground as well as on surface. It is also accepted by all concerned that the job which was performed by them was of prohibited category and permanent and perennial nature of job so far the job description of the NCWA is concerned.

12. The question which I am to decide (1) whether they are the employees of the management of BCCL, (2) whether they perform the job of permanent and perennial in nature and in continuous manner reaching the test for regularisation, (3) whether this Court has jurisdiction to decide that question under Section 10 of the I.D. and (4) whether the workmen are entitled to get the relief of regularisation and other reliefs as prayed for.

13. Already I have pointed out that it is not disputed that the workmen of both the cases have been performing their work since 1939 under two co-operative societies namely Bhartiya Mazdoor Shramik Sahyog Samitee and Mazdoor Vikash Shramik Sahyog Samitee as because there are documents on the record that they perform the job in the concerned collieries as claimed and the materials were supplied by the management collieries under whichever condition and circumstances it may be. It is also not disputed that their work was supervised as it appears

from the evidence which is discussed below for assessing their work and payment.

14. It has been argued by the management that they have been working under the said cooperative and the cheques of wages were prepared in the name of the Samity and the Secretary of the Samity used to encash the cheque and the amount was distributed amongst the workers as per quantum of work done. It is argued by the learned Advocate for the management that from the witnesses of the management it would go to show that the work order used to be issued to the Samitees and the concerned persons used to perform the said work as per work order as allotted by the Samitees though it was checked by the officers of the company so that no casualty could be caused due to the act of the contractors men and in this context the provision of the Mines Act, 1952 having the power of the Owner, Agent have been referred to and in this promises it was argued that a test is needed whether there is a relationship of master and servant between the management and the concerned workmen to consider their regular demand for regularisation and in this context my attention has been drawn to the case law reported in AIR, 1981 JK page 60 (Union of India-vrs-Abdul Rahman and another case reported in 1955 (I)-LLJ-688 (Shivanand Sharma-versus-Punjab National Bank)).

15. My attention was drawn to another case reported in Zakir Hussain-versus-Engineer in Chief reported in 1993 Lab. I.C. 835 and argued that the contractors men are to be according to the minimum wages Act and otherwise it would be an offence under the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970.

16. It was also argued for if the contractors persons be regularised in this manner that will be against the Constitution of India depriving many young citizens to get the job violating the Employment Exchange Act. In this context the case laws reported in 1992 Lab I.C. page 854, 1992 (2) L.L.J. Page 782, 1992 (II) LLJ page 841 1992 Lab I.C. page 752 were referred to. Also my attention was drawn to the case law reported in 1990 Lab. I.C. page 602 and argued that in view of the decisions and finding of Their Lordships in an industry of Govt. undertaking like BCCL if the contractors men are being regularised in this manner only for fulfilling 190 days or 240 days that would be against the Constitution and that should not be encouraged by any Court of law.

17. In this context the representative of the Union argued that from the evidence of MW-1 and MW-2 it would go to show that the management people used to assess whether and how and what quantum of work was done and the payment was made by the management and Ext. W-9 has also been admitted by MW-2 which discloses the number of days work by the concerned workmen and it is also admitted that supervision of the work was also done by the management people as it is required under the Mines Act, 1952. So my attention was drawn to a leading case of Hussainbhai reported in LLJ 1973 (II) SC III 973 which runs as follows :

"The true test may be indicated once again, where a worker or group of workers labours to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He has economic control over the workers' subsistence skill, and continued employment. If he, for any reasons, chokes off, the worker is virtually laid-off. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship ex-contract is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors governing employment, we discover the naked truth, though draped in different paper arrangement, that the real employer is the management, not the immediate contractor. Myriad devices, half-hidden in fold after fold of legal form depending on the degree of concealment needed, type of industry the local conditions and the like may be resorted to when labour legislation casts welfare obligations on the real employer, based on Arts. 38, 39, 42, 43 and 43A of the Constitution. The Court must be astute to avoid the mischief and achieve the purpose of the law and not be misled by the may of legal appearances".

and also my attention was drawn to the latest case of Gujarat Electricity Board Thermal Power Station-versus-Hind Mazdoor Sabha reported in 1995 Lab I.C. page 2807 where the scope and nature of Section 10 of I.D. Act with reference to Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 have been considered and also in this case what will be the position of the workmen working under the contractor has also been discussed and decided.

18. Their Lordships in the said case law have clearly stated that the main question which is to be considered by the Tribunal whether the existence of the contractor is a camouflage and sham in order to defeat the right of the workmen. It is also decided that in that case the Tribunal has the power to decide the dispute under Section 10. Their Lordships have also given guidelines with observation that in a prohibited category of job no workman can be appointed through contractor and that is against law and if the Tribunal is of the opinion that the existence of the contractor or contract is sham or bogus or camouflage to conceal the truth then the said contractor would be considered as merely intermediaries and the real employer would be the management for whom the workmen have worked.

19. In another case law reported in 1995 Lab I.C. 2064 (Parimal Chandra Raha & others-versus-Life Insurance Corporation of India), Hon'ble Supreme Court has held that engagement of the Canteen workers through canteen committee or one employees of the cooperative society or contractors may not lead to the conclusion that the said committee or cooperative society are independent contractors.

20. On the other hand it would be considered that they are nothing but intermediaries and the workers employed in the Canteen are the workers of

Life Insurance Corporation of India and there is relationship of master and servant between them and the management should be considered as principal employer.

21. Therefore, following the said principles as stated by both the parties and considering the materials on record as discussed above I have no hesitation to hold that the existence of the samitees are nothing but camouflage. Rather they are intermediaries and the workmen involved in these two references are the direct employees of the company i.e. M/s. B.C.C.L.

22. The question whether the permanent nature of work requires that he should have worked throughout the year for getting the order of regularisation. But Their Lordships have decided that permanent workmen did not require and such workmen should be employed throughout the year if the work in which he was engaged was of permanent nature.

23. It is needless to say that the job performed by him is admittedly permanent and perennial nature and thereby irrespective of their continuance in job they should be considered to be the workmen according to the definition of the workman even under the I. D. Act and this gives the jurisdiction of this Tribunal to decide the question under Section 10 with reference to Section 25F of the I.D. Act.

24. Therefore, in summing up the aforesaid discussions I have no hesitation to hold that the concerned workmen of both references are the workmen of the management of B.C.C.L., as they have performed the job in permanent and perennial in nature beyond the statutory period as required and in view of the present trend of the decisions they should be considered as the workers of the management and not of the contractor and this Court has jurisdiction to decide that question and they should be regularised in the manner as stated below as they have performed the job of permanent and perennial nature in the manner as discussed above.

25. As they were not under the employment of the management in regular manner but they have acquired right to be regularised in view of the law and trend of the decision of the Apex Court and I am not inclined to give them any other relief except the relief of regularisation in Cat. I in the manner as stated below.

26. Hence it is ordered that the demand of the sponsoring union namely Bihar Mines Lal Jhanda Mazdoor Union for employment of the persons of both the references as mentioned above on the roll of Balihari Colliery of M/s. B.C.C.L. is justified and the management is directed to regularise within 6 months phasewise in Cat. I with usual scale and benefits. In the meantime they are to employ as and when required on payment of wages at the rate of Cat. I. The management is also directed to implementation of the award as pointed out within 2 months from the date of publication of the Award. No cost is awarded to any of the parties.

This is my Award which governs both the Ref. Case No. 134/93 and 135/93.

D. K. NAYAK, Presiding Officer.

Reference 134/93

The list of Co-operative Workers of Bhartiya Mazdoor Sramik Sahyog Samity Ltd. (S. Dhan. Anchal, 1987), who have completed 190 days of underground attendance in our calendar year.

1. नाम—विनय कुमार सिंह,
पिता—कामेश्वर सिंह,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
2. नाम—महेण प्रसाद,
पिता—तुफानी प्रसाद,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
3. नाम—समसुबदीन अन्सारी,
पिता—मो. बंधु मियां,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
4. नाम—योगेन्द्र पासवान,
पिता—सिगेम्वर पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
5. नाम—द्वारिका हरिजन,
पिता—लगन हरिजन,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
6. नाम—राम श्रवतार पाण्डे,
पिता—जानकी पाण्डे,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
7. नाम—श्रवधेश साव,
पिता—छोटन साव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
8. नाम—रामबली यादव,
पिता—भनिच्छु यादव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
9. नाम—सागर सेन,
पिता—गोर सेन,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
10. नाम—सुरेन्द्र पासवान,
पिता—पुहा पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
11. नाम—प्रकाश राम,
पिता—बंशी राम,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
12. नाम—राम स्वरूप राम,
पिता—बैजू राम,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
13. नाम—केदार भुईयां,
पिता—जेठ भुईयां,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
14. नाम—साहेब मांझी,
पिता—सोना राम मांझी,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
15. नाम—जगदीश भुईयां,
पिता—महावीर भुईयां,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
16. नाम—टिकोरी चौधरी,
पिता—छतई चौधरी,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
17. नाम—मो. गुलाम फैय्याज अन्सारी,
पिता—मो. याकूब,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
18. नाम—बिहारी दास,
पिता—बोध दास,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
19. नाम—दीपक कुमार शर्मा,
पिता—अग्रनु शर्मा,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।
20. नाम—मल्लु साव,
पिता—भोला साव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुसुण्डा,
जिला—धनबाद ।

21. नाम—विजय साव,
पिता—विपन साव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

22. नाम—सुरेश प्रजापत,
पिता—मिश्रभान प्रजापत,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

क्रम सं०

नाम

1. नाम—अनिल कुमार,
पिता—श्री नन्द किशोर प्रसाद,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

2. नाम—चन्देष्टवर पासवान,
पिता—श्री धनुखी पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

3. नाम—अनुराधा पासवान
पिता—श्री हरिहर पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

4. नाम—राम श्रवतार पासवान
पिता—श्री सिवन पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

5. नाम—फागू राम,
पिता—श्री नन्दे राम,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

6. नाम—राज कुमार पासवान,
पिता—श्री प्रभु पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

7. नाम—जगदीश पासवान,
पिता—श्री मल पारी पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

8. नाम—अशोक सिंह,
पिता—श्री गोविन्द सिंह,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद,

9. नाम—अर्जुन राम,
पिता—श्री सुखु राम,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

10. नाम—बाल चन्द यादव,
पिता—श्री रघुनाथ यादव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

11. नाम—नागेन्द्र सिंह
पिता—श्री देव नारायण सिंह
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

12. नाम—रविन्द्र साव,
पिता—श्री जगदेव साव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

13. नाम—कृष्णा शर्मा,
पिता—श्री राम जनक शर्मा,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

14. नाम—कृष्णा ठाकुर,
पिता—श्री भूपदेव ठाकुर,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

15. नाम—प्रकाश प्रसाद,
पिता—श्री कामेश्वर प्रसाद,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

16. नाम—रहीम मिया,
पिता—श्री बिल्लू मिया,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

17. नाम—रामवृक्ष यादव,
पिता—श्री छेदी यादव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

18. नाम—छोटे लाल मिश्र,
पिता—श्री राम दुलार मिश्र,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

19. नाम—नन्द लाल साव,
पिता—श्री नवीर साव,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

20. नाम—महेंद्र गुरवाहा,
पिता—श्री राम यतन गुरवाहा,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

21. नाम—सुरेश प्रसाद,
पिता—श्री किशोर प्रसाद,
पता—साउथ बलिहारी, पो. कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

22. नाम—राम अशीष शर्मा,
पिता—श्री सुखदेव शर्मा,
पता—साउथ बलिहारी, पो. कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

23. नाम—मुफल पासवान,
पिता—मुनेश्वर पासवान,
पता—साउथ बलिहारी, पो.—कुमुण्डा,
जिला—धनबाद ।

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri B. K. Ghosh, Member, Executive Committee, Jania Mazdoor Sangh,

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 16th September, 1996

AWARD

By Order No. L-20012/218/91-f.R. (Coal-I) dated, 'nil', the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Godhar Colliery in not accepting the application of Smt. Sonmatia Kamin for employment of her dependent son Shri Kakhan Nonia is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. It has been stated by the concerned workman in his written statement that she was a permanent workman of Godhar Colliery and she filed a petition before the management on 27-7-85 for her retirement under Voluntary Retirement Scheme for female workers with a request to give employment to her son, Lakhman Nonia and at that time she was about 55 years of age. It is said that the application was complete in all respect alongwith certificates of Mukhiya and B.D.O. But it was delayed in the Area Office of the colliery and thereafter it was returned saying that it was incomplete having no signature of the B.D.O. and Mukhiya on the photograph. She again submitted paper which was complete in all respect and the matter was referred on 13/17-10-89 to the General Manager from the Colliery. But her application was rejected by the Headquarters of M/s. B.C.C. Ltd. and it is said that the action of the management in not allowing V.R.S. to the concerned workman was not justified. Hence, it is prayed that an award be passed in her favour.

3. The management appeared and filed written statement stating, inter-alia, that the reference was not maintainable and the concerned workman superannuated after completion of 60 years of age and if a workman applies for premature retirement the management may permit him to do so on some justifiable ground. But he is governed by service condition to work till completion of 60 years of age and he could not demand as a right to superannuate prematurely. It is also said that the concerned lady workman joined on 17-10-1971 and her date of birth was 16-7-1930 and after completion of 60 years of age she was superannuated and got all benefits for serving to the management and she has no claim of any kind from the management.

4. It is said that she filed a petition for V.R.S. on 27-7-85 when she completed 55 years of age and she was running 10th day of 56 years. She proposed to give employment to her dependent son, Lakhman Nonia. But to safeguard any false claim the application was returned to produce certificate genuinity from the B.D.O. and Mukhiya to the effect that Lakhman Nonia her son and photograph should also be verified by B.D.O. but it is said that she did not produce any genuinity certificate and attested photograph and the local management was not interested in her premature retirement and thereafter the petition was returned as being not complete. It is also said that the workman re-submitted the application on 16-6-88 but the photograph being without certificate of genuinity and by that time she crossed 58 years of age and her case was not liable to be considered due to lapse of time and she was informed accordingly and she accepted the decision of the management and completed her service upto 60 years of age and derived all the benefits. It is also said that this V.R.S. was temporary measure and

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का.आ. 3012.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी सी सी एल के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/218/91/आईआर (सी-1)]
ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3012.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 24-9-1996.

[No. L-20012/218/91-JR (C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 11 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Godhar Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

subsequently this scheme has been discontinued and the concerned workman has no right to get her son, Iakhan Nonia employed as her dependent son.

5. Rejoinder to the point taken by the workman in her written statement has also been given and all the points have been specifically denied as being incorrect or not being fully correct. It is finally said that the concerned workman was not entitled for any relief or reliefs as claimed.

6. I further find that a rejoinder has been filed by the workman denying the contentions of the management as given in the written statement and the same is said to be confusion and misleading. It is also said that earlier she had submitted application when she completed 55 years of age and it is also denied that on 16-6-88 when she re-submitted her application paper filled up she had crossed 58 years of age and that she was intimidated by the decision of the management on 20-9-89 when she was on the verge of superannuation.

7. The point for consideration in this reference is as to whether or not—(a) As to whether or not the action of the management in not giving employment to the dependent son of the concerned workman was justified; (b) If not, to what relief or reliefs the workman was entitled?"

8. Both the points are taken together for consideration as these are inter-linked.

9. In support of her case the concerned workman has examined herself as WW-1 and tried to support her case. In her examination-in-chief she has further stated that in 1985 she was told by the management that the dependent of lady workman would be given employment in case of premature retirement is taken within 55 years of age and accordingly she filed petition properly filled but it was delayed in the local office of the management and later she re-submitted application but that was rejected by the management without any sufficient ground. In cross-examination she has stated that she has superannuated after 60 years of age but has said that she has not received gratuity till date. However, she has not filed any case for recovery of money. She has denied the suggestion that she did not file petition within the time with properly filled up and required documents. She also has denied that her claim was not correct.

10. MW-1 Vani Bhusan Upadhyaya has been examined on behalf of the management who was Personnel Officer of Godhar Colliery from 2-11-87 to 2-7-89. He has proved two circulars relating to Voluntary Retirement Scheme which have been marked Ext. M-1 and M-1/1. He has admitted that the concerned workman had applied under the scheme but her application was incomplete and was returned to remove the defect and she was working meanwhile and she superannuated on completion of 60 years of age. As such her claim for employment of the dependent was unjustified. He has further stated that she had filed application on 27-7-85 and when it was considered he could not say as he joined later on. The application was returned to the workman in the year 1988, but he denied that the workman re-submitted the application within a month with full details. He has proved photocopy of letter issued by Sri S. P. Singh, the then Personnel Manager of Kusunda Area marked Ext. W-1. He has admitted that on re-submission of application by the workman which was duly filled up it was rejected by the Area/Headquarter Office because by the time she had crossed the age of taking benefit under V.R.S. He has denied the suggestion that when she re-submitted the application she had not crossed the age limit for V.R.S.

11. As noted earlier Ext. W-1 photocopy of letter sent by the Personnel Manager, Kusunda Area to the General Manager and copy of Office Order dated 12-4-89 and 19-5-85 have been proved by the management marked Ext. M-1 and M-1/1 respectively and by Ext. M-1 the age of the female workman for getting benefit under V.R.S. was raised to 58 years and as per Ext. M-1/1 earlier this age was below 56 years for female employee. There is no other document on behalf of the parties.

12. It has been argued by the sponsoring union that the concerned workman had submitted application for getting

benefit of the Scheme well within time and her application was filled up properly and it was complete in all respect but it was suppressed by the local Area Management and later it was returned with objection to get certificate from B.D.O. and Mukhiya and attested photograph. She again re-submitted application properly filled up within time i.e. prior to 58 years of age but it was not considered by the management and was rejected arbitrarily and as such the action of the management was fully unjustified and the workman is entitled for getting relief in the form of employment of her dependent son under V.R.S.

13. However, it has been submitted on behalf of the management that earlier when the application was submitted by the concerned workman she had already crossed 55 years of age and it was incomplete so it was returned to her to complete the defect and to get certificate from B.D.O. and Mukhiya about genuineness and identification of the claimant being her dependent son, but she again submitted application without verification and certificate on the photograph attached to the application and by the time it was submitted she had crossed 58 years of age and accordingly it was not considered and it was communicated to the concerned workman and she did not raise any objection at that time and worked till 60 years of age when she superannuated. Getting of benefit of service and retirement benefit as such claim made by the workman is based on wrong presumption and the action of the management is quite justified in the facts and circumstances of the case.

14. In support of this contention my attention has been drawn to the authority reported in AIR 1987 S.C. 1015 (Yodender Prasad Singh Vs. Union of India) where it has been held by their Lordships that in case of recruitment of Constable and rule granting preference in favour of sons and near relatives serving in the police service is unconstitutional and violative to Article 16. It has also been held that "any preference shown in the matter of public employment on the ground of descent only has to be declared as unconstitutional." Photocopy of judgement in C.W.J.C. No. 2211/88(R) and C.W.J.C. No. 1167/92(R) has also been filed where it has been held by the Hon'ble Justices of High Court of Patna, Ranchi Bench that the concerned workman did not have any legal right to get his ward appointed on attaining the age of his superannuation and the reference made by the Central Government must also be held to be bad in law. Similarly it has also been held that—"Aforesaid clause in the agreement is invalid by reason of its breaching the principles enshrined in Article 16 of the Constitution. It would simply amount to an employee nominating one of his family members for employment in his place."

15. Perused the above-noted law and authorities. It has also been submitted and mentioned in the written statement of the management that Voluntary Retirement Scheme was a temporary measure and it has since been discontinued and on superannuation of the concerned workman after completion of 60 years of age she was not entitled at all for having any claim for employment of her son in her place which is violative of Article 16 of the Constitution. It has also been submitted that above-noted authorities fully tally with the present case as the principle enunciated in the above noted authorities are similar to the case of the present workman. It is further pointed out that had the concerned workman submitted the application for getting benefit under V.R.S. within the time properly filled up with verification and attested photograph of her dependent son by the B.D.O. and Mukhiya showing genuineness of the candidate as being her dependent son, it would have been considered by the management in view of Exts. M-1 and M-1/1 but that was not done by the concerned workman and the application was re-submitted when she had already crossed 58 years of age at that time too the photograph attached with the application was not attested and verified by the B.D.O. and Mukhiya of the localities. In view of the matter it is submitted that the management was fully justified in rejecting her case and thereafter she completed her full length of service and superannuated on completion of 60 years of age.

16. After going through the facts and circumstances of the case as discussed above I find much force in the plea taken by the management that after superannuation of the

concerned workman on completion of 60 years of age she was not entitled for the relief as claimed and her application for getting benefit under Voluntary Retirement Scheme could not be allowed by the management in view of the lacuna as noted above. As such, there is no merit at all in the claim of the concerned workman and both the points are decided accordingly.

17. In the result, I hold that the action of the management of Godhar Colliery in not accepting the application of Smt. Sonmatia Kamin for employment of her dependent son Sh. Lakhan Nonia is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

However, there will be no order as to cost.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का.अ. 3013.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स सीसीएल के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/148/95-आईआर(सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3013.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. C. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 23-9-96.

[No. L-20012/148/95-IR (C-II)]
BRAI MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) (2A)
of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 25 of 1996

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sirka Colliery of M/s. CCL.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri Kanhaiya Singh, Secretary,
United Coal Workers' Union, Hazaribagh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 17th September, 1996

AWARD

By Order No. L-20012/148/95-IR(Coal-I) dated 6-6-1996 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section

(1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the management of Sirka Colliery, P.O. Argada, District Hazaribagh in denying the payment of wages for the period 10-6-92 to 27-4-93 to Shri Sita Ram Nepali is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The dispute has been settled out of the Tribunal. A memorandum of settlement has been filed in this Tribunal. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. I allow the prayer and pass an award in terms of the settlement. The memorandum of settlement shall form part of this award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 25/96

[Order No. L-20012/148/95-IR(Coal-I) dated 6-6-1996]

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sirka Colliery of CCL

AND

Their workmen represented by the Secy., UCWU, PO Bhurkunda, District Hazaribagh.

JOINT PETITION BY BOTH EMPLOYERS AND THE WORKMEN

In the above matter it is humbly and jointly submitted on behalf of the employer and workmen (represented by UCWU) that :—

(i) the wages for the period from 10th June, 1992 to 27th April, 1993, amounting to Rs. 30,916.32, as claimed by the sponsoring union, has already been paid to Sri Sita Ram Nepali, ex-Head Security Guard of Sirka Colliery.

(ii) and that in effect, no dispute exists between us in so far as the present reference is concerned.

In this view of the matter, the Hon'ble Tribunal may kindly give a 'No Dispute Award' in disposal of the above reference.

Sd/-

Secretary,
United Coal Workers, Union,
PO Bhurkunda,
District Hazaribagh,
(Bihar).
Sirka Colliery.
Dated the 5th day of
September, 1996.

Sd/-

CME/PROJECT OFFICER/
AGENT,
SIRKA COLLY..
For & on behalf of the
employer.

Part of the award

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का.भा. 3014.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद सं. 1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25/9/96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/89/94-आईआर(सी-1)]

ब्रजमोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3014.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure to the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. C. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 25th September, 1996.

[No. L-20012/89/94-IR(C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 169 of 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ara Colliery of C. C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated, the 18th September, 1996

AWARD

By Order No. L-20012/89/94-IR.(Coal-I) dated 25th July, 1994, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Ara Colliery of C. C. Ltd., P.O. Kaju, District Hazaribagh in terminating the services of Shri Ramesh Bhuiya w.e.f. 17th September, 1992 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 2nd August, 1994. Thereafter notices were sent to the parties to file written statement by the workmen, but none appeared on behalf of the workman to take step in this case. Despite several adjournments no written statement was filed on be-

half of the workman. Thereafter notice was sent to the concerned workman to his home address. It appears from the A.D. Card that the notice was duly served and received by the concerned workman. In spite of that neither the concerned workman appeared nor any written statement was filed by him. Therefore, it appears that the concerned workman is not interested to prosecute the present dispute.

3. In such circumstances, I render a 'No Dispute' award in the present reference case.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का.भा. 3015.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा सी. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद सं. 2, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/273/91-आईआर (सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3015.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. C. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 25th September, 1996.

[No. L-20012/273/91-IR(C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 69 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ara Colliery of M/s. C. C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen—Shri J. P. Singh, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated, the 18th September, 1996

AWARD

By Order No. L-20012(273)/91-IR.(Coal-I) dated 3rd August, 1992 the Central Government in the Ministry of

Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Ara Colliery of M/s. CCL Hazaribagh in retiring Smt. Jaso Kamin is justified? If not, to what relief Smt. Jaso Kamin is entitled?"

2. When the case was taken up on 23rd August, 1996 Shri R. S. Murthy, Advocate, appearing on behalf of the management filed a petition duly signed by the concerned workman, Smt. Jaso Kamin, stating therein that the concerned workman is not interested in pursuing the case and she has also informed the management vide her petition received by the management on 20th August, 1996.

3. I also filed from her petition that she (concerned workman) has no dispute with the management now.

4. In such circumstance, I pass a 'No Dispute' award in the present reference case.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का.प्र. 3016.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी.सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/457/92-आईआर(सी-1)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3016.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. E. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 24th September, 1996.

[No. L-20012/457/92-IR(C-J)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 3 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Nirsha Area

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY :

Dated, Dhanbad, the 16th September, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/457/92-IR. (Coal-I), dated the 23rd February, 1993.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Nirsha Area in denying Technical & Supervisory Grade 'C' w.e.f. 18th November, 1982 and Technical & Supervisory Grade 'B' w.e.f. 18th November, 1985 and designation Loading Superintendent to its workman Shri M. P. Gupta, Assistant Loading Superintendent is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. subsequently when the case was fixed for filing documents, both the parties appeared before me and filed a Memorandum of Settlement under their signature. I heard both the parties on the said Memorandum of settlement and find that the terms contained therein are fair, proper and legal one. Accordingly I accept the said Memorandum of Settlement and pass an Award in terms thereof which forms part of the Award as Annexure.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

EASTERN COALFIELDS LIMITED MUGMA AREA
Memorandum of Settlement of Industrial Dispute arrived at today (20-6-96) by and between the Management of Mugma Area, ECL and their workman namely Sri M. P. Gupta

The case in short :

Sri M. P. Gupta, Assistant Loading Superintendent raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad for redressal of the grievances to provide him grade and designation in Sales Cadre in Grade 'C' with effect from 18th November, 1982 and Grade 'B' with effect from 18th November, 1985 which ended in failure at ALC (C), Dhanbad. The ALC(C), Dhanbad submitted its failure report to the Government and the Government referred this matter to the C.G.I.T. No. 2, Dhanbad to adjudicate as to whether the management of Mugma Area of ECL in denying Sri M. P. Gupta T & S Gr. 'C' w.e.f. 18th November, 1982 and T & S Gr. 'B' w.e.f. 18th November, 1985 with designation as Loading Superintendent is justified or not. If not what relief he is entitled to.

During the pendency of Reference No. 03/93 before the Hon'ble Tribunal the workman concerned namely Sri M. Gupta approached to the management for an amicable settlement of the dispute and requested that keeping in view long years of his uninterrupted service he should be given the notional seniority with notional fixation in Technical & Supervisory Grade 'B' with effect from 1st January, 1987 without any financial benefit as full and final settlement of the said dispute.

After prolonged discussion by and between the management and Sri M. P. Gupta it has been agreed by the management and the workman Sri M. P. Gupta to settle this dispute outside the Hon'ble court and accordingly this dispute has been finally settled on the terms and conditions laid down under reference as per guide line issued by the Dy. CPM (L&IR), HQ vide his letter No. ECL/CMD/C-6D/96/Tr/1537 dated 14th May, 1996 and No. ECL/CMD/C-6D/96/Tr/Set/1876 dated 13th/14th June, 1996.

Terms and Conditions

- (1) Sri M. P. Gupta, shall be designated as Loading Inspector/Loading Superintendent in Technical & Supervisory Gr. 'B' with notional seniority and notional fixation on and from 1st January, 1987 in Technical & Supervisory Gr. 'B' without any back wages.
- (2) Both parties agreed not to raise this dispute before any court of law again in future.
- (3) Both the parties agreed to file a copy of the settlement before Hon'ble Tribunal No. 2 at Dhanbad for passing out the award accordingly in Reference No. 3 of 1993.
- (4) This agreement shall come into effect within 10 days of the signing of this agreement or passing the award by the Hon'ble Tribunal whichever is earlier.

Sd/-

M. P. Gupta),

Workman concerned

Management Representative

Sd/-

1. (P. K. SINHA)
Personnel Manager (IC)
Mugma Area

Sd/-

2. (S. N. SINGH)
Personnel Manager
Mugma Area

WITNESSES :

1. Ram Iqbal Singh, O.S. (Statistics).
2. Suresh Prasad Sr. St. Asstt., Mugma Area.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1996

का. आ. 3017.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार साउथ बालीहारी कोलियरी के प्रबंधन के संबंध में निष्पक्ष औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिक्रिया, धनवाद नं. 1 के पंचमूल को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-9-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20512/205/89-आई आर (सी-1)]

[संख्या एल-20012/210/89-आई आर (सी-1)]

[संख्या एल-20012/332/90-आई आर (सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th September, 1996

S.O. 3017.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Balihari Colliery and their workmen; which was received by the Central Government on 24-9-1996.

[No. L-20012/205/89-IR (C-I)]

[No. L-20012/210/89-IR (C-I)]

[No. L-20012/332/90-IR (C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE—'A'

| Sl. No. | Name | Designation | P. F. No. |
|---------|-------------------------|-------------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Shri Basudeo Mahto | Sinkar | DHN/2-18 |
| 2. | Shri Net Ram Mali | " | DHN/2-23 |
| 3. | Shri Om Prakash Yadav | " | DHN/2-37 |
| 4. | Shri Sitaram Yadav | " | DHN/2-38 |
| 5. | Shri Madan Paswan | " | DHN/2-9 |
| 6. | Shri Ganesh Paswan | " | DHN/2-32 |
| 7. | Shri Anik Ram | " | DHN/2-30 |
| 8. | Shri Suresh Paswan | " | DHN/2-24 |
| 9. | Shri Gopal Mahto | " | DHN/2-29 |
| 10. | Shri Bisun Yadav | " | DHN/2-28 |
| 11. | Shri Ashok Kr. Rajwar | " | DHN/2-26 |
| 12. | Shri Nand Kishore Das | " | DHN/2-36 |
| 13. | Shri Janardan Singh | " | DHN/2-11 |
| 14. | Shri Jammullah Ahmad | " | DHN/2-19 |
| 15. | Shri Prahallad Mahto | " | DHN/2-31 |
| 16. | Shri Dwarika Prasad | " | DHN/2-33 |
| 17. | Shri Shiv Saran Yadav | " | DHN/2-27 |
| 18. | Shri Sri Niwas Raju | " | DHN/2-12 |
| 19. | Shri Aku Mahto | " | DHN/2-30 |
| 20. | Shri Haradhan Mahto | " | DHN/2-40 |
| 21. | Shri Upendra Pandey | " | DHN/2-25 |
| 22. | Shri Bachchu Yadav | " | DHN/2-39 |
| 23. | Shri Ganesh Yadav | " | DHN/2-34 |
| 24. | Shri Chhatradhari Mahto | " | DHN/2-17 |
| 25. | Shri Ramesh Yadav | " | DHN/2-10 |
| 26. | Shri Ram Kishun Yadav | " | DHN/2-8 |

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of reference under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 114 of 1990

(Ministry's Order No. L-20012(205)89-IR (Coal-I) dated 8-5-90)

Employers in relation to the management of South Balihari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited

AND

Their Workmen.

SCHEDULE

"Whether Shri Basudeo Mahto and 25 others are employees of the management of South Balihari Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and whether their demand for regularisation in the services of the management is justified? If so, to what relief the workmen are entitled to?"

Reference No. 139 of 1990

(Ministry's Order No. L-20012(240)89-IR (Coal-I) dated 7-6-90).

Employers in relation to the management of South Balihari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited

AND

Their Workmen.

SCHEDULE

"Whether Shri Gopal Sharan Sharma is the employee of the Management of South Balihari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal and whether his demand for regularisation in the services of the management is justified? If so, to what relief is the concerned workman entitled to?"

Reference No. 30 of 1991

[Ministry's Order No. L-20012/332/90-I.R. (Coal-I) dated 11-4-1991].

"Whether Shri Sitaram Yadav No. II employed as General Mazdoor and later as Explosive Carrier during the period 18-4-83 to 23-5-87 by M/s. Cem India Co. Ltd. is to be treated as an employee of Putki Balihari Area of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and whether the demand that he be reinstated in the services of M/s. BCCL is justified? If so, to what relief is the workman entitled to?"

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Workmen—Shri B. N. Singh, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

(In Ref. No. 114/90).

Shri H. Nath, Advocate.

(In Ref. No. 139/90 and Ref. No. 30/91).

Dhanbad, the 12th September, 1996

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the above-mentioned disputes for adjudication to this Tribunal.

2. Hearing of all the three above-noted references have been taken together as the management is the same South Balihari Colliery under M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and demand of the workmen is the same as for regularisation of their services.

3. In Reference No. 114 of 1990 there are in all 26 workmen (as per Annexure enclosed) who have claimed regularisation of their services. Similarly in Reference No. 139 of 1990 only one workman, Gopal Sharan Sharma has demanded regularisation of service and in Reference No. 30 of 1991 Sitaram Yadav No. II has claimed regularisation of service.

4. Their case, in short, is that they were employed by the Contractor, Cem India Ltd., as Sinkers for principal employer South Balihari Colliery under M/s. B.C.C. Ltd. and they were engaged for doing sinking work which is connected with production of coal in the Colliery which is a permanent nature of job. They were also doing some job of stone cutter which are permanent in nature. It is also said that they were working under principal employer of South Balihari Colliery regularly but they were arbitrarily employed through the contractor, Cem India Ltd. which are simply camouflage and they were stopped from work in May, 1987 by way of their retrenchment. It is also said that they were regularly in employment of the said contractor from October, 1982 to May, 1987 and retrenchment was illegal and stoppage of work was also discriminatory.

5. They have claimed equal pay for equal work and they have been denied regularisation after retrenchment by the contractor. It is also said that similar nature of case in Reference No. 51 of 1978 the then Presiding Officer, Justice B. K. Ray has passed an award in favour

of the concerned workman who were working under contractor and the case of these workmen is of similar nature and they are entitled for regularisation of their service. The industrial dispute was raised by the sponsoring union for application and on failure of the same the reference have been made for adjudication by this Tribunal.

6. The case of the workmen in Reference No. 30 of 1991 and Reference No. 139 of 1990 in respect of Sitaram Yadav and Gopal Sharan Sharma respectively is similar in nature and same point has been taken in their respective written statement.

7. I find that the management had appeared and filed written statement-cum-rejoinder stating, inter-alia, that the reference were not maintainable and demand of the workmen after their retrenchment by the concerned contractor, Cem India Ltd. was without any basis and their claim for regularisation against non-existence job. It is also stated that sinking work is not regular nature of job and it is required after very long gap in the life of a coal mine. It is also stated that work of the concerned workmen was supervised by the Mining Engineer appointed by the Contractor. Cem India Ltd. and the concerned workmen were engaged for temporary nature of job of loading and unloading of stone, earth materials etc. and their section and appointment was made by the Contractor and after completion of work the contractor paid them retirement benefit and their wages were also paid by the said contractor and the management has nothing to do with the same. It is further said that the concerned workmen were recruited by the contractor company and were paid their wages, bonus, gratuity and Retirement benefits by the contractor company and they were also allotted works and duties by the officers and staff of the contractor company. Therefore if any claim is made at all of the concerned workmen is due it is against the contractor company, Cem India Ltd. and not with the present management. It is also said that the job of shaft sinking is not available in the Colliery nor it is expected to be available in the next 20 years and it is finally said that the demand of the workmen was not justified and they are not entitled for any relief.

8. By way of rejoinder to the written statement of the workmen the same has been denied specifically parwise said to be not fully correct and against the facts of the case. Statements made in para 5, 8 and 9 to 11 of the written statement are said to be incorrect.

9. I further find that a rejoinder has again filed by the workmen denying the contention of the employer-management and the statements of the management have been challenged and are said to be incorrect and the same being not tenable. It is also said that the workmen are entitled for regularisation and their services and award be passed accordingly.

10. On the basis of pleas and points taken by the concerned workmen and the management the points to be decided in these references is—(a) As to whether or not the concerned workmen are entitled for regularisation of their services by the management; and (b) What relief/reliefs are they entitled to?

11. Both points are taken together for their consideration as these are interlinked. I further find that in support of their case altogether four witnesses have been examined by the workmen, they are WW-1 Ram Kishun Yadav, WW-2 Sahadeo Gope, WW-3 K. C. Jha who was working as workman in South Balihari Colliery in Pit Nos. 5 and 7 in the year 1982 and WW-4 Amarendra Choudhary who has said that he knew all the 28 workmen who had worked between 1982 to 1987 in South Balihari Colliery in Pit Nos. 5 and 7 and doing the sinking work and their work was being supervised by the Mining Sirdar, Overman, A.C.M. and the Manager of the Colliery. They were also supplied cap lamp, helmet shoe etc. from the colliery store and similar sinking work was also going on in Putki Balihari Project in Pit Nos. 1 and 2 and Alargaria Project where sinking work was done by the employees of M/s. B.C.C. Ltd. and wages admissible to them is Grade IV to VI. He has claimed that the

concerned workmen have worked continuously during the aforesaid period and even after stoppage of their work by the Cem India Ltd. they worked for 10 to 12 months doing drifting work in the colliery by the management. In cross-examination he has said that at that time he was Electrician and doing the work in Electrical and Mechanical cadre. He has admitted that compressor is kept at 100 metres away from the pit. Competent persons are authorised by the Manager about the particular work of the workmen to be performed. He has no authorisation letter at present to show that he was supervising the work of the workmen. He was not aware of the fact that the management had awarded contract to the firm, Cem India Ltd. for doing sinking work in Pit Nos. 5 and 7. He was at present not looking after the case and he has denied that he has stated all the facts which are against the written statement filed by the workmen and this is simply an attempt to fill up the lacuna in the written statement. WW-1 is one of the workman who has stated that prior to engagement they have gone under training given by the management of M/s. BCCL and on completion of contract they were given shaft sinking job in Pit Nos. 5 and 7 of South Balihari Colliery. He has proved Office Order of sinking work in Alargaria side Ext. W-1 and a settlement arrived at between the management and R.C.M.S. for regularisation of the workmen Ext. W-2 and authorisation letter issued by the management Ext. W-3 series and certificates showing that the workmen had gone under training Ext. W-4 series. He has further proved letter issued by the contractor marked Ext. W-5 series, letter of authorisation Ext. W-6. Photo copy of Identity Card is Ext. W-7 and two letters showing Category-I wages paid to them Exts. W-8 and W-8/1 and the letter demanding regularisation Ext. W-9. Circular of M/s. BCCL issued in the year 1987 has been marked Ext. W-10 and authorisation letter of the management is Ext. W-11 and other training certificate marked Ext. W-12. In cross-examination he has admitted that vide Ext. W-5 and W-5/1 it was clear that they were appointed by the Cem India Ltd. He did not know that as per agreement the management used to pay to the contractor for the job executed by them but they were paid Category-I wages by the Cem India Ltd., contractor. He has also said that after closing of sinking job they were engaged by the management of M/s. BCCL for drifrage of incline shaft but no appointment letter was given. He has denied that they were workers of contractor and their claim for regularisation was not justified. He has also denied that the work of workmen was supervised by the staff of the contractor company.

12. Statements of WW-2 and WW-3 is on the same line and they have tried to support their case of the workmen. However, in cross-examination WW-2 has admitted that M/s. BCCL had given contract the sinking work to Cem India Ltd. and has also admitted that the workmen Basdeo Mahato and 26 other concerned workmen were employed by the Cem India Ltd. who used to pay them. He has further admitted that after the work was over the aforesaid workmen were paid their dues by the Cem India Ltd. He has further admitted that explosive required for the sinking work was received by the Cem India Ltd. from the Magazine of M/s. BCCL but what price has been paid for the same he did not know. He has further admitted that S/Shri Chatterjee, Tiwari and Sarkar, Mining Engineers employed by Cem India Ltd. used to supervise the work of the sinkers and the concerned workmen were allowed leave by the Cem India Ltd. and the contractor company used to take disciplinary action against them. He has also admitted that officials of the management of M/s. BCCL used to see that the work was being done correctly. Similarly WW-3 has admitted that all type of payment to the concerned workmen was made by the Cem India Ltd. and retrenchment compensation and notice pay was paid by the Cem India Company. He has further admitted that M/s. B.C.C.L. used to deduct the cost of explosive supplied for sinking job from the bill of the Cem India Company and the concerned workmen were under the same Contractor and was under his control and the management of M/s. BCCL simply supervises their work. Engineers of Cem India Co. also attended the job and supervise function and maintenance of machineries. He has further said that the concerned workmen were selected by Cem India Ltd.

13. Similarly I find that two witnesses were examined by the management as MW-1 Sudarshan Mandal who is Dy. Chief Survey Officer of Putki-Balihari Colliery and MW-2 Ramavatar Verma who was Superintendent of Mines of Putki Balihari Project. They have categorically stated

that sinking work at South-Balihari Colliery in Pit Nos. 5 and 7 was done by the Contractor, Cem India Company who had employed his Mining Engineer and supervising staff and entire contract work was done by the contractor, Cem India Company. He used to visit the site of work to see that the work was being done as per specification. He has further stated that the work of the concerned workmen was never supervised by any official of the management rather it was supervised by the official of the contractor's firm. He could not say that the concerned workmen were provided training by the management. Evidence of MW-2 is on the same line and in cross-examination he has admitted that during the sinking work was also being done in Alargaria Colliery departmentally and the sinkers were put in Category-I to VI in that colliery. He has further stated that the Manager of Cem India Ltd. used to issue authorisation to the workmen doing the sinking work and explosive was issued to the Contractor company from the Magazine of management on requisition given by them. He has also denied that the workmen was paid Category-I wages in violation of the rules. No other witnesses were examined in this case.

14. Some documents have been filed on behalf of the workmen which have been noted earlier. Exts. W-11 and W-12 photo copy of appointment of competent persons (authorisation and training certificate of the workmen concerned Sitaram Yadav).

15. Some documents have been filed by the management and Ext. M-1 series are letters relating to Reference No. 139 of 1990 and Reference No. 39 of 1991 whereas Ext. M-2 to M-16 are documents relating to Reference No. 114 of 1990 whereas Ext. M-2 is photo copy of contract and Exts. M-3 to M-14 are photo copy of different letters issued on different dates by the management. Ext. M-15 is pay-sheets and Ext. M-16 attendance sheets whereas Exts. M-17 to M-22 are documents relating to Reference No. 139 of 1990 and Reference No. 30 of 1991 which are photo copy of Office Order, notice, photo copy of agreement and letters. From these documents it has been tried to show by the management that the concerned workmen were temporary workers of contractor, Cem India Company and they were selected and employed by the said contractor company for doing sinking work and they were paid wages by the said company and they were under control of the company and all benefits, gratuity, bonus, retrenchment compensation etc. were also paid by the concerned contractor company and the management has nothing to do with their employment and they were purely contractor's workers. On the other hand, the concerned workmen and the sponsoring union have tried to show that some other workmen doing similar job in Putki-Balihari colliery were regularised in service from piece-rated to time-rated working vide Ext. W-1 and the present workmen were doing the same job but they were discriminated. Similarly Ext. W-2 was copy of Memorandum reached between the management the representative of R.C.M.S. and authorisation letter was also issued to the workmen and they were also given training from Bhagaband Training Centre under M/s. B.C.C. Ltd. for doing sinking work vide Ext. W-4 series. But the management has clearly stated that the appointment letters filed by the workmen Exts. W-5 and W-5/1 show that these appointment letters were issued by Senior Engineer of Cem India Company which was contractor company and not by the present management. It is also stated on behalf of the sponsoring union that other Exts. W-6 to W-12 go to support their case that they were working under the management and authorisation letter and Identity Cards were issued to them by the management and they are entitled for regularisation of service and equal pay for equal work done by them.

16. It has also been argued on behalf of the sponsoring union that the concerned workmen were actually employees of the management and their engagement through contractor Cem India Company was simply a paper work and their attendances were marked on Form 'C' of the management which they were asked to produce before the Tribunal but the management did not produce the same. Similarly cap lamp and helmet were supplied to the workmen by the management and for that Cap Lamp Register was also called for but the management did not produce the same and adverse inference should be drawn against the same. Similarly it is submitted that as per evidence of MW-2 in adjacent Alargaria Colliery shaft sinking work was being done by regular employees of the management. Thus there was no question as to how in South Balihari Colliery in Pit Nos. 5 and 7 ought to have

been done by the contract labour and the same should be said to be in temporary in nature. It is pointed out that it was never temporary in nature and it was permanent nature of job for which permanent employees were engaged by the management and from Ext. W-1 also it is clear that the employees of P.R. were regularised doing same shaft sinking work. As such it is submitted that the claim of the concerned workmen for their regularisation is quite justified.

17. It is further submitted that the Hon'ble Supreme Court has held as reported in 1978 Lab. I.C. 1264 (Hussainbhai Vs. The Alath Factory Izzamali Union and others) that if a worker produces goods or services which is used in the business of another, the other is in fact the employer and it controls the workers their subsistence, and continued employment and if for some reason intermediary contractor was engaged this can not exonerate of the consequence. As such intermediary contractor was simply paper arrangement and the real employer is the management and not immediate contractor. Here also it is submitted in the instant case that the contractor company was simply an intermediary contractor but the real employer was the management of M/s. B.C.C. Ltd. as the goods and services produced by the concerned workmen were directly utilised in the coal production of the colliery of the management. My attention has also been drawn to the authority as reported in 1987 Lab. I.C. 619 SC where it has been held by their Lordships that if in an industry or business the nature of work is perennial and the workmen were working in the said work for whole time in sufficient number then the real employer is not intermediary contractor rather the real employer is one who carries the business. In the instant case also it is submitted that the real employer was the management of M/s. B.C.C. Ltd. and not M/s. Cem India Company, intermediary contractor as the nature of work was perennial and continuous for which regular employees were engaged in nearby Alargaria colliery for doing the same work. It is further submitted that in the similar nature of case in Reference No. 51/78 and Reference No. 58/81 award was passed by this very Tribunal allowing the demand of the workmen for regularisation of their service and the present case is on the same footing and the concerned workmen are entitled for their regularisation in service in view of the fact that they were actually workers of the present management doing perennial nature of job for continuous period of five years and even after closure of work by Cem India Company in May, 1987 they were engaged for about ten months or a year by the management for excavation and other works in the colliery and in view of the matter also their claim for regularisation of service was quite justified and award should be passed accordingly. But there is no account to substantiate that they worked with the management of the stoppage of work by the employer's company.

18. On the other hand, it has been submitted on behalf of the management that as per the case of the concerned workmen, they were retrenched from their work by the Cem India Company in the year 1988 and they were working from 1982. But it is clear that a dispute had been raised in the year 1990-91 which is clear from the present three references and this delay has not been explained and their claim is not maintainable in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court as reported in the case of Shah Wallace and Company Ltd. Vs. State of Tamil Nadu 1988(1) LLJ. 177 and R. Ganeshan Vs. Union of India 1993 Lab. I.C. 802.

19. It is further submitted that it has come in the evidence of both the witnesses examined by the management and the workmen that the contractor was awarded for working at South Bahihari Colliery in Pit Nos. 5 and 7 and contractor company, Cem India Ltd. had engaged experienced Engineers, supervisory staff and other contract workers and only supervising part was being done by the management to see that the work was done as per specification. It has also come to the evidence that implements were supplied by the Cem India Company and even explosives taken from the management for which cost was deducted from the bill of the contractor company. It has also come in the evidence of WW 1 that on completion of contractual job the Cem India Company stopped their work after paying retrenchment compensation and from this fact it is clear that the contractual work was being done by the Cem India Ltd. and the contract was granted by the management which is clear from Ext. M-2. It is further submitted that the retrenchment compensation

given by the contractor company was accepted by the concerned workmen and thereafter the concerned workmen have got no case at all for their regularisation of service with the management and also there was no relationship of master and servant between the management and the concerned workmen. In support of this contention my attention has been drawn to the case of the management of Tractors and Farm Equipments Ltd. Vs. Labour Court reported in 1983 Lab. I.C. 46 where it was held that the employees of contractor being the workmen there was no relationship of master and servant between the management and the concerned workmen. It is further submitted that even supply of safety implements by the management could not make the concerned workmen employees of the management in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case of Silver Jubilee Tailoring House Vs. Chief Inspector reported in 1974 Lab. I.C. 133 (SC). It is also submitted that the work of the concerned workmen for 240/190 days in a calendar year can not make their claim genuine for regularisation of service as reported in Delhi Development Horticulture Employees Union Vs. Delhi Administration, 1992 Lab. I.C. 854. It is also said that the management being public sector undertaking has to follow certain rules of Central Government for filling up posts through the Employment Exchange and for giving the reservation for Scheduled Caste and Scheduled Tribe and in the case of New Delhi Mazdoor Union Vs. Scope 1992 Lab. I.C. 854, the Delhi High Court has held that appointment of such contractor's workers will amount to enter into service of principal employer by the back door in contravention of Service Rules and breach of provisions of employment to Scheduled Caste, Scheduled Tribe candidates and even at the cost of stealing a march over others. It is also said that in case of Dinesh S. Pranna Vs. State of Gujarat, 1992(II) LLJ. 841 it has been held that giving job to such persons like the concerned workmen will be against the provisions of Articles 14, 16 and 19 of the Constitution. It has also been held by the Hon'ble Supreme Court in Dinanath Vs. National Fertilizer Ltd. 1992 Lab. I.C. 75 where the principle has been laid down by their Lordships that the contract labour employee does not become the direct employees of the principal employer and that the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act does not give any claim of such workers to claim regularisation from the employer. It is submitted that in the instant case the contract was given to Cem India Company for highly mechanised nature of work done by them and for that they employed casual workers and such temporary job was performed by the intermediary contractor and contract workers. It could not be established that the contract agreement Ext. M-2 was not a genuine document and that nature of job was not temporary and after completion of work the concerned contractor gave retrenchment compensation to the concerned workmen which they accepted and in no way it can be said that the aforesaid contract agreement was a camouflage and simply a paper work. It is also submitted that if a demand was to be made by the concerned workmen it ought to have been made against the contractor, Cem India Ltd. and not against the management of M/s. B.C.C. Ltd. as the concerned workmen were in no case employees of the present management.

20. It is further submitted that it has come in the evidence of WW-2 that S/Sri Chatterjee, Tiwari and Sarkar, Mining Engineers were employed by Cem India Ltd. and they were supervising the job of the concerned workmen. He has further admitted that leave was sanctioned to the concerned workmen by the contractor company and disciplinary action was also taken by the contractor company. It is further submitted that the contractor Cem India Ltd. was specified contractor for carrying shaft sinking job and the concerned company terminated the services of the concerned workmen after completion of work and paid them retrenchment compensation and notice pay and all other dues as admitted by WWs and conditions of agreement was well in the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 and no contravention has been shown by the sponsoring Union of any clause of the agreement violating the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 and therefore the said contract was legal and valid. It is further submitted that after coming into force of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 it has been held by the Hon'ble Supreme Court reported in AIR 1985 SC. 409 in the case of BHEL Workers Association Vs. Union of India, that Labour Courts and Tribunals cannot pass any award prohibiting engagement of contractor in any process or directing the

management to regularise the contract workers on its roll. It is the Central Government or State Government which can issue notification under Section 10 of the Act and then only the Labour Court and Tribunal may consider their claim for absorption. It has also been held by the Hon'ble Supreme Court in the aforesaid authority of the year 1985 that it is the appropriate Government which can abolish contract system in any process carried on in any industry. It is also pointed out by the management that there is no prohibition of engagement of contract labour on the job of shaft sinking by issuing any notification under Section 10 of the I.D. Act the question of regularisation of service of the concerned workmen did not arise at all. I find much force in this plea taken by the management.

21. So far award given by this Tribunal in Reference No. 51 of 1978 and Reference No. 58 of 1981 is concerned (photo copy of which has been filed on behalf of the workmen) I find that in Reference No. 58 of 1981 award for regularisation of service of the concerned workmen was given in view of the fact that the concerned workmen were stopped from work on their termination of job without giving retrenchment compensation as provided under the Act, and Reference No. 51 of 1978 award was passed in favour of the workmen on the plea that the concerned workmen were departmental workers at the time when they were sent to Chasnala colliery and on their return from Chasnala when they wanted to resume original duty at Kusunda colliery they were not allowed to do the work and it was held that the concerned workman was departmental workmen and award was passed accordingly. However, in the instant case it is clear and even admitted by the witnesses of the workmen that the concerned workmen were employed by the Contractor, Cem India Ltd. who used to pay them wages and company's Engineers and supervisory staff used to supervise their work, leave was granted to them by the contractor company, disciplinary action was taken against them by the contractor company and even retrenchment compensation, bonus, and all other dues were cleared by the contractor company Cem India Company at the time of their retrenchment. As such after accepting the retrenchment compensation as provided under Section 25-F of the I.D. Act the concerned workmen could not claim

regularisation of their job with the management. Similarly in view of the specific evidence both oral and documentary it is clear that the concerned workmen were workers of the contractor, Cem India Company and they were doing temporary job on the contract entered by the management and contractor company vide agreement Ext. M-2 which is quite genuine and it could not be proved to be a camouflage or paper work. They were not departmental workmen. The case of the present workmen is quite different from the case of the workmen as noted in Reference No. 51 of 1978 and Reference No. 58 of 1981 and it is on quite different footing.

21. In view of the above discussion I find much force in the plea taken by the management that the concerned workmen were workers of the contractor, Cem India Company and the contract agreement was quite genuine and in accordance with law and no provision of Contract Labour (Regulation & Abolition) Act was violated in any case nor there was any notification by the competent State Government debarring use of contractor for carrying shaft sinking work. As such the Tribunal cannot pass an award in favour of the workmen as held by the Hon'ble Supreme Court in the above noted reference (AIR 1985 SC 409).

22. Accordingly, I find that the claim of the concerned workmen for regularisation of their service is not justified and they are not entitled for regularisation as claimed. Both the points are decided accordingly.

23. In the result, I hold that the demand of the concerned workmen mentioned in the schedule of Reference Nos. 114/90, 139/90 and 30/91 for their regularisation in service of the management and South Balihari Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. is not justified and the concerned workmen are not entitled to any relief/reliefs.

In the circumstances of the case there will be no order as to the cost.

Sd/-

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

